॥ श्रीमद् गोवर्द्धनधरो विजयते ॥

॥ श्रीमन्नवनीतप्रियो जयति ॥

सङ्गीतानन्दवाद्यविचार

अर्थात्

मृदंग सागर.

संगीत विद्यानुरागी सज्जनोपयोगी

श्रीमन्नाथद्वाराधीश महाराजाधिराज श्रीमान परम कृपालु आचार्य रत्न गोस्वामी श्री श्री १०८ श्री गोवर्द्धनलालजी महाराजाश्रित.

कर्ता तथा प्रकाशक

शंकरजी सुत घनश्याम पखावजी

श्रीनाथद्वारा—मेवाड.

संवत् १९६८

Printed at Subodhini P. Press Bazar gate Fort Bombay by Bhagvanlal Tribhuvan.

न्योछावर रु. ४) प्रथमावृत्ति १०००



Pakhawaji Ghanasham
NATHADWARA.

V. S. P. Bombay.

॥ श्रीमन्निकुञ्जनायको विजयते ॥

॥ अर्पण पत्रिका ॥

श्रीमदखण्डभूमंडलाचार्यचक्रचूडामणिश्रीमद्वल्लभाचार्यकुलभूषण, श्रीमद्गोस्वामितिलक महाराजाधिराज, श्रीमन्नाथद्वाराधीश, श्रीश्री १०८

श्रीगोवर्द्धनलालजी महाराज-- मु. श्रीनाथद्वारा-मेवाड.

आप श्रीमानकी मेरे प्रतिकी कृपा तथा
प्रेमकी पूर्ण दृष्टि, और संगीतविद्याका
अनुराग, तथा उसके उत्तेजनका पूर्ण
उत्साह, और इस पुस्तकके प्रकाश
करनेमें, सहर्ष प्रदान की हुई उदार
सहायता प्रभृति अनेकानेक
सद्गुणोंका स्मरण कर, यह
लघु पुस्तक, आप श्रीमानके
ही करकमलोंमें सवि-
नय, साष्टांग प्रणाम
पूर्वक, निवेदन
क र ने में,
आ न न्द
मानता
हुं.

चरणानुचर आज्ञाधीन
सेवक,
शंकरजी सुत घनश्याम पखावजी.

॥ जीवनी ॥

॥ श्रीकृष्णायनमः श्रीमद्गोपीजन वल्लभायनमः राज्य उदेपूर देश मेवाड मुकाम श्रीनाथद्वारा श्रीमदखंड भूमन्डलाचार्य वर्य चक्र चूडामणि श्रीमद्वल्लभाचार्य कुल भूषण श्रीगद्दो-स्वामी तिलक माहाराजा धिराज श्रीमन्नाथदुवारा धीस श्री श्री १०८ श्री बडे गिरधारीजी माहाराजने कृपाकर मेरे प्रपिताजी श्रीपूज्य श्रीवल्लभदासेजीकों सप्रेम सुभ संवत १८९९ में श्रीनाथद्वारा बुलाकर श्रीगोवर्धनधरण प्रभूकें शानिध्य पखावज बजाने की सेवाकी आज्ञा दी की जिस्को अपना माहा भाग्यमानकर सेवा करने लगें—

आदि रहना हमारा [आमेर] जयपूर राजपुताना ढुँढार देशमें जोकि एक बडा भारी राजधानी का शहर हैं जहाँ के प्राचीन राजा माहाराजा श्री श्री १०८ श्रीसवाइ जयसिंहजी बडे प्रतापी सूरवीर और धर्मात्मा हुवे हैं के जिन्होने संवत् १७५६ साके १६२० मे अपने नाम सें जयपुर सहर बसाया जिस्का इतिहास राजस्थान [टाटसाब] का देखों दिल्लीपति बादसाह ओरङ्गजेबकों जीतना विगेरह सब बाते प्रसिद्ध हें ओर अबभी वेसेही युक्त स्थानके अधीश्वर हैं कि जयपुर नगर की शोभा प्राचीन समयसे भी बागबगीचा जलासय ओर अनेक पदार्थो से बढा रहे हें हमारे पुर्वज भी इस नगरमे पहले निवास करते थे ओर उन्होने अपनी साङ्गीत विद्यासे श्रीमान्य श्रीजयपुर नरेशो को प्रसन्नकर उन्होसे कितनेही आम इनामें प्राप्त की थी कि आजभी हमारे कितनेक भाइबन्धु वहाँपर निवास कर ओर प्राप्त किये हुए गाम विगेरह आ जीविका उप भोग कर रहे हें संवत् १७९१ साके १६५६ में हमारे प्रपिता मह श्री ५ श्री रूपरामजी पखावजी—जयपुरसे [जोधपुर नरेश श्रीमान्य माहाराजा धिराज श्री १०८ श्री अभयसिंहजी की प्रेरणसें] जोधपुर आए श्रीमान्य जोधपुर नरेश को साङ्गीत विद्या का पूर्ण प्रेम ओर औदार्यता भी उस्के साथ अपना पूर्ण जोस देती थी—ओर वीरताभी जग प्रसिद्ध हैं कि गुजरात देशको अपनें आधीन कर इन्द्रके तुल्य राजधानी का सुख सम्भोग करते थें साङ्गीत विद्याके जानने वाले गुणीजन गवैया पखावजी बीनकार सरोदिया तथा कत्थक नायका विगेरह से अपूर्व आनन्द प्राप्तकर अभय दुदांइ फिराते थे तो वहापर पखावजी

श्रीरूपरामजी मेरे वृद्ध प्रपिताजी की वाद्य विद्याका परिचय देनेको आज्ञा दीगइ उस आज्ञाका स्वीकार कर वाद्य विद्याका प्रकास किया जिस्से श्रीमान विसेस प्रसन्न हुए ओर प्रशन्नता के निदर्सनार्थ अच्छा इनाम दिया ओर अपने पास रखलियें रूपरामजी को ताण्डव नृत्य की परणें जोकि श्रीराधा कृष्णने तथा श्रीमाहा देवजी पार्वतीजीने डिमरु पर अपने २ नृत्य के समय मुखारविन्द से बोलते हुए घूँघरू द्वारा चर्ण कमलोंसे (नृत्य) कियाथीं परणें सब तालोंकी मुहसे बोल पखावज मे बजाते थें उनमें की कितनीक परणें इस पुस्तक मे प्रकास की हें इस प्रकार रूपरामजी जोधपूरमें आनन्द पूर्वक निवास करते रहें. कि सम्वत् १८२६ में मेरे प्रपिताजी श्री ५ श्रीवल्लभदासजी का जन्म हुआ, वेसे तो वल्लभदासजी बाल्य कालसे ही आपने अपने पितृ चरण के द्वारा अपनी विद्यामे अच्छी उन्नती कीथी लेकिन जब करीब उम्मर २१ सालकी हुइ तब अपने पिताजी की उम्मर वृद्ध होगइ थी इसलिये राजसभामें भी विशेस कर आपही जाते थे ओर वहाँ अपने अनेक प्रकार गुण दिखाते उस राजसभामें पखावजी पहाडसिंहजी भी रहते थे उन्होंने इनको चतुर ओर योग्य समझकर अपने दिलमें समझते थे की भविष्य में यह अच्छी उन्नती प्राप्त करेगा वाद्य विद्यामें—पहाडसिंहजी देहली का बाज बोहोत अच्छा बजाते थें तो वल्लभदासजी कुछ तो पहाडसिंहजी की सेवाकरके कुछ निगाहसे ओर कुछ उनके लडके जुहारसिंह कों अपना दोस्त बनाकर ताले—या—परणें हांसिल किया इतना लिखने का कारण यह हें कि पहाडसिंहजी के बोहोत से शागिर्द थें परंतु वो सचे दिलसें किसी शागिर्द को नही बतातें थें. सिवाय अपने लडके के सत्य हें गुणी लोग कहते भी है (कि बतावितां अपने लडके को नही तो हृदय में ही रखना योग्य समझते) क्योंकि कालके प्रभावसें गुण चोर गुरु की निन्दा करनेवाले शिष्य बहुत उपास्थित होतें हैं ओर येही भारतीय प्राचीन विद्याओंका लोप होनेका मूल कारण हें. परन्तु मेरे प्रपिताजीने तो उनको ही मुख्य माना [उस्ताद ही के तुल्य कर माना] ओर अपने पुत्र श्री शंकरलालजी के जो मेरे परम पुज्य श्री पिताजीथें उन्होको भी कहाकर तेथे कि मेनें अपने परम्परा की विद्या के सिवाय जो कुछ भी थोडी बोहोत वाद्य विद्या प्राप्त की सो उन्ही का सुभासीस हें ओर श्री पिताजीने मेरे उपर कृपा कर सब हाल विदित मुझकों किया जिस्से मैंने भी इस

उस उपर लिखे सुभ सम्वत् १८५९ में पखावजी श्री ५ वल्लभदासजी को जोधपुरसें [माहाराज श्रीमद्गोस्वामी श्री १०८ श्री बडे गिरधारीजी माहाराजने] सप्रेम श्रीनाथद्वारा बुलाकर श्रीमद्गोवर्द्धन धरण प्रभू सान्निध्य पखावज बजाने की आज्ञा दी के जिस्को अपना माहा भाग्य मान सेवा करने लगे कुछ अर्से बाद वल्लभदासजी ने जोधपुर पहाडसिंहजी को पत्र लिखा कि आपने सब उम्र राजस्थान मे रहकर पूरीकी ओर अनेक राजा महाराजाओ को अपनी वाद्य विद्या का परिचय देकर प्रसन्न किये परन्तु कभी श्रीगोवर्धन धरण प्रभूकी मोहनी मूरत के दरसण कर इनके चर्ण कवल में आपकी पखावज (मृदंग) वादन सेवा निवेदन कर इस भवसागर से उद्योत होनेका उपाय नही किया होगा ओर येही करना इस विद्याका मुख्य उद्देस हैं इस पत्रके प्राप्त होते ही पहाडसिंहजी श्रीनाथदुवारे आए उसवक्त श्रीनाथ द्वारामें पूर्ण प्रतापी श्री माहाराजाधिराज श्री १०८ श्री दाउजी माहाराज बिराजते थें संम्वत् १८७७ में पखावजी पहाडसिंहजी को श्रीकी पखावज की सेवा भलायकर विदेस यात्राके वहानेसे वल्लभदासजी बडोदाकी तरफ चले गए ऊसवक्त बडोदामें श्रीमान गायकवाड सरकार श्री १०८ श्री सीयाजीराव काराज्यथा कि जिन्होको साङ्गित विद्याका विशेष प्रेम था ओर उन्ही श्री मान बडोदानरेस के पासमें जयपूर निवासी विष्णु दासजी देवादासजी कामदार थें के जिन्होंने वल्लभदासजीको बोहोत आग्रह के साथ उनके योग्य* उत्तम प्रकार की वेतन विवस्था कर वहाही रखलिये, थोडे समय बाद वल्लभदासजीने श्रीनाथद्वारे आनेकी इच्छा की परन्तु श्रीमान गायकवाड सरकार ने उनको रजा नही दी, जब श्रीनाथद्वार से श्रीमान गायकवाड सरकारके पास पत्र महुचा तब श्रीवल्लभदासजी को वहासे श्रीनाथद्वारा आनेको उत्तम बस्त्र आभुषण विदागिरी के साथ रजादीगई—संवत १८८१ मे वल्लभदासजी श्रीनाथद्वारा आयकर फिर श्रीनाथजी की पखावजकी सेवा करने लगे ओर पहाडसिंहजी जोधपूर रवाना हुयें—

श्री वल्लभदासजीके तीन पुत्र हुए जेष्ठ पुत्र श्री ५ श्री चतर्भुजजी उनसे छोटे मेरे परम पुज्य तीर्थस्वरूप पिताजी श्री ५ संकरलालजी के जिन्होका जन्म सुभ सम्बत् १८८६ के असाढ कृष्ण ८का हुआ ओर उनसे छोटे सर्वोपमा योग्य काकाजी श्री ५

---

* तीन रुपैये बाबासाइ रोजीना करदीयें

खेमलालजीका जन्म सम्वत् १८८९ मे हुआ, श्री चत्तर्भुजजी उदेपुर मे निवास करते रहें. ओर परम पुज्य पिताजी श्री ५ श्री संकरलालजी जबसे हुसियार हुऐ तबसेही श्रीनाथजी की पखावज बजानेकी सेवा करने लगे, ओर काकाजी श्री खेमलालजी बडे भ्राता श्री संकरलालजी के पास रह कर साङ्गीतवाद्य विद्याकी उन्नती के लिये प्राचीन ग्रन्थोको देखना ओर मात्रा भेद गिणतकार तथा बडी बडी तालोंका संग्रह करनार इत्यादि कार्यमे प्रवर्त रहने लगे. अब सम्वत् १९०६ में श्री वल्लभदासजी हरिचर्णार्विन्द मे प्राप्त हुए, ओर पिताजी श्री संकरलाजजी श्री गोवर्धन धरण प्रभुकी पखावज बजानेकी सेवा करणे लगें, सम्वत् १९११ मे श्री मद्गोस्वामी श्री १०८ श्री ब्रजनाथजी माहाराज जामनगर निवासी श्री नाथद्वारा श्रीनाथजी के दरसणार्थे पधरे ओर साङ्गीत विद्यापर बडीहीं आसक्तीथी इसी कारण उनके साथमें गुणवान पुरुष थें श्रीद्वारकानाथलालजी माहाराज तथा आदित्रामजी पखावजी जोकि साङ्गीत विद्या को जाने वालें थें तो यह पुरुष श्रीनाथजी के दरशण कर सब आप अपने २ गुणको श्री सेवायें निवेदन करने लगे उस समय मेरे पिताजी श्रीसंकरलालजी ने भी नित्य प्रतिकी नियमित वाद्यविद्या की सेवा श्रीके सान्निध्यमें निवेदन की, कि उसको सुनकर सब प्रसन्न हुए ओर विशेप पशन्साकी, मेरे काकाजी श्री खेमलालजी ने भी बडी २ तालोका तथा मात्रा भेदके विषयमे कुछ चरचा चलाइ के जिस्को सुनकर श्रीमान श्रीवृजनाथजी माहाराज ने आज्ञादीनीके कलराजभोग आरती भये पीछे श्रीद्वारकानाथजीके मन्दिरमे सब गुणीजन आओं के जिस्से यहां पर कछु समय निवृतीपूर्वक इसविषयमें चरचा होसकेगी, आप श्रीकी आज्ञानुसार दुसरेदिन राजभोग आरतीके पिछे श्री द्वारकानाथजी के मन्दिरमें सब उपस्थित हुवे इस सभामें श्रीमद्गोस्वामी श्री १०८ श्री ब्रजनाथजी माहाराज तथा श्री मद्गोस्वामी श्री १०८ श्री गोकुल उत्सवजी माहाराज तथा श्री द्वारकानाथलालजी भट्टजी माहाराज बाल मुकन्दजी तथा श्रीनाथजीके बडे किरतनींया दोलत रामजी. बीन कार घनस्यामजी तथा गवइया रामदासजी साधु दतीया झांसी निवासी गवइया बिहारी दासजी कोटाके तथा राजेसुरजी दक्षणी पण्डित (गवइया) रणछोडजी पखावजी श्री नवनीत प्रियाजीके तथा किरतनीया सुंदरदासजी, गिरधरजी सिवलालजी बालकृष्णजी प्रभृती कीरतनीया तथा अन्य

अन्य भी बोहोत से गुणीजन ओर श्रोता सज्जनथें उसी सभामे मेरे पिताजी श्री संकरलालजी तथा काकाजी श्री खेमलालजी के ओर जामनगर निवासी पखावजी आदित्तराम. जीके मात्राओंके भेद तथा तालों के विसयमें बोहोत समयतक सम्वाद होता रहा, चार बजे के सुमार में श्री के उत्थापनका समय होनेपर श्रीमद्गोस्वामी श्री व्रजनाथजी माहाराज मेरे पिताजी पर तथा काका श्री पर बोहोत प्रसन्न हुये, ओर

आप श्रीमान गादीपर से खडे होकर अपने श्री हस्त सो इन दोनो की पीठ ठोक कर धन्यवाद देते हुए सुभ आसीर्वाद दिया कि तुमने जो यह साङ्गित वाद्यविद्यामें परिश्रम किया वो तुमारा सुफल हो ओर तुह्मारे वंशपरम्परा श्री की सेवा करते रहें तथा श्रीद्वारकानाथ लालाजी माहाराज प्रभृती गुणी जनोंने के जो सभामे उपस्थित थे बोहोत प्रशन्न होकर प्रशन्सा करते रहे. ओर आदितरामजी पखावजी ने भी श्री माहाराज सो विनय किया कि शङ्करलालजी ने तथा खेमजी ने जो यह मात्रभेद ओर तालोंके विसय में जो कुछ कहाहे वो बोहोत ही अच्छी तरहमें वाद्य सास्त्रनुसार कहाँ हें

अब उन्ही माहात्मा ओंके [श्रीव्रजनाथजी माहाराज] सुभ आसीर्वादसें पिताजी श्री शङ्करलालजी ने श्रीमान जोधपूर नरेश श्री तख्तसिंहजी तथा श्रीमान जसवंत सिंहजी से भी उत्तम इनामे प्राप्त की के जिस वखत जोधपूर में गान विद्यामे कुसल गवइया गुलाम रसूलजी ओर भी उपस्थित थे, ओर श्रीमान् उदेपूर नरेस्य हिन्दवा सुरज जी साहाव श्री १०८ श्री सद्रुपसिंहजी तथा माहाराणाजी साहाव श्री १०८ श्री शंभुसिंहजी से भी कइवीरीया इनामें प्राप्त की सम्वत् १९३३ में श्रीमान डूँगरपूर रावलजी साहाव श्री ९ श्री उदयसिंहजी श्रीनाथद्वारा श्रीनाथजीके दर सणार्थ पधारे के जिसवक्त मेरे पीताजी श्री सङ्करलालजी श्रीनाथजी के आगे पखावज बजारहे थे उस समय श्रीमान रावलजी साहाब पखावज सुनकर बोहोत प्रशन्न हुए तो पीताश्री को अपने डेरेपर बुलाए ओर षहापर इनको पोशाक तथा कडे जोडी सुवर्णकी नार मुखी और कुछ नकद रूपे इनाम मे दीया, ओर बोहोत प्रशंसा कर कहा के इसी पोसाक तथा कडे पहरकर आजके दिन श्रीनाथजीके सन्निधान पखावजकी सेवा करो, मेरे पिताजीने श्री मान की आज्ञा नुसार किया के श्रीके सन्मुख भोगके समय पोसाक कडे पहन कर पखावज बजाइ के जिस्को देखने वाले बोहोतसे आदमी अभीतक हयात हें.

उसवक्त मैं भी सात आठ बरसका था. मेरा जन्म सम्वत् १९२६ के जैष्ट कृष्ण ८ काहे तो यह पोशाक कडे पहने हुवे श्री नाथजी की सेवा पिताजीको करते हुवे मैंने भी अच्छी तरह से देखे हैं ओर एसेही एक समय झालरा पाटण नरेश श्री ५ पृथ्वीसिंहजी श्रीनाथद्वारा आए तो उन्हो से भी कडे मोती पोशाक विगरेह इनाममे प्राप्त हुवें—ओर मेरे काकाजी श्री ५ खेमलालजी ने मृदङ्गसागर का पुस्तक रचना प्रारम्भ किया के जिसमे बडी बडी तालेके चक्र मात्रा भेद सहित संग्रह करते कितनाकतो प्राचीन ग्रंथो से कितनाक नयाबना कर उनके बडे पुत्र श्यामलालजी से लिखवाते रहें, मेरे काकाजी श्री खेमलालजीके दो पुत्र थें जिनमें जेष्ट श्यामलालजी ओर कनिष्ट रघुनाथ के जिनमे से इसवक्त एक भी हयात नही हें सिर्फ श्यामलालजी के एक लडका विठ्ठल नाम का हयात हें, संवत् १९३३ मेही एक समय मेरे पिताजी श्री ५ सङ्करलालजी फेर उदेपुर गए ओर वहाँपर गोवर्धन विलासमें श्रीमान् माहाराणाजी साहब श्री मेवाड हिन्दुपती श्री १०८ श्री सज्जन सिंहजी के समक्ष गाना बजाना हुवाके उस समय गान विद्यामे कुसल गवइया सम्भू खाँजी त्था आवा दानजी काले खाँजी के साथ मेरे पिताश्रीने अपनी पखावज की वादन क्रिया प्रकाश की के जिस्से श्रीमान बोहोत ही प्रसन्न हुए ओर उत्तम इनाम प्रदान किया, ओर दारोगाजी रतनलालजी महमानीजी से फरमाया की सङ्करजी पखावजी को कृष्णगढ बरात भेले चलों तब दारोगाजीने हुकम सुनाया की तुमको कृष्णगढ चलना होगा. ओर तुह्मारे लिये सब प्रकारका उत्तम-बंदोबस्त करादीया जावेगा—मेरे पिताश्रीने इस आज्ञाके उत्तरमें विनन्ती करी के मे श्रीनाथ द्वारा जाकर श्री माहाराज साहब की आज्ञा लेकर अवश्य उपस्थित होउगा, श्री मान-माहाराणाजी साहब कृष्णगढ अपने विवाहके सुभकार्य के लिये पधारते थें इस लिये सांगीत विद्या के जाननेवालो का आग्रह था, ओर पिताश्री को भी एसे सुभ कार्य मे जाने का पूर्ण उत्साह था. के जिस्से वे एकदम उदेपूर से नाथद्वारा आने कों रवाना हुए के जिसवक्त मै भी छोटी उमर का उनके साथ घोडेपर बेटा. हुवा चला आ रहाथा रास्तेमे श्रीइकलिंगजी माहादेवजी के स्थान पर आए ओर शम्भूके दरसण कर बहापर विश्राम किया ओर कुछ विजया देवीका आदर किया—वहासे पुनः प्रयाण किया आगे चलते मार्ग मे वायुके वेगके साथ वर्षा सरु हुइ के जिस निमत्त से

वहासेही मेरे पिता श्रीकी प्रकृती कुछ अस्वस्थहोगइ ओर कुछ चित्त भ्रम भी हुवा भगवद इच्छा बलवान हें की कृष्णगढकी अभिलासा उनके हृदय मे ही रही, ओर यह कष्ट प्राप्त हुआ. मालुम हुवाकी श्री नाथजी की इच्छा उनको सेवा छोडाकर कृष्णगढ जाने देनेकी नहीं थी, एसे समयमे ही एकदम मेरे काकाजी श्री खेमलालजीको जिनका मेरे पिताजीको पूर्ण विश्वास था उनको मिसमज्वरने ग्रसित कर लिये ओर थोडे ही दिन मे उसी निमित्तसे वे संवत् १९३४ मे श्रीप्रभुचर्णार्विन्द मे प्राप्त हुवे, ओर उनको जेष्ट पुत्र शामलालजीके जो मृदंगसागरका पुस्तक लिखते थें वे अपने पिता श्री खिमजी की उत्तर क्रिया पूर्ण कर आप भी अपने पिताश्री के पूर्ण प्रेमका परिचय देते हुवे उनके पीछे ही उनकी सेवाके लिये इस लोकको त्याग कर स्वर्ग मे उपस्थित हुवे—उस समय मेरे पिताश्री संकरलालजीका दुःख अवर्णनीय था क्योंकि एकतो उनकी स्वयम् चित्तभ्रम दिशा दुसरा विद्वान भ्राताके उस समय मृत्युका शोक, ओर भी हुआ भतीजेकी दुरघट घटना, एसे समयका दुःखानुभव उन्हींको होता हे के जिनको एसे समयका कुछ परिचय हुवा हों, मनुष्य सर्व सहन करता हे संसारका येही स्नेह परिणाम हे ओर इसीसे दीनबनकर भगवद् इच्छाबलवान् मानकर सन्तोसकरनाही न्याय गिनागया हैं इस न्यायसे जेसेबनसका सन्तोस मान धैर्यका अवलम्बन किया. इस लिये मुझे मेरे पिताजी श्रीकी सारवारमें अधिक लक्ष देना पडा, उसवक्त मेरी उमर ८—९ बरषकी ओर मेरे काकाजी खेमजीके छोटे पुत्र रघुनाथ की उमर २ बरसकी तथा स्वर्गस्थ श्यामलालजी के पुत्र विठ्ठल की एक बरसकी उमर थी अब आप सज्जन लोग विचारेंगे कि इस बाल्यावस्था मे हम क्या कर सकतें थे मेरे पिताजी श्री की चित्त भ्रम दिसाके कारण यह मृदंग सागर का पुस्तक वेसेही रक्खा रहा. पिताजी श्री का चित्तभ्रम बराबर ७ बरसतक रहा अब अनुचित समय आनेपर मेरी परमपूज्य तीर्थस्वरूपा मातुश्री ने मेरे पिताजी श्री से विनय किया कि आपका चित्त विशेस भ्रमित होताहे तो कुछ समयके लिये तीर्थ यात्रा करने को यहासे विदेस को चलें विदेस के जल हवा प्रभृतीसे तथा विसेस कर श्री यमुनाजी के जलपान तथा स्नानदानादिक से श्री प्रभुकी कृपा द्वारा अवश्य आपका चित्त प्रसन्न हो जावेगा श्री प्रभु इच्छासे विदेस यात्रा का विचार निश्चय हुआ ओर मेरे पिताजी श्री सकुटुम्ब श्री नाथद्वारा से यात्रार्थ चले.

प्रथम श्री पुष्कर राजमें स्नान कर मधुपुरी पहुचो वहापर श्री यमुनाजी महाराणीजी का नहानकर पवित्र श्री गङ्गाजी सोरो घाट परस्नान कर प्रयागराजमें त्रिवेनी संगमपर स्नान दान यथा सक्ती कर काशीपुरी पहुचे—ओर काशीसे पुनः पुनाः तीर्थ स्नान कर गयाजी मे जाकर पिण्ड श्राद्ध किया, गया गुरू श्रीयुत श्यामलालजी विठलजी को मालुम हुवा कि श्री नाथजी के पखावजी संकरलालजी गया श्राद्ध निमित आए है ओर पखावज वाद्यकी तारीफ सुनी हें इस लिये उन्होने गयाजी की यात्रा सुफल [विदाये के वखत का आसीर्वाद] में मेरे पिताजी से कहां की मेरे को तुह्मारे हाथ की पखावज सुन्ने की अभिलासाहें ओर वोही में तुमसे गुरू दक्षणा लउगा मेरे पिताजीने उनकी आज्ञा का स्वीकार किया ओर रात्री को उनके महल (निवासग्रह) पर जाकर परण पडार प्रभृती मुखसे बोलकर ओर पखावज में उत्तम रीतीसे बजाकर सुनाया. के जिस्को सुनकर बोहोतही प्रसन्न हुए ओर उत्तम ईनाम देनेकी उदार्यता प्रकासकी, परंतु मेरे पिताजीने लेना योग्य न समझ कर विनन्ती की के आपतो गयागुरू हों आपका आसीर्वाद ही बोहोत हैं तवतो विशेस प्रसन्न होकर आसीर्वाद दीया के तुह्मारा चित्त प्रभु कृपासे प्रशन्न हो, फिर वहासें मिर्झापुर के स्टेसनपर आये के जिसवक्त स्टेसन मास्टर बेठे हुवे सित्तार बजा रहे थें परिचय होनेपर तबले जोड भी मगाली गई फिर पिताजी श्री संकर लालजीने तवले पर ही अपनी वाद्य विद्याका प्रकास किया के जिस्को सुनकर बाबुजी बोहोत ही प्रसन्न हुए ओर सीघ्र ही बडे साहाब को कोठी पर तार कीया की तार पहुचते ही बडे साहाब वहा पर आए ओर सुनकर उन्हो को भी बोहोत प्रशन्नता हुइ ओर अच्छा इनाम दीया ओर सेकण्ड कलास की गाडीमें बेठा सबको पटने तक पहुचा दीये, पटने मे श्रीयुत नवनीत बाबुसे मिले के जो स्वयंगान विद्यामें कुशलथें बाबुजीने मेरे पिताजीकी पखावज सुनकर प्रशन्नता पूर्वक प्रशन्सा करते हुए रुपे १०१) और उत्तम सेला विदागिरी का दीया वहापर ओरभी कितनेक गुणी जनोंसे मुलाकात हुइ फिर वहासे काशीपुरीको आए काशीमे गौस्वामीजी माहाराज श्री १०८ श्री जीवन लालजी माहाराज तथा श्रीके दरसन कर उनकी सेवामे अपनी विद्याको निवेदन किया. माहाराजश्री श्री जीवनलालजी स्वयं पखावज बजाते थे ओर पहले श्रीनाथद्वारा पधारे

तब मेरे काका श्री खेमजीसे पखावज सम्बन्धी कितनेक विषयका आपने परिचय भी कीया था. वहापर साङ्गीत विद्यामे कुसल सितारीया राजपेङ्जी गनेससिंह पखावजी. बारस अलीखां बीनकार प्रभृती एकत्रितहुए ओर उन्होने अपनी २ साङ्गीत विद्याका परिचय दीया ओर मेरे पिताजीने भी अपनी वाद्यविद्याका द्योतन किया के जिस्से सबगुणी जन प्रशन्न हुए फिर वहासे विदाइ हुइ बाद अयोध्या आए वहासे दरस परसकर फिर लखनउ होते हुए मथुराजी आए मुथरामे सेठजी श्री ५ लक्ष्मीदासजी से उत्तम इनाम प्राप्तकर कृष्णगढ आए ओर कृष्णगढ नरेस श्री १०८ से इनामप्रात करते हुए श्रीनाथद्वारा आए जिसवक्त यात्रा करके आए उसवक्त मेरी उम्मर १३ बरसकी हुइ मेरा विवाह भी किया ओर पिताजी अपनी वाद्य विद्याका भी प्रदान करते रहें तथा इस पुस्तक का प्राचीन विषय तथा अपना प्राचीन वृन्तात भी सुनाते रहें मेरे पिताजी के आठनो बालक हुए किन्तु प्रभु इच्छासे एक मेरी बडी बहन तथा मैं दोइ सन्तान उनके संतोषार्थ बाकी रहें इसी कारण मेरे उपर उनका विशेष प्रेम रहता था. सम्बत् १९४४ मे अहमदाबाद सहर के निकट आसारवे ग्राम मे प्रभूके पूर्ण भक्त श्री भायला कोठारीजीके स्थानपर श्री ९ श्री १०८ श्रीमदखण्ड भूमण्डलाचार्य चक्र चुडामणी तिलक परम कृपालु श्री गोस्वामीजी श्री विठ्ठलनाथजी [गुसाइजी माहाराज] की बेठकजी है, वहापर श्रीमद्गोस्वामी श्री बृजरायजी माहाराज तथा उनके चीरंजीव लालबावा श्री बालकृष्ण लालजी माहाराज ने श्री नटवरलालजीको अहमदाबाद सहरसे बेठकजीमे पधरायके छप्पन भोगका मनोर्थ किया तब मेरे पिता श्रीको भी कृपा पत्रद्वारा बुलानेसे गए ओर आनन्द पूर्वक मनोर्थ के दरसन कर श्रीकी पखावज की सेवाकर माहाराज से आज्ञा लेकर बडोदा देखने की इच्छासे वहासे बडोदा गए उसवक्त बडोदामें बडालेवाले गोस्वामी श्री गोपाललालजी माहाराजबिराजते थे आप श्रीकी आज्ञासें वहांपर एक दिन गुणीजनों की सभा हुइ ओर उस सभामे मेरे पिताजी श्रीने वाद्य विद्याका प्रकास किया इस सभामे वहांके सुप्रसिद्ध पखावजी नासरखांजी बीनकार मोला बक्षजी इत्यादि उपस्थित थें वे सब मेरे पिताजी श्रीकी पखावज सुनकर प्रशन्न हुए ओर मोलाबक्षजीने मेरे पिताजी से पुछा कि आप कहाँ के निवासी हें मेरे पिताजीने उत्तर दिया कि मै श्रीनाथद्वारा, तबतो उन्ने कहा की नही नही (कुछ हास्यसे)

कही लंका परलंका, कारण यह हे कि श्रीमान गायकवाड सरकार श्रीमल्हाराव इस विद्याके पूर्ण आश्रयदाता प्रेमी ओर ज्ञानी के जिनक्त कभी नहीं आए यदि एक दफे भी उस समय आते तो देखते की आपके गुण की कैसी कदर होती हम लोग तुह्मारे गुणसे बोहोतही खुसीके साथ धन्य वाद देते हें परन्तु उन सरकारके समयन अनेका अफसोस हैं खेर मालककी मरजी फेर गोस्वामी श्री १०८ श्री गोपाललालजी माहाराजने सर्व समक्ष अच्छा इनाम दिया ओर उन गुणीजनोंकी सिपारससे श्रीमती महाराणी श्रीजमनाबाइ से भी अच्छा इनाम प्राप्त किया फिर वहासे सूरत होते हुए मुम्बइ देखकर फिर श्रीनाथद्वारा आए फेर श्रीनाथद्वारासे एक वक्त उदेपुर गए वहां पर हिन्दुपती माहाराणाजी साहब श्री १०८ श्री फतेहसिंहजी साहेबसें भी अपनी वाद्यविद्याद्वारा प्रशंसाकर इनाम प्राप्त किया उस्के अनन्तर मेरे पिताजी कही भी विदेसनही जासके कारण वृध्यावस्थाभीथी ओर उनको यह अन्तिम अवस्थामे श्रीकी सेवा छोडकर अन्यत्र जाना भी अच्छा नही लगता मेरे परमपुज्य पिताजी श्री ५ सङ्करलालजी सम्वत् १९५० में श्री भगवद्चर्णारबिन्द मे प्राप्त हुए, ओर उनके तरफकी श्री मद गोबर्धन धरणकी पखावजकी सेवा श्री मद्गोस्वामी माहाराजाधिराज श्री गोवर्द्धन लालजी माहाराजनें कृपाकर मेरेको करनेकी आज्ञादे कर अनुग्रहित किया के जिसको मे अपना माहाभाग्य मानकर सेवा करने लगा इसवक्त श्री गोवर्द्धनधर प्रभूका चरण रज प्रतापसे दुजनोंका वंश रखनेके कारण चीरंजीव पुरुषोत्तमदास दीया हें श्री प्रभू श्री मद्गोवर्द्धन धरण हमको उनपूर्वज महत पुरुष की प्रदान की हुइ विद्याको विशेस वृद्धी करनेका सुअवसर प्राप्त करनेकी तथा हमारी मती निर्मल कर सदा श्रीकी सेवामें उपस्थित रहने की कृपा करे येही श्रीसें प्रार्थना हें इति सुभम्

आपका अनुग्राहित सङ्करजी सुत घनस्याम पखावजी.

———:०:———

॥ प्रस्तावना ॥

वर्त्तमान समयमें प्रायः प्राचीन विद्याकी उन्नति बहुत कम मालुम पडती है. संगीत विद्या यह एक प्राचीन महर्षिगण प्रणीत विद्या है: के जिस्केद्वारा परमात्माको भी महर्षी लोग प्रसन्न कर, उन्की कृपाद्वारा यह भवसागरको सुखसे तर जातेथे. संगीत विद्यारूप सामवेदको गान परमात्माको हमेशां विशेष प्रिय है. श्रीमद्-भगवद्गीतामें श्रीपरमात्माकृष्णने, सामवेदको, अपनाही स्वरूप प्रतिपादन किया है ॥ वेदानां सामवेदोऽस्मि ॥ यह विद्या दुःखी और शोकग्रस्त मनुष्यकोभी, अपना अलौकिक प्रभाव दिखाकर शीघ्रही आनन्दमग्न कर सकती है.

संगीतशास्त्रमें गीत, वाद्य और नृत्य तीनोंका समावेश होता है.॥ गीतवादित्र-नृत्यानां त्रयं संगीतमुच्यते ॥ क्योंकि गानके साथ वाद्य और नृत्यकी आवश्यकता है शास्त्र आज्ञा करता है के 'वाद्य विना गान शोभितनहीं होता है.' इसलिये वाद्य तो संगीतमें प्रथमही है.

संगीतरत्नाकरमें वाद्य चार प्रकारके वर्णन किये हैं.॥ ततंमानद्ध सिखरंच घनानीति चतुर्विधं ॥ और उन चार भेदोंका वर्णन भी इस प्रकार किया है । ततं वीणादिकं वाद्यं मानद्ध ✱ मुरजादिकं॥ वंशादिकं तु सिखरं कांश्यतालादिकं घनं ॥ यह चार प्रकारके वाद्योंमेंभी पखावजादि (मृदंग) विशेष प्रचलित और मुख्य है; इस लिये उस्के संबंधी कुछ ज्ञान होना संगीतकेप्रेमी सज्जनोंको तथा अन्यविद्वान् सज्जनोंकोभी उपयोगी और आवश्यक है.

इस पुस्तकमें पखावज (मृदंग) संबंधी सब तरहका वर्णन शास्त्रानुसार उत्तम रीतिसे जहां तक हो सका किया गया है. काल विचार, (ह्रस्व, दीर्घ, प्लुत

✱ मुरज नाम मृदंग (पखावजका हैं) अमरकोषके नाट्यवर्गमें पांचमें श्लोकमें लिखा है.

विजनद्रुत, अणुद्रुत, विराम प्रभृति) मात्राओंके चिह्न, सम, विषम, अतीत, अना-घात, संगीतानद्धकाभेद, गणेशपरण, शिव परण, श्रीराधाकृष्ण नृत्य संगीतपरण' प्रभृति संगीतकी सो सवासे परणे, मृदंगके मुख्य तथा आश्रित अक्षरोंका वर्णन, मृदंगमेंसे उन्की उत्पत्ति, मृदंगमें ज्योतिस्वरूपके दर्शन, परणपडार, मोहरे, टुकडे, बोलोंके भेद, तथा सविस्तार चक्र, कि जिन चक्रोंको विना मृदंगादि वाद्यके जाननेवाले दुसरे जलदी नहीं समज सकते हैं, उन्को इस्में एसी उत्तम रीतिसे लिखे हैं के, जिस्को थोडाभी बुद्धिमान् मनुष्य अच्छी तरहसे समज सकता है. और कितनेक जानवरोंके बोलोकी ध्वनिकी, जय शब्दकी, सलामीकी, मदोन्मत्त गजेन्द्रको रोकनेकी, पंचदेवकी स्तुतिकी, चोपडकी रेलकीध्वनिकी, तोपकीध्वनिकी प्रभृति परणें, और विष्णु तालका चक्र, अष्टमंगल, धमारका खुलासा, तथा अन्य एसेही अत्युपयोगी २००—२२५ तालोंका समूह, विगेरा वर्णनका संग्रह एकत्र किया हुवा है, के जो पुस्तक देखनेसे सब सज्जनोंको विदित होगा! इस्के सिवाय और भी वहुतसी चीजें के जो मेरे पिता, प्रपिता, प्रभृतिके समयकी संग्रह करी हुई प्राचीन लिखित पुस्तकें द्वारा मेरेकोप्राप्त हुई है! उन्मेंकी थोडी चीजोंका वर्णनभी इस पुस्तकमें दिया है—क्योंकि पुस्तक बढ जानेके भयसे सबका समावेश नहीं हो सका है, समयानुसार बाकीका वर्णनभी प्रकाश किया जावेगा.

इस पुस्तकको देखनेसे, पखावज (मृदंग) संबंधी वहोतसा ज्ञान प्राप्त हो सकता है. क्योंके इस्में सब वर्णन पखावज संबंधी सविस्तर दियागया है के जिस्सें वजानेवाले सज्जनोंको भी सरलता प्राप्त हो सकती है. इसलिये इस्का नामभी **संगीतानद्धवाद्यविचारसंग्रह अर्थात् मृदंगसागर** रक्खा है.

इस पुस्तकको प्रकाशकरनेका यह उद्देश है के, प्राचीन संगीतशास्त्रमें वर्णनकी हुई वाद्यविद्या (मृदंगादि) जो दिनप्रतिदिन लोप होतीजाती है, सो श्रीपरमात्माकी कृपासे कुछ उन्नतिको प्राप्त होवे, और संगीतविद्यानुरागी सज्जनोंको मृदंगादि सिखनेमें जो विशेष परिश्रम मालुम पडताथा, सो निकलकर, थोडे परिश्रमसेभी उन्का

उत्साह शीघ्र पूर्ण हो सके, तथा सिखानेवाले सज्जनोंकोभी सरलता रहे· यह हेतुको विचारकेही श्रीमद्गोवर्द्धनधर प्रभुके पखावजी, मेरे परमपुज्य, इस विद्याके प्रदानकर्त्ता, कृपालु तीर्थस्वरूप पिताजी शंकरजी तथा काका श्रीखेमजीने यह पुस्तक लिखनेका प्रारंभ किया था, किन्तु थोडाही लिखनेबाद मेरे काका श्रीखेमजीके जीवनका अंतआया, और उन्केश्रीप्रभु चरणमें प्राप्तहोजानेसे मेरेपिता श्रीका चित्तभी विशेष शोकग्रस्त रहनेलगा· मेरे पिताश्रीकी इच्छा इसग्रंथको पूर्णकरने कीथी, किन्तु संयोगवशात् कितनेक अनिवार्य कारण उपस्थित होतेरहे, कि, जिन विघ्नोंसे कुछ समय व्यतीत हो गया, और पुस्तक पूर्ण नहीं हो सका· पिछे पिछे उनने इस्को पूर्ण करनेकी अभिलाषासे हस्तमें लिया था; किन्तु भगवदिच्छा बलवान है· थोडेसे समयमेंही उन्के जीवनका अंतआया, और इस पुस्तकको पूर्ण करनेकी वासना को अपने हृदयमें ही रखकर श्रीप्रभुचरणमें प्राप्त हुवे· पश्चात् थोडा लिखा हुवा यह पुस्तक मेरे हाथमें प्राप्त हुवा, और मैंने उस्को मेरे वे परमपूज्य विद्यादाताओंकी शुभाशिषसे, उन्की अंत समयकी वासना पूर्ण करना मेरा कर्त्तव्य समज, पूर्णकिया; कि जिस्को, आज में उन विद्यादाताओंकी तथा आप सब सज्जनोंकी सेवामें प्रकाशकर निवेदन करनेको सफल हुवा हुं·

इस पुस्तकके प्रकाश करनेके पूर्व, संगीत विद्याके पूर्णज्ञाता, श्रीमान् परम कृपालु, श्रीमद्वल्लभाचार्यकुलभूषण, श्रीमन्नाथद्वाराधीश, महाराजाधिराज, गोस्वामितिलक श्रीश्री १०८ श्रीगोवर्द्धनलालजी महाराजके चरणकमलोंमें सप्रणाम शुद्धान्तःकरणद्वारा, अनेकानेक धन्यवाद निवेदन करताहुं, के जिन कृपालु श्रीमान्ने इस पुस्तकको प्रकाश करनेमें, सहर्ष पूर्ण सहायता प्रदान कर मेरेको विशेष उपकृत किया है· तथा संगीत विद्यानुरागी परमकृपालु· श्रीमान् आचार्यवर्य्य, गोस्वामि श्री श्री १०८ श्री कांकरोलि महाराज श्रीबालकृष्णलालजीके चरणकमलोंमेंभी, सप्रणाम शुद्धान्तःकरणद्वारा, अनेक धन्यवाद निवेदन करता हुं के जिन कृपालु श्रीमान्ने इस पुस्तककी लिखीत प्रतिका अवलोकनकर, अपने आशीर्वादात्मक वचनोसें, पुस्तकको प्रशंसनीय तथा छपाने योग्य कह कर अपने शुभ हस्ता-

क्षरोंसेशोभित आज्ञापत्र (सम्मतिपत्र) द्वारा, मेरेयह पुस्तक प्रकाश करनेके उत्साहको, वृद्धि किया है. और मेरे पूर्वज पिता, प्रपिता, प्रभृति, के जिनोंने, इस विद्यामें पूर्ण ज्ञानप्राप्तकर अपनी इस विद्याका परिचय अनेक विद्वान् सज्जनों को तथा राजा महाराजाओंको दियाथा. उन्का थोडा जीवनचरित्रभी सब सज्जनोंके परिचयार्थ इसपुस्तकमें प्रकाश किया है.

अंतमें मैं अपने परमपूज्य पिताश्री, तथा काकाश्रीका शुद्धान्तःकरणद्वारा उपकार मानताहुं. तथा सब विद्वज्जनोंसे प्रार्थना करताहुं के, इस पुस्तकके विषयमें यदि कोई प्रकारकी न्यूनता मालुम पडेतो उस्को क्षमा करेंगे, और उस्में जो कुछ साररूपगुण होवे, उस्कोग्रहण कर मेरे परिश्रमको सफल करेंगे. क्योंकि ॥ सर्वः सर्वं न जानाति ॥ इस न्यायसे सब वस्तु सबकोई नही जानता है. और गुणीजनोंकातो यही स्वभाव है, के, गुणको ग्रहण कर दोषको छोड देवें। हंसो यथा क्षीरमिवांबुमध्यात् ॥ इतिशुभम् ॥

शुभमिति १९६८
कार्तिक शुक्लपक्ष ११

आपका कृपाभिलाषी
शंकरजी सुत घनश्याम पखावजी
(श्रीनाथद्वारा–मेवाड)

॥ श्रीनाथजी ॥

श्रीकृष्णायनमः ॥ इस ग्रंथका नाम संगीतानद्ध वाद्य विचार का कारण यह हे–संगीत कहने सें तीन भेद होते हे १ गीत २ वाद्य ३ नृत्यः तो दुसरा भेद वाद्य हे–अब वाद्यमें फेर चार भेद हे। श्लोक ॥ ततानद्धं सिखरं च घनानीति चतुर्विधं। ततो वीणादिकं वाद्यं मानद्धं मुरज्ञादिकं ॥ वंशादिकं तु सुखिरं कांस्यतालादिघनं ॥ ॥ अर्थ ॥ ततः आनद्धं सुखिरं घन्न। यह चार भेदे हें। ततः के वाद्य–वीन–तंबुरा सीतार ईत्यादि ॥

आनद्धं वाद्य–मुरज्ञ (मृदंग) दुंदुभि (नकारा) ढोल ढोलक ई० सुखिर वाद्य–बन्सी, महुअर, सेनाय, भेरी इत्यादि–

घन्न वाद्य ॥ झांझ, झालर, घंटा, घडीयाल, घुघरु इत्यादि। तो हमारा अब दुसर नम्बर (आनद्ध वाद्य) विचार का ग्रंथ हे इस्से इस पुस्तक का नाम संगीतानद्ध वाद्य ग्रंथ लीखा है।

१ दोहा ॥ गीत निरुपन जें कीयों सुहें वाद्य आधीन ॥ याते बरनत वाद्यकों रीझे जाहि प्रवीन–

॥ श्रीनाथजी ॥

पहले इस ग्रंथमें मात्रा प्रमाण लीखें हे की जिस्से आगे तालोका हींसाब ठीक तोरपर देखा जाय ॥ मात्रा कीसोंको कहते हे। ओर ताल के से बनी हें–

दोहा ॥ पुराणे ग्रंथोका आशय लीया गया हें ॥ सो कहते हें ॥

॥ शंकर कहेत्त कारकोः ऊमीया कहेलकार ॥

॥ शिव शक्ति सयोंगतेः होत ताल विस्तार ॥ १ ॥

॥ ऐक कमलदल वेधे जवलोः छिन प्रमान कहेत वलो ॥ २ ॥

आठ छीननकों ऐकलव होईः आठलव ऐककाष्टा जोई ॥ ३ ॥

आठ काष्टा ऐक निमेषः आठ निमेष नकला विसेष ॥ ४ ॥

कला युगल सो हो तु हें चत्रु लगि पुनि ऐक ॥
त्रुटीताही को कहत हे चित्तमें करि सुख टेक ॥ ५ ॥
चत्रुलगि द्वेसो अणुमानः द्वे अणु सो द्रुत कहें सुजान ॥ ६ ॥
द्वे द्रुतको पुनि लघु हे होतुः द्वे लघुले गुरु करे उद्योतु ॥ ७ ॥
कहे तीन लघू प्लुत निरधारः जे जानत हें काल विचार ॥ ८ ॥

॥ ऐक कमल की पाखडी को सुई के अग्र भागसें छेदन करनेमे जो समय लगता हें ऊसको ऐकछिन कहा जायगा–ऐसेही आठ छिनका ऐक लव होवेगा ओर आठ लवकी ऐक काष्ट । ओर आठ काष्टका ऐक निमेषि ओर आठ निमेषिकी ऐक कला होती है. ओर दो कलासो ऐक त्रुटी (चतुलगि) अब दो त्रुटी सो ऐक अणु होवेगा तब दो अणुसे ऐक द्रुत जानो ओर दो द्रुतसों ऐक लघू होता है ॥ ऊसको ह्रस्व भी कहा जायगा ॥ ओर दो लघूसों एक गुरु होवेगा–जिस्को दीरघ भी कहेगे ओर तीन लघू सो ऐक प्लुत होवेगा. ईस्के आगे काक पद भी होता हे परंतु तालोमें ऊस्का थोडा काम पडेगा हा कुछ समके पीछे या कोई काट त्राछकी परणोंमें तोवोभी आगे दीखा दीया जायगा आगे जो तालें बनी हें या कोई बनाई जायगी तो ईन्ही ह्रस्व दीरघ प्लुत द्रुत ओर अनुद्रुत सें बनेगी सो कोई भी ताल नही मालुम होगी तो इस ग्रंथके देखने मुताबिक जीस ताल का चक्र होगा ऊसमें सें थोडासा परिश्रम करने सें परिश्रम सुफल होगा कीतनी तालोमें तो पहेली तालो पे सम हे ओर कीतनी तालों मे बीचकी तालपें सम होवेगा ओर कीतनी तालों पें छेली पें सम हे कीतनी तालो में खाली पें सम पडता हें ओर समसें पीछे गीनोगे तो सम छेलीपर आवेगा तो समकें पीछे जो ताल लगेगी वो ही पहली गीनी जायगी–अब आगे जो तालो के चक्र बाधे जायगें तो अणुद्रुत–द्रुत–लघू–गुरु. प्लुत ईनकी ताले बनेगी तो इनकी मात्रा ओर चीन्ह पहले दीखा देना ठीक हें.

———

१ नाम.	२ मात्रा.	३ चिन्ह.
अणुद्रुत	१	◡
द्रुत	२	0
दविराम	३	[illegible]
लघु	४	I
लवीराम	५	[illegible]
गुरू	८	S
प्लुत	१२	S̃
काकपद	१६	+

एक कह कर ताल दीजावे सुरत यह हें

एक दो कह कर ताल दीजावे सुरत यह हें

एंक दो तीन कह कर ताल दीजावे सुरत यह हें

एक दो तीन चार फिर ताल लगावे सुरत यह हें

पांच तक गीनती कर पहेले ताल लगावे सुरत यह हें

ताल लगाकर आठ गीने सुरत यह हें

ताल लगाकर १२ गीने सुरत यह हें

सोलह गीने सुरत यह हें

अब ईनके उच्चार करनेवाले जानवरोंके नाम।। अनुद्रुतको तीत्तर कहे: द्रुतको चटक (चीरीया) जनाई ।। वक (बगुली) बोले दवी रामको: लघुको चाष (नीलकठं)बनाई ।। १ ।। कोकिल लविराम ही कहे: वायस गुरू कहि देहि ।। निजश्वरको ऊच्चार करी कुकुट स्फुवत कहि लेहि ।। २ ।। यहापर ओरभी लिख देते हें कि प्रातःकाल कुक्कुट जो बोलता हे ऊसमें तीनका ऊच्चार करताहें जेसे कुऊ कु ऊ ऊ कुऊऊऊ ऊ तो पहला कु(ह्रस्व दुसरा दीरघ(गुरू) तीसरा प्लुत अब ईनकी उत्पात्ति ।। अनु द्रुत पवनसों भयों द्रुत को जल ते जान ।। नीर पवनसों दवीराम हे

लघु पावक सों माना ॥ नीर अग्निसों लवीराम जों गुरु आकाश ते आनि ॥ अव प्लुत पृथ्वीते भयों करे गुनीजन गांन ॥ ओरभी ईनके देवतान को वर्णन भी हें परंतु यहापर ईतनोही लीख्यों हें कारण की ग्रंथको बोहोत वढाना नही जीसकी जीतनी आवश्यकता हे ऊतनाही लीखा गया हे ॥

अव–सम–विसम–अतीत–अनाघात

१ ४ २ ३

गीत तालके दो ऊ ज वे ऐक कालमें होही ॥ ताको सम सम्पानि तव पंडित रहें सव जोहि ॥ १ ॥

प्रथम ही रचना गीतकी पाछे तालही आनः ग्रह अती तासों कहें अरु अप् पान वखान ॥ २ ॥

पहले ताल प्रवृति पुनी होय गीत विस्तार। सो अनाधात कहिये वेहे उपर पान निरधार ॥ ३ ॥

आदि अंतको नेम नही सो विसम ग्रेह होयः ईनके लच्छनयो कहें सव गुणी जन लोय ॥ ४ ॥

अव सम ओर विसम अतीत अनाघातकी मात्राओका दिखाव.

चोतालाकी वारह १२ मात्रामें चारो जगह ० अलग अलग चारो तालमें.

ताल	सम मात्रा	विसम मात्रा	अतीत मात्रा	अनागात मात्रा
ताल–पहेली	१	२	३	४
ताल–दुसरी	५	६	७	८
ताल–तीसरी	९	९॥	१०	१०॥
ताल–चोथी	११	११॥	१२	०॥

मृदंगाध्यायमें तो यह प्रमाण से चारो जगह (तालो) पर सम विसम अतीत अनागात ईस गीतनसे सही सही होती हें और जानवकार गवैइया या बजवैया भी ईसी तोर पर वरतते हें ओर गवैया पहेले हीसे वजाने वाले से कह देते हें की फलानी फलानी मात्रा पे तथा ऊसकी खाली (मात्राओंके बीचमे जाहा जाहा वोहोत बिकट जगह देखते हें वोही जगह बतादेते हें ओर फिर आपभी (गानेवाला) ऊसी जगहसे धुर पदकी ऊठान करते हे की बताई हुई जगहे पर सम आवे ओर वहापर पखावजी को भी एसी परन सुरु करना चाहिये की असी जगहपर परन समाप्त होकरती होई तीन [टुकडे] आना चाहियें ॥

ओर कदाचित तीन टुकडे नही तो परनकी समाप्ति तो ऊस जगहपर जरूर होना चाहिये परंतु एसा तो अब वोहोत थोडा होता हे कारणकी ईसमे तो क्या गाने वाले को ओर क्या वजाने वाले को वोहोत परिश्रम करना पडता हे ओर उस्तादभी करना पडता हें ओर वोहोतसें गाने बजाने वालोंनें ऐसा निश्चय कर लीया है के आव जाव करनेमें क्या लगता हें जाहापर दिल चाहा जाही आं कर दीया ओर बजानेवालेनेभी ऊसी जगह थाप लगादीतो वांहा वांहा अगर रहे गई तो फिरके आ ओ अबकी आवेगे फिर एसाही होता हे की गवैयातो पखावजी को देखता हे कि ईस्की थाप लग जाय तो हां करू ओर पखावजी देखताहे गवैये का मुह, कि ईस्के मुहसें हां निकसे तो मे थाप लगाऊ अपने अपने इल्मकी सचाई को थोडेसें वक्त के लिये दूर दूर पर रख देते हें बस ईतना ही लिखना ठीक हे कदरदान या समझदार गुणी लोगें समझ सकते हें कि उपर लीखी हुई मात्रा १२ ऊनकी १२ खाली तो मिलके २४ जगह हुई तो ईसमें एसी एसी जगह हे कि पहेले कह देते हे की फलानी फलानी मात्रापर सम रहेगा ओर वहां पर गाने वाले को या बजाने वालेको सम देना होगा तो भी मुस्कीलसे आया जाय सो भी कोई ऊस्ताद करके सीखा होया मात्रा हीसाब जानकर लें को रोक सकता हे या नीले ऊसके वदन में भरी हुई हो तब ऊस जगह को सम देगा नही हरेक आदमी का काम नही हे यहापर थोडीसी ऊनमेंसें जगह भी लीख

देतेहेकि अब २४ जगह में से ८ १६-२०-२४ यह जगहपर भी सम देता ओर वहां पर धालगाना कोई हरेक आदमी का काम नहीं हें वोइ करेगा कि जीसने अपने अपने ऊस्ताद सें सीखा होगा ओर हरवक्त काम पडता होगा वोई करेगा नकोई सुनके या उड्डाके करेगे ऊस्से ये काम कभी नही होगा: जो ऊस्ताद सें सीखेगा मात्रा भेद वोही करेगा ओर लें का ही सात्र भी अब कुछ लीखे हे कि तालों में पहेले वरावर कीले वजाई जाती हैं फिर दुगण करते हें ईसी तरह सें ४ तथा ५ दरजे करते हें परंतु ईस्मे कुछ तरकींव सें जादे दरजे वतावेगे की जीस्से ठीक ठीक मालुम होवेगा पहेले पावले का बोल फिर आधीले फिर पौण ले फिर वरावर यानी (१) इस्के आगे सवाई डोढी पुण दुगणी ओर दुगण ईस तरहसें अठ गुणतक गीने गे तो ३२ ले (दरजे) होवेंगे परंतु येतो करने ईसे होगा ईस्में तो सिरफ मात्राओ का हिसाव लीख दीया जायगा ॥

अव गाने के साथ कीस तरहसे सरुआद वजानेका होना चाहिये. प्रथम तो अस्ताई सीरु करें तव तक तो वरावर की धेनतक तथा वरावर का वेसकार वरावर का काटत्राछके वोल वजाना. पीछे जव अन्तरा/सीरु करे जव दुगण की धेन नक ओर दुगणकी परणे पडार मान मोहो राव जाने ओर दुगण को साथ वजाना फिर दुसरी अस्ताई सीरु करे जब आड (१॥) की धेन तक ने आडको साथ वजाना ने फिर दुसरो अन्तरो सिरु करे जव तीगण की धिन नक ने तीगण की परणो वजानी पीछे चोगण को साथ वजाना ओर चोगणकी परणो वजाना पीछे सवाई डोडी अडाई गुणी विगेरेह सव ले वजानी यह तो गाने कि साथ वजाने को प्रमाण लीखा हे ॥

॥ अथ गणेस परण लीखे हे ॥



ताल तीताल.

॥ गनपति सुर मुनि वंदे कलत विविध भाः दु म दु ग झीं झीन कीट कुकू थरी कीन जग विघन विनासन ना कीटर तक नंगे थुं गे थाः चारु तेजपर भाव ताग्ड दीग्ड दाम् अच्छः जगतंझें ढग नग दाम् काम केल तरंगः तक तक झीम् दुग दुग झीम् तक धीग गुन वोहो विकासंः झीन् कीट झीझी कीटि थु गु दाम्ः दीपं धुपं फल पत्रं फल राज्य विनंग् नई वेदं तो तक् दाम् वस्तर समर्पयंझेः काम तरंम विलासंः शिस्य उ करणं गंडम् तिलकम् पुष्पं चंदन् सर्व विघ्नो प्रशान्ते दीग्ड दीग्ड दीग्ड दांम् मधुकर शाय तरंग तराव नरंगतव थरि किटि तक थरि किटि तक सुन्दर तन् देशांतन्त वोहो श्री वोहो गणेश । टे हे कुकुः ताको थरी २ किन जग मनोज् श्याम जनंगः नटुआ वल्लभ वल्लभ दास काहावत परणभेद वोहो विधसों वनावत श्री गणपति को ध्यान लगावत, थरींग झें थरींगझें थु किटिता किटि तक थरां खीरां खीरां जे तगनांग् दे त्थात थुंगता किट किट तक था ॥ १ ॥

॥ संगीत गणेश परण ॥

थेई ते तेर् तत तत तत् तत था तत् था कीट किट गुण तक तक थुं थुं गे था अंगे तंगे किट तक धि की था, तत् था कीट तेक ना ना थी की थरी धी कीट कीट

तक धि का थुंगा अर द द मदलो बुधि विनायक विन किटि हरलो गणपति झे झे झे कुर कुंटर कुठे दिन्नामः थरी कर आलू मूगत्थोः धि किटि किटि तक धिक्का थुंगा गणपति गो थुम् गध्यो बनहर अग्ड धिम् तग्ड धिम् तग्क धी ग्की था किट्टा क्रिटि कीटि ताः अं गे तंमे किटितं क धी क्की था ॥ २ ॥

॥ श्रीशिव परण ॥

झिन पट उट दिये तेः दिग् ३ ति धाः झा ई झलकत अति थे ईत थे ई सुदन र ही री लखितेः दि त्त २ ति धाः भुवन विलास सां था तत लीधी थाः तत था खानी मृग तत त थे ई सम सरण बनत ति धा ति धाः नागरी को नेन जुथता थुंः तक थुं २ गवरी के भोले शिम्भुः थु थु किटि क्रिटि थु थु गिड गिडरे डेरू डिमरू वाजे ईक लंगनाथ जूके नाचे ताण्डव नाच थुन्तक धित्तक धित्तक तक थुंगा तत था करनेमें किंकनी ते ते ते ते तिधाः पायनमे पिज्जनी धिः धिलांगर २ धिकी तक तक थुंगा तत थाः भनत शंकर विहारी तिगदाता थेई प्यारी ऐसी नही हे ओर त्रियाः तकरे थुं मे था देखनेके येही दिन थुन्तक ३ चसं चसा लसी तथै ता थैता थैता तीदत थेई ॥ १ ॥

जटिई गंगाधर मुकट मगोरी ग्रावग्री कर किंकन ऊतमथा तत तत था हस्त कवलदल पुत्र बिन्यायक फिर नंगाथो थोरु दर सही शिव कालेगेरु दर सही गिन थरींग थरींग मन हुलासे डिमरु केः डिम् २ घंटा वाहन ठलंकार त्रतीयक नैत्रक पत्र कथा ॥ २ ॥

॥ श्रीराधाकृष्ण नृत्य रासलीला ॥

नृत्य सांगीत.



॥ तालतिताला ॥

धधां कीड्धांन धागेतीटि कत धाधा कीटतक धाकीटतकधीकीटि धाधीकीटि
कत गिदिगन बंसीवट ओर जमुनाके तट करत रास नागरी नागर नट पहरेनन
नील ऊर पीत पट श्रवनन कुंडल सीस मुकट नृत्य करत दोऊ अरस पर [illegible]
घुघुरू बजतहैं छुमकछुमकः (क्र) त थेइ दीग् दीग् थेई त्तेत्कत्ताता तीग्दाथेई
तेदीग्दीग् त्तत् तदीग्दीग त्तेत्तकत्ताता तीग्दा थेई ।ऽथेईऽ दीगदीगतेत्कत्ताता त्ती
ग्दाथेई २ (श्री) दीगदीग् दीग्दीग् दीगदीग् दीग्दीग त्तेत्कत्ताता तीगदाथेई ते
दीग्दीग् तत् त दीग्दीग् तेतक त्ताताती ग्दा थेइ ।ऽ थेई ऽ दीग्दीग् तेत्तकताता

तीग्दाथेई २ (क्र) त्त थेइ दीग्दीग् थेई तेतकताता तीग्दा थेइ २ (श्री) दीग्दीग् दीग्दीग् दीग्दीग् दीग्दीग् तेत्कत्ताताचीग्दा थेइ २ (श्रीकृष्ण) तेत्कताता तीग्दा थेई २ तथेइ तथेइ त्तथेइ त्तथेइ थेइत्ता २ त्त ग थेइ दीग्दीग् थेइ तेतकत्ताता तीग्दाथेइ तेदीगदीग तत्त दीगदीग तेतकताता तीगदाथेइ ।ऽ थेई ऽ दीगदीग तेतकताता तीग दातीतकथेई बाजेबजत विविधकर तवत वितत ओर घएन शिखर त्ताहा शरद निशा मानोपूरण चंद्र जबबाजत मेंधनांद मृदंअग बजावत श्याम धकीटतक धुमकीटतक तरंग तत्कीडां ण त्ता ध्धां ॥ त्तत्कीडांण त्ता ध्धा। तत्कीडांण त्ता ध्यान धर शंकर रहे लुभ्याय लेचरण कमल रजको शिर न्हांय। जैतसद्धको कियो ऊचारं अबकछुक संगीत शास्त्रविचार तकीटधीकीट धुमकीटत्तकध्धेता ताकीद्तकधीकीट धाधीकीटकत्त गदिगन कीड्धांनधा कीडधांनधा कीडधांनधा ॥ १ ॥ सं० ॥

(क्र) ऊपर जाहाऐसाचिन्हहें वाहांपर श्रीकृष्णके नृत्य शांगितहें
(श्री) जहा ऐसाचिन्हहे वहापर श्री राधिकाजीके नृत्य शांगितहें

श्रीवीष्णुजित ताल तीताला सुधी

तंः जिग ३ तग्ततथाः शान्ता ततकार थरिकिटि भुजगसयनं धीकी २ तक थरिकीटि पद्मनांभम झिनकिटिथरीथाः ढींढीरटीगन सुरेसुरं धीधीकिटतकदीव दीवथाः ठँगनाविश्वा जगथरिधारंः ढिंकूकू२तक गगनसुदर्शनताऽकीटथरींग् मेघबरन सुभतकाकिनझक किनतकजकनक कुन्था दामदामगिनतक लक्ष्मीकान्तिक द्रुमकिट द्रुमकिट कमलनेनथरिथरिथा जोगविधांनगतिः थडिंग२तककींनगथाःढीकुकू२गंवन्दे किटि२झं विष्णुथरिकिटि भौभेहरनं जगथरिकिटि तकसर्व लोकीकनाथं दासंजग ३ नगः दग ३ नग दगनगकीं नगदीन्था ॥ २ ॥

श्रीगुरु चर्ण कमलेभ्योनमः (ऐक ताल)

थेई त वत थेई तवत ता ता कु कु टे हे कु कु र टी ग न तक झेझे झीं तं झें तं जिग जिग थाः था की ण झें की ण झें कीं न न झेंः झनि कीट तक झें जिग जिग सुन्दर दन्तक थों गजमुख दंत क थो जिग ३ झीन किट तकः ताकु ना तक कू कू ताः तक ताकु ना ४ झेः अति बिचत्र राज न पति राज माहाराजा श्री श्री श्री गोवर्द्धनलाल दे त तुरंग ता जी ता हां रीझे दे त हा थी जा हा वाजे वाजत तव त त्रि तव घन्न शिखर गुनी जन मिल गुणे गावे पावे सन्न मान तन्न देत नित्त नित्त ही दान गं ग जमन तु लोभान चीरंजीव ४ वाजे निशानः घ्रग्ड तक न किटि तक धी ध ग्ड तक ना किटि तक धीः घ्रग्ड तक ना किड तक ४ धी धी धी धी २ द्धे तां ग थो ॥ १ ॥

॥ श्रीमाहाराणा फत्तेह सीहगजी ॥

(आसीर्वाद)

तालचोतालाः लै आडी ॥ ॥ तग्कधीकीट धांकीट्तक धीकीटि धातीन् नाना धातीन्नाना नटततानःनटत्तत्तानः दानबली मानबली तेगबली तागबलीः बजतानिशान धृग्डत्तकझीं धृग्डतकझींझीं ३ धृग्डतकझीं राजनपत्तिराज राजा श्रीश्री श्री माहाराणा फत्तेहसींहग माहाबली धर्मराज धर्मकाज मृगपति सोयुद्धकरत करत सीकार खुलेचोक धऽधडाधड धिन्कधाः गुणीजनसब करत्तगांन सुजस चहुओरब खान संकरहीधरत्तध्यांन जीतनगारे बजोंसदाः धृग्डत्तकधुमकिटत्तकधाऽधृग्डतक धुमकीटतकधाऽधृग्डतकधुमकिटितकधाऽ ॥ १ ॥

ओरभी गनेश परणवहुतसीहें विष्णुपरणभीहें राजानकोआशीर्वादकीभीहे कोचटकाशद्धपर तथाटीटोडीके शद्ध ऊपरभी परनेबनीहुई ओर सांगीतकेबोल नृत्यकेभी बोहोतहेसो अब अगाडी वढायकर लीखेगे यहापर मृदंगाध्याय पहलेलीखे हे पहलेतोमृदंग (पखावज) मे कोनकोन अक्षर मुख्यहे ओर ऊनकेसाथ ईसारेसे कोनकोन अक्षरनिकलेगे ॥

गीनती	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३
अक्षर	ता	त०	दी	थुँ	ना	धा	ड	धे	दी	ग	खिर्र	झें	म
आश्रत	१ तां २ क	ग	१ ण २ क	१ धु २ धा	१ लां	थेई	डां	धीं	कि	ट्टि	थर्र	०	

१ता पखावजमे प्रथम ऊँकार शब्दहे इस्सेनाद पेदाहोता हे नाद हे वोही बृह्म हें (परमात्माहें) ओर ताल इस ग्रंथमें मुख्य हें तालकालका ऐकही प्रमान हें कालकेवससत्रहे प्रमाण इन्द्र प्रस्थके नादविनोद ग्रंथमेंश्लोकलीखे हे श्लोक ॥ गीतं वाद्यं तथा नृत्यं भातिताले प्रतिष्टितं ॥ अथ तालं प्रवक्षाभि कालरुपं जगतगुरु ॥ जनयतं सुखं गीते वाद्य नृत्य विशेषवित् ॥ ऊतपत्या त्रयंलोके, एनताले नजायतें॥१॥ कीटकादि पशूनांच ताले नैव गतिर्भवेत् ॥ यानिकानिच कर्मांणि लोकेतालेऽश्रुतानिच ॥ २ ॥ आदित्यादि ग्रहाणांच ताले नैव गतिर्भवेत् ॥ बृह्मकल्पोपि कालेन यतः कालवशंगतः ॥ ३ ॥ कालक्रया वसाच्छिन्न तालशब्देन भंण्यते हस्तद्वयस्य संयोग वियोगे चापि वर्तते ॥ ४ ॥ तालसे लय होती हे ओर लय होकर जब मनको आनंद प्राप्त होता हे आनंद होकर श्री पुरुषोत्तम का दरसण होकर, मोक्ष फल दायकं होता हें जैसा सिवजी नारदजी गोपिका इत्यादि ॥

प्रथम ईसीका ऊच्चार कीया जायगा येही जो मनको मोहित करने वाला शब्द हें सिरु होतेही अच्छे याबुरे की मालूम पडती हे येही पहले पहेल सीखाया जाय इसको थप्पी भी कहते हें दाहीने हाथकी चारों अंगुली बराबर जोडकर चट्टी (कनिष्टा) अगुली की तरफ कि जोहथेली का भागको पखावज की श्याई की पुडी के कुछ ऊपर की तरफ कुछ जोरसें लगाकर आहिस्ते २ हटाई जावे की ऊस्मे से ज्योती पेदा हो जावे.

२ त० पुडाकी तरफ बाहे हाथसे हथेली चारो अगुली समेत जोरसे देनेसे त० का आवाज होगा–ईसीकोगभी कहेगें येही अवाज ग की हें–

। ३ दी। । स्याई की पुडी की तरफ दाहेने हाथकी चारो अगुली के अग्रभाग को मिलाके छपका लगानेसे दी शब्द बोलेगा ओर नोंमें नम्बर पे फेर दी शब्द रखा हें वो ओर यह ऐकही हें परंतु ऊसमें ईतनाही फरक हे की वोदी तीन ऊगलीके अग्र भागसें छपकालगाकर नीकासी जायगी कारण की ऊस्के आगेका अक्षर ग (ट) हें वोहोंत जलदी नीकालनेकी जरूरत पडती हे ऊस्में जो पहेलेकी अगुली ऊस्मेसें नीकाल दीगइ ऊसका येही सबब हे कि ऊस निकासी हुइ ऊगुलीके अग्र भागसे ग (ट) नीकलेगा ईसीसे वो दी अलग दीखाई गईहें.

४ थुं–बाहे हाथसें बाहे की तरफ आधे हाथसे (चारोअगुली) ढीलें तोरपर मारनेसे थुं का आवाज होगा इसमेसे धु–धी–भी निकलता हें–

५ ना पुडीकी तरफ दाहेने हाथकी पहली एक ऊगुलीसें अग्रभागसें ताकत् देकर बोलानेसे न की आवाज पेदा होती हे ना. से. लां. की आवाज पैदा होती हे.

६ धा–ये पखावजपर दोनो तरफ कों लगाई जाती हें दाहने हाथसे तों ता की तरह ओंर बाहे हाथसे पुडेकी तरफ दोनो हाथोकी आवाज एकसाथ निकलनेसे धाबोलेगी सम ईसीसें मालुम होता हे ईसी तरहसें थेई भी येही बोलेगी

७ ड यह दाहने हाथसे पुडी की तरफ अगोठके ईसारेसे बोलेगा डाभी येहीहे

८ धे–दोनो हाथोकी चारोई अगुली दोनो तरफ पखावज पे जोरसे दवानेसे धें बोलेगी इसी तरहसे धी शब्द भी बोलेगा

९ दी–त्था. की. येकही तरहेसे बोलेगी दाहिनें हाथसें अगोठे की तरफ की अंगुली [तर्जनी] ऊस्को अलगकर बाकी तीन अंगुलीनका छपका शाईके ऊपर पडनेसे दी की का शब्द होगा.

१० ग–त्था टि-दाहेने हाथकें अगुष्टे की तरफ की जो अगुली (जो नम्बर ९ में अलग ऊठाली गईथी) ऊसी ऊगलीसे ग त्था टि बोले गा बाकी की वेतीनो अगुरी स्याईपर से हटाली जावेगी

११ खिरे ये स्याई तरफ अगुष्टे कों ओर बीचकी अगुरी दोनोको मिलाकर श्याइके ऊपर घसींट लगाई जाती हें ईसी तरहसे थर भी बोलेगी

१२ झें–यह जो शद्ध पखावजके दोनों तरफ दोनों हाथों को ढीले रखकर वजाने झें शद्ध बोलेगा ओरम इसी तरहसे पुडी की तरफ एक हायसे बोलता हे

अब ईनके आगे ओरभी शद्ध हे कू–टोहों–परंतु यह तो बोहोतकम वजानेमें आते हे शद्धमे तो बोहोत जगहपर आते हें परंतु वजानेवाला फुरतीवाला हो तो ऊतनीले के अन्दाजनमें कू पाचों अगुरीनको मिलाकर श्याईके ऊपर लगानेसे बोलेगा. ओर टोहो शब्द श्याईकि पुडीके ऊपर खोणीसे ब्रजानेंमे बोलालेवेंहे परंतु यहतो राजाओको खुस करनेकी वाते हें, जेसे दोनो हाथोंसे पुडाकी तरफ धिलांग लगाते पुडीकी तरफ कीडाण लगालेते हें ओर ईस्के अलावे सलामी भी पखावजपर लेते हें यह सब रहीसो को खुसकरता हें कोई ऐसी वात हें नही की जिस्कों यहापर बिचारकरके लीखें

अब पडार–परण बोल (पेसकार टूकडे–मोहरें का कोन कोन भेदेहें

१ पडार–ऊस्को कहते हें की एक एक अक्षरपर लडगुथावहों

२ बोल–ऊस्को कहते हे कि समसे समतक पुरा बेठे ओर सिधी चाल हो तालका दरसाव हो जावे कि फलानी फलानी तालका बोल हें

३ परण–ऊस्को कहते हें पहेले कुछ सम और फिर कुछ दुगणके अक्षर हों ईसी तरहसें दो चार आवडदीमें सम देती हो ऊस्को परण कहते हें

४टूकडे–चार मात्रा या छे मात्रा आठ मात्रा त्था बारे मात्रा त्था १६ मात्रा तक होते हें वों अपनी अपनी जगहसे समके ऊपर तीसरी दफेंमे समदेते बाकीके दो टुकडेका सम खाली मात्रा ओमें जाता हे ऊस्को टुकडे कहेगें

५ मोहरे– ऊस्कों कहतेहे जो साथ (लपेट) माने वालेके साथ खुला बाज बजाते हे ओर ऊस्के अंतमें मुखडा वादकर एक देफेमें या ऊसीको तीन दफे आते हे मात्रा ४–६–के होते हें जेसेः ध दी ग न धा इत्यादि ॥



अब मथम पडार लिखे हैं ॥ ताल तिताला ॥ ले. ठाकी ॥

ा ा ा ा ा ा ा ा ा ा
ता । दी । थुं । न । कि । टि । त । क । धं । दी ग । न । धा ॥१॥

अब बराबर ले ॥ धाऽधिऽधिधाऽ तेतूतेत्ताऽ ॥ ताता दींदी थुंथुं नांनांः. कीटितक धादिग न धा ॥ अब सम दुगणकी ॥ ताता दींदी थुंथुं नानाः किटितक धदीगनधा ३ ॥ ४ ॥ ॥ पडार आडीलेकी ॥ ताताता । दीदीदी । थुंथुंथुं । नानाना । तकीटतकाः दीकीटतकाः थुंकीटतकाः नकीटितकाः तकिटिधाकधाऽ३॥५॥

पडार दुगणलेकी ॥ तातातााः दीदीदीदीः थुंथुंथुंथुंः नानानानाः तकीटिदीकिटि तकः दीकिटितकिटितकः थुंकिटिनाकिटितकः नकीटिथुंकिटतकः ताकिटितकिटितक धाऽ ३ ॥ ६ ॥ ॥ पडार ठादुणकी ॥ ताः दीः थुंः नाः ताः किटि२तक दिन्धा । धे धे त्तार२ नाः किटि२तक दिन्धा । तकदेत् ३ धुमाकिटिकिटितक दिन्धा । धाऽदिन । धाधा दिनः धादिन धादिन २ धाधा दिनः धाकिटिकिटि ४ धाऽदिनः ता दी थुं नाः तत किडाणताऽधाऽ ३ ॥ ॥ ७ ॥

पडार दुणकी ॥ ॥ ताकिटित किटितक ३ ताता २ दीकिटित किटितक ३ दींदी २ थुंकिटित किटितक ३ थुथु २ नाकिटित किटितक ३ नाना २ तकीटित किटितकः ताता २ दीकिटित किटितकः दींदी २ थुकिटित किटितकः थुथु २

नकीटित किटितकः नाना २ तकीटित किटितकः दिकिटित किटितकः थुकिटित किटितकः नाकिटित किटितकः ताकिटित किटितक ३ तकधा गदीगनधा ॥८॥ ॥

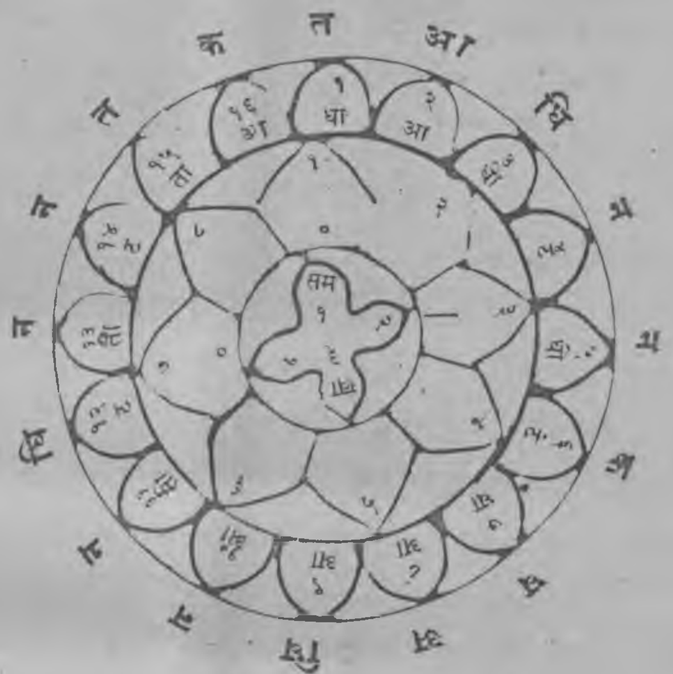
पडार ठा. दुगन ॥ तत्र किटि २ ताकिटितकाकिटिः ताकिटितकाः किटि्त्क्ः ताकिटितकाः दीत् किटितत् किटि ताकिटितका किटि ताकिटितकाः किट्त्क् ताकिटि तकाः थुनाकिटि ततकिटि ताकिटितका किटि ताकिट्टितकाः किट्टित्क् तीकिटितकः ननाकिटि तत्किटि ताकिटितका किटि ताकिटितकाः किट्तक्ः ताकिटितकाः ततकिटि २ ताकिटितका किटिः दित् किटि तत्किटि तकीटितकाकिटिः थुनाकिटि ततकिटि ताकिटितकाकिटिः ननाकिटि ततकिटि तकीटितकाः किट्त्क् ताकिटतकाः किटितक दीकिटितकाः किटित्क थुंकिटतकाः किवित्क नकीटितकाः तत्क धीकिटि धिधि किटिकत गीदीगन ३ ॥६॥ ॥९॥ तातातता २ तातात्र तातातता। दीदीदीदी २ दीही दीदीदीदी। थुथुथुथु २ थुथ्थुं थुथुथुथु। नानानाना २ नान्ना नानानाना। तातात् तातातता। दीदी दीदीदीदी। थुथ्थु थुथुथुथु। नान्ना नानानाना। तात दीदी तातादीदी तातात्र तातता दीदी तातता दीदीदी ताथुंथुंथुंथुं नानानाना २ तातता दीदीदी ताथुंथुंथुंथुं नानानाना २ थुंथुंथुंथुं नानानाना २ थुंथुं नाना २ कीटितक धदीगनधाऽ ३ ॥ ॥१०॥

पडार दुगणकी ॥ तातातता ताकिटि किटितक २ तातता किटि किटितक२ ताकिटि किटितकः दीदीदीदी किटि किटितक २ दीदीदी किटि किटितक २ दीकिटि किटितकः थुंथुंथुंथुंथुं किटि किटितक २ थुंथुं थुकिटि किटितक २ थुंकिटि किटितकः नानानाना नाकिट्टि किटितक २ नानानाकिटि किटितकः २ नाकिटि किटितकः ताता ताकिटि किटितक २ ताः किटि २ तकः दीदी दीकिटि किटितक २ दीः किटिरतकः थुंथुं थुंकिटि किटितक २ थुंः किटिकिटितकः नाना नाकिटि किटि तक २ नाः किटि २ तकः ताः किटि किटितकः दीकिटि किटितकः थुं किटिकिटि तकः नाकिटि किटितकः ताः किटि २ ताकिटि तकाकीटतकः दीः कीट २ ताकिटि तकाकीटतकः थुंः किटि २ ताकिट तकाकीटतकः नाः किटि २ ताकिट तकाकीटतकः धेत्स्नाग धाटिधा किटितक धुमकिटि धुमकिटितक धदीगनधा ॥ ॥११॥

पडार ठादुणकी ॥ ततथुंगा तक्काथुंगा ताः किटि २ तक तक्काथुंगा तकीटि धिकिटितक ताः किटि २ तकतक्का थुंगाः तक्का तक्का थुंगा २ तक्काथुंगाः ताकिट किटतक ३ तक्काथुंगाः दीन्ः थुंगा दीक्काथुंगा दीः किटि २ तक दिकाथुंगा दीकीटी तकीटीतक दीः किटि २ तक दीक्काथुंगाः दीकादीक्का थुंगा २ दीक्काथुंगा दीकिटि किटितक ३ तक दीक्काथुंगाः थुन् थुंगाथुंगाथुंगा थुंः किटि २ तक थुंगाथुंगा थुः किटित किटितक थुः किट २ तक थुंगाथुंगाः थुंगाथुंगातक २ थुंगातकः थुकिटि किटितक ३ थुंगातकः ननथुंगा नंगाथुंगा नाकिटि किटितक नंगाथुंगा नकिटि तकीटतक नाः किटि २ तक नंगाथुगाः नंगानंगा थुंगा २ नंगाथुंगाः नाकिटि किटि तक ३ नंगाथुंगाः। तत्थुंगा तक्काथुंगा ताः किटिकिटितक तक्काथुंगाः दीतथुंगा दीक्काथुंगा दिकिटि किटितक दीक्काथुंगाः थुंः थुंगाथुंगाथुंगाथुंः किटिकिटितक थुंगाथुंगाः नन्थुंगा नंगा थुंगा नाः किट २ तक नंगाथुंगाः। तत थुंगाः तकीट ३ तकाः दीत्थुंगाः दीकिटःत. किटतकिटितकाः थुंथुंगा थुकिटीतकीटताकिटनकाः नन् थुंगाः नकिटिं किटितकिटितकाःतकिट ३ तकाः दीकिटिःतकिटि २ तकाः थुंकिटिताकिटिताकिटितकाः नकिटितकिटितकिटतकाः ताकिटितकाः दीकिटितकाः थुंकिटितकाः नकिटितकः तत थुंगाः दीत् थुंगाः थुंन् थुंगाः नन्यगाः ताकिटिधिकिटितकता कीटकिटतक तक्काथुंगाः तरांगधाऽ ३ ॥ ॥ १२ ॥ ॥



चक्र तिताला मात्रा १६ का.



ताल ३-१ क खाली-ताल दोद्रुत ऐक लघुरूप यहहें ०।०

॥ टुकडे बराबर लेके ॥

० । ० ० ०
धा धें धें धाः कीटी तक धदी गन धा ॥ १ ॥ ॥ धा धें धें धाः कीटी तक
० १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ सम १ २ ३ ४ ५ ६
तरांग धा ॥ २ ॥ ॥ धां धें धें धाः धेधे त्तां धंदी गन धा ॥ ३ ॥ ॥ धा धे धे धां
॥७॥-८ ० १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ० १ २ ३ ४
धेधे त्ता तरांग धा ॥ ४ ॥ ॥ धां धे धे धाः तक तक धंदी गन धा ॥ ५ ॥ ॥ धा
५ ६ ॥७॥८ ० १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ० १
धे धे धाः तक तक तरांग धा ॥ ६ ॥ ॥ धां धे धे धाः घीघी ता धंदी गन धा ७॥
२ ३ ४ ५ ६ ॥७॥८ १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ०

॥ ॥ धां धे धें धाः धींधीं ता तरांग धा ॥८॥ ॥ धां धे धें धा धुम किटि धंदी
१ २ ३ ४ ५ ६ ॥७॥८ ० १ २ ३ ४ ५ ६ ७

गन धा ॥ ९ ॥ ॥ धां ध्धे धें धाः धुम कीट तरांग ।ध ॥ १० ॥ ॥ धा धे धें धा
८ ० १ २ ३ ४ ५ ६ ॥७॥८ ० १ २ ४

आ ते तें ताः धंदी घन धाः धदी गन धाः धंदी गन धाः ॥ १ ॥ ॥ धदी गन धा
५ ६ ७ ८ १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ० १ २ ३

धदी गन धाः धंदी गन धा ॥ १॥ ॥ धदी गनधा तारांग धा धदी गन धा ॥ २ ॥
३ ५ ६ ७ ८ ० १ २ ३ १ ६ ७ ०

॥ धदी गन धा धदी गन धदी गन ध्धे धा ॥ ३ ॥
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८

० । ० ० । ०
धा किटितक धुमकीटतक धदीगन या ॥ १ ॥ धांकीटतक धुमकीटतक तराग धा
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ सम १ २ ३ ४ — ५ ६ १ सम
७॥

॥ २ ॥ ॥ धांकिटकिट धुम कीटतक धंदीगन धा ॥ ३ ॥ धांकिटिकिटि धुम
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ सम १ २ ३ ४

किटितक तंरागन धा ॥ ४ ॥ ॥ धां धुमकिटितकध्धेत्ता धंदीगन धा ॥ ५ ।
५ ६ १ ८ १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ —
७॥

धांधुमकिटितकध्धेत्ता तंराग धा ॥ ६ ॥ धांध्धत्ता कातांकीटीतक धंदीगनधा ॥ ७ ॥
१ २ ३ ४ ५ ६ १ ८ —— १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ —
७॥

धां ध्धेत्ता कातांकिटितक तंराग था ॥ ८ ॥ धांकिटितक धा किटितक धंदीगन
१ २ ३ ४ ५ ६ १ ८ — १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८
७॥

धा ॥ ९ ॥ धांकिटितक धा किटितक तंराग धा ॥ १० ॥
— १ २ ३ ४ ५ ६ १ ८ —
७॥

॥ अत्र तित्तालाकि दुगणकी धिननक नें दुगण कामान मात्रा १६/३२ का ॥ वरावरकीलै
में लेतों आबुरदी दोमआवें नेदुगणलै में लेतो आबुरदी एकमे आवें ॥ ॥
तां धिननकं ध्धेधि ननक धिंननक ध्धें ध्धे धिननक धिनन धिनन तक ॥
१ ० २ ० ३ ० ४ ० ५ ० ६ ० ७ ० ८ ० ९ ० १० ० ११ ० १२ ० १३ ० १४ ० १५ ० १६ ०

धंकिटिधा क धाधीकिटि धागेदींगे तक किटतकिटतका किन धागे
१ ० २ ० ३ ० ४ ० ५ ० ६ ० ७ ० ८ ० ९ ० १० ० ११ ० १२
दींगन धागें दींगन धा ॥ १ ॥
० १३ ० १४ ० १५ ० १६ ०—

धाकिटिनकीटितका २ धेत्ता धेत्तकदीन् धाधीकीटतकिटितका धाकधा ॥ २ ॥ धाधाक धाकः धातक धदींगन ३ धा ॥ ३ ॥ धाधीन् ताना धिरकिटितक कत्तधी त्तीटी धीलांन तकधदी गनधा ॥ ४ ॥ ॥ तकिटिधीकिटि धेतगनांगः तकिट २ तकधादींन् तकधीकीतकधीः किट २ तकधदींगनधा ॥ ५ ॥ ॥ का धीधीताधीः धी २ तातक धीकीतकधीन् धीनकिटीत किटितका किटनक धीन्ना किटितग्कधा ॥ ६ ॥ ॥ धुमकिटितटिकीटितकाकिट तकधुमकिटितकींटतका किटतकधदींगनधाः ॥ ७ ॥ ॥ ॥ धुमधेत्ता धित्तांग् तकधीकीतक तकीटिधीकिटिधिलांग कतगदींगनधा ॥ ८ ॥ ताधिलांगतक ताताः कीट २ तकीट तकाका किटतकधदींगनधा ॥ ९ ॥ ॥ ताधिलांग २ तकधा ताकिटिधिकिटि धिलांगः नकधदींगनधा ॥ १०॥ ॥ ता किटि २ तकिटतका किटि २ तकिटितकाकाः किटिनक धदींगनधा ॥ ११ ॥
ताः देअ धा धाकिटितक धुमकिट धुमाकिटितक धदींगनधा ॥ १२ ॥
॥ १३ ॥ ॥ तकथो धीकीथो धीकीतगथाथा धिलांगतक धदींगनधा ॥ १६ ॥ ॥ तत थुंन् तकथुंनः तक२ धिकितक तकधीकीतकाधिलांगनक धदींगनधा ॥ १४ ॥ ॥ तकतकथुन् २ तकथुन् तका तकथुन् तकधदींगनधा ॥ १५ ॥ ॥ तकधीकीतक २ धीकीतक तकधीकीतक धिलांगनक धदींगनधा ॥ १६ ॥ ॥ कीतटक धा धाधा कीटतकधा धातकधा कीटनिक धदींगनधा ॥ १७॥ ॥ कीटिनकीटतका किटि-तकधदींगन ततधेत्ता धुमकिटितक धदींगनधा ॥ १८ ॥ ॥ धाकीटतकिटितका किटिःतकधुमकिटितकितका किटीतक धदींगनधा ॥ १९ ॥ ॥ धाकिट् २ कीटीःधा२ किटितकधकिटितकिटि धाधाकिटि धकिटधाकधा ॥२०॥ ॥ धेत्ता २ धादीन् धाकि-टितकः धुमकिटि२तकधदींगन धा ॥ २१॥ ॥ धाकिटि तक २ धादिन्धाकिटितकधा किटितकधदींगनधा ॥ २२ ॥ ॥ धादींन धाकिटीतकिटितकाकिटिः तगनगदेअ धाकिटिनक धदींगनधा ॥ २३ ॥ ॥ धादिंन धुमकिटतकिटितकाकिटतकधेत्ता

धुमकिटि २ तकधदीगनधा ॥ २४॥ ॥ धाआः धदीगन ३ धातगनगदं भः ढेतरांगधा ॥ २५॥ ॥ धा धुमकिटिनगनांग धा तऽ किटितक धदीगनधा ॥ २६॥ ॥ धा किटी-किटितकीटतका किटः टगनगऽअ धा किटीतक धदीगनधा ॥ २७ ॥ ॥ धा किडनान्ः नकिटितकः धीनना तक धीन्ना धीन्ना तकधदीगनधा ॥ २८ ॥ ॥ धा ध्धेत्त २ ध्धे ध्धे किटितक ध्धे तरागधा कीटीतक धदीगनधा ॥ २९ ॥ ॥ धाग्धीकीतकतकधाः धा २ कीटिकिटितकधा । कीटितका धाकधाकधा ॥ ३० ॥ ॥ धाग्तक धाधा किटतकतकाकिटिधा किटः तक २ किटधाधाधा ॥ ३१ ॥ ॥ धाग्तक धुमकीटिः तरांग ३ तक धदीगनधा ॥ ३२ ॥ धाग्तकः धुमकीटि ४ तक धदीगनधा ॥ ३३ ॥

॥ अब तितालाकी आडकी धिननक ॥

॥ ने आडकामान मात्रा १२--२४ का ॥

० । ० सम

ता धि न न क ध्धे धि न न क धि न न क धि न न धि न न त क ॥

१ ० २ ० ३ ० ४ ० ५ ० ६ ० ७ ० ८ ० ९ ० १० ० ११ ० १२

० । ०

धा कि टि त क धु म कि टि त क ध्धे ता कि टि त क ध दी ग न धा ॥ १॥

१ ० २ ० ३ ० ४ ० ५ ० ६ ० ७ ० ८ ० ९ १० ० ११ ० १२ ०

धाँकिटिदिन् धुमकीटतक ध्धेता किटितक धदीगनधा ॥ २ ॥

धाः किटि २ तकीटतका किटि धुमाकिटितक धदीगनधा ॥ ३ ॥

धा कीटतक २ किटिधा किटितक धदीगनधा ॥ ४ ॥

धाः किडांण धुमकिटितक ध्धेत्ता किटितक धदीगनधा ॥ ५ ॥

धाः किनांग धुमकिटितक ध्येता किटितक धदीगनधा ॥ ६ ॥

धाः धुमकिटितक ध्धेता कीटतक धदीगन धाधाधा ॥ ७ ॥

धाः धुमकिटि ताकिटितका किटतक धदीगन धाधाधा ॥ ८ ॥

धाः ध्धेत्ता तक ध्धेत्ताः ध्येत्ता २ धदीगन धा ॥ ९ ॥

धाः ध्धेत्ता काता किटितकः ध्धेत्ता २ धदीगनधाः ॥ १० ॥

धाः आः तक दधिनातक धानधाऽ ३ ॥ ११ ॥

इसी जोडके बोल चौतालाकी बराबर कीलेमें है सो सब पुरे बैठते है.

अवतीताला कीतीगण कीधेननक नेतीगण

का मान मात्रा २४ ४८ का ॥ वरोवरमे लेतो आवडदी तीन में आवे ॥ नेआडीले मेलेतो आवर्दी दौमे अवि नेतीगुणी लेमेल तो अवर्दी एकमेआवें ॥

॥ तांधेननक धअधेननक ध्धें ध्धें धेननक धेनन धेनन तकधां धेनन धेननं तकधा धेननंधननंतकधां ॥ ॥ धां कि टि धि धि कि धि तराण तंकधा किटितक धादिवधा किटि धांधी किटि तंक धांकिटि धुमाकिटतक धंदीगन . धां ॥१॥ ॥ धाकिट किटितकः धी२ किटि धुमकिटितक धीन्त्तरांण धाकधाक धादिन्ना किटिधुमकिटतक धद्दीगनधा ॥ २॥ ॥ धाकिटितकः धा ३ धुमकिटतक ध्धेतरांगन गदेअधा किटितकः ध्धेत्ता किटितक धद्दीगनधा ॥ ३ ।. ॥

धाकिटतक ध्धेध्धे धाडता किटितक धुमकिटितक धुमकिटितक ध्धेत्ता कतकधाक तकटद्दीगनधा ॥ ४ ॥ ॥ किटिधुमकिटि तकध्धेत्ता तकिटिधीकीटी धीनतरांणः धुमकीटतक तत्किडाण किडनगदेअ तकाअधाकधा ॥ ५॥ ॥

कतकधाक धादिन्तक धी२ नातक धुमतरांण धाकिडाण धुमाकिटितक डिकितकदेअ ताआधाकधा ॥ ६ ॥ कतक धाक किडनगदेअः कात्ताः कीट २ तकतरांण किटितक धुमीकटध्धेत्ता तकाधाक किटितरांणडा ॥ ७ ॥ धादिन्तक धुम किटितकतकीटधाक धाकिटिद्न् तअकिडाण धुमाकिटितकः धींधीं दनदन् तकि टितकधा ॥ ८ ॥ धादिन्तक कातांकिटितक धुमाकिटितक धादिन्ना तकिटितका धिधिनतकिटि तकीडाण धीदिन्ताड धा ॥ ९ ॥ तत्किन ताताकिन तकांन ताताकिन धिकिटिधाकः धीनां धाटधाआः धीनांधाट धाआः धीनांधाट ॥ १० ॥ तकधाः ध्धेधाः दिन्धाः किटिः धुमकिटितकधद्दीगनधा ३ ॥ ११ ॥ तरांगध्धेत्ताः ध्धेध्धेत्ताः धुमकिटितकधद्दीगनधा ३ ॥ १२ ॥ तरांगधाधाः दीगनधाधाः ध्धेत्ताधदीगनधाआ ३ ॥ १३ ॥ ध्धेत्ता २ धादिन् धाकिटिः तक धुमकिटितक धाआ ३ ॥ १४ ॥ ध्धेताः तकधादिन्नाः धी २ किटितकः धाक २ धाकिटितकध्धेः तरांगधा ३ ॥ १५ ॥ धाधा ३ तकिटिः ता २ किटितकः धा २ तकिटिधाकः धा २ किटितक धद्दीगनः धा २ ॥ १६ ॥ धा २ धा धेतकधा धेत्ता धीकीः तक २ टेअः धादिन्ना

तकः धद्गिनधा २ ॥ १७ ॥ ॥ धाकीटताकीटतकाआः कतधा धद्गन
नगध्धेअता धीन्नडांल धाधिन्ता कण्तीटीधाआ किटितक धद्गीगनधा ॥ १८ ॥
॥ धुमकिटी तकीटतकाआ धी २ किटितकः तक्घेअताः ध्धेतकांन धादिन्नाः
ताकिटिताः किटितक धद्गीगनधा ॥ १९ ॥ ॥ धाआः किटितक तक २ धा २
किटितकः घीडना किटितक्ः देअकिटिकिट तक दिन्नाआड देअधा ॥ २० ॥ ॥
किटिधाकिटि किटतक धुमकिटि किटि धीधीकीटतराण किध्टिधेता धुमकिटि
तक्धीन् तरांण तकीटधाकधा ॥ २१ ॥ ॥ धाआः किटि ३ तकः धीरकीटतकः
ध्धेत्तातकः धेधे धाआनाआ तकः किट २ तत् कीडाण देअ ३ धा ॥ २२ ॥ ।
धाआ ध्धेता कीटतकः तेंटे २ देत्ता नकीट धीकिटि धुमकिटितक ध्धेत्ता जिगकत
नंकिटी दंगनधा ॥ २३ ॥ ॥ धाआः धिग २ धीकिटितः तक २ नकिटितक
धी २ किटिः तक २ तकाआः धाधाधा नगदीगन धा ॥ २४ ॥ ॥ धाआ धुमकिटि
तत् किटि २ तकीटतका तकीटतः तकधा किटितक धद्गीगन धाकिटि धादेअ धादंग
नंधा ॥ २५ ॥ ॥ धा धुमकिटि तक थुन् थुन्नाः तक २ धादंन् धादिन्नाः
धीं कीतक धीलांग तक धदीगन धाकधा ॥ २६ ॥ ॥ धाआ ताआ तत् काथुन्गा
धातुन्ना कीडना तत् काथुंगा किटितकीटतकाः किटतक धद्गीगनधा ॥ २७ ॥ ॥
धाआ ताता धीकिटितक धाधीलांग किटतकता ध्धेताकिटतकतक ध्धेत्ता किटतक
धदींगनधा ॥ २८ ॥ ॥ धाआ ताकीटतकः किट २ धाकीटतकः धिधिकिटि धाकि
टित ध्धेतकांन किटितकतक तरांग धदीगनधा ॥ २९ ॥ ॥ धाताकीटतक धाकी
टतक किटिकिटितकत्तक धीकीकीटतकतः धी २ कीटतक ध्धेत्ता किटतक धदी
गन धा ॥ ३० ॥

अब तीतालाकी चोगण लेंकी धिननकं ओर चोगणले कामान मात्रा
$\frac{32}{64}$ का वरावरमे ले तो आवर्दी चारमें आवे ने दुगणमें ले तो
आवर्दी दोमें आवे चोगणमें लेतो आवर्दी एकमें आवें।

त आ धि न न क धे अ धे न न क ता धि न नं क धे अ धे न न क
धे अ धे अ धिं न न क धे अ धे अ धं न न क धे न न क धे न न क धे अ धे
सम
अ धे न न क धि न न धि न न त क।

न ग धे अ धी किटि तक धी ई दिन न ना कीट तक धुम कीट त अ
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६

क ती कीड नग तर किडा ण किड धा ती धा कीडा ण किड धा ती धा ॥१॥
१७ १८ १९ २० २१ २२ २३ २४ २५ २६ २७ २८ २९ ३० ३१ ३२ सम

तरांणधा ताकीटतकधा धीन् तरकिटितक तकधुमकीटतक किडाणधा किडनग तरकिटतक तकिटि धीकीटि धुमकिटि धींदं ताडधा ॥ २॥ ॥ धेतक धदीगन धेतक धदीगन धेअतग नातगनाः किट किटितकः तगन तगन किटताः धी २ किटितक तकानन तकधा कीटत धदीगनधा ॥ ३ ॥ ॥ कातकधाआ दीगनधाआ दीदीगनधा दीगनधा ताताक धादीगन धाधादीगन धादीगन धादीगनधा ॥ ४ ॥ धेत्ता धेधेत्ता धेत्ताधेत्ता धेधेत्ताः धेता तकधदीगनधा ३ ॥ ५॥ धदीगनधदीगन धाधादीन्नाः धादिन्ना किटतरांग धदीगनधाः धकीट २ धदीगनधा धकिटिधीदंन धेत्ता तरक धा धा धा ॥ ६ ॥ धित्त २ धेत्ताः धी २ किटितका आ धादिधनातकः धीः किट२ तकीटतका धी२ किटतकाआ धाकधा ॥ ७॥ ॥ धीगदाआ दाणदा किटतक धुमकि-तदेअधा किटितकतकधाः किटितक धुमकिटिधा धकिटिधादिन्ना तकतक धेअ किटि २ ताकिटितकाः धीधी किटितका आ धाकधा ॥ ८॥ ॥ तकीटितकात किटितकाः धींधीं किटितकः धीधी किटितकः धीन् धीन धीनः तकाः धिगाः २ धिधि किटितकधा तकधा किटि ताकिटितका आ धाकधा ॥ ९ ॥ ॥ तके धागे दीगनताः दिधा दिधा दिन्ता तकिटितका ते देन तक धाधी दीगेतकः धकिटिधाक धाधीकिटि धागेदीगेतक किटताकिट तकाकिनः धागेदीगनर धा ॥ १० ॥ ॥ तादीदी तकथो धीगनाम धुतकिटि तोतींदांमः किटि२ तकतक २ धीकीतक त्तकधीकीतक धिलांग तकधदीगनधा ॥ ११ ॥ ॥ धाः

धकिातक तकधीकीत्तकः तकधीकीतकः तक २ धी कीतकः तकधीकीतक २ धीकतिकः तकधीकीतकः धिलांग तकधदीगनधा ॥ १२ ॥ ॥ धाधाकिटितक धदीगन धाधा किटितक धदीगनः धाधा कीटितकः धाकिटित्तकधदीगन धाकिटितक धदीगन धाकिटितक धदीगनधा ॥ १३ ॥ ॥ धाकिटिन कीटितकाथुन्ः ताकिटित-किटितकाथुन् २ ताआ तादीन्धाः किटिताकिटितका आ धाकधा ॥ १४ ॥ किडाण-धाडः धुमकिटितक ध्येधीडाणः ध्येधी २ किटि धेध्येधाडः धातीन्ताः धीनतराण २ कीडाणधाआः किडाणधाआः किडाणधा ॥ १५ ॥ ध्येत्ताः धदीगनताः किडाण किडाण धदीगनताआः किडाणधदीगनताआः किडाण धदीगनताआः किडाणः धदीगनताआः ॥ १६ ॥ ॥ किटितकटगनाआगः किटिधादिन्ना तत्क धाधी-किटि धाधीन्ः नानाकिटिः धी २ नात्तक धदीगनधा ॥ १७ ॥ ॥ कीटतक धुमकिट तगनाआग धाः तत्कधाः धीकिटिधाः धाधी किटीतक धदीगनधा ॥ १८ ॥ ॥ किटित कीटीतका किटितकः धुमकिटितकिटितका किटितक थुन्तकः धी २ किटितकीटितका किटितकः धुमकिटितकिटितका किटीतकधदीगनधा ॥ १९ ॥ ॥ किटितक तत्क धीकिटिः किटितक धाकिटितक धीकिटिः किटितकधा-तीन्ना नानाः किटतकनटततानः किटित्तकधीन्तरांण धकिटिधाडतत्थुन्ः तत्कधी-किटि धुमकिटीकांता गदीगनधा ॥ २०॥ ॥ दांम् दिगड् दांम्ः धी२ किटितकः धीकितकः धी२ किटीः तक२ ध्येत्ताः ता धाः धी धीकिटिनकः धी२ किटि धुमकिटि धीन्नांः धी२ काता ताधीः धीधीधीतकाआ धाकधा ॥ २१॥ ॥ धीट२ धाः किडत्ततः धी२ किटिः किडतक धीकिटि धीडनग धातीन् नानानाः नटतक दिगन ताकेत्रक तिनगिनः तीट२ तागेत्रकः धीनाधिनधिनाधा ॥ २२॥ ॥ धुमकिटि किड्तानः किड् नात्रकिटिकीत्तांनः त्रकीटीत्रीतानः कतधीधींईत धीधी किटितक धा ३ ॥ २३॥ ॥ तकधुमकिटितकः धीटे२ धीधीकिट तक धीनधाः किटि२ तकः धीराकिटीतकधाः धागेधन्त्ताः कीडाणधा तकधाः धागेधन्ता किडाण धाकतधाः धागे धन्ता किडाण धा कतधा ॥ २४॥ ॥ धाकिटितकिटितकआ२ तकधा२ तत्थुन्गा२ धदीगनः धातक धदीगन२धा ॥ २५॥ ॥ ध्धाः धुमकिटिध्येताः किटितक कत्तकः धाक धाक धाक धाः

किटितककतक धाक धाक धाक धाधा२ ॥ २६ ॥ ॥ धाआ तत् किडाण धुमकिटितक धागएद्रीगन धेता कीटितक धद्रीगम तकिटिधाक धादिन्तक धीन्नराण तकीटितका धीदन्ताडधा ॥ २७॥ ॥ धाआ तअक धीकिटः धीर किटितक: किटितराण धीधी- दिन्दिन्: तक२ किटिधादिन्ना धुमकिटितक ध्धेत्तातअः किटितकदेअः तकिटितत् कधा ॥ २८॥ ॥ धाआताकिटिदिन् धाकिटितक ध्धेतकान धेताकिटिताकिटितका ताआधाक धुमकिटिः ततकिडाण ध्धेत्ताकिटि तक धद्रीगनधा ॥ २९ ॥ ॥ धाना किटिदंतदेअः तकिटिः धाक२ धीर किटितक ताध्धेताः किटि२ तक किटिः तराणधा धुमकिटि धा आनान्डे तकाआ तत्कधा ॥ ३० ॥ ॥ धा आतत् तत किटितकतनः किटि २ धी २ किटि धुमकिटि तकः धुमकिटितक ध्धेत्ताधिलांगः कतकधाकधाः तकाआधाकधाः किटितकाआ धाकधा ॥ ३१ ॥ ॥ धाआ तकाआ तकदेअ धुम किटितकदेअ २ तकाआतकदेअः धद्रीगनधाआः धद्रीगनधाआः धद्रीगनधाआः धद्रीगनधाआ ॥ ३२ ॥ धाआतकाआधात्तीन् धाकिटितकः धा २ किटितक धातीनः धाकिटिकिटि तकिटिनकाः ततकाः धाधाकिटितकः गद्रीगनधा ॥ ३३ ॥ ॥ धा आतक धुमकिटिः कतधेत्तीटी धीलांन तकधद्रीगनः ध्धेत्तात्तक धुमकिटिः कत्तधेत्तेटी २ धीलांन किडनगदेअ धा ॥ ३४ ॥ ॥ धाआः कीटित्तकधा २ किटित्तक धुमकिटि तरांग तकधाः किटितकधाः धद्रीगनधाः तकिटितका किटि धन्ना धाधाधा ॥ ३५ ॥ धा किटितकः धाधा २ किटितक धाधा द्रीगन धाधा धाकिटितक धाधाकिटितक धाताकिटित्तक धाआ द्रींगनतक धाधा ॥ ३६ ॥

॥ अत्र तीतालाकी सवाई लेकी धेननक नेसवाई लेका मान मात्रा ८० का बरोबर मेलेतो आबडदो पाचमेने पचगुणी लेमे लेतों आबडदी ऐकमे आवे ॥

ता धि न न धि न धि न न धी ना आ धि न धे ए धि न न
२ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १७ १८ १९ २०

ध ध्धे धि न न आ न न त क न ध न ध न न ग अ
२१ २२ २३ २४ २५ २६ २७ २८ २९ ३० ३१ ३२ ३३ ३४ ३५ ३६ ३७ ३८ ३९

धे ध्धे ध न न त का आ धा क धाः ध ध्धे ध न न त
४० ४१ ४२ ४३ ४४ ४५ ४६ ४७ ४८ ४९ ५० ५१ ५२ ५४ ५६ ५७ ५८ ५९ ६०

ॱ ।ॱ ॱ
का आ धा क धाः ध ध्धे ध न न त का आ धा क धा
६१ ६२ ६४ ६५ ६७ ६८ ७० ७१ ७२ ७३ ७४ ७५ ७६ ७८ ७९ ८० सम

ॱ ।
धा धा क कि टि त कि टि ध्धे त कां न धुम्म त क धी धी कि टि त की
३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० १२ १३ १५ १६ १७१९ २० २१ २२ २३ २४ २५ २६ २७

टि त क त्त धा कि टि धा दे अ त क आ ध कि टि तक दे अ धा–
२८ २९ ३० ३१ ३३ ३४ ३५ ३७ ३८ ३९ ४० ४१ ४२ ४३ ४४ ४५ ४७ ४८ ४९ ५१

ॱ
क कि टि त का आ धा धे ध्धे कि टि ता आ धु म कि ट्ट अ
५२ ५३ ५४ ५५ ५६ ५७ ५९ ६० ६२ ६३ ६४ ६५ ६६ ६७ ६८ ६९ ७० ७१

ॱ
धा त का कि टि धा क धा ॥ १ ॥
७३ ७४ ७५ ७६ ७७ ७९ ८० सम

धाकिटितकः नकिटितकः धी २ त धुमदेअ तका धातध्धें धिनतकां किटित धुम धीडंनग धादीगनतांन तक किटि धीकिटिताकिटि तकधदेअ तकधीन धीनाआ तदी दी तकद्धे धाकधा ॥ २ ॥ तत्कधा धीकिटितक किटितधुम किटितान किटि धीन्ना किटिध्धन्नतधातकनकिटि तकधा धकिध्धेत्त किटि धुमकिटि तदेअ धाकाकिटि तका देदेअ धाकिटत्तअः कधा ॥ ३ ॥ ॥ तकधाआ तकिटितक धगदीगन् तकातकः धगअ त्ताकिटि धुमअः ध्धेतगिन तदेअ तकधाधाआः किटित्तका किटिकिट्टिः धुम तका किटिधाक धेतका ततअधा किटिधाकधा ॥ ४ ॥ ॥ धा किटितक धुमाकिटिः धेता २ तकधा धधीकीटितकः तत्तराकिटतक धदीगनधाः धी २ किटिः धी २ ताधा कीडाणधा॰ किटितक धदीगनधा ॥ ५ ॥ ॥ धागेदीन २ धाकिटिता दिंनाकिटि कत्ताकः ध्धेतधेत्ताः किडनाकिटिधुमकिट तकधदीगन धाधीधीडना कीडाणधा ॥ ६ ॥ किडाणधा धुमकिटितकध्धेताः धी २ कीटः धुमाकिटितक २ तकाआधिगाः धुमाकिटि तकध्धेत्ताः धीदीनत्तन किट्किट्धाआ २ ॥ ७ ॥ धुमकिटिताकिटीत्तका किटितकधं दीगनः धाकिटितकधदीगन् २ धधीकीटितक धदीगनः धाःत्तअ २ धाकिटितकधदी गन २ धाधाधा ॥ ८ ॥ ॥ धाकिटितकिटितकाः किटि २ त्तकिटितकाः किटिधुम किटिताकिटितका २ किटि २ तकध्धेत्ताः किटितकधदीगनधा २ ॥ ९ ॥ ॥ धा

किटितक धुमकिटितक २ धाकिट धुमकिटिकिटिः धी २ किटितकः ध्धेत्ता २ किटि तकधद्दीगनः किटितरांग २ तकधा कीटितक धद्दीगनधा ॥ १० ॥ ॥ ध्धेतानरांग किटिः किटि २ तकः धुमकिटि २ किटि २ तरांणतकध्धे धद्दीगनः धा २ किटिधा दिन्तकधेन्ना ध्धेताः धि २ किटि धुमकिटि तरांणः तकधद्दीगनधाधा ॥ ११ ॥ ॥ ध्धेत २ ध्धेताः धी २ किटिधुमकिटिः दगनगदेअः धाकिटिनकननः धात् २ धाधाधाः किटितकधद्दीगनः धाधाधा किटितक धद्दीगनं २ धा ॥ १२ ॥ नंन तत् किटितकः ततः किटि २ धी २ किटि धुमकिटिः धी २ दिन् ३ गिन २ किटि ३ धी २ किटि धुमाकिटि ताकीटितक धीकीटितकः थुन् ३ तकः थुन् ३ तकथुन तकधद्दीगनधा ॥१३॥

॥ अथ तितालाकी सवाईले कीधेननक ॥

॥ नेमान मात्रा २० का आवडदी ऐकसेलेणा ॥

ता॰ धे न न क ध्धे| ध न न क ध न न ध॰ न न त क ॥

२ ३ ४ ५ ६ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १७ १८ १९ २०

कि॰ टि त क कि टि| धु म की टि धा कि टि त क॰ ध दी ग न धा(सम)

१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० १२ १३ १४ १५ १६ १७ १८ १९ २० –

किटिध्धेता धुमकिटिता किटितक धद्दीगनधा ॥ २ ॥ ॥

किटितरांगः धुमकिटितकध्धेत्ता धद्दीगनधा ॥ ३ ॥ ॥

किटिकिटितक धादिन्धाः किटीतक धद्दीगनधा ॥ ४ ॥ ॥

तकधुमकिटितकध्धेता किटितकधद्दीगनधा ॥ ५ ॥ ॥

तकध्धेत्ता धुमकिटितकध्धेता धद्दीगनधा ॥ ६ ॥ ॥

धुमकिटितक धुमकिटिधा किटितकधद्दीगनधा ॥ ७ ॥ ॥

धुमकिटितकिटितकाः धुमकिटितक धद्दीगनधा ॥ ८ ॥ ॥

धाकिटितक धुमकिटतक ध्धेता धद्दीगनधा ॥ ९ ॥ ॥

धाकीटतकध्धेताः किटिः तक २ धद्दीगनधा ॥ १० ॥ ॥

धाकधाक धाकिटि-कः ध्धेताः तरांणधा ॥ ११ ॥ ॥

धाध।किटितक किटिधुमकिटितक धदीगनधा ॥ १२ ॥ ॥

किटितकिटि धुमकिटितक किडाण धदीगनधा ॥ १३ ॥ ॥

अब तितालाकी अडाइगुणी लेकामान

मात्रा ४० का आवडदी ऐकसे लेणा ॥

o |
कि ड ना ।कि टि धु म ।कि टि त क ध दी ग नः त क धु म कि टि त क
१ २ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १७ १८ १९ २० २१ २२ २३ २४

o o
ध दी ग न · धा धीं धी ड ना कि डा आ ण धा ॥ १ ॥ ॥
२५ २६ २७ २८ ३० ३१ ३२ ३३ ३५ ३६ ३८ ३९ ४० सम

किटितकः ध्धेतकांनध्धे धिरकिटिः धीकडताधीकिटिकिटि धिडंनगदीगन धीलान धीकीटितकधा ॥ २ ॥ ॥ थुः किटिकिटितकधादिन् धाधाः थुः किटि किटिके धींनाआडः के धीन्नाडधाधा ॥ ३ ॥ ॥ ध्धेत्त २ ध्धेध्धेध्धेः धी २ किटि धुमकिटिः धी २ ना २ तरांग तकधा किटितक धदीगनधा ॥ ४ ॥ ॥ तत्ः किटि २ तत् किटिताः किटि २ त्ता किडताकिडाण किडताधा किटितकधदीगनधा ॥ ५ ॥ तक ३ किटि तकीटीतगनतक किटितअक धीकिटिः तक २ तकाआ धाकधा ॥ ६ ॥ तकधुमकिटितक धदीगन धिलांगतक धुमकिटितकः धदीगनधा धीं धीडना किडाणधा ॥ ७ ॥ ॥ तकिटि २ कताआकः कताकिटि धीकतआकः धीकिटितकीट २ धातक धदीगनधा ॥ ८ ॥ ॥ तकधुमकिटि २ तक २ धुमकिटि तकधुमकिटितकिटितका किटितकधदीगनधा ॥ ९ ॥ ॥ तकिटिधिकिटिधादिनः धाकिटितकदीगन ३ धा ॥ १० ॥ ॥ तकिटिधींकिटि धुमकिटितकध्धेता थुगननागीन किडनगकाता किटि-तकः धिलांनधी किटतकधा ॥ ११ ॥ ॥ तगनादिअः धाधींधीताः दिन्गन धींडं नगदीगन धींगंतधींगताः धी २ तातरांगधा ॥ १२ ॥ ॥

॥ अब तीतालाकी पचगुणी लेकी परणे ॥

॥ मात्रा ८० की आवडदी एकसे लेणी ॥

o |
धा । कि टि त क धु म कि टि त क ध्धे तां ध्धे ता त क धा । धा धीं
२ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १६ १८ २० २२ २३ २४ २६ २८ ३० ३१

कि टि त क त त त र कि टि त क ध दीं ग न धा । धीं धीं कि टि
३२ ३३ ३४ ३५ ३६ ३७ ३८ ३९ ४० ४१ ४२ ४३ ४४ ४५ ४६ ४७ ४९ ५१ ५२ ५३ ५४ ५५

धीं धीं ता ० धा । कि डा ण धा । कि टि त क ध दी ग न धा ॥१॥
५६ ५७ ५९ ६० ६२ ६४ ६५ ६७ ६८ ७० ७२ ७३ ७४ ७५ ७६ ७७ ७८ ७९ ८० इ.म

धागेदिन् २ धा किटितादिरना किटितका आधेत ध्धेताः किडना किटि, धुम किटि तक धदींगन, धा धीं धीडना किडागरा ॥ २ ॥ ॥ किडाणधा धुम किटितकध्धेता धीरकिटितक, धुम किटि धुमकिटितकतका धिना धुमकिटितकध्धेतः धीदिनतत् किटि किटिधाआ ३ ॥ ३ ॥ धुमकिटितकिटितकाकिटि तकधदींगनः धाकिटितकध- दींगन २ धधी किटितकदींगनधा तअ तअ तअ, धाकिटितक धदींगन २ धा धा धा ॥ ४ ॥ ॥ धा किटित किटितकाः किटि किटीत किटितका किटि धुम किटित किटितका धुम किटित किटितकाः किटितकध्धेताः किटि २ तकधदींगनधा ॥ ५ ॥

॥ अथ तितालाकी, परणे मात्रा ९६ की
बराबरमे, लेतो आवडदी, छे मे आवे, ने
दुगणमे । लेतो, आवडदी तीनमे आवे, ने
आडमे लेतो । आवडदी चारमे आवे, ने
तीगणमे लेतो आवदी, दोमे आवे ॥

धा दि न धा कि टि त कि टि त का कि टि धीं धीं कि टि धु म
२ ३ ४ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १४ १५ १६ १७ १८ १९ २० २१ २२

कि टि त कि टि त का कि टि त त कि टि धु म कि टि त कि टि त का
२३ २४ २५ २६ २७ २८ ३० ३१ ३२ ३३ ३४ ३५ ३६ ३७ ३८ ३९ ४० ४१ ४२ ४३ ४४ ४६

कि टि त क त क धु म कि टि त कि टि त का कि टि धं दीं ग न न न
४७ ४८ ४९ ५० ५१ ५२ ५३ ५४ ५५ ५६ ५७ ५८ ५९ ६० ६२ ६३ ६४ ६५ ६५ ६७ ६८ ६९ ७०

॥ अथ तितालाकी अडाईगुणी लेकामान मात्रा ४० का आवडदी ऐकमे लेणा ॥

॥ अथ तितालाकी, परणे मात्रा ९६ की ॥

बराबरमे, लेतो आवडदी. छे मे आवे, नेदु गणमे । लेतो,

(आवडद्दी तीनमें आवे, ने आडमें लेतो । आवडदी चारमें
आवे, ने तीगणमे लेतो आवडदी, दोमें आवे ॥

		।													०			
कि	टि	त	कि	टि	त	का	कि	टि	त	क	ध्धे	ता	धु	म	कि	टि	त	क
-७१	७२	७३	७४	७५	७६	७८	७९	८०	८१	८२	८४	८६	८७	८८	८९	९०	९१	९२

				०	
ध	दी	ग	न	धा	॥ १ ॥ ॥
९३	९४	९५	९६	सम	

धादिनधाकिटि तकिटित्तकाकिटि २ धाकिटितकिटितका किट २ तकिटितका कीटिः तकध्धेत्ता धुमकिटितक धदीगनधा ॥ २ ॥ ॥ ताः किटितक धुमकिटितक तत्किडाण किडनगदेअ धीईनाई धीडाणधा धातीन्ता धाकिटितक धग्गदीगन ध्धे धी२ किटि तकधुमाकिटि तत्किडाण कीडनगदेअ ताधाकिटि तअकधाकिटितक धदीगनधा ॥ ३ ॥ ॥ ताः दीः थुन्नाः किटितकध्धेताकित्तः किटितकध्धे कअदीः किडाणधाआः धादिन्ना धाकिटितक धाः धुमकिटि २ तातक धदीगनध्धेत्तकांनः किटितकधीनताः धिनाः तकाधिल्लांग कातांधदीगनधा ॥ ४ ॥ ॥ धीकीतकतकधीनः तकतकतकधीन्ः तकात्वकिटिधीन्ः धीकीतकतकधा किटितकः धधाकिटितक २ धीन् २ धीकिटितकिटि तरांगः धधाकिटित्तकधदीगनधा ३ ॥ ५ ॥ ॥ धीकीतकः धी २ दीन्ः किटि २ धी २ टेतक धीधीतांः न धाकिटितक धुमकिटितकः धी २ टाणधाआः किडाणधाआः ताः धाआः धी २ टत धीधीटाणः किडधानधानधाआ ३ ॥ ६ ॥ ॥ तकअतकत २ धग्गदीगन २ धेंधेएधाड २ धातीन् नानाना २ नटत त्तान २ ताधाकिटितक धाधाकिटिकतगदीगनः ताधाकिटितकधाधाकिटिकतगदीगनः ताधाकिटितक धाधाकिटिकत्त गदीगनधा ॥ ७ ॥ ॥ त्तकेधागेदीगनताः दीधा २ दीनत्ता तकिटितकाः तेदीन्त्तक धाधीदीगेतकः धाकिटितकनः धा २ किटितकन धादीन्तकनः धाधाकिटि धादिनूत्त ध्धेतकदीन्ः धाकिटिताकिटितकाथुनः ताकि तकीटितकाथुन २ ताः तादीन्धाः किटिताकिटितका आधाकधा ॥ ८ ॥ ॥ धाअ तकधाआः तक० धीगाः० धाकिटिताकिटितका० २ ध्धेत्ताआतकधाआ धाधाअ धादिनअः किटितकधदीगनधाधा ३ ॥ ९ ॥ ॥ धाआः तकधा २ किटितकः

तकधा ३ किटितकः तकधातकधा किटितक २ किटितक धदींगन धाधाधा ३ ॥ १० ॥ ॥ धाआः तकाआ तकिटितकधी किटितकिटि दिंगनधाः तकधीकिटि कातांकिटित्तकध्धे दांगणधाः किटित्तकधीकिटितरंगतकधा काताकिटितकनाः किटि ततधातरंगधा ३ ॥ ११ ॥ ॥ धा०ः किडधा किटिता २ किटितकधीकिटिधाकः धाधाकिडधाकिटितक २ तकिटिधाक धादिंगनः तकधाकिटितक २ किटितक धादिंगन २ तकिटितअकधाधाधा ॥ १२ ॥ ॥ धाआधुमाकिटित्तगनाः नगतकत्तकदे अधाकिटितकिटितका किटिः किडधातीन धाकिटितकिटितकाकिटि धुमकिटि किडना ताः धीटी २ तकिटितकाकिटि तकधुमाकिटितकिटित्तकाः किटितकधदींगनधा ॥ १३॥ धाआधुमाकिटितकनाः किटिधुमकिटिधिलांगतकधदींगनधा धदींगन धाकिटीतकः धा किटितकध्धेः किटि२ धीन्तराण तकधुमकिटितक ध्धेतकान ध्धेधी२ किटि धीकिडना धीः किटि २ कात्ता किटिधा ॥ १४ ॥ ॥ धादिन्नाः धाध्धा धादिन्ना धाध्धा धादिन्नाः तकधादिन्ना धीकीतकधाः धीधीकातअक धीलांगतादिंदीतका ध्धेतधाक कातकदीगन तकधादिन्तकः धिनतकतकः धिनाकधा ॥ १५ ॥ ॥ धादिंगनन गना तकतकधादिनः धा २ दीनः तकधादिन धादिन्तकधा २ ध्धेतकधुम ध्धेत्तरांग धदींगनः धा ३ तकदीन तकधाधातकधादिन्नाः धातककताकधा ॥ १६ ॥ ॥ धाआ ध्धेताकाताकिटितक धीधीकिटिः किटिनकांनः धाआः ताधाधदींगन ध्धेत्ता धी २ कीटितक ताधुनगाः धीडाण धीलांगः धी २ किटिधुमकिटि ध२ किटित२ किटि धातींनाधाः धुमकिटितक २ धदींगनधा ॥ १७ ॥ ॥ धाआः ध्धेताकिडना किटितकदेअ धाकिटितकः धा २ किटितक धादिंगनतकः धा २ दिंगनतक किटितधः धा२ दिंगनत्तकधाःधुमकिटिध्धेताः तक २ ध्धेताः धा २ तकधाकिटितकिटितकाआ तअकधा ॥ १८ ॥ ॥ धाआ तकधाः धीट २ धागे किटि धागेदीगे नागेकिटिः किटि २ किडधान तकधुमकिटितक धींनानाधि२ किटितक धी २ किटि त्रुमकिटि तत्ाकिटिधुमाकिटि तकिटितकाकिटिः किटि २ धुमाकिटिधिलांग तक धदींगनधा ॥१९॥ धाकिटतकिटितकाआ २ ध्धेताध्धेतकादिनः तत्तत्तत् जैश्रीगोवर्द्धननाथजीकीः जैश्रीनवनीतप्रीयाजीकीः जैश्रीगुरुदेवकी ततकीटितकधदींगनधा ॥ २० ॥ ॥श्री

धादिन्धा किटितकिट तकाकिटिः कअत्तागदींगनधागताटा कअत्तागदागनधाआः दींअर्धीडान धादिन्ताकअतागदींगनधाआः कअत्तागदींगनधाआ ३ ॥ २१ ॥

अब तीतालाकी परणे मात्रा १२८ की बरोबरमे लेतो आबडदी ८ मे आवे ने दुगणमे लेतो आबडदी ४ मे आवेः ने चोगण मे लेतो आबडदी एकमे आवे ॥

धुम कि टि धुम कि टि त कि टि त का आ कि टिः धु म कि टि त कि टि त क
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १७ १८ १९ २० २१ २२ २३ २४ २५

आ कि टि धु म कि टि त की टी त क आ कि टि धु म कि टि त की टि त क
२५ २६ २७ २८ ३० ३१ ३२ ३३ ३४ ३५ ३६ ३७ ३८ ३९ ४० ४१ ४२ ४३ ४४ ४५ ४६ ४७ ४८ ४९

आ कि टि त कि टि त क आ कि टिः धु म कि टि त क धु म
५० ५१ ५२ ५३ ५४ ५५ ५६ ५७ ५८ ५९ ६० ६१ ६२ ६३ ६४ ६५ ६६ ६७ ६८

कि टि त क ध दी ग न धा आ धा आः धु म कि टि त क
६९ ७० ७१ ७२ ७३ ७४ ७५ ७६ ७८ ८० ८२ ८४ ८५ ८६ ८७ ८८ ८९ ९०

धु म कि टि त क ध दी ग न धा आ धा आः धु म कि टि
९१ ९२ ९३ ९४ ९५ ९६ ९७ ९८ ९९ १०० २ ४ ६ ८ ९ १० ११ १२

त क धु म कि टि त क ध दी ग न धा आ धा ॥ १ ॥
१३ १४ १५ १६ १७ १८ १९ २० २१ २२ २३ २४ २६ २८ सम

किडाण किडाण तकिटितकाकिटिः किडाण तकिटितकाकिटि ३ तकिटितकाकिटिः किडाणधा २ किडाणधाआः धाधाकिडाण धाधाकिडाणधाधा ॥ २ ॥ तकधुमकिटि-तकधडीगन धाधीधींढना किडाणःतगनाआ ढ्रेताआ धागेदिन् धाधाकिठितक धातीन् ढ्रेत्ताः तकधुमकिटितक ढ्रेता तकधाः तअक धींकिटी तकधुमकिटितक धदीं-गन धागेदींगन २ धा ॥ ३ ॥ धाआ धुमकिटितकधदींगन धाधीं धींडनाकिडाणः धोड् २ तत्ःकिड्धाकिटि धींडना किटितक धुमकिटितक ढ्रेनाः धिलांग तकधुमकिटितक धदींगन नगदेअः तकदेअः ढ्रेधींराकिटितक गदींगन धागेदींगन धागेदींनधा ॥ ४ ॥

धाआकिडाण किटितकः किटितकाआततक धाकिटितकः धीर किटितक धाकिटिनक धीकिटिधुमाकिटि तकधग्गदीगन नाकिटिताकिटितकाआ धीगाआततक धीर किटि तकधीकिटि तअकधीकिटी २ धग्गदीगन २ तकधुमकिटितक ताकिटिधीकिटिः द्धेतकांनधा ३ ॥ ५ ॥ धाआकिडाण किटितक धागेदींगेनागेकिटिःकिडनग धृगड-तकतागिनीतकिटीः ताकिटिथुंनकिटिः धृग्डधागेदींगेकिटी किडाण धीडाणः धुमकिटि तिगतीकाकिटि धृगडधागेदींगन धाआताड धाधाधीदेअ ताडधाधा दींगनताड धाधाधीः धमकिटि त्रमकिटि तकता गदीगननधा ॥ ६ ॥ धाआःकिडाण किटितक-द्धेता द्धाताञककीटि धकिटिथूनग ताथरीं कुतकिटितक किटिधगडधागेदीगन त्रगड-नागेदिगन त्रग्डतागेडअः ताधगधागेः द्धेत्तानंकिटि थुंकिटिधा २ किटि धुमकिटि धाआताडधाधाधा ३ धा ॥ ७ ॥ धाआः किडाणकिटितकधेताञाआः त्रकिटितकता धागेतीटी धागेदींगेनागेतीटी किडनग किडतांन धीधादिंगन नगदेअतधाकिडाण धा त्रकडकधा किडाणधा तीकडधाताः धद्धितान धा धाधी नगदेअ तअकिडाणधा गदीगनधा कतगदीगनधा कतगदीगन धा ॥ ८ ॥

अब ललितालकीपरणे मात्रा १६० की बरोबर ।
मेलेतो आवडदी दसमेआवे नेहुणमेलेतो आव ॥
डदी पान्चमेआवे नेसुरफागतामे ने चरचरीमें ।
लेतो आवडदी चार मे आवे ॥

कि टि धा कि टि त क कि टि धु म कि टि त क कि ट धि लां ग कि टि
१ २ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १७ १८ १९ २१ २२ २३ २४

कि टि त कि टि त क आ कि टि ध दी ग न धु म कि टि त्त
२५ २६ २७ २८ २९ ३० ३१ ३२ ३३ ३४ ३५ ३६ ३७ ३८ ३९ ४० ४१ ४२ ४३

क दे अ ता कि टि द्धे ता धा धा आ धा दि न ना कि टि धा
४४ ४५ ४६ ४८ ४९ ५० ५२ ५४ ५६ ५८ ६० ६२ ६३ ६४ ६६ ६७ ६८ ७०

दि न त कि टि धा कि टि त क कि टि धा धी कि टि त काः कि टि कि टि त
७१ ७२ ७३ ७४ ७५ ७६ ७८ ७९ ८० ८१ ८२ ८३ ८५ ८६ ८७ ८८ ८९ ९१ ९२ ९३ ९४ ९५ ९६

क कि टि त गां ग त क धा धु म कि टि त क कि टीः कि टि कि टि त क दे
९७ ९८ ९९ १०० १ ३ ४ ६ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १७ १८ १९ २० २१ २२

अः धा कि टि त क कि टि की टि का ता कि टि त क ता धी धी कि टि धी धी
२३ २५ २६ २७ २८ २९ ३० ३१ ३२ ३३ ३५ ३७ ३८ ३९ ४० ४१ ४२ ४३ ४४ ४५ ४६ ४७ ४८

धु म कि टि त क धा कि टि त क धा ॥ १॥ ॥ धाकिटिताकिटितका२त्ताकिटितका२
४९ ५० ५१ ५२ ५३ ५४ ५६ ५७ ५८ ५९ ६० सम

त्तगनाधीधीः धी२किटिःधी२दिन३धी२किटितकथुनथुनथुनः धी२किटितकधदीगन द्धेत्ताद्धेकाताआक धादिनतत् धदीगनधा ॥ २ ॥

धाआकिटितकधदीगन धदीगन धाआःधिगतान् धाकिटितक२धा२किटितक धीगंत-धीगता धीदिन ताड२धाडःधीरनधीनकिटि किडानधाड धाततधीडाण तकधीडाणः तक२धीडाण द्धेद्धेधीरकिटितक थुनथुनः धिलागःधीडाणनगदेअ३धा ॥ ३ ॥ धःआ-किटितकधदीगन२धीऽःताकिटितकधुमकिटितक ४ तकतकधुमकिटितक४किडनाकिटि काताकिटितक तकिटिधीकिटि तकद्धेना किडनांआन किटितकधीन्ना तकधीन्ना धीन्नातकधदीगनधा ॥ ४ ॥ धाकिटितकःधदीगन२धाधदीगन नाकिटितक धीत्ःकि-टितक तकडतक धाकिटितकिटिता काताकिटितक धुमकिटिधा धीरन्नागधीनआ धीकीतकःधीरन्नागकिटितकःतकदे किटितकतकदे धाआतकदे धाधीन्नातकःदेःतत-धाआ तगनांगधीःधीरन्नाग धीन्नाधीकितककिटिधीन्ना तकदेअ तातद्धेतधा तकधी-टधा ॥ ५ ॥ धाआकिटितकःधदीगन२धाआद्धे किटिकिटिद्धे किटिधुनकिटि ततक धीडनाकिडाणःतक२धुमकिटि तकतकिटिधीनतराण धातीनता तकधातअका थुनगा धदीगनधा किडनगदेअ ततकिडाणधा किटितक तकधुमकिटितक तकिटितका किटिगदीगनःधागेदीगन २ धा ॥ ६ ॥

॥ अथ तीनलाकीपरणे मात्रा १९२ की ॥

॥ बरोबरमेलेतो आवडदीबारामे आवेनेडुग ॥

॥ मेलेतो आवडदीछेमे आवेनेचोगणमेले ॥

॥ तोआवडदी तीनमेआवे नेचोतालामेडुण

॥ मेलेतो आवडदी चारमेआवे ॥

धा आः ता धा ता क थु न गा धा गे दी गे ता धा कि टि त क धु म कि
२ ४ ६ ८ १० ११ १२ १३ १५ १७ १८ १९ २० २२ २४ २५ २६ २७ २८ २९ ३० ३१

टि न्न कि टि कि डा ण कि डा ण कि ड न ग ध्रु म कि टि न कि टि कि
३२ ३४ ३५ ३६ ३७ ३९ ४० ४१ ४३ ४४ ४५ ४६ ४७ ४८ ४९ ५० ५१ ५२ ५३ ५४ ५५ ५६

टि त क धृ ग ड त क धृ ग ड ध्रा गे दीं ग नं ता न ध्रा ण ध्र कि टि त
५७ ५८ ५९ ६० ६१ ६२ ६३ ६४ ६५ ६६ ६७ ६९ ७० ७१ ७२ ७३ ७५ ७६ ७८ ७९ ८० ८१ ८२ ८३

क त्र कि टि न्न कि टि कि टि त क त्र कं कि टि ध्रुम कि टि धां आ ता ड
८४ ८५ ८६ ८७ ८९ ९० ९१ ९२ ९३ ९४ ९५ ९६ ९७ ९८ ९९ १०० १२ ३ ५ ७ ९ १०

धा धा धी धा धे त्ता कि टि त क थु न् कि टि कि टि त क ध्र
१२ १४ १५ १७ १९ २१ २२ २३ २४ २५ २६ २७ २८ २९ ३० ३१ ३२ ३३ ३४

म कि टि त क ड त क त्ता ता त क धु म कि टि त
३५ ३६ ३७ ३८ ३९ ४० ४१ ४२ ४४ ४६ ४७ ४८ ४९ ५० ५१ ५२ ५३

क ग डी ग न गे द अ धा त त् धी डा र्ण घे दी न् धे
५४ ५५ ५६ ५७ ५८ ५९ ६० ६१ ६३ ६४ ६५ ६६ ६८ ६९ ७० ७१ ७२ ७३

ऐ न ग दे अ धा आ त क धु म कि टि ग दी ग न धा ॥ १ ॥
७४ ७५ ७६ ७७ ७८ ८० ८२ ८३ ८४ ८५ ८६ ८७ ८८ ८९ ९० ९१ ९२ सम

धा आता तअक धींकिटिनक धदींगन धाकिटितकिटितका धदींगनधा धी २ तातअकः धी २ ताधाआः ध्रगडकाताकिटितकः गिनकाताकीटितकः किटिकाताकिटितकः धादिन्गनतत् २ ध्रगडअ २ ध्रगड २ ताकिटि २ काताकिटितक देंगनःकाताआक धात अकधा किटिकिटितकिटिता काताकिटि ततकिटी २ किटितकिटिता काताकिटितकधीन्नादेअ तकिटितकतकिटियाः धीन्नाकिटि काताःकिटि २ तकिटिःधी २ तातअकधा ॥ २ ॥ ॥ धाःताकिटितक धुमाकिटितकः धेता २ तकधाधधींकिटितक ततरकिटितकः किडधांन २ धुमाकिटितगना २ ताकुना २ कुकुना २ तअथरांग २ तरांगधा २ धींलांगनगदेअ २ तअतरकिटितक धदींगन धा ३ ॥ ३ ॥ धाआ ताआ देअ धाआ दिन नाआ धाधाआ धादिन्नाः तकधादिन्ना तकधाकिटितकःधा २ किटितक धागडींगन धेए धींड धींडः धधींकिटि २ धादिन्धाकिटितकिटितकाकिटि

तट किटिधुमकिटितकिटितकाकिटि ...

धुमकिटित कद्धेताः तकाआ धिगा धुमकिटितक द्धेता तरांगधाधातकधा किटितक धगादीगनद्धेऐ धाधाधा ॥ ४ ॥ ॥ ताः किटि २ ताकिटितकाः धीकिटिकिटिताः किटि २ तकधीःताः किटि २ ताकिटितकाः किटि २ ताकिटितकाका किटितक धाः किटितकःताकिटितक नाकिटिनक २ तींन् २ धीकिटितकिटितरांगःताताकिटितक कतगदीगनधा ३ ॥ ५ ॥ किटितकिटिका किटितकधींई २ कीटीतकाआ किटिता-धींईःधी २ किटितकधीनधा किटितकःधीकिटितकनाकिटीतक २ धीन् २ धीःकिटीत किटितरांगःधाधीकिटितककत गदीगनधा २ ॥ ६ ॥

अवतीतालाकीपरणो मात्रा २२४ की ॥ बरोबरमे
लेनोआवडदी १४ मे आवेनेदुणमे आवर्दी ७ मे आवे ॥

त कि टि धी की टि धी धी की टि त क त कि टि धा कि टि
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १७ १८ १९

त क धु म कि टि त क त कि टि क त कि टि त रां ग त कि टि
२० २१ २२ २३ २४ २५ २६ २७ २८ २९ ३० ३१ ३२ ३३ ३४ ३५ ३७ ३८ ३९ ४० ४१

त का कि टि कि टि त क त कि टि धा दि न् ना त कि टि धा धा
४२ ४४ ४५ ४६ ४७ ४८ ४९ ५० ५१ ५२ ५३ ५५ ५६ ५७ ५९ ६० ६१ ६२ ६४ ६६

दि न् ना त कि टि त क ध कि टि त क त त् कि टि कि टि
६७ ६८ ७० ७१ ७२ ७३ ७४ ७५ ७६ ७७ ७८ ७ ८० ८१ ८२ ८३ ८४ ८५ ८६

त कि टि त क त त् कि टि ता दि थ न् ना कि टि त क त
८७ ८८ ८९ ९० ९१ ९२ ९३ ९४ ९५ ९७ ९८ ९९ १०० २ ३ ४ ५ ६ १०७

कि टि धा क द्धे त रां ग धा धा कि टि त कि टि धा
८ ९ ११ १२ १४ १५ १७ १८ २० २२ २३ २४ २५ २६ २७ २९

धु म कि टि त क त किं टि ता धी ना ता कि टि त क त
३० ३१ ३२ ३३ ३४ ३५ ३६ ३७ ३८ ४० ४१ ४३ ४५ ४६ ४७ ४८ ४९ (१५०)

कि टि थुं ग थुं गा त कि टि ताः द्धे ता त कि टिः ट ग न ग
५१ ५२ ५४ ५५ ५७ ५९ ६० ६१ ६२ ६४ ६६ ६८ ६९ ७० ७१ ७२ ७३ ७४ ७५

दे अ धा कि टि त क त कि टि धा दि न् धा कि टि त क त
७६ ७७ ७९ ८० ८१ ८२ ८३ ८४ ८५ ८६ ८८ ८९ ९० ९२ ९३ ९४ ९५ ९६ ९७

कि टि धे त ध्धे ता धा कि टि त क त कि टि धा त कि टि
९८ ९९ २०० १ ३ ५ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १६ १७ १८ १९

धा त कि टि धा ॥ १ ॥
२१ २२ २३ [२२४] सम

धुम किटि २ त किटितका किटि धुम किटि तरांग धुम किटितकः धुम किटि २ धा किटितक धुमकिटिः धी २ किटितक धुमकिटितकध्धेता धुमकिटिः धा ३ धुमकिटि धा दिनना धुम किटित किटितका धुम किटित किटितक धुम किटि किटितक धुमकिटितकध्धेत्ता धुमकिटिधेतरांग धुमकिटिः धीधींदिन्। दिन् धुमकिटि कताकिटितक धुमकिटितकदेअः धाधुमकिटि तकिटिधाक धुमकिटिः तादेअताः धुमकिटितकधा किटिधुमकिटि तरकिटितक धुमकिटितक २ धुमकिटिध्धे किटि-तकधा ॥ २ ॥

॥ अथ तीनतालाकी आडे मात्रा ९६ की आवर्दी ४ से आवे ॥

ता कि टि त क धु म कि टि त क त अ कि डा ण किं ड न ग
२ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १७ १८ १९ २० २१ २२

दे अ घें ए ए ती इ ई घी डा ण धा धा ती न ता धा कि टि
२३ २४ २५ २६ २७ २८ २९ ३० ३१ ३३ ३४ ३६ ३८ ३९ ४० ४२ ४४ ४५ ४६

त क धा ग दी ग न ध्धे धी र कि टि त क धु म कि टि तं त
४७ ४८ ४९ ५१ ५२ ५३ ५४ ५६ ५७ ५८ ५९ ६० ६१ ६२ ६३ ६४ ६५ ६६ ६७ ६८

कि डा ण कि ड न ग दे अ ता धा कि टि तं अ क धी कि टि
६९ ७१ ७२ ७३ ७४ ७५ ७६ ७७ ७८ ८० ८२ ८३ ८४ ८५ ८६ ८७ ८८ ८९ ९०

त क ध दी ग न धा ॥ १ ॥
९१ ९२ ९३ ९४ ९५ ९६ सम

ता दीं ई ना कीटितकदेअकतांग किटितकधी कअती किडागधा धादिनना

धाकिटितकधा धुमकिटि २ तातक धदीगन धेतकानकिट तकधीः तार्धीना तकधेलांग कातगदीगनधा ॥ २ ॥ ॥ तातककतकताकिटि धातकः दीग २ तातक दीदी २ गनथुन् धाकिटितकः थुनथुन् २ गन नाना २ तकनटततानःताकिटि २ ताताकिटितक दीदीदींगदीगे दीगे किटितकः थुन् २ थुगे २ किटिः नाना २ किटितकधदीगनधा ॥ ३ ॥ ताकिटितातक २ काता किटितक २ नाकिटितातक २ धाधीकाकिटितक २ धीक २ धदीगन नाताकाताआकः धी २ किटिधाः धीकाका-ताआक धाकिटिधेधेकिनांग देअधाकाता ताआकधा ॥ ४ ॥ धाकिटितकः धी २ किटितक धा धीडाण धीडनगदेअ धेताधीडाणःधा २ दिन्ना धाकिटित कत-किटिधाक धेधीकीतक तत् किटितातकधीलांग तअकधीकीटी ताधाकिटि तकआ धाकतक धदीगनधा ॥ ५ ॥ ॥ धाकिटि २ धीकिटि २ दीगन २ नागिन २ तकिटिधाकः धा २ धा २ किटि तकिटितका किटिः धा किटि २ धीकिटि २ दीगन २ नागिन २ तकिटिधाकधाआ ॥ ६ ॥ ॥ धीधीकनाट धेधेधाक धा-नता धुमकिटितकः धोड २ धाकिटिधिलांग धी २ किटितक धग्गत्ताधीकीः कि-टिधदीगन २ धाधा २ दिनना, किटिधुमकिटितक धेताधीगनत्तींतीन् नकिटितअ-कधा ॥ ७॥ ॥ धी२कधाक धाधादिननाःद्धेत २ धी २ किटितक तकधीनंन किटि २ तकःतकधुमकिटितक धिलांगः धृगुत्तअधाः किटितक तकिटिधीकिटिधीनतरांण धाकिटितक धीकिटि धीदीनताडधा ताडधाः ताडधा ॥ ८ ॥॥ तकअ तकत २ धग अदीगन २ धेधेधाड २ धातीनना २ नटततानः ताधाकिटितक धाधाकिटि तक-धदीगन ३ धा ॥ ९ ॥ ॥ नाताक किटितका ताकिटितकः थुनाकिटिधाधीकिंना नाना नागेनतक किटिधाथुन् धेधेधेता देअदेअधाकिनः तकनातानन नटतः धागिन २ धा २ गिन २ धी२ धीकी २ तकदीग किटिःधाधा २ किटि २ तकथून् धाधा २ किटितक धदीगनधा ॥ १० ॥

॥ अब तीतालाकी आडा मात्रा ६०–१२० की आवडदीपाच ।

॥ मे लर्णानेम्भूरफागताम्भे नेचरचरोकी ४ आवडदीसेआवे

तं अ क धा आ धीं की टी धा धु म कि टि धा किं टि त क धा कां

१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ १० ११ १२ १३ १४ १५ १७ १८ १९ २० २१ २२

त क धा दीं' ग न धा धे ता धा धिं लां ग धा धीं की त क धा
२५२६ २८ २९ ३० ३१ ३३ ३५ ३७ ३९ ४० ४२ ४३ ४५ ४६ ४७ ४८ ४९ ५१

कि' डा ण धा न त कि टि धा तं गी इ न धा धीं न कि टि धा
५२ ५४ ५५ ५७ ५८ ५९ ६० ६१ ६३ ६४ ६५ ६६ ६७ ६९ ७० ७१ ७२ ७३ ७५

दे' अ ता धा धा कि टि त क धुं म कि टि धां दि न ना कि
७६ ७७ ७९ ८१ ८३ ८४ ८५ ८६ ८७ ८८ ८९ ९० ९१ ९३ ९६ ९७ ९९ १००

टि ता आ त कि टि कि टि त क अ तं का ता ग दीं ग न धां ॥२॥
१ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १७ १८ १९ २० सम

तअक धा धुमकिटिकधा धगडतक धगुतअधाः तअकधींकिटि ताधाकिटि तनूधाकिटि किटिकताआक दिंगनांग धाकिटिधींकिटिः दींगनागेः दिगननागिन किटि २ तकधे तराणः धा २ किटिधा किटितकः धींधींकिटितक धुमकिटितक तअकाधींकिटिःधी २ नतकिटिधा ॥ १॥ ॥ धाधेता किडाणधाःधा २ किटितकःदेअ ३ तकधदींगनःधाधा २ दिनूना धाःकिटि २ तक धेता तकधुमकिटितक धिलांग किटितकाकिटिःधी २ किटिदिन्ः नाकिटितक धाधुमकिटितकद्धेताः किटि २ तकः तक ३ तकाआधाकधा ॥ ३॥ ॥ धाधेतातरांगधाःधा २ किटिधाकिटितकःधीं २ किटितक धुमकिटि तकः तकधुमतकधदींगः तक २ धाः किटि २ तकःधुमकिटि धुमकिटि तकतकधा धाधाधींकिटितक धेधेधेधी २ किटितकः तकधुमकिटि तकद्धेता धातकअत किटितराणधा ॥ ४॥ ॥

॥ अब तीतालाकी परणो आडीमात्रा १४४ की ॥

॥ आडीलेमे लेतो आवडदी छेमे नेतीगणमे लेतो ॥

॥ आवडदीतीनमे आवें ॥ नेचोतालाकी तीगणमे ॥

॥ लेतो आवडदीदोमें आवे ॥

द्धें त द्धे त द्धे ता कि टि त क धीं धी कि टि तं क धुं म कि टि धां दि
२ ३ ५ [illegible] १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १७ १८ १९ २० २१ २२ २३ २४ २५ २७

| ० ० |

नृ धा कि टि त क धु म कि टि कि टि त क त कि टि त का धा आं ना ड धा

२८ ३० ३१ ३२ ३२ ३४ ३५ ३६ ३७ ३८ ३९ ४० ४१ ४२ ४३ ४४ ४५ ४६ ४८ ५० ५२ ५४ ५५ ५७

० ० |

धा ता धी न्नं ता कि टि कि टि त क धा धु म कि टि ध्ये ता त क त क ध दी

५९ ६१ ६२ ६४ ६६ ६७ ६८ ६९ ७० ७१ ७२ ७४ ७५ ७६ ७७ ७८ ८० ८२ ८३ ८४ ८५ ८६ ८७ ८८

० ० | ०

ग न धा दि न ना त कि टि धी कि टि धा दि न त्ता धाः कि टि त क ध

८८ ९० ९२ ९३ ९४ ९६ ९७ ९८ ९९ १०० १ २ ४ ५ ६ ८ १० ११ १२ १३ १४ १५

० | ०

दी ग न धा धा कि टि त क ध दी ग न धा धाः कि टि त क ध दी ग न धा

१६ १७ १८ २० २२ २३ २४ २५ २६ २७ २८ २९ ३० ३२ ३४ ३५ ३६ ३७ ३८ ३९ ४० ४१ ४२ ४४

०

धा !! १ ॥ ॥ ॥ धगुत्तत्धाःधाकिटितक धुमकिटिधिलांग

सम

किटितकिटिकिटिताःकाता२ धुमकिटितकिटिताःकाता२तह्कीता काताकिटितकःधीर२ किटितक ध्धानाडधातांःकिडाणकिडनगदेअ किटितकिटिता काताकिटितकः धुमकि-टिकतक धाकधाकधा ॥ २ ॥ धा२किटिधाकिटितकः धाधाधा । धाधुमकिट धुमकिटितकःत२किटिधाःत२ किटितक ताकिटितक धाकिटितक तकथुंगाःधेत२ ध्धे ३ किटि तकिटितकिटिःतकतकतकिटिधाकःधा २ किटिकाताकिटितक धुमकिटि-तक तकधाकिटि धाकिटितक धीन्नानाधि२ किटितक धीनकिटितक तकिटिधाकधा ॥ ३ ॥ ॥ धाःकिटि २ ध्धेध्धेधाडधाःधीड २ तक धाकिटितक धीन्नंनधी२ किटि-धकःधी२नतकिटिःधी२किटिताकिटि ध्धेतकःकिटि२तकधुमाकिटि धी२किटिधिलांगधा धेध्धेधिन धुमकिटितकध्धेता ध्धेतकतक ताकिटिधाकिटि धातकःधाक२धाधाधाधा दिन्तककिटितगनाः किटितककिटि धीध्धेनाटधा ॥ ४ ॥ ॥ किटिधेकाताकिटित-राण धीधीधादिन्ना किटितकः काताःकिटी २ धुमकिटिधाकिटि धदीगनतःधिलांग किधतकदेअःधा ३ धीधेता कतादिन्तक ताध्येता धदीगनताःकिटितकध्धे धदीगन-धेअ तक २ धीनन धातनधादिन्ना तकधीगनतअ किडाणतके धुमकिटिःधी २की-टीतक धगअदीगनधा ॥ ५ ॥ ॥ किटि२ तकाकिटितराण धुमकिटिध्धे धादिनतक

धीकीतकना धेतकधुम किटि२तकतकिटितका टगनगदेअः धाकीटितक धुमकिटितक-तकिटितकाध्धेताधे तकिटिधीकिटितक धुमकिटितकध्धेताःकिटि २ तकःधादिन् २धा-ध्धेता धाकिटितककिटितक तादीथुंना तकाधाक किटितरांगधा ॥ ६ ॥ ॥ तकधुम-किटिध्धेतकान किटितराण किटितकदिन धादिन्धाकिटित ध्धेताकिटिदिन् धाकि-टितकधीकीःतक २धादिनना दिगननागिनकिटिध्धेता किटिताकिटितकिटितकाः धीरकिटिधुमःधिरकिटिताकिटि धुमकिटिधाकिटितकधा किटि२तकिटितका किटि-किटिकिटितकिटिधाक किटिधातक धेध्धेधाडधा ॥ ७ ॥ ॥ ताकिटिधाधिन्ना किटि दीगेटेतातक धधीकिटीतक धदीदीगातकः किटित्ता२ किनध्धेतकानः किटितक धीकिटिधा किटिधुमाकिटितक धुमकिटिधी २ किटि धिलांसधातकधाः किटि२तक किटिः धीधीकिटिधेध्धेनांटः धग्गदीगनतदेअधाकः ताधीनंता किटिंतकः तत्ःधुन्किटि तराण तधाकिटितकाआः धाकधा ॥ ८ ॥ ॥ त्रकिटिदिन्ग तकतराणनमदिन्त्तक ध्धेत्तधाकः कात्ताकिटिकिटितकिटितका धुमकिटितकादिन्नांः ताकिटिः तक२ ध्धेताः दिगननागिन त्तकधिलांग धीकीतकदीन् तअकिडाणतकत्धाकः किडनाकिटिधा किटितकः तकिटिधाकः किटिधाकिटिदिंगनतत्ः धी२ दीन् २ नागिनदीगनः धीण२ किटिधीदिन्त्तत्कधा ॥ ९ ॥ ॥ त्रकिटिकिटित किटितराणतानन धी २ नाकिटित्तकः किटित्तकनात्तादिन्ः त्तकनकिटिध्धेतकः किटितातान् धी २ त्तातकत धुमकिटित्तक धी२ किटितकध्धेता किटिध्धेतधाकः नन्तात्तकः देअः देअः देअ ता किटि२तकः धुम२ त्तदीकिटिधुम ध्धेतकान त्तकअ धीकिटितकधाकिटि किडनाकिटि धगअ दीगनधा ॥ १० ॥

अब तीतालाका मोहरा मात्रा १६ का ॥ बरोबरमेलेतो आवडदी एकसेआवें ॥ और दुगणलेमें तीनवखत लेणा जो दोआवडदीमे बेठेधापर मात्रा और राखीहें ॥

कि टि त क आः धा कि टि त क ध दी ग न धा ॥ १ ॥

१ २ ३ ४ ६ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ सम

कि टी त क आ धु म कि टि त क ध दी ग न धा आ ० २ कि टि त क आ
१ २ ३ ४ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १८ २० २४ ४८ ४९ ५० ५१ ५२ ५४

धु म कि टि त क ध दी ग न धा ॥ २ ॥ ॥ किटितकिटितकआ किटितक-
५५ ५६ ५७ ५८ ५९ ६० ६१ ६२ ६३ ६४ सम

धदीगन धाआ० २किटितकिटितकआ किटीतक धदीगनधा ॥ ३॥ किटितकिटित-कद्धा किटितक तरांगधाआ० २किटितकिटितकधा किटितक नरांगधा ॥ ४ ॥ किड-नाकिटि धुमकिटितक धदीगनधाआ० २किडनाकिटि धुमकिटितक धदीगनधा ॥ ५ ॥

॥ अबतीनविरयाले डुणमेलेवाकीरीती ॥

कि टि त क आ धा कि टि त क ध दी ग न धा आ आ आ कि टि त
१ २ ३ ४ ६ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १८ २० २२ २४ २५ २६ २७

क आ धा कि टि त क ध दी ग न धा आ आ आ कि ठि त क आ धा कि ठि
२८ ३० ३२ ३३ ३४ ३५ ३६ ३७ ३८ ३९ ४० ४२ ४४ ४६ ४८ ४९ ५० ५१ ५२ ५४ ५६ ५७ ५८

त क ध दी ग न धा ॥ १॥ ॥
५९ ६० ६१ ६२ ६३ ६४ सम

किडनाकिटि धुमकिटितक तरांगधाआ० २किडनाकिटि धुमकिटितक तरांगधा ॥ ६ ॥ किटितकध्धे तकदेअ धाधदीगनदेअ धाअकिटितकध्धे तकदेअ धाधदीगनदेअ धा ॥ ७ ॥ ॥ किटितकिटितका किनधागेदिगन धागेदीगन धाआ० २ किटितकिटितका किनधागेदीगन धागेदीगन धा ॥ ८ ॥ ॥ कतकधाकधा किटितकधदीगनधाआ० २ कतकधाकधा किटितकधदीगनधा ॥ ९ ॥ ॥ कातकधा दीगनधा तरांगधाआ०२-कातकधा दीगनधा तरांगधा ॥ १० ॥ काधीधीताधी धीधीता तकधदीगनधाआ०२ काधीधीताधी धीधीधीता तकधदीगनधा ॥ ११ ॥ ॥ कू धीधीना कुकूक नगदेअ धाआ० २ कू धीधीना कुकूक नगदेअ धा ॥१२॥ ॥ धुमकिटितक धुमकिटितक धदी-गनधाआ० २ धुमकिटितक २ धदीगनधा ॥१३॥ ॥ धुमकिटितरांगधा धदीगनदेअ धाआ० २ धुमकिटितरांगधा धदीगनदेअ धा ॥ १४ ॥ ॥ धुमकिटिदेअधा किटितक धदीगनधाआ० २ धुमकिटिदेअ धाकिटितकधदीगनधा ॥ १५ ॥ ॥ धुमकिटितगना

किटितकधदीगनधाआ० २ धुमकिटितगना किटितकधदीगनधा ॥१६॥ धीकिटाकि-टितकिटित्तका धीधीकिटितका धाकधाआ० २धीकिटिकिटि तकिटि धी २ किटित्तका धाकधा ॥१७॥ ॥ धीगननाद धुमाकिटितक धदी गनधाआ० २ धीगननाद धुमकि-टितक धदीगनधा ॥ १८ ॥ ॥ धीग्गंतधीगताः किटित्तकधदीगनधा आ० २ धिग्गत धिगता किटितक धदीगनधा ॥ १९ ॥ ॥ धीनदीवकिटिकिटि ताकिटितककेधीननाड किटि तअकधाआ० २ धीन् २ तकिटित्तकके धीननाड किटितअकधा ॥ २० ॥ ॥ धादिनतक धीकिटित्तक धीकिटितक धदीगनधाआ० २ धादीनतकः धीकिटित्तक२ धदीगन धा ॥ २१ ॥ ॥ धाकिटितक धीकीटी तकडधा काताकिटिधाआ० २ धाकिटितक धीकिटि तकडधा काताकिटिधा ॥ २२ ॥ ॥ धाकिटितकनधा धीकि टितक धदीगनधाआ० २ धाकिटितकनधा धीकिटितक धदीगनधा ॥ २३ ॥ ॥ धाकिटिदीगन नाकिटितगन तागेतीटीधाआ० २ धाकिटिदीगन नाकिटितगन तागे-तीटीधा ॥ २४ ॥ ॥ धीडं नगदीगन धीलांनधी किटितकधाआ० २ धीडंनगदीगन धीलांनधी कीटितकधा ॥ २५ ॥ ॥धीणधीणतकिटि धुमकिटतक धदीगनधाआ० २ धीण २ तकिटि धुमकिटितक धदीगनधा ॥ २६ ॥ ॥ धिडंनधीधीता धेता तरांग-धाआ० २ धीडंतःधीरता धेता तरांगधा ॥ २७ ॥ ॥ धीदंतधीदंत धग्गदीगनतक धाकधाआ० २धीदंत २धगादीगनतक धाकधा ॥२८॥ ॥ धदीगनधा धदीगन धदी-गन देअधाआ० २ धदीगनधाःधदीगन २ देअधा ॥२९॥ ॥ धदीगनधा तरांगधा धदीगनधाआ० २ धदीगनधा तरांगधा धदीगनधा ॥३०॥ ॥ धदीगनधा तगनाधा तागेतीटी धाआ० २धदीगनधा तगनाधाआ तागेतीटी धा ॥३१॥ ॥ धदीगनधा धेताधा धीनकिटि धाआ० २ धदीगनधा धेताधा धीनकिटि धा ॥३२॥ ॥नगदेअ तकदेअ धाधदीगनदेअ धाआ० २नगदेअ तकदेअ धाधदीगनदेअ धा ॥३३॥ नगत-कतकदेअ धाधदीगनदेअ धा० २ नगतकतकदेअ धाधदीगनदेअ धा ॥ ३४ ॥ ॥ नाकिटिताकिटि तकतक तरांगधाआ० २ नाकिटिताकिटि तकतक तरांगधा ॥३५॥ नानागिडगिड तकथुं धानाधाआ० २ ना २ गिड २ तकथुं धानाधा ॥ ३६ ॥ ॥

थुंगननागिन धुमकिटितक धद्दीगनधाआ० २ थुंगननागिन धुमकिटितक धद्दीगनधा ॥ ३७ ॥ थुकिटिनाकिटि कातांकिटि तरांगधाआ० २ थुकिटिनाकिटि कातांकिटि तरांगधा ॥ ३८ ॥ ॥ थरकिटि थरकिटि कातांकीटी धाआ० २ थरकिटि ३ काताकिटिधा ॥ ३९ ॥ ॥ थरकिटि थरकिटि थरकिटि नगदेअधा० २ थरकिटि ३ नगदेअधा ॥ ४० ॥ तकधुमकिटि धुमकिटितक धद्दीगनधाआ० २ तकधुमकिटि धुमकिटितक धद्दीगनधा ॥ ४१ ॥ ॥ तगनगदेअ धाकिटितक धद्दीगनधाआ० २ तगनगदेअ धाकिटितक धद्दीगनधा ॥ ४२ ॥ ॥ तत्कधीकीटि धीधीकिटि तकधद्दीगन धाआ० २ तत्कधीकिटिःधी २ किटितक धद्दीगनधा ॥ ४३ ॥ ॥ तकेअ तागेत धाकिटितक धद्दीगनधाआ० २ तकेअ तागेत धाकिटितक धद्दीगनधा ॥ ४४ ॥ ॥ तकधा तकधा तकधा धद्दीगनधाआ० २ तकधा ३ धद्दीगनधा ॥ ४५ ॥ ॥ तकधी धीःधी तकधद्दीगनधाआ० २ तकधी धीःधी तकधद्दीगनधा ॥ ४६ ॥ ॥ तका धिगा धुमकिटितक धद्दीगनधाआ० २ तका धीगा धुमकिटितक धद्दीगनधा ॥ ४७ ॥ ॥ तअकिटिकिटि धुमकिटितक धद्दीगनधाआ० २ तअकिटिकिटि धुमकिटितक धद्दीगनधा ॥ ४८ ॥ ॥ तगना धीधी टोतक धद्दीगनआ० २ तगना धीधी टोतक धद्दीगनधा ॥ ४९ ॥ ॥ टगना धीधी धुमकिटि धद्दीगनधाआ० २ टगना धीधी धुमकिटि धद्दीगनधाआ ॥ ५० ॥ तत्थुन् तत्थुन् तकतक धद्दीगनधाआ० २ तत्थुन् तकथुन् तक २ धद्दीगनधा ॥ ५१ ॥ ॥ तअ थरींग धुमकिटितक दद्दीगनधाआ० २ तअथरींग धुमकिटितक धद्दीगनधा ॥ ५२ ॥ ॥ तत्थुंगा तकाथुंगा तकतक दद्दीगमधाआ० २ तत्थुंगा तकाथुंगाः तक २ धद्दीगनधा ॥ ॥ ५३ ॥ तत्थरींगता धीदीन् तअ किटितकधाआ० २ तत्थरींगता धीदिन्तअ किटितकधा ॥ ५४ ॥ ॥ ताकिटिधीकिटि धाकिटितक धद्दीगनधाआ० २ तकिटिधीकिटि धाकिटितक धद्दीगनधा ॥ ५५ ॥ ॥ ताकिटिताकिटि तकतकधद्दीगनधाआ० २ ताकिटि २ तक २ धद्दीगनधा ॥ ५६ ॥ ॥ ताकिटिताकिटि नगदेअ धातरांगधाआ० २ ताकिटि २ नगदेअ धातरांगधा ॥ ५७ ॥ ॥ ताकिटिधीन्ना धुमकिटितक धद्दीगनधाआ० २ ताकिटिधीन्ना धुमकिटितक धद्दीगनधा ॥ ५८ ॥ ताकुक-

थुंगननागिन धुमकिटितक धदींगनधाआ० २ थुगननगिन धुमकिटितक धदींगनधा ॥ ३७ ॥ थुकिटिनाकिटि काताकिटि तरांगधाआ० २ थुकिटिनाकिटि काताकिटि तरांगधा ॥ ३८ ॥ ॥ थरकिटि थरकिटि काताकीटी धाआ० २ थरकिटि ३ काता-किटिधा ॥ ३९ ॥ ॥ थरकिटि थरकिटि थरकिटि नगदेअधा० २ थरकिटि ३ नग-देअधा ॥ ४० ॥ नकधुमकिटि धुमकिटितक धदींगनधाआ० २ तकधुमकिटि धुम-किटितक धदींगनधा ॥ ४१ ॥ ॥ तगनगदेअ धाकिटितक धदींगनधाआ० २ तग-नगदेअ धाकिटितक धदींगनधा ॥ ४२ ॥ ॥ तत्कधीकीटि धींधींकिटि तकधदींगन धाआ० २ तत्कधीकिटि:धी २ किटितक धदींगनधा ॥ ४३ ॥ ॥ तकेअ तागेन धाकिटितक धदींगनधाआ० २ तकेअ तागेत धाकिटितक धदींगनधा ॥ ४४ ॥ ॥ तकधा तकधा तकधा धदींगनधाआ० २ तकधा ३ धदींगनधा ॥ ४५ ॥ ॥ तकधी धीःधी तकधदींगनधाआ० २ तकधी धीःधी तकधदींगनधा ॥ ४६ ॥ ॥ तका धिगा धुमकिटितक धदींगनधाआ० २ तका धींगा धुमकिटितक धदींगनधा ॥ ४७ ॥ ॥ तअकिटिकिटि धुमकिटितक धदींगनधाआ० २ तअकिटि-किटि धुमकिटितक धदींगनधा ॥ ४८ ॥ ॥ तगना धींधी टेतक धदींगनआ० २ तगना धींधी टेतक धदींगनधा ॥ ४९ ॥ ॥ टगना धींधी धुमकिटि धदींगनधा-आ० २ टगना धींधी धुमकिटि धदींगनधाआ ॥ ५० ॥ ततथुन ततथुन तकतक धदींग नधाआ० २ ततथुन तकथुन तक २ धदींगनधा ॥ ५१ ॥ ॥ तअ थरींग धुमकि-टितक ददींगनधाआ० २ तअथरींग धुमकिटितक धदींगनधा ॥ ५२ ॥ ॥ तत-थुंगा तकाथुंगा तकतक ददींगनधाआ० २ ततथुंगा तकाथुंगाः तक २ धदींगनधा ॥ ॥ ५३ ॥ ततथरींगता धींदीन तअ किटितकधाआ० २ ततथरींगता धींदिनतअ किटितकधा ॥ ५४ ॥ ॥ ताकिटिधींकिटि धाकिटितक धदींगनधाआ० २ तकिटि-धींकिटि धाकिटितक धदींगनधा ॥ ५५ ॥ ॥ ताकिटिताकिटि तकतकधदींगनधाआ० २ ताकिटि २ तक २ धदींगनधा ॥ ५६ ॥ ॥ ताकिटिताकिटि नगदेअ धातरांग-धाआ० २ ताकिटि २ नगदेअ धातरांगधा ॥ ५७ ॥ ॥ ताकिटिधींन्ना धुमकिटि-तक धदींगनधाआ० २ ताकिटिधींन्ना धुमकिटितक धदींगनधा ॥ ५८ ॥ ताकुकु-

नाकुक्क धीलांगतक धदीगनधाआ०२ ताकुक्कनाकुक्क धिलांग तकधदींगनधा ॥ ५९ ॥
॥ ताकिटिधाकिटि तकधदीगनधाआ० २ ताकिटिधाकिटि तकधदीगनधा ॥ ६० ॥
॥ तागिनतागिनधा तगीनधा तागिनधा० २ तागिन २ धा तागिनधां तागिनधा ॥ ६१ ॥
॥ तागिनतागिनधा तागिनधिनतागिनधाआ० २ तागिन २ धा तागिनाधिनतागिनधा ॥
॥ ६२ ॥ ॥ तागिनतागिन धा धा धिता किडधागिनधाआ० २ तागिन २ धा २
द्धेता किडधागिनधा ॥ ६३ ॥ ॥ तगनातगना तगनाधदीगनधाअ० २ तगना३
धदीगनधा ॥ ६४ ॥ ॥ धीन्धीन धीन तकदीगनधाआ० २ धीन् २ द्धीन् तकध-
दीगनधा ॥६५॥ टीतकदिन्नाम धदीगनधाआ०२ टीतकदिननाम ददीगनधा ॥६६॥

॥ मोह्रा ठाडुणका ॥

किटि किटि तक द्धे ताआ धदी गंन धा आ धदी गन धां आ धदी गन
१ २ ३ ४ ५६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६

०
धा ॥ १ ॥ किटि किटि तक द्धे तां आ ताः धा आ ताः धा आ ताः
सम १ २ ३ ४ ५ ६ ७-८ ९ १०. ११–१२--१३--१४-१५-१६

०
धा ॥ २ ॥ ॥ धुम किटि तकि टित का आः धदी गन धा आ धदी गन धा
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३

आ धदी गन धा ॥ ३ ॥ धुम किटि तकि टित का आः ता आ धा आ ता
१४ १५ १६ सम १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११

आ धा आ ता आ धा ॥ ४ ॥ ॥ धुम किटि तकि टित का आ त रा ग
१२ १३ १४ १५ १६ सम १ २ ३ ४ ५ ६ ६॥ ७॥ ८

धा आ त रा ग धा आ त रा ग धा ॥ ५ ॥ ॥
९ १० १०॥ ११॥ १२ १३ १४ १४॥ १५॥ १६ सम

॥ मोह्रा फेरलीखेहैं मात्रा १२ का नेऐकधा मात्रा ४ की ॥

॥ पेहेले लगाईजायगी सो सोलेह मात्राके होयगे ॥

॥ बराबरकी लेमेलेवेनो आवडदी ऐकमेआवे ॥

॥ नेदुणमे लेतोआवडदी १॥ मेआवे तीनदाण लेणा ॥

॥ उठाणा धादिन्था किटितकिटितका किटिः ॥

इसु बराबर दोआवडदी मे आवेगा ॥

॥ बराबर लेसमसेसमतक ॥

o | o o
धा आ० किटि किटि तक धदी गन धा
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ सम
२ ४ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६

॥ लै दुगण ऊठाणले करती नवीरीया मोहोरा ॥

॥ लेणाजो आवडदी दीमें आवे ॥

o
धा दिन धा किट तकि टित का किटि धा आ किटि किटि
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२

o o
तक धा धदी गन धा आ किटि किटि तक धा धदी गन धा आः
१३ १४ १५ १६ १७ १८ १९ २० २१ २२ २३ २४ २५ २६

o o
किटि किटि तक धा धदी गन धा ॥ १ ॥ ॥
२७ २८ २९ ३० ३१ ३२

धाआः किटिकिटितकधा तरांगधाआर किटिकिटितकधा तरांगधा ॥ २ ॥ धाआःतअका धाधागदीगन धाआर तअकाः धार गदीगनधा ॥ ३ ॥ ॥ धाआः तकिटिधीकिटितक धदीगनधाआर तकिटिधीकिटितक धदीगनधा ॥ ४ ॥ ॥ धाआः ध्धेता तकतक धदीगनधाआर ध्धेता तकतक धदीगनधा ॥ ५ ॥ ॥ धाआः ध्धेत्ताः तकर तरांगधाआः ध्धेताः तकर तरांगधाआः ध्धेत्ताः तकर तरांगधा ॥ ६ ॥ ॥ ॥

॥ अब तीतालाका टुकडा मात्रा ८ का

॥ तीनदाणलेणा धासुदा जो आवडदी १ में

॥ आवे लैदुगण होवे ॥

o | o
किटि तक धदी गन धा आ किटि तक धदी गन धा आ कि टि तक
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४

o
धदी गन धा ॥ १ ॥ ॥
१५ १६ सम

किटितक तरांणधाआ२ किटितकतरांगधा ॥ २ ॥ ॥ किटितक धाधा धाआ२ किटितक धाधाधा ॥ ३ ॥ ॥ किटितकाआ धाक धाआ२ किटितकाआ धाकधा ॥ ४ ॥ ॥ किटिकिटितक धाधाआ२ किटि किटितकः धाधा ॥ ५ ॥ किटि किटितकध्धेताआः२ किटि२ तकध्धेता ॥ ६ ॥ ॥ किटि किटितकधेता-धाआ२ किटि२ तकधेताधा ॥ ७ ॥ ॥ किटि किटि किडाणधाआ२ किट२ किडाणधा ॥ ८ ॥ ॥ धुमाकिटि धदीगनधाआ२ धुमकिटि धदीगनधा ॥ ९ ॥ धुमकिटितरांगधाआ२ धुमाकिटितरांगधा ॥ १० ॥ ॥ धुमकिटिध्धेताधाआ२ धुम किटिध्धेताधा ॥ ११ ॥ ॥ धुमाकिटि कतकिटिधाआ२ धुमकिटि कताकिटिधा ॥१२॥ धीधीकिटि धींधींताधाआ२ धीं२ किटिः धीं२ताधा ॥ १३ ॥ ॥ धींधींकिटि तराणधाआ२ धीं२ किटितरांणधा ॥ १४ ॥ ॥ धींधींकिटिकातकधाआ२ धीं२ किटिकातकधा ॥ १५ ॥ धींधींकिटि किडाणधाआ२ धीं२ किटिकिडाणधा ॥ १६ ॥ ध्धेताकिटितकधाआ२ ध्धेताकिटितकधा ॥ १७ ॥ ॥ ध्धेताधदीगनधाआ२ ध्धेताधदीगनधा ॥ १८ ॥ ॥ ढ्धेता तरांगधाआ २ ढ्धेता तरांगधा ॥ ॥ १९ ॥ ध्धेतातागेतींटिधाआ २ ध्धेतातागे तींटीधा ॥ २० ॥ ॥ धींधींता धदीगनधाआ २ धींधींताधदीगनधा ॥ २१ ॥ ॥ धींधींतातरां-गधाआ२ धींधींतातरांगधा ॥ २२ ॥ धींधीनतधीनकिटिधाआ२ धींधीं-नतधीनकिटिध ॥ २३ ॥ ॥ धींलांनधींकिटितकधाआ २ धींलांनधींकिटितकधा ॥ २४ ॥ ॥ धींदंअत धींकिटितकधाआ २ धींदंअत धींकिटितकधा ॥ २५ ॥ ॥ धींकिडताधींकाताकिटिधाआ २ धींकीडताधींकाताकिटिधा ॥ २६ ॥ ॥ धींडाणनग-देअधाआ २ धींडाणनगदेअधाआ ॥ २७ ॥ ॥ धींणधींणधाकिटितकधाआ २ धींण २ धकिटितकधा ॥ २८ ॥ ॥ धदीगनधा धाधाआ २ धदीगनधाधाधा ॥ २९ ॥ ॥ धदीगनतरांगधाआ २ धदीगनतरांगधा ॥ ३० ॥ ॥ धदीगन तागेतींटिधाआ २ धदीगनता गेतींटीधा ॥ ३१ ॥ ॥ धदीगनध्येता धाआ २ धदीगनध्धेताधा ॥ ३२ ॥ नगदेअतकदेअ धाआ २ नगदेअतकदेअ धा ॥ ३३ ॥ ॥ नकतकतकदेअ धाआ २ नकतकत कदेअ धा ॥ ३४ ॥ नकिटितकिटितकधाआ २ नकिटितकिटितकधा ॥ ३५ ॥

नाना क्रिडाणधा आ २ ना २ क्रिडाणधा ॥ ३६ ॥ ॥ थुगिननागिनतकधाआ २ थुगनानागिनतकधा ॥ ३७ ॥ ॥ थुगिनतकिटितकधाआ २ थुगनतकिटितकधा ॥३८॥ थरींगनगदेअधाआ २ थरींगनगदेअधा ॥ ३९ ॥ ॥ थरींगनगितींटिधाआ २ थरींगतागेतीटिधा ॥ ४० ॥ ॥ तकतकधदींगनधाआ २ तक २ धदींगनधा ॥ ४१ ॥ तकतकतरांगधाआ २ तक २ तरांगधा ॥ ४२ ॥ ॥ तकधाकधाकधाआ २ तकधाकधाकधा ॥ ४३ ॥ ॥ तगनांगधाधाधाआ २ तगनांगधाधाधा ॥ ४४ ॥ ताकिडाणधाधाआ २ ताकिडाणधाधा ॥ ४५ ॥ ॥ ततकधी किटितकधाआ २ ततकधी किटितकधा ॥ ४६ ॥ तकाधींगातकधाआ२तकाधींगातकधा ॥ ४७ ॥ तकधुमाकिटितकधाआ२तकधुमकिटितकधा ॥ ४८ ॥ तअ किटिकिटितकधाआ२तअ किटिकिटितकधा ॥ ४९ ॥ तअ तरांगधाधाआ२तअ तरांगधाधा ॥ ५० ॥ तकिटिधीकिटितकधाअ२तकिटिधीकिटितकधा ॥ ५१ ॥ तकिटिधीनातकधाआ२तकिटिधीनातकधा ॥ ५२ ॥ तकाधाधाकधाआ२तकाधाधाकधा ॥ ५३ ॥ ताताअक धाधाआ२ताताअकधाधा ॥ ५४ ॥ ध्वेताधाधाकधाआ२ध्वेताधाधाकधा ॥ ५५ ॥ धीकिटिधाधाकधाआ२धकिटिधाधाकधा ॥ ५६ ॥ धें किटि किटितकधाआ २ धें: किट २ तकधा ॥ ५७ ॥ ॥ धिगनाकिटितकधाआ २ धीगनाकिटितकधा ॥ ५८ ॥ धाः धदींगनदेअधाआ २ धदींगनदेअधा ॥ ५९ ॥ ॥ धाः तरांगदेअधाआ २ तरांगदेअधा ॥ ६० ॥ ॥

॥ अथ तीतालाका टुकडा मात्रा १६ । ३२ ॥ का बरोबरमे
लेतो आवडदी ४ मे आवे ने दुणमे लेतो आवडदी २ मे आवे
ने चोगणमे लेतो आवडदी १ मे आवे ॥

०				।								०			
धा	ता	धा	ता	धा	ता	धा	ता	धा	ता	धा	ता	धा	ता	धा	ता
२	४	६	८	१०	१२	१४	१६	१८	२०	२२	२४	२६	२८	३०	३२

०
धा ॥ १ ॥

धा तरंग धा तरंग धा तरंग धा तरंग धा तरंग धा तरंग धाः तरंग धा तरंग
२ ४ ६ ८ १० १२ १४ १६ १८ २० २२ २४ २५ २८ ३० ३२
धा ॥ २ ॥
सम

धा किटि तक धा किटि तक धाः किटि तक धा किटि तक धा किटि तक
२ ३ ४ ६ ७ ८ १० ११ १२ १४ १५ १६ १८ १९ २०

धा किटि तक धा किटि तक धा किटि तक धा ॥ ३ ॥
२२ २३ २४ २६ २७ २८ ३० ३१ ३२ सम

धा किडाण धा किडाणधाः किडाणधा किडाणधाः किडाणधा किडाणधा किडाणधा ॥ ४ ॥ ॥ धींकतक धाकतकधाः कनकधाः कतकधा कतकधा २ ॥ ५ ॥ ॥ धाधदीगन धाधदीगन धा धदीगनधा धदीगनधा धदीगनधा २ ॥ ६ ॥

॥ अथ तीतालका टुकडा मात्रा ४ कालेहु ॥

॥ एमि ल्हेणा तीनदाण ॥

धा दी न धा कि टि त कि टि त का कि टिः कि टि त क धा कि टि
१ ३ ४ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १४ १५ १६ १७ १८ १९ २० २२ २३ २४

त क धा कि टि त क धा ॥ १ ॥
२५ २६ २८ २९ ३० ३१ ३२ सम

किटि २ धाः किट २ धाः किटि २ धा ॥ १ ॥ ॥ किडाणधा ३ ॥ ३ ॥ किडधागिनधा २ ॥ ४ ॥ ॥ किडधादिन्धा ३ ॥ ५ ॥ ॥ किडदांताधा ३ ॥ ६ ॥ कनअकधा ३ ॥ ७ ॥ कातकधा ३ ॥ ८ ॥ ॥ धुमकिटिधा ३ ॥ ९ ॥ ॥ धुमतकधा ३ ॥ १० ॥ धुमदिन्धा ॥ ११ ॥ ॥ धुमधुमधा ३ ॥ १२ ॥ ॥ धींधीं किटिधा ३ ॥ १३ ॥ ॥ धींकीतकधा ३ ॥ ४१ ॥ ॥ धील्लांगधा ३ ॥ १५ ॥ ॥ धिनकिटिधा ३ ॥ १६ ॥ ॥ धींगदिन्धा ३ ॥ १७ ॥ ॥ धिनगिनधा ३ ॥ १८ ॥ धेनाधा ३ ॥ १९ ॥ ॥ धेकिटिधा ३ ॥ २० ॥ ॥ धींधींताधा ३ ॥ २१ ॥ ॥ धींधींदिनधा ३ ॥ २२ ॥ ॥ धिल्लांनधा ३ ॥ २३ ॥ ॥ धींननअधा ३ ॥ २४ ॥

धदीगनधा ३ ॥ २५ ॥ दिनगनधा ३ ॥ २६ ॥ नगद्धेधा ३ ॥ २७ ॥ नग. दिन्धा ३ ॥ २८ ॥ नतक्किटधा ३ ॥ २९ ॥ नतत्ताधा ३ ॥ ३० ॥ नागेतिटि धा ३ ॥ ३१ ॥ नानाकिड़ाणधा ३ ॥ ३२ ॥ तकधिनधा ३ ॥ ३३ ॥ तकदिनधा ३ ॥ ३४ ॥ तगनाआंगधा ३ ॥ ३५ ॥ तरांगधा ३ ॥ ३६ ॥ तागेतीटीधा ३ ॥३७॥ ॥ तकद्धेता ३ ॥ ३८ ॥ ॥ तनकधा ३ ॥ ३९ ॥ ॥ थरींगधा ३ ॥ ४० ॥

॥ अव तीताल्मे छेधा लेआो प्रमाण ठाकीलेमे बराबर ॥

॥ की लेमे दुगणकी लेमे नचोगणकी लेमे ॥ ४ लेमे ॥

॥ अव प्रथम ठाकीलेमे आवडदी ८ मे आवे ॥

धादिनधा किटितकिटि तकाकिटि धींधींकिटि धुमकिटि नकिटि तकाकिटि तकधदी गनधा धा किटितकधदीगनधाः धाकिटितकधदीगनधाधा ॥ १ ॥

॥ अव बरोबर कीलेमे आवडदी ४ मे आवे ॥

धादिन् धाकिटि तकिटि तका कि टि धी धी कि टि धु म कि टि न कि टि त का कि टि त क ध दी ग न धा धा कि टि त क ध दी ग न धा धा कि टि त क ध दी ग न धा धा ॥ २ ॥ ॥

अव दुगणकी लेमे आवडदी २ मे आवे ॥

धा दिन धा कि टि त की टी त का कि टि धी धी कि टि धु म कि टि न कि टि त का कि टि त क ध दी ग न धा धा कि टि त क ध दी ग न धा धा कि टि त क ध दी ग न धा धा ॥ ३ ॥ ॥ ॥

॥ अव चोगणकी लेमे आंवडदी एकमे आवे ॥

धा दि न धा कि टि न कि टि त का कि टि । धी धी कि टि धु म कि टि त कि टि न का कि टि त क ध दी ग धा धा कि टि न क ध दी ग न धा धा

कि टि त क ध दी ग न धा धा ॥ ४ ॥ ॥

॥ अबछेधाआईलेमे लेवाको प्रमाण आवडदीदो ॥
मे आवे

धा दिं ना धा कि टि त क ता कि टि त क ध दी ग न धा धा कि टि त
क ध दी ग न धा धा कि टि त क ध दी ग न धा धा ॥ १ ॥ ॥

अब तीगण मे छे धालेवाको प्रमाण आवडदी १ मेलेणा ॥

धा दिं ना धा कि टि त क ता कि टि त क ध दी ग न धा धा कि टि त
क ध दी ग न धा धा कि टि त क ध दी ग न धा धा ॥ २ ॥ ॥

अब तिनालमे नोधा लेवाको प्रमाण बरावरमे
लेणा आवडदी ४ मे आवे नेठाकीलेमे लेणो आवडदी ८ मे आवे ॥

धा दि न् धा कि टि त की टि त का कि टि धी धी कि टि धु म कि टि
कि टि त क ध दी ग न धा धा धा कि टि त क ध दी ग न धा धा धा कि टि
त क ध दी ग न धा धा धा ॥ १ ॥ ॥

॥ अब दुगण कीलेमे ९ धाले वाको प्रमाण आवडदी २ मे आवे ॥

धा दि न् धा कि टि त कि टि त का कि टि धी धी कि टि धु म कि टि
कि टि त क ध दी ग न धा धा धाः कि टि त क ध दी ग न धा धा धा कि टि
त क ध दी ग न धा धा धा ॥ २ ॥ ॥

॥ अब चोगण लेमे ९ धालेवाको प्रमाण आवडदी १ मे आवे ॥

धा दि न् धा कि टि त कि टि त का कि टि धी धी कि टि धु म कि टि

किटितक धदीगनधाधाधा किटितकधदीगनधाधाधा किटितकधदीगनधाधाधा ॥३॥

अब तितालामे बारे धा लेवाको प्रमाण ॥

बरोबर मेले तो आवडदी ४ मे आवे ॥

धादिन् धाकिटिताकिटितकाकिटि ता किटितकधदीगनधाधाधाधा किटि तकधदीगननधाधाधाधा किटितकधदीगनधाधाधाधा ॥ १ ॥ ॥

अब दुगणकीलेमे १२ धा लेवाको प्रमाण आवडदी २ मे आवे

धादिन् धाकिटितकिटितकाकिटि ता किटितकधदीगनधाधाधाधा किटितकधदीगनधाधाधा किटितकधदीगनधाधाधाधा ॥ २ ॥ ॥

अब चोगणकीलेमे १२ धा लेवाको प्रमाण ॥

आवडदी ऐकमे आवे ॥

धादिन् धाकिटिताकिटि तकाकिटिताः किटितकधदीगनधाधाधाधाः किटितकधदीगनधाधाधाधा किटितकधदीगनधाधाधाधा ॥ ३ ॥ ॥

अब तीतालामे १५ धा लेवाको प्रमाण ॥

ले दुणीमे आवडदी २ मे आवे ॥

ध्धेता ध्धेता ध्धेता किटितकधदीदनधाधा धाधाधा किटितकधदीगनधाधा धाधाधा किटितकधदीगनधाधाधा धा ॥ १ ॥ ॥

अब तीतालाकी दुणमे १८ धा लेवाको प्रमाण ॥

आवडदी २ मे आवे ॥

ध्धेता ध्धे किटितकधदीगनधाधाधाधाधाधा किटितकधदीगनधाधाधा धाधा किटितकधदीगनधाधाधाधाधाधा ॥ १ ॥ ॥

अब तीतालामे २१ धा लेवाको प्रमाण ॥

दुणकी लेमे आवडदी २ मे आवे ॥

किटितकधदीगन धाधाधाधाधाधाधाः किटितकधदीगन धाधाधाधाधां-
धाधा किटितकधदीगन धाधाधाधाधाधाधा ॥ १ ॥ ॥

॥ श्रीकृष्णायनमः ॥ अब श्रीमाहा देवजीका तांडव नृत्य साङ्गीत लीखतें ॥ ताल जल्दतिताला ॥ पिरमलु ॥ ॥ ताः तीदाम्र थेईयाः थेइयाः थेइयाः दीगदीग तथैईः थेइः तथैईः थैई ॥ तादीदीतकथो धिगनांम धुमकिटितो तीदांम् क्रिटिरतकतकरधिकितकः तकधीकीतक धिलांग तकधदीगनथैई ॥ १ ॥ तादीधेत्तातरतादीथाः तादीद्धितातरतादीथाः तादीथारतादीद्धेता तादीधा । था तादीथा ॥ २ ॥ ता । थेईथेई३तितेताः थेईथेई२तितेताः थेईथेईतितेतारथेइति तेतारतितेताः थेईथेई३तीदतथेई ॥ ३ ॥ ॥ तीद्दिधित्तत तीदीधित्तत थेईतारत्ति द्धीत्तत दिग २ ततकत्ताता तिगदातीतकथेई ॥ ४ ॥ ॥ त्तथुन् तकथुन् तकतक धिकितकतकाधिकीतक धिलांग तकथोरतकधिकितक धिलांग तकथोर त्तथुन् तकथुन्ःतकरधीकीतकः तकधिकीतक धिलांगतक धदीगनथेई ॥ ५ ॥ ॥ ताकि-टितकः दीकिटितक दिन्नामः धुमकिटिताद्धीः द्धेतांग तकथोः तोधीम्मरधि-त्तामरधिलांग३तकधदीगनथेई ॥ ६ ॥ ॥ ताकिटिरद्दिकिटिरतथुनगाथुन्गा द्धीधाः धीकितकः धीकीरतकः धीकितकदींनांमथोः थुंगथुंग तथुंग तकधीकीतक थुग्डदाम् धिलांग तकधदीगनथैई ॥ ७ ॥ ॥

थाःथेई तकतकधिकीतक थुंगातकथुंगारत्तथुंगाथुंगा तकथुंगाथुंगा थोमथुंगाः तथुंगतक धीकीतादी गाथो तकतक धदीगनथेइ ॥ ८ ॥ ॥ था थेई ततथेइ तत-थेई थेइतारथेइरताः थेइरताः थेइता २ तिधा ता तीदतथेई ॥ ९ ॥ ॥ ता ~ःथेई ~ तथेई ~ तथेइ ~ तथेइता ~ थेइ थेइ थेइ थेइ थेइ थेई तीदतरथेइ~ तथेइ ~ तथेई ~ तथेइतारतीदीधीत्तातरथेइताः तोदीधीत्तातरथेइताः थेइ ~ः तथेइ ~रतथेइताः थेइ६तीदीतथेई ॥ १० ॥ ॥ तां~ः थेइ~तथेइ~ तथेई ~ तथेईता थेइथेइत्त दीगदींगतेतग ताना तीगदाथेईरतांथेइ~ तथेइ~ तथेइ~ तथेइतारतीदीधी तातरथेइताः तीदीधीतातरथेइताः थेइ~ तथेइ ~ तथेइ ~ तथेइताः थेइर तदीगदीग तेतगताताीगदा तीतकथेई ॥ ११ ॥ ॥ त्तथाः दिग८तथुंगा थुंगाः

दीगदतथुंगा थेई तथाई तीदीथी धीकितक ताना धिलांग तकदीगनथो

॥ १२ ॥ ॥ थुथुथुथु थुंगातक२ताथुंगा तकथुंगा तकथुथुथुथुताः थोदिग नानानानानाना तादीकथो तक२धदीगनथेइ ॥ १३ ॥ ॥ धुमध्धेता धेतां- तक धीकीतक तकिटिधीकिटि धिलांगतकथो२धुमद्धेता२धेता धेताक्तक धेता तकधेता धुमधेता द्धेता तकधदीगनथै ॥ १४ ॥ ॥ त्तकिटि४थुमाकथोः त्तकिटि४थुगाकथोः थुग्डदांनां थुगडदिन्दिन् धुम२थुगिन नागिन तकथो धीदामः ताहत्ता२हत्ता३गदीगनथेई ॥ १५ ॥ ॥ थाधिकितक तकधीकीतक तकधीकीतक तकतकधीकितक२तकधीकीतक२धीकीतक तकधीकीतक धिलांग तकधदीगनथेइ ॥ १६ ॥ ॥ ता ॰ तीधीता तेदिगतीधो तीदीथातेतिगती- धी२तीदीततथा ॰ तीदीथाः तादीथा५तीगदाम् ४दीग२त्तथाः तथैइताःथैइता२ तीदतथेइ ॥ १७ ॥ ॥ पेलीपिरमलुसुवासकी ॥ ताआ॰थेइथेईऽ२ताः थेई३याः थेइ २थेइयाःथेइया३तीधीतत॰२२ ताःथेइथेइथेइया२तीधितत४ताःथेई२याः थेइ२थेइयाः थेईया३तीधीततीधीततः दीग२तेदिगताता तीगदातीतकथेई ॥ १८ ॥ ॥ ईतीसुधीतालकी तांडवनृत्यशांगितसंपुरण ॥

अब उटाणदुसरी सुधीतालकी ॥ ॥ तेत्तताधिन्ना धिन्ना ॰ तेतेताधिन्नाः द्धेद्धे तकतकतकतक धीकीतक तकधीकीतक धिलांग तक धदीगनधेई ॥ १ ॥ ध्धेध्धेः तक ४ धीकीतक तकधीकीतक धिलांग तकथो २२ तकधीकी- तक धिलांगतकथो २ ध्धेध्धेः तक ४ धीकीतक तकधीकीतक धिलांगतक धदीगनथेई ॥ २ ॥ ॥ त्तुग्डदांम धीधीकिटितक धीकीतक ताकुंकू ना- कुकू धित्तांग तकथो २ ताकुकू नाकुकु धित्तांग तकथो २ त्तुग्डदांम धीधीकि- टितक धीकीतक ताकुकू नाकुकू धित्तांग तकधदीगनथेइ ॥ ३ ॥ ॥ त्तुग्डदाम २ धधीकिटितक तुग्डदाम् धुमाकतकथो २२ त्तुग्डदाम थुमा- कतकथो २ त्तुग्डदाम २ धीधीकिटितक थुग्डदामधुमाक तकगदीगनथेई ॥ ४ ॥ ॥ त्तुग्डदाम २ तुग्डदाम त्तुग्डदाम थुमाकथकथो २२ त्तु

गड्दाम थुनाकतकथो २ चतुग्डदाम् २ तुग्डदाम त्तुग्डदाम थुमाक तक-धदीगनथेई ॥ ५ ॥ ॥ ताथेईया दीगदीगथेइया तीधीतत थेइ थेइत दीग-दीग ततकताता तीगदाथेइ २ थेइथेइत दीगदीग ततकताता तीगदाथेंई २ ताथेइयाः दीग २ थेइया तिधीततः थेइ २ तः दीग २ ततकताता तीगदा-तीतकथेई ॥ ६ ॥ ॥ तथेइ ४ तीदीतत थेइथेइत दिगदिग ततकताता तीगदाथेइ २२ थेइथेइत दीग्दीगततक तातातीगदाथेई २ तथेई ४ तीदी-ततः थेइ २ ततः दीग २ ततकताता तीगदा तीतकथेई ॥ ७ ॥ ॥ त्तदि गदिग ४ तादिगदिग ४ तत्तादिगदिग तदिगदिगतत्तः दिग २ ततकताता तीगदाथेई ˇथेइˇदीग २ ततकताता तीगदाथेइ २२ त्तदिगदिग २ ततकताता तीगदाथेई २२ ततकताता तीगदाथेइ २ तथेइ ४ थेइता २२ त्तदीगदीग ४ तादिगदिग ४ तत्तादिगदिगतिः दिग २ त्ततः दीग २ ततकताता तीगदा थेइˇथेइˇदीग २ ततकताता तीगदातीतकथेइ ॥ ८ ॥ ॥ त्तथेइःदिग २ थेइः ततकताता तीगदाथेई तेः दिग २ त्ततःदिग २ ततकताता तीगदाथेईˇथेइˇ दीग २ ततकताता तीगदाथेई २२ त्तथेइः दीग २ थेइ ततकताता तीगदाथेई २ ततकताता तीगदाथेई २ तथेइ ४ थेइता २२ त्तथेई दीग २ थेइ ततक-ताता तीगदाथेइ तेःदिग २ त्तत दीग २ ततकताता दीगदाथेई ˇ थेइ ˇ दीग २ ततकताता तीगदातीतकथेई ॥ ९ ॥ ॥ दीग ८ त्ततकताता तिगदाथेई तेः दिग २ तत्तदिग २ ततकताता तीगदाथेइ ˇथेइˇ दिगदिग ततकताता तीगदाथेइ २२ दिग ८ त्ततकताता तिगदाथेइ २२ ततकताता तीगदाथेइ २ तथेइ ४ थेइता२२ दिग८त्तेतकताता तिगदाथेइ तेः दिग२तत्तः दिग२ततकताता तिगदाथेइ थेई दिग २ ततकताता तिगदातीतकथेई ॥ १० ॥ ॥ त्त ३ दिग २ ततकताता तिगदाथेई तेः दिग २ त्ततः दिग २ ततकताता तिगदाथेई ˇ थेइ ˇ दिग २ तत-कताता तिगदाथेइ २२ त्त ३ दिग २ ततकताता तिगदाथेई २ ततकताता तीगदाथेई २ तथेई ४ थेईता २२ त्त ३ दिग २ ततकताता तिगदाथेइ तेः दिग २ त्ततः दिग २ ततकताता तीगदाथेई ˇ थेइ ˇ दिग २ ततकताता तीग-

दातीतकथेइ ॥ ११ ॥ ॥ आरपटी ॥ ॥ तेतेताधिन्नाधिन्ना ततेता धिन्ना ध्धीथाआ २ ध्धेधेथाः तीन्न २ ता ॅः तीन्न २ ता ध्धीता २ ताध्धीता ताध्धीता किटितक धदीगन २२ थेइ ॥१॥ ॥ धिधता २ ताध्धिता ॅ २ किटि-तक धदीन (चलति) थेइत्तता तीदीथोएई त्तथेऐई दिग २ तेतकतीदीताः त्तथा॥२॥ धा धीकीतक तकथो थाथाथाधिकितक तकथो२तकथो धीकीथो धीकीतक थाथा धिलांग तक धदीगनथेई ॥३॥॥ धेता तादी तकतक धीकीतक थुकिटितकथुंगा२थुकिटि तक४तक२धीकीतक धेत्ता तादी थुन्थुगा धिलांग तकधदीगनथेइ ॥ ४ ॥ तका॰तकथुन् तकतकतकथुन्२तकतकथुन्२तकथुन्ः तका॰ तकथुन् तकधदीगन-थेइ ॥ ५ ॥ ॥ तकथुन्किटितक३ थुमाकथो२२ तकथुन् किटितकथुमाकथो२ तकथुन२थुंगेथाः तकथुंगा थुमाक तकधदीगनथेइ ॥ ६ ॥ ॥ आरपटी ॥ धिन्नाम् तादीई किटितकतादीः ताहत्ता धीना धीन्नाम् ताहत्ता ताहत्ता ताहत्ता धिन्नाम ताहत्ता३ (चलत) धदीगन तेतेतेतेतेतेतेते तकथो धिकीथो धीकी-तादीकथो धिकीतकथुंगा जिग२तत्था२ततथाः (श्रीमहादेवजी पार्वतीजीकाताण्ड-नृत्य) थोदिगदाम् ददीगनः दाम् दाम ददीगन२ दाम ददीगन२थोः दिग२ दिगदीम् दिग२तत्तथा थोदीगदीम् धदीगनः दीम्२ददीगन दीम्२ददीगन दिम ददीगन२ थाःदीग२दिग२दीमःदिग२ तत्तथाः थोदिगदामददीगनः दाम्२ददीगन थोदिगदीमददीगनः दीम२ददीगन थोदिगदाना थोदिगदिन्दिन् धीकीतक तथुं२-थाआ धिकीतक तथुन्२थाथाधिकीतक तथुन्२ तथुन् थुंग धिकीतादीकथो गदीगनथेइ ॥ १ ॥ ॥

सब्द गनेसजीको ॥ ॥ थेईतेते२त्ततत्२थाः त्तथा किटि२गुणतक तक-थुन् थुंगथाः अंगतंग किटितक धीकीथाः० त्तथा किटितकनाना धीकीथरीं घीः किटि२तक धीका थुंगा अर्दद मदलो बुद्धि किनायक विनकिटि हरलों गनपति झेझेझे कुर्र कुटर कुट्ठे झेझेझे कुर्र कुटर कुट्ठेः दिन्नाम थरीक२ आलम् गथ्थो धीकिडिकिटितक धीकाथुंगा गनपति गोथुम् गथ्थी बनहर अग्दथीम

तग्डधीम्त्तकधीकथा किट्टाः किटि२ताः अंगतंगे किटितक धीक्कीथा ॥ ८ ॥

॥ अथहणमंतमोरलीखतो ॥ दीग२त्तथा त्तथा दीगदीग त्तथा त्तथा ततथाः थाआ८ द्धीकिटितादीदीदी द्धीकाथो द्धीकिटितादीदीदी तातगना किटितक ताः किटि२तक तकथुं किटितक धीःकिटि२तकःतोधीम्२धिताम्२धिलाम२ धिलाम् तकधदीगनथेई ॥ ९ ॥ ॥ थाथुंगाः तक२थुंगा२तकतकःथुंगा२तकतकथुंगा२ धा तक२थुंगा२थुंगा२थुमाक ददीगनथेई । १० ॥ ॥ द्रिग२तअ्था ततथा ताआ किटिथुंगा ताताकिटिथुंगा ताताकिटि दीदीकिटि किड्धा किटिथुंगा दिन्ना दिग्डदाम द्धे धे त्तकथुंगा तकगदीगनथा ॥ ११ ॥ ॥ थाआ थुन्गा थुंमाकथुंगा थोथुंगा२था ॥ १२ ॥ ॥ तादिःदीदी३द्धेता किटितक तादीःदीदी३द्धेता किटि-तकतादी दी४द्धेता तादीःदी४द्धेता त्तदीध्धेता२ ताध्धेता२धिता धिलांगथो२-धिलांग३ददीगनथेई ॥ १३ ॥ ॥ ध्धे३किटि दा३किटि धुम३किटि तक२धी-कीतक ध्येगीनांग२ददीगनथेई ॥ १४ ॥ ॥ पडार ॥ ॥ त्ताक२तक तकधी-कीतक त्ततका थोः तकधीकीतक दीकत्ताक तक तकधीकीतक दीद्दीकाथो तकधीकीतक थुंगत्ताकतक तकधोकीतक थुन्थुंगाथों तकधीकीतक नांगत्ताकतक तकधीकीतक नंन्नंगाथो तकधीकीतकःताक२तकःतकधीकीतक दीकताकतक तकधीकीतक थुंगताकतक तकधीकीतक नांगताकतक तकधीकीतकःता२तक दीकताकतक थुंगताकतक नांगताकतक२२ताकिटि७तका दीकिटिः ताकीटि-६ तका थुंकिटिः ताकिटि६तका नाकिटिः ताकिटि६तका२२ताकिटि३तकाः दीकिटिः ताकिटि२तका थुकिटिःताकिटि२तका नाकिटिःताकिटि२तका२२ता-किटितका दीकिटितका थुकिटितका नाकिटितका२तोधीम्२धिता२म्धिलांम२-धिलाम तकधदीगनथेई ॥ १५ ॥ ॥

अथ जेतसब्द लिखते सुधीतालमे ॥

. था थुंगा थोधोथुंगा तथुंगतक धिग तकिटिधीकिटि धिलांग तकयोः थुंग-नांग दिका थोतकथुंगा तोधमीक धमीक तकधीकितक धमीक २ जिगथाः थातथुंग थुंगा तथुंगतुक-थुंगन्नाग दित्था ॥ १ ॥ ॥ दीग २ त्तथा २ ततथाः ॥ थाधुमकिटि तकथुंगा तादीद्दा ददीगनधोः थुंकिटित्ता किटिथुथुकिटि ताकिट थुंगताक २ दिग २ तत्तथाः तोधम ताधिम २ तकधिम तोधमीक २ दिग २ तत्तथाः थुग्ड्दाम थुंगाथो नगदीत्था ॥ २ ॥ ॥ था धुमकिटि धिग-नाम धिक्काथो तकथुंगाः थाथुंगा तथुंगथुंगा तकधीकीतक तथुंगथा थुंकिटितक-थों थुंन् तक तकयो तथुंग तक दिग तादीत् दीत्था ॥ ३ ॥ ॥ तद्ः तक ३ ताकुनाथर्र कुकुथर्रक ताकुनत्था तेथेइया दिग २ थेइया तथुंगथाः तथुंग ता किटिथरीं थेइत २ थेइता तिधीत्तथेई धिमत् २ धिमताः दिग २ त्तथइ तेढिंढि कूतीदीतत् तीदीता कुनन्था ॥ ४ ॥ ॥ तत्ताधित्तातार्थर्र थर्रकततक तक २ ततक तत्तक ४ त्तत्तक २ तक २ थों दिगदांम ४ दींगदींगंदांम २ दिगदाम् दी थुगिननागिनदी नंगाथोंथो' धिम् ६ धी दिग २ त्तत्तथाः किनः किटिकि नकिन् किन २ किंकिं किनक २ किन ३ किंकिः किनंझ २ किनझे २ किन किनझे किनक २ किन ३ नगदेत्था ताः थर्र थर्रांगथा ॥ ५ ॥ ॥ त्तथ-रींग झीन्ना झीनकिटितकताकुनाथरकः तक ३ तनझें कुन्दर कुकुदित्थाः ताकु झाकु टगनगनग जिग; २ थरी २ कुकुदेव ३ थाः ताकुदेव ३ थाः था २ था थर्रकः तकथर्रक २ खिरेट २ दींहोटक तकदिन्नाम धुमकिदींतांदी ताकु-झांकुता ताकुथरी २ झींख २ दिंनाम किड २ थाः किड् २ थाः झांत २ झीन् झीन् कुकुताकुताकुः ताकु २ ताकु ३ ताकु ६ था थर्रकथा ॥ ६ ॥ ॥ त्ताकिटिः ता २ किटि [illegible]

धीकीथो धिकीतकतक धीधीकिटितकथोः धिगेधुमकिटि घिलांग तकधदीनः किनकिनकिन किनझेझझेकिटिःताकु१थरीक२झीं २ झीकिटि धुमकिटि थरींगथा धिलांग त्तदिग धुमकत्ताकतक ताकिटि थुनकिटि तकःथुन्२तकदीग टोटकदित्था ॥ ७ ॥ ॥ त्तझीन्ताकुझीन ताताकुकुत्तझीमः ताकुकु२झीकुकु२झीन झीन् झींद कुन्द कूः डिन२कुकुथा किनक झिनक कुकुथरी ताताकुकु३तत्थाकिनकझिनककुकुथरीकुकुत्तत्त झिनथरींगथा ॥ ८ ॥ ॥ सिवपरण ॥ ॥ झीनपट उटदीये तेःदीग२तीधाः झईझलकत अतथेईतथेई सुदन रहीरी लखिते दिग२तिथाः भोवन विसालक्षी थातत्त तीदीथाः ततथाः स्वानीमृगतेतेतेथेइ समसरन वनत तीधा२नागरीको नेनयुत ताथुंःतकथु२गवरीके भोलेसम्भु-थुथुकिटि४डेरूडिमरूवाजे ईकलंगनाथ जुके नाचे तान्डवनाच थुनतक धतक२-तकथुंगा ततथाःकरनमे किंकनी तेतेतेते तीधा पायनमे पेंजनी दीअःधिलांग-२धीक्रीतकतक थुंगाततथाः भनतविहारी (संकर) तेगदातेथेई प्यारीऐसी नहीहे ओरत्रीयः तक२थुंगेथा देखवेके येहीदिन थुंतक३चसम चसालक्षी तथेइता२तीधतथेई ॥ ९ ॥ ॥ था८थर्रक त्ततक त्ता कुकुदाथर्रकः . ताकु४-त्ततक थर्रकथाः थाथर्रक तक२थर्रक त्ततक ४धेतक२खीरेट२खीरेटः किं३झि-नक२झिनकाःझिन२थरक२थरकाःथर२किनक२ किनकाःकिन२ढीकुकु२ ढीकु२-झीनक२झीनःथरक२थरःकिनक२किनःढीकुकु२ढीकुःझिन२थर२किन २ढीकु२-अग्डदेअःझीनकिठि थराकिटि नगदेअथा ॥ १० ॥ ॥ थर्रककिनजग ताकु-कुनाइनाकुझेतंजिगथा थातंजिगः तक२तंजिग थर्र खिर्र किंकिंकिः कुकुथा२ कुकुः२थाःकुकु३थाःकुकु२था ॥ ११ ॥ ॥

॥ अब चोतालाकी पिरमलु लिखते ॥

[illegible]

लांग० द्धे ३ धि २ किटितक थुंथुं धिलांग ददीगनथेई ॥ १ ॥ ॥ त्तथा दिग २ थेइ० त्तथा तकिटिधीकिटि धीधीकीटतक धीकीतकधिलांगथा २ ता. धिलांग तकधिलांगः तक २ धिलांग ० तकिटिधीकिटिः धी २ कीटतक धीकीतक धिलांग ददीगनथेइ ॥ २ ॥ ॥ त्तथा दिग २ थेइ ० त्तथाः थाथेइतथेइः तेते २ थेइ दीग ३ ततो दीग ३ त्तथेइ थेइतीधा २२ ततथा ३ थेइ ६ तीदतथेइ ॥ ३ ॥ ॥ त्तथा दीग २ थेइ ० त्तथाः तिताता २ तिधाथेइया २ तेथेइया २ थेइ ततत २२ तीधीतत तेतकताता तीगदातीतकथेइ ॥ ४ ॥ ॥ त्तथा दिग २ थेइ ० तथा त्तताताः थेइ ४ त्तताता २२ थेइ ४ ततीदतथेई ॥ ५ ॥ ॥ ताथुन् तकथुन् तकतक धीकीतक तकधीकितक धिलांग तकथो धीकीतक धिलांग थों २ थुग्डदांना थुग्डदिन् दिन् धीकीतकः धीकिधीकितक ४ धिलांग धदीगनथेइ ॥ ६ ॥ ॥ तीदीदीथेइया ३ त्तथा २२ तीदीदीथेइया त्तथा २ तीधा ४ थेइधा ३ तीधीत्तत तेतगताता तीगदा तातगता तेतगथेइ ॥ ७ ॥ ॥ ताता थुकिटि तादीकत्थो तकतक धीकीतक धिलांग थों २ धिलांग तादीथाः धिलांगथाः धिलांग तकधदीगनथेइ ॥ ८ ॥ ॥ त्त ताता थेई थेई थेई थेइ ततता २ त्तताताः थेइ ३ थेइ ५ तीदतथेइ ॥ ९ ॥ ॥ त्तथाः दीग २ थेइः थेइ २ ताः थेइया ३ ततथेइ २२ तत्थाः दीग २ थेइः थेइ २ दीग २ थेइः थेइ२ ततथेइः तत्थाः दिग २ थेईः थेइ २ ताः थेइया ३ ततथेइ ॥ १० ॥ ॥ त्तदीगनाम् धधीकिटितकधीकीतक तकथुन् थो २ ताथुन् थोः तकथुन्थो २२ तकिटिधीकीटतकः धीकता ३ ददीगनथेइ ॥ ११ ॥ ॥ तेदिगदिग ४ तीदीतत तेदीगताता तिगदाथेई २२ तिगदाथेइ ३ था ५ था ५ धाततथेई ॥ १२ ॥ च कलप ॥ थेइ जिग जिग ततथेईः थेइ थेइ त्तः थोंदीगदांनाः नाना २ दीदी २ धीकीतक थुंथुनग धीकी तादीगथो ददीगनथेइ ॥

थेइतत्ते थेइ ५ ततता ४ तातीधा थेइततः थेइ थेई तत ३ थेइ २ तीध्धा-
तिदतथेइ ॥ ॥

॥ अथ कलप चपकतालकी लीख्यते ॥

जीगजीग तत्ः थेइथेई थेइ ददीगनः जिग २ ततधा थोदिगदानाः
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ २ ४ ६ ८ १०
नाना २ दीदी २ धीकीतक थोथोंग धीकीतादी गत्थो ददीगनथेई ॥
॥ प्रोहोपाजुरी ॥

सुरगंगा जमुना पटीयते तदर्पायते देवसतलास्तिलं गियते मथिलियते गन्स ताराकरोपियते गवरीजटनटी जदि कंसतालियते सिन्धु अद्भुतनाट संभर्ग्निय जातत आकास गंगाः जाततगोकोन गादी गगन गनपति गोप्रतीन्दा गणेस गावत ब्रह्मा पिन्नाकी हरतन कवला वेद संध्याव्र षानी तावत पुत्र पवित्रा सजन प्रोहितो करते राज लच्छमी अग्र दच्छने पिछते सभागुरु पिष्टतो रंग वावे अंग सम्भवः पताक त्रीपताक सचीमुख अर्धसेखर चंद्रकाराति भवरो राल मुष्टसेखर मोरपिच्छ सजल जलद नील मुरलीधर हंसगवन गुंजमाल विराजमान ॥ ॥ ताल चपक ॥ ता० तीदा तीदीथेइ ॥ ततताता तिधा थेई ततः थेई२तत थेइ२तत२ २ततथाः तथेइःथेइ२ तथेइ तिदीथेईः ता०तीदातीदत्थेइ ॥ १ ॥ ॥ ततताताःतधीया ततधिया धीया तधीया तधीया ततधीया धिया तधीया तधीया ततधीया४तथेइ थेइ२तथेइ तीदीथेइ ताः तीधा ती.थेइ ॥ २ ॥ ॥ पीरमलु ॥ ॥ ताकुताकु थरीं ताकुकु ताकुथरीं २ झींतथा २२ ताकुकु ताकुथरीं झींनथा २ झींतथा २झींझीं ताकुत कुथरीं ताकुकुताकुथरीं २झींत झींथा ॥ ३ ॥ ॥ तधीकीटि ताकिटि धीकीतक तकधीकीतक थुंथुं थो २ ताथुंथो तकथुथो तकथुंथो२तधी धीट तकधीकीतक तकधीकीत थुंथुं थुमाक धधीगनथेइ ॥ ४ ॥ ॥

॥ अब वृह्म की फलप लिखते ॥

थेइः जिग२ततथाः ॥ थों दिग दा नाः न्ना नां२ दी दीं२ धीं कीं तं
१ २ ३ ४ ६ ८ १० १२ १३ १४ १५

क थो थे गं धी कीं ता दिं क त्थों ददी गन थेई ॥ आसरी वचन ।
१६ १७ १८ १९ २० २१ २२ २३ २४ २६ २७ २८ सम

वृंह्मा तालधरो हस्तकरो बीनाकरो भारतीः वंसी कंभी की धुनि धरो सीरदा फुरो किन्नेर । गीत नादा तुंमर मृदंग जंतरी कुवार हस्ताव अंनेहे श्रीकृष्ण देवज्ञ तुमको रिच्छा करतहें अग्रते पिण्डते राजा दच्छने साम गुरू प्रीतिअन्तरेपोहोपाजुरी वांम भागे चतुरंग भोमिकाः तातांधा तींधीततथेइ थेईतते थेइते थेइतेथेई ततथाः थेइनेते थेइ नेथेइ तेथेइ ती ततथा थेइतन थेइथेईता धी धा तीधीतीतथेइ ॥ तीधा थेइतन थेइथेइ तत २ तातातांःतीधा२तीदीततथेइ ॥ २ ॥ ॥ तधीयातत धीया धीया तधीयाःता ३ तीधा तीदीततथेई ॥ ३ ॥ तीधींधीं तीधींततः तततीधीतत २२ थेइ ३ तीधा तीधीततथेइ ॥ ४ ॥ ॥ युंग ॥ थेईतःतेथेइ३तीतेता २२ थेइतः तेथेइ३थेइतातीधा तीधी ततथेइ ॥ ५ ॥ ॥ तीधा थेइततथेइ थेइतत२ता३तीधातीधी ततथेई ॥ ६ ॥ ॥ पिरपलु ताकु झिनकिटिः झनकनाकुधरीं नाकुकुझींधरी झींतथाथाः ताताता तीधाती धीततथेइ ॥ ७ ॥ ॥ चोक ॥ ताथेइयथेइयाथेइः ततथेइयथेयाथेइ ताथेइ तातीधा तीधीततथेइ२२ताथेइय थेइया थेइताःथेईतथा२थैथाःता३तीधा ती धी-ततथेइ ॥ ८ ॥ ॥ तेतथेइदिगदीग४तेतेथेइः दिग२तेदिगदा तिगदातीतकथेइ२२ तेतथेइः दिग२तेदिगदा तिगदा थेइ२ २तेतेथेइ दिग२तेदिगदा तिगदा तिकथेइ ॥ तेतथेइ दिगदिग४तेतेथेइ दिग२तेदिगदा तिगदा तीतकथेइ ॥ ९ ॥ ॥ तथरक थुंगडदाम० किटितकथो० नान्नांगथाः किन२कत्थोः थरी२ कथो थुंगडदाम तदांगन ददद दांमः दींदीदींदींमः तथुंगा तकधींकीनक धींनीधीततथेइ ॥ १० ॥ ॥

अत्र झूंझताल कीअस्तुत लिख्यते रागअडाणो ॥

चचकार ॥ ॥ थेइ ४ तत ३ थेइ २२ जिग २ तत्था तत्था ततत्था ॥ थेइ ते थेइ तेतेथेइ ॥ मिरमलु ॥ धग्डदेअ धधीकिटितक धीकीतक तकधीधीकीतकः तरांगतकथो धीकीतक धिल्लांग तकधदीगनथो २ धग्डधदीः किटि २ तक २ धीकीतकः धधीकिटितक २ धीकीतकःतक धीकीतक २ तकधदीगनथो ॥ १ ॥ ॥ आनंदी आनंदरूप आदि भवानीः भगत ऊधारनी असुर सिंघारनी तीनलोकमानी ॥ पिरमलुः थाथुग्डदाम् धिधीकिटितक धीकीतकथुगाथौ था दित्था थौ थुगधा २ तादीदी धिधीकिटितकः धी ४ धीकीटितक दांनाधिधीथा थाथुंगा तकदधीगनथेइ ॥ २ ॥ ॥ ताता ताकिटितकतक धीकीतकः थु ३ किटितकथुंथोः थुंग २ तथुंग तकधी कीतक तगदीत ततुग्डदांम धदीकिटितकधीकीतकः थुंकिटिताकिटि धीकीनादिक थुंगा दिकः थुंगा २ तादी कत्थो तकददीगनथों ॥ ३ ॥ ॥ बुलाई ॥ ॥ तीधाथेइया तत्थेइया २ थेइ ३ तथेइ ॥ थेई ४ तःतीधीतत तेदिगदाता तिगदा तितकथेइ ॥ तीधा थेइयाःतथेइया २ थेइ २ तथेइ २२ जोड ॥ ताथेइयाः थेइ २ थेइयाः थेइ २ थेइयाः थेइ २ तततः ताथेइयाः थेइ २ थेइयाः थेइ २ तातीरत थेइ ॥ तथेइः थेइतीदा २ थेइया थेइ दीग ३ थेइ थेइया २ ततता २ थेइ ४ ततत २२ तथेइः थेइतीदा २ थेइया थेइः दीग ३ थेइ २२ तथेइ ४ दिग २ तीदीदीततत ते निगदाता तिगदाथेइ । तथेइथेई तीधाः थेइता २ थेइता तीदतथेइ ॥ ४ ॥ पीरमलु ॥ धीकीतकतगदीगन ताकिटि धीकीतक तकतकिटि धीकीतकः । तगदीग २ थुगतक धांकीतक ददीगनथों ॥ ५ ॥ ॥ जोड ॥ तीधीतेतेः दीग २ तेदिग दाता तिगदाथेइ ततकदाता तिगदा ततकथेइ थेईय ४ तीधाः थेइ ६ त २२ तीधीतत दिग २ तेदिग दाता तिगदाथेइ ततकताता तिगदा तितकथेइ २२ तथेइ ४ दिग २ तीधीततः तेदिगदाता तिगदाथेइः थेइये ४

तीधा थेइ थेइ तातीधत थेइ ॥ ६ ॥ ॥ पिरमलु ॥ था थरेंक तकथरेंक धीकीधुमाकथो किटितक थरेंक धुमाकथो ताकुन्दाकिनजगथा २२ ताथुंगा तकथुंगा तक २ धीकीतक थुंगा तथोंगथुंगा त्ततुर्ग्डदेअ धुमाकतक धदीगनथो ॥ ७ ॥ ॥ ताः थेइत तीधी २ थेइत दिग २ तैदिगदाता तिगदाथेइ २२ ताः थेइत तीधी २ ताः थेइत तीधी २ थेइत तीधी २ थेंइ २ तः दिग २ तेदित दाता तिगदाथेइ ता थेइत तीधी थेइ २ त दिग २ तेतगता ता तिगदातानकथेइ ॥ ८ ॥ ॥ पिरमलु ॥ तकिटिधीकिटिः धी२किटितकः द्गनाम् धी२किटितकथोः टगनग२दिन्तक२टोहोटकथाः दित्तकथाः ताथुंगतक धिकथुंगतकः ताथुं२धिकीथुं२ताथैंगतकधदीगनथें ॥ ९ ॥ ॥ जोड ॥ ताः थेइथेइतत२थेइतत:थेइ२तत थेइ२तत:तीधीततः तेदिगदाता तिगदाततगथेइ२२ तथेइ४तीधीतत२ताः थेइ२तततीधीतत तेदिगदाता तीगदा तीतकथेई ॥ १० ॥ ॥ प्रमलु ॥ ताथुंथुं तकथुंथुंथाः ताथुं२धिकिथुं·ताःतथांमें२ तकधदीगन थेइ ॥ ११ ॥ ॥

कालीकर त्रसुलवरदायक रुद्रानी त्रिष्णसिंह सेवगकी रीच्छकर रिच्छजनीः दानाः ना ४ दी४ दीकीतक थोंगतक धधीगनथेइ ॥१२॥ ॥ ब्रंह्मताल पेसकार तिधा थेइया थेइथेइया थेइ थेइया थेइ थेइ तत थेई
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० सम ताल १०

॥ अब झफतालका पिरमलु तथा पेसकार ॥

पेसकार ॥ ताथेइया थेइ ४ या ॥ तीधाथेइया थेइथेइया २ तिधा थेइया थेइथेइ२तथेइ ॥ मिरमलु ॥ तादींदी दीत्तकतक धीकीतक धुमतक धितांगतक-थोंः तादीदीदीन्तिकथो दीन्दीत्तकथोः तादीथोदीदीथोदी ३धित्तांगतकधदीगनथेइ ॥१ दाम दाम दामः धिलांगतक धीकीतक थुं थुं थर्र गर्र ठःतथुंगता तकधदिगनथेइ ॥२ उचार ॥ त्तत्तथा । ततत्तथा त्तथा ॥ त्ततकुन कुकुताकुन कुकुताकुनः त्तताकु-नथाः त्तथाः धंग्डं ताकिटि कुन्दा कुकु ताकुन कुन्दाः धग्डंता किटा ३त्तताकुन था ॥ ३ ॥ इत्यादि ॥

॥ तालस्वरफागताका चचकार ॥

तत्थाः- ततथा ॥ पिरमलु ॥ थुग्ड्दाम दीग्डदामः तक२धीकीतक तादी धीकीटि थुमाक तकथो २२ त्तथुमाक दिगथुमाक थुं थुंन्नादीधीकीटिः थुमाक२ तक धदींगनथेइ ॥ १ ॥ सिव २ जटा मुकट गंगाधर ॥ धधीधी धधीकिटिः तक २तकथुं थुग्डदाम ददीगन थुमाकथो २२ घुमधुमतक ३ थरंक ददींगनथेइ सोभित त्रइनेत्र नीलकंठ पारवतीवर ॥ २॥ पिरमलु। त्ततरांगः तकतक २ धीकीतक थुंथुंथो २२ ताकिटि धीकिट्टिथुंथुं धधीकीटितक धदींगनथो ॥ ३ ॥ ॥ ॥ जोड ॥ १ ॥ तिधाथैया तेथेइया तेथैयातन २ तीधधीतत्त तेदिगत्ताता तीगदाथेइ ॥ ४ ॥ ॥ पिरमलु ॥ झींझीं झिनकिटितकः तकतंझें थुगिन नागिन थुमाक्ततक थो २२ धुम २ ताः ताधिना ४ दिग२ताः ताधिता ४ दिगनांगः तरांग २ तक धदींगनथों ॥ ५ ॥

अबगणेसपरण—१—त्था २ परणेतो
पहले सिरुवादःग्रंथकीमे लीख चुकेहेंबाकी
यहापरःलीख्वीहे ॥ ताल तिताला ॥ सब्द ॥

धिग्र्डदेअ धधीकीटितकः धीकीतक २ दुदाला दुःखभंजनाः तक २ धीकीतक धिलांगतकथोः थरिकिटि सदा सुवालीबेसःद्धिः थुग्डकिटितकतकधीकीतक धीकी-तकः सारापेली सुमरजे धीधीकिटितक२ धीकीतक २ तुवप्रसाद गणेशः धीकीतक२ धदींगनथोः तक३ थो धीकीःतक २ थोः धीकीतक२ तकथों दिनधिलांग तकध दींगनथों ॥ ३ ॥ टहकुकु २ टीगनथरिकिटिथर्डींग किंः नग ३ झीं झींथाः झींथाः कुकुथा किनथाः टहकुकुः ताकु २ द्धे किनजगनामः अगेडधी किनजगन जगनांम किंः जग ३ झीं२ थाः झीनकिटिझींथा ताकुन्नथा कुकुन्नथाः ताकुन कुकुन ताकुन्नथाः तं जगनग झंथडींग रुणझेकिटितकःढिकुकुताव्कुकु २ ढिकुताव्कु २ किनाकिटितकनाम। थरंकपिरंकताकुथरीः कुकुथरीकिटिथरी किन जग जग२२ थाः गणपति झींझींकिटितक-नागदीन्था ॥ ४ ॥ ११ सब्द ॥ धीगिडदान्ना धीकीधरीः झिनकिटिकुकुथरी मुगट

विदंतनः थुंकिटि २ तक दींदींमुख दंतविनायकः थुन्नाकिटिः ना २ किटि थुना ना२ किटि कलुबारें हिनं ना गिडगिडतकः नाना गीडगीड दिगमं मर्राहनंः ताकुकु २ जककिकि काया ततकिटि तींटींजाया मदनसकाया कानकइरे कपुर सइरे श्रवनन उलथा लयोसंज समान ऊः विनकालगसब्दः असुरनसइ सुखरनसईः तक २ थाः तक २ धी तक २ थाः तक २ धीः तक २ धीकीतकः तक २ धीकितकः दिगदिग ४ ताक धीकताकिटा थुंः किटि २ तकटे अंगेतंगे किटितकधींक्रीथा ॥५॥ गुरुगणेस गणपति सेवास्तुतिः झी ३ टगःनग २थरीकुकु महमतंग मुख झीं थरी किटिकुन्दाः कुकुताकुनं थाः । लंबोदरालियेनाम कामजगनग झींथरीकिटि तक पूरत अक्षत सुखः तक २ झें दुग२ झें ताझें तकझेंः तक२झें दुग२ झें धितांगथाः फरस पान रिध-सिध दांनं झेझें २ किना २ किट २ धीन्ना तकड्धिन्ना जकडींग धजग कुदनद्रुम रटींगन वाहन मुख गवर ठेंगिन झींझींता किटिताकुदथा ऐकदंत झलकंथ सुंड-सिन्दुर भावरभर झेन कुकु २ थरकिटि झिझिंताः किटितकुन्द झिनकथरक कुकुथरी ताकुन्दथा ॥ ६ ॥ ॥ सद्ध ॥ ताताकिटिचन्द मुगटधर किटित्त जेहकुकु चंदन वदनं ताकुजाकु जनसुन्दरवदनं जंत २ किटित्तक थडींगतकथा पत्रपुष्प फल तोयं निमर पयं जंकनांग २ वचन सुवासन रत्न भुषण थरींजग किनजग गिरजा नन्दन जगवन्दन तुही सरण २ त्तकी २ तकाः किटितक जन्म २ विघन विनासन जनथरीग २ थर २ थ्रांकुकु थरेथाः मानपती वी गुप्त करत तोइ लंबोदर-सुकरण भरण पोसितः सुतज्ञान मुनिगुण निधान विद्या विवेक श्रीकृष्णमागेदान त्तथडींग नगदेअ था ॥ ७ ॥ ॥ झींझींझीं झीनकिटितक नाकिडतक धिना ३ झीं ३ झीनकिटितकधिना दीत्था दिग २ तत्तत हत तिधी-तत्त : दीम २ तींदींदी ततत तेतगदाता क्लीगदाथेइः महमंत ऊज्जलदंत सिन्दुर कुंभराजें झिनक २ झिनः न ४ झिनक २ झिनः न ४ तत्तकुन्दकूः ततत कुन्दकू ततत कुन्दकू तत्तकुन्द तततकुन्द हस्तचरण वाजे जंजीर झी ४ झींन २ झीं झीः झीन २ झींः धाकिटितक २ धींना ३ धाकिटितक२धिना३धाकिटितक धींनाः३ किटितक धाकिटितक धिना किटितक धींधी तांगतक तरांगः धींधी४धितांगथा ॥ ८ " ॥

ताल किल्याण ॥ सब्द ॥ किटिझीं झांनकिटि कुकुथरी किनजग विघनविनायक नाः किटि २ तक नांगेथुंगे थाः गवरीनंदनकिटितकटेहकुकु खीरीं खीरीं टेहकुकु ताः किटितक नगदीत्था विघनहरन सुभकरन साहायकता किटि २ तक दींकी-टतकः ताकिटिकिटितक टेहकुकुथाः ताकुकु जेहकुकु २ झनरकुनरः ताकिटिकिटि तकथा ३ ॥ ९ ॥ ॥ सब्द ॥ लक्ष्मी ताल ॥ टेहकुकु रटीगन थरकिटि थरींग किंः नग ३ झींझींथाः झींथाः कुकुथा किनथा टेहकुकु ताकु २ देअः किनजगनाम आडदीत्कीन जगन जगनां किं जगः जंग २ झीं २थाः झीनकिटि झींथा ताकुन्नथा कु२न्नथा ताकुन्नकुकुन्न ताकुन्नथाः तंजगनगझै थर्डीगरुणझे किटितकः दींकुकुताकु२ दींकत्ताक २ किनाकिटितकनामः थर्रक खीर्रक ताकुथरी कुकुथरी किटिथरी किनजग २ थाः गनपति झींझीं किटितक नगदीत्था ॥ १० ॥ ॥ सब्द ॥ तालसींह नन्दन ॥ थाः ताकुन्थथा ताकिनजग टेहकुकु ताकुताकुन्द किनजग रटीगन टकहकुकु ताकुटहकुकु ताकुझींझींताः किटि२तकथा ॥ टहकुताकु२किनजगतंझेनकताकिड दीगड२ दाम । गनपति सुरमन वन्दे बुद्धिविनायक गजमुख चत्रभुज विघन हरन सुभकरण साहायक नाः किट २ तक नांगेथुंगे थाः तक २ झींः दुग २ झीं झीन किटथा ताकुन्दथाः कुकुन्दथा ताकुन्द कुकुन्द ताकुनाकुन्दकुन्दः किटि नगदीत्था ॥ ११ ॥ ॥ त्तजहकु जेकुनाम २ तकुन्था कुकुन्दा तक ताताकु ताकुदीमः किन्दा हांदीम्र किन्थाःझींझीं तकिटि२झींझींझे तगजग झींझीं झेम्र नगजिग किन२झेमः तग जग जग२दुगःजग३नगः जग ३ किन२झेम्र २१ नाकुकुथडी२झेम्र थडी२ताकुकुझेम्रः ताकुकु जहकुकु ताकुकु गनपति झींझीं किटितक नगदीत्था ॥ १२ ॥ ॥

॥ परिमलु मे आसरीबाद श्लोक ॥

तालसुधी ॥ जिग२तत्रःथेइ२ददीमनः जिग२तत्थाः थोदिगदानाः नाना२दीदी२धीकीतक थोथोंग धीकीतादी कत्थोददीगनथेइ ॥ भवतं भवते भवाद भवानी भवल्लभा अंगीक्रते संगीते सदामुदित मानसाः अभ्रते पीडते राजाःदिष्टते पीडते सभागुरु पिष्टतो चैत्र वंगसंभत्र ॥ तोतीथी [illegible]थइ ॥ ॥ ॥

॥ श्री गोवर्द्धन नाथोजयती ॥

॥ चक्र चोतालेका ॥



ताल ४ मात्रा १२-२४ पहली ताल लघु दुसरी लघु तीसरी द्रुत चौथी द्रुत स्वरुप यह हें ॥ ० ०

॥ पेसकार ॥

१ ० १ ०

धा धा दिन्ता तिंट धा दिन्ता तिटकित धद्गिगन धा ॥ १ ॥

२ ४ ६ ८ १० १२ १४ १६ १८ २० २२ २४ सम

० ०

धा धिट धिट धा तंअ धिट धिट धा किटितक धद्गिगन धा ॥ २ ॥

२ ४ ६ ८ १० १२ १४ १६ १८ २० २२ २४ सम

धा धिट धिट धा तअ् धीट धीट धा किटितक तरांगधा ॥ ३ ॥ " ध्धेता धदींगनधा ॥ ४ ॥ " ध्धेता तरांगधा ॥ ५ ॥ ॥ " तक २ धदींगनधा ॥ ६ ॥ " तक २ तरांगधा ॥ ७ ॥ " धुमकिट धदींगनधा ॥ ८ ॥ " धुमकिटि तरांगधा ॥ ९ ॥ " धी २ ता धदींगनधा ॥ १० ॥ " धी २ ता तरांगधा ॥ ११ ॥ ॥ बोल ॥ ॥ धाकिटितक धुमकिटितक ध्धेता किटितक धदींगन् धा ॥ १ ॥ धा किटि दिन् धुमकिटितक ध्धेता किटितक धदींगनधा ॥ २ ॥ धाः किटि २ तकिटितका किटिधुमकिटि तकधदींगन धा ॥ ३ ॥ धाकिटितक२ किटिधा किटितक धदींगनधा ॥ ४ ॥ ॥ धा किडाण धुमकिटितक ध्धेता किटितक धदींगनधा ॥ ५ ॥ ॥ धा किनांग धुमकिटितक ध्धेता किटितक धदींगनधा ॥ ६ ॥ ॥ धा धुमकिटितक ध्धेता किटितक ददींगन धाधाधा ॥ ७ ॥ धा धुमकिटि तकिकिटितका किटितक धदींगन धाधाधा ॥ ८ ॥ धा ध्धेता तक ध्धेताः ध्धेता२ धदींगनधा ॥ ९ ॥ ॥ धा ध्धेता काताकिटितकः ध्धेता२ धदींगनधा ॥ १० ॥ ॥ धाः आः तकद्धेनातकःथात धाआ ३ ॥ ११ ॥ ॥

धाआता धीन्अः ताः किटि२धीर२किटितक धीरकिटिधा ॥ १२ ॥ ॥ किटितकः किटि२तरांण किटिः धीन्कीटीतकाआ धाकधा ॥ १३ ॥ किटितकिटिध्धेत धेता किटिधुमकिटि तकधदींगनधा ॥ १४ ॥ तकिटिधीकिटि धीन्तरांण धाकिटि तक धीकिटिधीदन् ताडधा ॥ १५ ॥ तकिटि२धी२ नतकिटी ततकिडाणधीदीन्ताड धा ॥ १६ ॥ तकधुमकिटि२धुमकिटि ध्धेतकधदींधा ॥ १७ ॥ तकध्धेता२तक२ध्धेता धदींगनधा ॥ १८ ॥ ॥ धकिटिधाग्गेदींगननाग्गे किटिकता आंक तीईःकअःत्धा ॥ १९ ॥ ॥ धकिटिताग्गे धुमकिटितक धुमकिटि ध्धेतक धदींगनधा ॥ २० ॥ ॥ किटितकधाक धाकधा किटितकःतक धाकधाकधा ॥ २१ ॥ किटिकाताकिटितकः किडाणधाः किडाणधा किडाणधा ॥ २२ ॥ ताडधाड२धाआनाड धाडताडधा ॥ २३ ॥ ॥ तकधुमकिटितक धदींगनधाधींधीडनाकिडाण धा ॥ २४ ॥ ॥ तकननः धात२धा२धा किटितकधदींगनधा ॥ २५ ॥ ॥ तराणकिटि तकधादिन धाकिटितकधदींगनधा ॥ २६ ॥ ॥ तकाधिमा धुमकिटि-

तक ध्धेताधींदींन् तअःकिट२ धा ॥ २७ ॥ तकाकिटि धुमकिटि तकिटितका किटि-तकधदीगनधा ॥ २८ ॥ तक२द्धेता द्धेधीरकिटितक गदीगनधा ॥ २९ ॥ तक२ धीकीतककिटिधादिना किटिद्धेददीगनधा ॥ ३० ॥ ॥ धाकिडाणधादितूताधाती-तूः धा२गदीगनधा ॥ ३१ ॥ धाआ तीई द्धेता तकधुमकिटितक धदीगनधा ॥ ३२ ॥ ॥ धाधीनतक धीनातक धीकीतक धे द्धे धाडधा ॥ ३३ ॥ धाकि-टितकिटितका धीकीताकतागदीगनधा ॥ ३४ ॥ ॥ धाकिटितकिटितका धाधा गदीगनधा ॥ ३५ ॥ ॥ धाकिटिःधी२किटितकधा किटिधुमकिटितक धदीगनधा ॥ ३६ ॥ ॥ द्धेताधिलांगतकः धुमकिटि२तक धदीगनधा ॥ ३७ ॥ द्धेः तकान द्धेधी२किटि धीकडत्ता धीकिटकिट काताकिटिधा ॥ ३८ ॥ ॥ द्धेतातकधीगना धी किटिःतकिटि२धिलांग तकधा ॥ ३९ ॥ ॥ द्धेःधीड२तकथुन् धाताधा किटितक धदीगनधा ॥ ४० ॥ ॥ धीडाणनगदेअ३ धा ॥ ४१ ॥ ॥ धिलांगनगदेअ३ धा ॥ ४२ ॥ ॥ किडाणनगदेअ३ धा॥ ४३ ॥ ॥ थरींगनगदेअ३धा ॥ ४४ ॥ ॥

अथ चोताला की दुगुणलयकी धिननक ओर
परणे मात्रा २४–४८ की ॥ आवडदी १ मे लेणी

तां धिननक ध्ये धिननक द्धे ध्धे धिंननकः धिननाधिनन तकधा
२ ४ ६ ८ १० १२ १४ १६ १८ २० २२ २६ २८ ३०

धिननाधिनन तक धा धिननाधिनन तक धां ॥ ॥ धां किटि धीधीकिटि तराण
३२ ३४ ३६ ३८ ४० ४२ ४४ ४६ ४८ सम २ ४ ६ ८ १० १२

तक धां किटितक धादिन् धा किटि धीधी किटि तक धा किटि धुम किटि तक
१४ १६ १८ २० २२ २४ २६ २८ ३० ३२ ३४ ३६ ३८ ४० ४२ ४४

धदीगन धां ॥ १ ॥ धाः किटि २ तकः धीं २ किटि धुमाकिटि तक धीन् तराण
४६ ४८ ,,

धाक २ धा दिन्ना किटिधुमकिटितक धदीगन धा ॥ २ ॥ धाकिटितक धाधा धा धुमकिटितक द्धेत्तरांगनगदेअ धाकिटितक द्धेता किटि क धदीगनधा ॥ ३ ॥ धाकिटितक द्धे द्धे धाड ताकिटितक धुमकिटितक धुमकिटितक ध्धेताः तकधाक

तकधदीगनधा ॥ ४ ॥ किटि धुमकिटितक ध्धेता तकिटिधिकिटि धिनतराण धुमकिटितक तअ किडाण किडनग देअ् तका, धाकधा ॥ ५ ॥ कतक धाक धाधिन्तकः धी २ नातक धुमतरांण धाकिडाण धुमकिटितक डितकदेअ धाकधा ॥६॥ कतक धाक किडनगदेअ काता किटिकिटितकतराण किटितक धुमकिट ध्धेता तका धाक धिलांग धा ॥ ८ ॥ धा दिन्तक धुमकिटितक ताकिटि धाक धाकिटि दिन् त्तकिडाण धुमकिटितकः धीरदिन्२ ताकिटितक|धा ॥ ९ ॥ धादिनतक काताकिटितक धुमकिटितक धादिन्नाः तकिटितका धिधिनताकिटितअ किडाण धिदिनताडधा ॥ १० ॥ त्तकिन् ताताक्किन तकान ताताकिन धिकिटि धाकः धिनाधाट धाआर धिना धाटधा ॥ ११ ॥ तकधा देअधा दिन्धा किटि धुम किटितक धदीगनधाः धुमकिटि तकधदीगनधा धुमकिटि तक धदीगन धा ॥ १२ ॥ तरांग ध्धेता ध्धेतताःधुमकिटितक धदीगनधा२ ॥ १३ ॥ तरांग धाधा दीगनधाधाः ध्धेता धदीगनधाः ध्धेता धदीगनधाः ध्धेता धदीगनधा ॥ १४ ॥ ध्धेता तकधा दिन्ना धीधी किटितकः धाक२धा किटतक ध्धः तरांगधा२ ॥ १५ ॥ ध्धेता२धादिन् धाकिटिः तकधुमकिटि तकधाआ२तकधुमकिटि तकधा ॥ १६ ॥ धाधा२तकिटि ताताकिटितक धाधा किटितक धदीगनधा ॥ १७ ॥ धाधा धाध्धेतकधा ध्धेता धीकीतक तकदेअः धादिन्ना तकादिङ्गनधा दिङ्गनधा दिङ्गनधा ॥ १८ ॥ धाकिटतकिटितकाआः कतधिधि दिन्ः नगध्धेत्ता धीनडाल धाधिन्ता कत्तीटाधा किटितकधदीगनधा ॥१९॥ धुमकिटितकिटितकाआः धीर किटितक तकध्धेत्ता ध्धेतकान धादिन्ना ताकिटिता किटितक धदीगनधा ॥२०॥ धाआ किटितक तक किटितकतक धाधा किटितक धीडना किटितक देअ् किटि-किटितक दिन्नाडे दअ धा ॥ २१ ॥ धाआः किटि२तकः धीर किटितक ध्धेता तक ध्धे ध्धेताआ नाआ तक किटि किटि त्त किडाण देअ धा ॥ २२ ॥ धा ध्धेता किटि-तकः तेटे २ ध्धेतान किटि धिकिटि धुमकिटितक ध्धेता जिगतक नं किटि ध्धे धा ॥ २३ ॥ धाः धिग २ धिकिटिः तक ३ तकिटि ततक धीधीकिटिः तक २ तकाआ धाधाधा कत्तीटितक धा ॥ २४ ॥ धाकिटिताकिटितका तकिटि दिन नगध्धेता

धिनडाल धाधिंता कतिटिधादिंता त्तक धुंगकतः धानकत २ किटितकधदीगन धा ॥ २५ ॥

अब चोतालाकी आडकी धिननक ओर परणे मात्रा ३६ की १ आवर्दीमे आवे

तां धि न न क ध्धे धि न न क धिं न न क धि न न क ध्धे
२ ३ ४ ५ ६ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १७ १८ १९ १० २२

ध्धे धि न न क धि न न धि न न त्त क तां ॥ धी ग धी कि टि त
२४ २५ २६ २७ २८ २९ ३० ३१ ३२ ३३ ३४ ३५ ३६ सम १ २ ३ ४ ५ ६

धी ग धी कि टि त तं क ना ना न कि टि ता त क धा धा
७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १६ १८ १९ २० २१ २२ २३ २४ २६ २८

धां धा ग दी ग न धा ॥ १ ॥ तक त किटित २ किटि देअ देअ दी किटि
३० ३२ ३३ ३४ ३५ ३६ सम

तातकः धाधा २ तरांग धा ॥ १ ॥ ध्धेतराण ध्धेता किटि धाकिटितक धुमाकिटितक तक धा किटितक धदीगन धा ॥ ३ ॥ धाआं नाआं धाकिटि तकधीकिटि तकिटि धीकिटि तकधदीगन तकिटि धीकिटितक धदीगन धा ॥ ४ ॥ धा किटितकधीकिट३ तकधदीगन धाकिटितक धीकिटितक धदीगन धा ॥ ५ ॥ तकधुमाकिटि२ तकधेत्ता२ किटिधुमकिटितक धदीगनधा ॥ ६ ॥ तकधदीगन२ तकधादिन्२ तकिटितका किटितरांण धा ॥ ७ ॥ ध्धेता किटी धीधी किटितक तकिटिधीकिटि तक ध्धेता किटिधुम किटितक धदीगनधा ॥ ८ ॥ किठितकिटितकाआ२ धाआतअतत् किटितक धदीगन धा ॥ ९ ॥ धातरांग धाधा तरांगधाधाः तरांगधाधाः के धिनडाल२ धा२ ॥ १० ॥

अब चोतालाकी तिगुणले कि धिननक ओर परणे मात्रा ७२ की बराबर लेमे लेता आवर्डी३में आवे ओर आडमें

२ आ. आवे के तिगुण लेमे १ आवर्दीमें आवे ॥

ता धि न न क ध्धे धि न न क ता धि न न क
२ ३ ४ ५ ६ ८ ९ १० ११ १२ १४ १५ १६ १७ १८

ध्धे धि न न कं ध्धे ध्धे धि न न क ध्धे ध्ये धि न न
२० २१ २२ २३ २४ २६ २८ २९ ३० ३१ ३२ ३४ ३६ ३७ ३८ ३९

क धि न न क धि न न क ०ध्धे ध्ये धि न न क द्धि
४० ४१ ४२ ४३ ४४ ४५ ४६ ४७ ४८ ५० ५२ ५३ ५४ ५५ ५६ ५८

द्धी ०धि न न क धि न न धि न न त क ॥ धा द्दि
६० ६१ ६२ ६३ ६४ ६५ ६६ ६७ ६८ ६९ ७० ७१ ७२ २ ३

न ना धा कि टि त क धी धी कि टि त क धु म कि टि त
४ ६ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १७ १८ १९ २० २१ २२ २३

क ता अ कि टि कि टि धु म कि टि त क त क धु म कि टि
२४ २५ २६ २७ २८ २९ ३० ३१ ३२ ३३ ३४ ३५ ३६ ३७ ३८ ३९ ४० ४१ ४२

त क ध दी ग न ०त क धु म कि टि त क धु म कि टि ०त क
४३ ४४ ४५ ४६ ४७ ४८ ४९ ५० ५१ ५२ ५३ ५४ ५५ ५६ ५७ ५८ ५९ ६० ६१ ६२

धु म कि टि त क ध दी ग न धा ॥ १ ॥
६३ ६४ ६५ ६६ ६७ ६८ ६९ ७० ७१ ७२ सम

धाकिटितक धुमकिटितक ध्धेत्ता किटितकधदीगन धा किटितक धुमकिटितक ध्धेता किटितक धदीगन धाकिटितक धुमकिटतक ध्धेता किटितक धदीगन धा ॥ २ ॥ धा २ किटितक धा दिन्न धा किटि तक ध्धेता किटितक धाकिटि धादिन्न तक धेत्तराण धेता किटितक धाकिटितक धुमकिटितक धा किटितक धदीगन धा ॥ ३ ॥ धा २ किटितक तकिटितका किटितक तराण धुमकिटि किटितक धदीगन तकिटिघाक किटितकाआ धाधाधाआ धुमकिटि तकिटितका किटितक धदीगन धा ॥ ४ ॥ धीअती घ्रीडाण धा धातीन्ता धाकिटितक धग्गदीगन ध्धे धिरकिटि तकधुमकिटि त्तकीडाणः किडनगदेश ताधा किटि तक धी किटि तक धदीगन धा ॥ ५ ॥ कअ् दी किडाण धादिन्नाधा किटितक धा धुमकिटि धुमकिटि तातक धदीगन ध्धेत्तान किटितक धिन्ना धिनात्तक धिनाग ताता धदीगन धा ॥ ६ ॥

ध्धेत धेत्ता किटितकः धी २ किटितक धुमकिटि तक धाः किटि २ धीन्तराण किटि तत्तक थुंग तकिटि धादिन् धा किटितक धुमः किटि २ तक तकाआ धाकधा ॥ ७ ॥ धागे दींगे किटितक किटितान तकिटि ध्धेता किडाण कतक धाक किडनग द्धे काता किटि किठि तकतराण किटि धुमकिटि धिलांगः धी २ दिन् २ तकीट तअ्क धा ॥ ८ ॥ धागे दींगे नागे किटि त्रकडक किडनग धातीं किडाण धध्धीतान धा नगदेअः किटि २ तक धींदिन्न ताड तागे तिटि किटि ताकिटि थुंन्न किटि धिलांगः धी २ नतकिटि धा ॥ ९ ॥ धा किटितक धुमकिटितक धेताआ धेताआः तकिटि धिकिटि धादिन्ता धा किटितक धदींगन धा धा किटितक धदींगन धा धा किटितक धदींगन धा धा ॥ १० ॥ इस जोडकी परणे सब पुरी बेठेगी.

अथ चोतालाकी चौगुण लै कीधिननक ने चौगुण कीपरणे मात्रा ८६ की बराबरलै में लेतो आवड्दी ४ मे आवे ओर दुगण लै मे २ आ. आवे ने चौगुण लै मे १ आवर्त में आवें ॥

तां धि न न क ध्धे धि न न क ता धि न न क ध्धे धि
२ ३ ४ ५ ६ ८ ९ १० ११ १२ १४ १५ १६ १७ १८ २० २१

न न क ध्धे ध्धे धि न न क् ध्धे ध्धे धि न न क धि न न क
२२ २३ २४ २६ २८ २९ ३० ३१ ३२ ३४ ३६ ३७ ३८ ३९ ४० ४१ ४२ ४३ ४४

धि न न क ता धि न न क ध्धे धि न न क ता धि न
४५ ४६ ४७ ४८ ५० ५१ ५२ ५३ ५४ ५६ ५७ ५८ ५९ ६० ६२ ६३ ६४

०

न क ध्धे धि न न क ध्धे ध्धे धि न न क ध्धे ध्धे धि न न क
६५ ६६ ६८ ६९ ७० ७१ ७२ ७४ ७६ ७७ ७८ ७९ ८० ८२ ८४ ८५ ८६ ८७ ८८

ध न न धि न न त क तां ॥ तां कि टि त क धु म
८९ ९० ९१ ९२ ९३ ९४ ९५ ९६ सम २ ३ ४ ५ ६ ७ ८

कि टि त क त्त कि डा ण कि ड न ग दे त्र धी अ तीं धि

डा णं धा आः धा ती न्ता धा कि टि त क ध ग्ग दी ग न ध्धे
३१ ३२ ३४ ३६ ३८ ३९ ४२ ४४ ४५ ४६ ४७ ४८ ४९ ५१ ५२ ५३ ५४ ५६

थि र क्कि टि त क धु म किं टि तअ कि डा ण कि ड न ग
५७ ५८ ५९ ६० ६१ ६२ ६३ ६४ ६५ ६६ ६८ ६९ ७१ ७२ ७३ ७४ ७५ ७६

दे अ ताः धाः कि टि त अ क थि क्कि टि त क ध दी ग न धा
७७ ७८ ८० ८२ ८३ ८४ ८५ ८६ ८७ ८८ ८९ ९० ९१ ९२ ९३ ९४ ९५ ९६ सम

॥ १ ॥ धिक्कितकतकधीन्: तक२ तकधीन् तकाआ ताकिटिंधिन धीकीतक तकधा किटितक धाधीकिटि तक धाधीकीटतक धिन् धिन् धिकिटिताकिटि तरांगः धाधीकिटितकधदीगनधा३ ॥ २ ॥ ॥ धादिन्न धाकिटि तकिटितका किटिः धी२किटिधुमकिटि तकिटितकाकिटिः तअ किटिधुमकिटितकिटितका किटिः तक२ धुमाकिटि ताकिटि तकाकिटि धदींगन न्नं किटित किटि तकाकिटि तकध्धेता धुमाकिटि तक धदीगन २धा ॥ ३ ॥ धादिन्न धा किटि ताकिटि तकाकिटि ३ धाकिटि तकिटितका किटि २ तकिटि तका-किटि तकः धुमकिटि २ तक धदीगनधा ॥ ४ ॥ तकं घागेः दिगनता दिधा २ दिन्ता तकिटितका तेदिन्नतक धाधी दीगतक धाकिटि तगन धाग्राकिटि तगन धादित-कन धाकिटि धादित ध्धे तकदीनः धाकिटितकिटितकाथुंः ताकिटिताकिटितकाथुं २ ताः तादिंध्धा किटिताकिटितकाः धाकधा ॥ ५ ॥ धाआ तक धा तका धिग्गाः धाकिटिताकिटितकाआ २ धेत्ता तकधा धाधाअ धादिनः किटितकधदीगनधाऽ३ ॥ ६ ॥ धाअः तकधा ३ किटितकः तकधा २ किटितकः तकधातकधा किटितक २ किटितक धदीगन धाधाधा ३ ॥ ७ ॥ धाआ तका ताकिटि तकधीं किटितकिटि दिगनधा तकधीकिटि काता किठितक ध्धे दागणधा किटितक धीकिटि तरांगत-कथा काताकिटितगनाः किटित्तधातरागधा ३ ॥ ८ ॥ धाआ धुमकिटितगना नग-तकतकद्ध धाकिटि तकीट तकाकिटि किडधातीन् धाकिटि तकिटितका किटिधुम-किटि किडना ता घिट घिट तकिटितकाकिटि तक धुमाकिटि तकिटितका किटितक धदीगनधा [illegible] ॥ [illegible] किटिधुमकिटि [illegible] धदीगन धा

दीगनधा किटितकः धा २ कींटतक ध्धे धिरकिटि धीनत्तराण तक धुमकिटितक ध्धेतकान ध्धेधिरकिटि धीकडता र्धाः किटि २ काता किटि धा ॥ १० ॥ धाअ दिन्नाः धाध्धा धादिन्ना २ तक धादिन्ना धिकितकधा धीधीकातक धिलांग तादी-दी तका ध्धेतधाक कतागीदीगन तकधादिनः तकधिनतक २ धा ॥ ११ ॥ धाआ ध्धेता किडना किठितकध्धे धाकिटितक धाधाकिटितक धादिगन तकः धा २ दिंगन किटितकः धा २ दिंगन तकधा धुमकिटि ध्धेतक तकतक धेत्ताः धा २ तकधा किटि कातांअक धा ॥ १२ ॥ धाआ तकधाः धीट २ धागेकिटि धागेकिटि धागेदीग नागे तिट किटिकिटि किडधान तकधुमकिटितक धिन्नाना धिरकिटितक धि २ किटि धुमकिटि त्तकिटि धुमकिटि तकिटितका किटितक धुमकिटि धिलांग तकधदीगनधा ॥ १३ ॥ कायेटीटी धीधीतिटि केत्रकडधेतेटि किटिकन्ताकताः ध्धेत-गींनः धागेतिटि कत्तकधिकिटि धाधीताट धाधीताट धा ३ ॥ १४ ॥ धीकीतक धीधी दिनः किटी २ धीधीटत धिघटाण धाकिटितक धुमकिटितक धिघिटाण-धाआ किडाणधाआ ताआधाआ धीघिटत धिघिटाणः किडधान धान धाआ २ किड धान धान धानधा ॥ १५ ॥ तकत्तकत तकत्तकत धग्गादिगन धग्सदीगन २ धेध्धे धाड २ धातिन्नाना २ नटततान २ ताधा किटितक धाधा किटितक गदीगन ३ धा ॥ १६ ॥ धाअः किडधाकिटिता २ किटितक धकिटिधाक धाधाः किडधाकि-टितक २ तकिटिधाक धादिंगनः तकधाकिटितक धादिंगन २ तकिटि तअक धाधाधा ॥ १७ ॥ धाआदिन्नाः धाध्धा धादिन्ना २ तकधा दिन्ना धीकीतकधा धीधीकातक धिलांग तादीदीतका ध्धे तधाक कातागदीगन तकधादिनः तकधिनतक २ धा ॥ १८ ॥ ध्धा दिंगन तगनाः तकतकधादिन् धाधादेअ तकधादिन् धादेअ तक-धाधा धेतकधुम धातरांग धदीगनः धा २ तकदेअ धुमतकदेअ तकधाधाः तकधा-दिन्ना धातककातकधा ॥ १९ ॥ धाआ ध्धेता किटितकः धी २ किटि किटितका-नधा ताधामदीगन ध्धेताधीर किटितक तार्थुगा धीडाणतरकिटि धिराकिटि किटि-तिरकिटि धिलांग धातीन्ना धाः धुमकिटि २ धदीगन धा ॥ २० ॥

अब चोतालाकी सवाइ लेंकी धिननकने बोल
मात्रा ३० का आवडदी एकमे लेणा ॥

तां धि न न क ध्धे धि न नं क धि न न क धि ना धि
२ ३ ४ ५ ६ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १७ १९ २०

न न धि न न धि न न तक तां ॥ तं का त कि टि धां कि
२२ २३ २४ २५ २५ २६ २७ २८ ३० सम १ ३ ४ ५ ६ ८ ९

टि तं क ना कि टि त क ध्धे ता कि टि त क ध दी ग न
१० ११ १२ १४ १५ १६ १७ १८ २० २२ २३ २४ २५ २६ २७ २८ २९ ३०

धा ॥ १ ॥ धुमकिटितकध्धेता तकिटिधाक धादिनतकधा धदीगनधा ॥ २ ॥

इसी जोडके बोल सब इसी तरह से बेठेगे ॥

अब चोतालाकी अढाइ गुणीलैकी धिननक
ओर बोल मात्रा ६० का ॥ आवडदी एकमे लेणा ॥

तां धि न न क ध्धे धि न न क ता धि न न क ध्धे धि न
२ ३ ४ ५ ६ ८ ९ १० ११ १२ १४ १५ १६ १७ १८ २० २१ २२

न क ध्धे ध्धे धि न न क ध्धे ध्धे धि न न क धि न न क ध्धे
२३ २४ २६ २८ २९ ३० ३१ ३२ ३४ ३६ ३७ ३८ ३९ ४० ४१ ४२ ४३ ४४ ४६

ध्धे धि न न क धि न न धि न न त क तां ॥ तं अ कि डा
४८ ४९ ५० ५१ ५२ ५३ ५४ ५५ ५६ ५७ ५८ ५९ ६० सम १ २ ३ ५

ण धु म कि टि त क ध गग दी ग न ध्धे ता कि टि त क ध दीं
६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १५ १६ १७ १८ २० २२ २३ २४ २५ २६ २७ २८

ग न त कि टि धा क्र धा दि न त क धीन त रा ण त कि धि
२९ ३० ३१ ३२ ३३ ३५ ३६ ३८ ३९ ४० ४१ ४२ ४४ ४५ ४७ ४८ ४९ ५० ५१

त का धि दिन ता ड धां ॥ १ ॥ तअक धी किटितक धीन तराणः
५२ ५४ ५५ ५६ ५९ ६० सम

धी२किटि: धी२दिन्२तक२किटि धादिन्ना धुमकिटितक द्धेता त्तकिटिकिटि देअ त. किटितअकधा ॥ २ ॥ "इसजोडकी परणे सब इसलैमे वेठतीहैं

अब चोतालाकी पुणदूणीलैका बोल

. मात्रा ४२ का आबडदी एकमे लेणा ॥

धा दी न्नां धा कि टि त क ध धी किं टि त कं त
२ ४ ५ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १७ १८ १९

क धु म कि टि त क धु म किं टि त क धु म कि टिं त क ध
२० २१ २२ २३ २४ २५ २६ २७ २८ २९ ३० ३१ ३२ ३३ ३४ ३५ ३६ ३७ ३८ ३९

दी ग न धां ॥ १ ॥
४९ ४१ ४२ सम

अब चोताला की साडातीगुण लेका बोल

मात्रा ८४ का आबडदी एकमे लेण ॥

धां कि टि त क धु म कि टि त क धु म कि टि कि टि त कि
२ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १७ १८ १९ २०

टि त का त क धु म किं टिं त क धे ता त क ध दी ग न धा
२१ २२ २४ २५ २६ २७ २८ २९ ३० ३१ ३२ ३४ ३६ ३७ ३८ ३९ ४० ४१ ४२ ४४

कि टि त क ता कि टि त क त किं टिं त क धे ता धे धे ता
४५ ४६ ४७ ४८ ५० ५१ ५२ ५३ ५४ ५५ ५६ ५७ ५८ ५९ ६१ ६३ ६४ ६६ ६८

ध दी गं न धा ध दी ग न धा ध दी ग न धां
६९ ७० ७१ ७२ ७४ ७५ ७६ ७७ ७८ ८० ८१ ८२ ८३ ८४ सम

अब चोतालामे बत्तीस लै करबाको हिसाब

चोथाइसु लगायकर अठगुण ताइ टुकडा बोल

परणे आवडदी एक मे तीन ३ बिरिया लेणा

प्रथम टुकडा मात्रा २ कों ॥ लै पाव (चोथाइ)

त अ क अः त अ क अः त अ क अः धा ॥ १ ॥
१ ० २ ० ३ ० ४ ० ५ ० ६ ० सम

॥ लैआधी टुकडा मात्रा ४ कों ॥

ध आ त कः ध आ त कः ध आ त कः धा ॥ २ ॥
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ सम

॥ लै पौणी टुकडो मात्रा ६ कों ॥

धा ध दी ग न धा ध दी ग न धा ध दी ग न धा ॥ ३ ॥
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ सम

॥ लै (१) बराबर बोलमात्रा ८ को ॥

धआ तक धदी गन धआ तक धदी गन धआ तक धदी गन धा ॥ ४ ॥
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ सम

॥ लै सवाइ बोल मात्रा १० कों ॥

धा किटि तक धदी गन धा किटि तक धदी गन धा किटि
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १०

तक धदीगन धा ॥ ५ ॥
११ १२ सम

॥ लैडोढी (आड) मात्रा १२ को ॥

धा किटि तक धदी गनधा धा किटि तक धदी गनधा धा कि
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९

टितक ध दी गन धा धा ॥ ६ ॥
१० ११ १२

॥ लैपुण दुगण बोल मात्रा १४ को ॥

धा किटितक धदीगन धदीगन धा किटितक धदीगन धदीगन धा
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९

किटितक धदीगन धदीगन धा ॥ ७ ॥
१० ११ १२

॥ दुगण लैका बोल मात्रा १६ का ॥

धा किटितक धुमकिटितक धदीगन धा किटितक धुमकिटि तक धदीगन
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८

धा किटितक धुमकिटितक धदीगन धा ॥ ८ ॥
९ १० ११ १२ सम

॥ सवा दुगण लैका बोल मात्रा १८ को ॥

तकिटि धिकिटि धुमकिटि तकतक धदीगन तकिटि धिकिटि धुमकिटि
१ २ ३ ४ ५ ६ ७
तकतक धदीगन तकिटि धिकिटि धुमकिटि तकतक धदीगन धा ॥ ९ ॥
८ ९ १० ११ १२ सम

अढाइ गुणीलैका बोल मात्रा २० को ॥

किटितक किटि धुमकिटि धाकिटितकधदीगन किटितक किटि धुमकिटि धा
१ २ ३ ४ ५ ६ ७
किटितक धदीगन किटितक किटि धुमकिटि धा किटि तक धदीगन धा ॥ १० ॥
८ ९ १० ११ १२ सम

॥ पुना तिगण लैका बोल मात्रा २२ को ॥

धा किटितक किटि धुमकिटि धाकिटितक धदीगन धाकिटितक किटि धुम
१ २ ३ ४ ५ ६
किटि धा किटितक धदीगन धा किटितक किटि धुम किटि धा किटिनक धदीगन
७ ८ ९ १० ११ १२
धा ॥ ११ ॥
सम

॥ तीगण लैको बोल मात्रा २४ को ॥

धा किटिनक धुमकिटितक ध्धेता किटितक धदीगन धा किटितक धुम
१ २ ३ ४ ५ ६
किटिनक ध्धेता किटितक धदीगन धा किटितक धुमकिटितक ध्धेता किटितक
७ ८ ९ १० ११ १२
धदीगन धा ॥ १२ ॥
सम

॥ अब बोल सवा तिगुणलैको मात्रा २६ को ॥

धा ता किटिनक धुमकिटितक ध्धेताकिटितक धदीगन धाताकिटितक
१ २ ३ ४ ५ ६

धुमकिटितक ध्धेताकिटितक धदीगन धाता किटितक धुमकिटतक ध्धेता किटि-
७ ८ ९ १० ११ १२
तक धदीगन धा ॥ १३ ॥
सम

॥ साडा तिगुणलैको बोल मात्रा २८ को ॥

धा किटितकधदीगन धुमकिटितकध्धेता किटितकधदीगन धा किटि-
१ २ ३ ४ ५
तकधदीगन धुमकिटितकध्धेता किटितकधदीगन धाकिटितक धदीगन धुमकिटि
६ ७ ८ ९ १०
तकध्धेता किटितक धदीगनधा ॥ १४ ॥
११ १२ सम

॥ पुर्णा चोगुणलैको बोल मात्रा ३० को ॥

तका तकिटि तक धाकिटितक नाकिटितक ताकिटितक धदीगन तका
१ २ ३ ४ ५
तकिटितक धाकिततक नाकिटितक ताकिटितक धदीगन तकाताकिटितक धा-
६ ७ ८ ९ १०
किटितक नाकिटितक ताकिटितकधदीगन धा ॥ १५ ॥
११ १२ सम

॥ अब परण मात्रा ३२ की लै चोगुणकी ॥

धा आ धदीगन धदीगन धदीगन धा तगनग देअ० देअ तरांग धाआ
१ २ ३ ४ ५
धदीगन धदीगन धदीगन धा तगनग देअ० देअ तरांग धाआ धदीगन
६ ७ ८ ९
धदीगन धदीगन धा तगनग देअ० देअ तराग धा ॥ १६ ॥
१० ११ १२

॥ सवा चोगण लैकी परण मात्रा ३४ की ॥

धा धुमकिटि तकिटितका किटितक धुमकिटितकीटीतका किटितक धदी-
१ २ ३ ४

गन धा धुमकिटि तकिटितका किटितक धुमकिटि तकिटितका किटितक धदी-
५ ६ ७ ८
गन धा धुमकिटितकिटितका किटितक धुम किटिताकिटितका किटितक
९ १० ११ १२
धदीगन धा ॥ १७ ॥

॥ साढा चोगण ले की परण मात्रा ३६ की ॥

धीग धीकिटित धीगधीकिटित तकनाना न किटित तक धा धा धा
१ २ ३ ४
धा गदीगन धीगधि किटित्त धीगधी किटित तकनाना नकिटित तक
५ ६
धाधा -धाधा गदीगन धीगधीकिटित धीगधी किटित तकनाना नकिटित तक
८ ९ १० ११
धाधा धाधा गदीगन धा ॥ १८ ॥
१२

॥ पुना पचगुण लै की परण मात्रा ३८ की ॥

धा धीगधीकिटित धीग धीकिटित तकनाना नकिटितक धाधा धाधा
१ २ ३ ४
गदीगन धा धिगधीकिटित धीगधिकिटित तकनाना न किटित तकधाधा
५ ६ ७ ८
धाधा गदीगन धाधीगधिकिटित धीग धीकिटित तकनाना नकिटित तक
९ १० ११
धाधा धाधा गदीगन धा ॥ १९ ॥
१२

॥ अब पचगुणी लैकी परण मात्रा ४० की ॥

किडनाकिटि धुमकिटितक धदीगन तक धुमकिटितक धदीगन धाधी
१ २ ३ ४
धीडनाकीडाण किडना किटि धुमकिटि तक धदीगन तक धुमकिटि तक
५ ६ ७
धदीगन धाधी. धीडनाकिडाण किडनाकिटि धुमकिटि तक धदीगन तक
८

धुमकिटि तक धद्गीगन धाधी, धीडना किडाण धा ॥ २० ॥
११ १२ सम

॥ सवापचगुणी लैकी परण मात्रा ४२ की ॥

धा किडनाकिटि धुमकिटितक धद्गीगन तक धुमकिटितक धद्गीगन धाधी
१ २ ३ ४
धीडना किडाण धा किडना किटिधुम किटितक धद्गीगन तक धुमकिटि तक
५ ६ ७
धद्गीगन धाधी, धीडना किडाण धा किडनाकिटि धुमकिटि तक धद्गीगन
८ ९ १०
तक धुमकिटि तक धद्गीगन धाधी, धिडना किडाण धा ॥ २१ ॥
११ १२ सम

॥ साढा पचगुण लैकी परण मात्रा ४४ की ॥

किटितकतक किटितकतक धा धा किटितक घिडना किटितक देअ किटि
१ २ ३
किटि तक दिन् नाड देअत् किटितकतक किटितकतक धा धा किटितक घिडना
४ ५ ६ ७
किटितक देअ किटि किटितक दीन्नों डं दे अत् किटितकतक किटितकतक धा धा
८ ९ १०
किटितक घिडना किटितक देअ किटिकिटितक दीन्नाड देअ, धा ॥ २२ ॥
११ १२ सम

॥ पुणी छे गुणी लैकी परण मात्रा ४६ की ॥

धा किटितकतक किटितकतक धा धा किटितक घिडना किटितक देअ
१ २ ३
किटिकिटितक दिन्नाड देअत् । धाकिटितकतक किटितकतक धाधा किटितक
४ ५ ६
घिडना किटितक देअ किटि किटितक दीन्नाड देअत् । धाकिटितकतक किटि
७ ८ ९
तकतक धाधा किटितक घिडना किटितक देअ किटिकिटितक दिन्नाड दिअधा ॥ २३
१० ११ १२ सम

॥ छे गुण लैकी परण मात्रा ४८ की ॥

तरांग ध्धेता ध्धेध्धेता धुमकिटितक धद्गीगन धा धुम किटितक धद्गीगन
१ २ ३
धा धुमकिटि तकधद्गीगन तरांग ध्धेता ध्धे द्धेता धुमकिटितक धद्गीगन धा
४ ५ ६ ७
धुमकिटितक धदीगम धा धुमकिटितक धद्गीगन तरांग द्धेता द्धे द्धेता धुमकिटि
८ ९ १०
तक धदीगन धा धुमकिटितक धदीगनधा धुमकिटितक धद्गीगन धा ॥ २४ ॥
११ १२ सम

॥ सवा छे गुण ले की परण मात्रा ५० की ॥

धा द्धेता तकधा दिन्ना धीधीकिटितक धाकधाकधा किटितक द्धे तरांग
१ २ ३ ४
धा तरांग धातरांग धा ध्धेता तकधा दिन्ना धी धी किटितक
५ ६
धाकधाकधा किटितकध्धें तरांगधा तरांगधा तरांग धा ध्धेता तकधा धिदिन्ना
७ ८ ९ १०
धिधी किटितक धाकधाक धाकिटितक ध्धे तरांगधा तरांगधा तरांगधा ॥ २५ ॥
११ १२ सम

॥ साढा छे गुणी लेकी परणमात्रा ५२ की ॥

किटित्त०धुमकिटितक धुमकिटितक धद्गीगन धाकिटितक धद्गीगन धाकिटितकधदी-
१ २ ३ ४
गन धाकिटितकधदीगन किटित्त० धुमकिटितक धुमकिटितक धद्गीगन धकिटितक
५ ६ ७
धदीगन धा किटितक धदीगन धाकिटितकधदीगन किटित्त० धुमकिटितक धुम-
८ ९ १०
किटितकधद्गीगन धाकिटितकधदीगन धाकिटितकधदीगन धाकिटितकधद्गीगन
११ १२
धा ॥ २६ ॥

॥ पुण सतगुणी लेकी परण मात्रा ५४ की ॥

धा किटित्त०धुमकिटितक धुमकिटितक धदीगन धाकिटितकधदीगन धाकि-
१ २ ३

टितकधदीगन धाकिटितकधदीगन धाकिटित्त० धुमकिटितक धुमकिटितक धदी-
४ ५ ६

गन धाकिटितक धदीगन धाकिटितकधदीगन धाकिटितकधदीगन धाकिटित्त०
७ ८ ९

धुमकिटितक धुमकिटितकधदीगन धाकिटितकधदीगन धाकिटितकधदीगन धाकि-
१० ११ १२

टितकधदीगन धा ॥ २७ ॥
सम

॥ सतगुणी लेकी परण मात्रा ५६ की ॥

धाकिटितक धुमकिटितकध्धेता धिधिकिटि धुमकिटि तकधुमकिटितक धेत्ता
१ २ ३

धिलांग तकधुमकिटि धुमकिटितकधदीगन धाकिटितक धुमकिटितक ध्धेताः
४ ५ ६

धीरकिटिधुमकिटि तकधुमकिटितकध्धेता धिलांग तक धुमकिटि धुमकिठितकधदी
७ ८

गन धाकिटितक धुमकिटितक ध्धेत्ता धीधीकिटि धुमकिटि तकधुमकिटि
९ १०

तक धेता धिलांग तकधुमकिटि धुमकिटितक धदीगन धा ॥ २८ ॥
११ १२ सम

॥ सवासतगुण ले की परण मात्रा ५८ की ॥

धाधा किटितक धुमकिटितक ध्धेता धीधीकिटि धुमकिटि तकधुमकिटि
१ २ ३

तक ध्धेता धिलांग तकधुमकिटि धुमकिटितक धदीगन धाधा किटितक धुम-

किटितक ध्धेताः धी २ किटिधुमकिटितक धुमकिटितक ध्धेता धिलांग तक
६ ७ ८
धुमकिटि धुमकिटि तक धदीगन धा धा किटितक धुमकिटितक ध्धेताः
९ १०
धी २ किटिधुमकिटि तक धुमकिटितक ध्धेता धिलांग तक धुमकिटि धुम-
११ १२
किटि तक धदीगन धा ॥ २९ ॥
शम

॥ साढा सतगुणी ले की परण मात्रा ६० की ॥

तअ त्त किटितक तअ किटिकिटि धीधीकिटि धुमकिटि तकधुमकिटि-
१ २
तक ध्धेता धिलांग कतक धाकधा तकाधाकधा किटितका धाक तअत्त
३ ४ ५
किटितकतअ किटिकिटि धीधीकिटि धुमकिटि तकधुम किटितक ध्धेत्ता धिलांग
६ ७
कतक धाकधा तका धाकधा किटितकाधाक तअत्त किटितकअ किटिकिटि
८ ९
धीधीकिटि धुमकिटि तकधुमकिटितक ध्धेता धिलांग कतक धाकधा तका
१० ११ १२
धाकधा किटितका धाकधा ॥ ३० ॥
सम

॥ पुण अठगुणी ले की परण मात्रा ६२ की ॥

धाआ तकाआ धातीन् धाआ किटितक धाधा किटितक
१ २
धातीन् धाकिटि किटितकिटितका त्तका धाधा किटितक धदीगन धाआ
३ ४ ५
तकआ धातीन् धाआ किटि तक धाधा किटितक धातीन् धा
६ ७

किटिकिटितकिटितका त्तका धाधा किटितकधद्गीन धाआ तकाआ धातीन्
८ ९

धाअ किटितक घाधाकिटितक धातीन् धाकिटिकिटितकिटितका त्तका धाधा-
१० ११ १२

किटितक धद्गीगन धा ॥ ३१ ॥

॥ अठगुणीलकी परण मात्रा ६४ की ॥

नगधधे ऐधधीकिटितकधधीई दिन्ना किटितक धुमकिटत्त० क, ती, किडनग
१ २ ३

त्तकिडाण किड धात्तीधा किडाण किडधात्ती नगध्धेए धीकिटितकध्धीई दिन्ना
४ ५ ६

किटितक धुमकिटित्त० क०ती० किडनगत्तकिडाण किडधात्ती धाकिडाण किड-
६ ८

धात्ती नगध्धेए धीकिटितकध्धीई दिन्ना किटितक धुमकिटित्त० क०ती०किडनगत्त
९ १० ११

किडाण किडधात्ती धाकिडाण किडधात्तीधा ॥ ३२ ॥
१२ सम

यहउपर लीखीहुइ परण विगेरह एक आवर्तमे तीन तीन त्रिरिया लेणी ४ चार मात्रामे एक परण एसे बारे मात्रामे तीन विरीया लेणीसो लीखीहुइ लें होवेगी ओर चोगण लैसे अगाडी कील विलंपत ले करके परण बोलेगे तो अक्षर साफ बोलनेमे आवेगे करतासे सब नजीकहें.

॥ अब बिना किटिकी परण मात्रा ९६ की आवडदी
दोमे आवे उठाण सुदा ॥

धाआ दिन्नाआः धाध्धा धादिन्ना तकधादिन्नाः कातकधाअ दीगनधाअ दीदीगनधा दिगनधाअ ताताकधादिंगन धाधादिंगनः धादीगन २ धा ॥ १ ॥
धाआ दिन्नाआ धाध्धा धादिन्ना तकधादिणा ध्धेता, धेध्धेता.:धित्ता २ धीध्धीताः

धेत्तातकधदागन धा ३ ॥ २ ॥ धाआ दिन्नाअः धाद्धी धादिन्ना २ तकधादिन्ना धीकीतकधा धीधीकातक धिलांग तादीदी तका धेतधाक कातकदिगन तकधादिन् तकधिनतक तकधिनाक धा ॥ ३ ॥ धादीगन तगनाः तक २ धादिनः धाधा-देअः तकधादिन् धादेअतकः धा २ धेत्तक धुमधा तरांग धदीगनः धा ३ तक देअ धुमतकद्धे तकधाधा तकधादिन्ना धातक कताअक धा ॥ ४ ॥

॥ अब बिना धाकी परण मात्रा ६४ की तीन
विरियालेणी जो आवडदी ४ मे आवे ने, निताला
मे ऐकदाण लेणी जो दो आवडदीमे आवे ॥

तादीदीतकधी धिगनाम् धुमकिटितो तीदाम्ः किट २ तक ४ धीकितक तक धिकितक धिलांग तक धदीगन ता ॥ १ ॥ धा धीकीतक, तक धीकितक, तकधी-कितकः तक २ धीकीतकः तकधीकितक २ धीकितक तकधीकितक धिलांगतक धदीगन धा ॥ २ ॥

॥ अब बिना किटि की तथा बिना धाकी परणे
मात्रा ६४ की, उपरके माफिक लेणी ॥

धेत्ता धदीगनताः किडाण २ धदीगनताः किडाणतक धदीगनता ३ ॥ १ ॥ धेत्ता धेधेताः धेता २ धेधेताः धेतातक धदीगन ता ३ ॥ २ ॥

॥ अब उलटी परण मात्रा २४ की ॥

धानगदी धकत टिकिताधे कतटकी मधुकतटिकिधा ॥ १ ॥ धाधाधा नगदिग कतधा तक गदीगन धाधाधा ॥ २ ॥

अब छे धा लेवाको प्रमाण ठाकी लेमे लेतो
आवडेदी ८ में आवे ओर बराबर लेमे लेतो आ०
४ मे आवे ने दुगुण लेमे लेतों आ० २ मे आवे
ने चोगणमे ऐक आवडदीमें आवे ॥

धादिन धाकीदितकिटि तका किटिः धी २ किटि धुमकिटित

किटितकाकिटि त्तअकिटिधुमकिटि तकिटि तकाकिटिः तक२धुमकिटितकिटितकाः क्रिटितक धद्दीगन धाधा ३ ॥ १ ॥

॥ अब आडी लें मे छे धालेवा कों
प्रमाण आवडदी एकमे आवे ॥

धाः क्रिटितक धदीगन धा धा ३ ॥ १ ॥

॥ अब तीगणकी लेंमे छे धा लेवाको
हिसाब आवडदी एकमें लेण ॥

तरांग धेत्ता द्धे द्धेत्ता धुमकिटितक धद्दीगनधा धुमकिटितक धदीगनताः क्रिटितक धर्दीगन धाधा ३ ॥ १ ॥

॥ अब नोधा लेवाको प्रमाण बराबर
लेंमे लेतो आवडर्दी ४ मे दुगणमे
आ० देमें ओर चोगणमें आ० ऐकमें आवे ॥

धाद्दिन् धाकिटि तकिटि तकाकिटिः धी २ किटिधुमकिटि त्तकिटितका क्रिटि त्तकिटि धुमकिटि तकिटि तकाकिटिः तक २ धुमकिटिः किटितक धदी गन धा धा धा ३ ॥ १ ॥

॥ अब बारे धा लेवाकों प्रमाण दुगणमें
आवडदी २ मे आवे ॥

धादिन् धाकिटत्ताकिटितकाकिटिः धी २ किटिधुमकिटितकिटितकाकिटि तअ् क्रिटि धुमकिटि तकिटि तकाकिटितकः क्रिटितक धदीगन धाधा धाधा ३ ॥ १ ॥

॥ अब पन्दरे धा लेवाकों प्रमाण ॥

धादिन् धाकिटि तक्रिटितकाकिटिः धी २ किटिधुमकिटितकिटि तकाकिटिः धेत्ता द्धेता धेताः किटितकधद्दीगन धाधा धाधाधा ॥ ३ ॥ ३ ॥

॥ अब १८ धा लेवाको प्रमाण ॥

धादिन् धाकिटि तकिटि तकाकिटिः धी २ किटिधुमकिटित किटि तका किटिः धेता द्धेः क्रिटितक धदीगन धा धा धा धा धा धा ३ ॥ १ ॥

॥ अब २१ धा लेवाको प्रमाण ॥

धादिन् धाकिटितकिटि तकाकिटिः धि २ किटि धुमकिटि तकिटि तका किटिः किटितक धदीगन धाधाधाधा धाधाधा ३ ॥ १ ॥

अब चोतालामें ऐकसे लगाकर इकवीस धा
लेनेका हिसाब मात्रा छोड छोड कर उतनेही
अन्दाजसे सिरु करे कि उतनी धा समपर
आवे आवडदी एकमे लै दुणी रहे मात्रा २४ का ॥

०००००००००० किटितक धदीगन धा ॥ १ ॥ ॥ अब दो शाका ॥
०००००००००◡ ,, ,, ,, धा ॥ २ ॥
००००००००० ,, ,, ,, ,, धा ॥ ३ ॥
००००००००◡ ,, ,, ,, ,, ,, धा ॥ ४ ॥
०००००००० ,, ,, ,, ,, ,, ,, धा ॥ ५ ॥
०००००००◡ ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,, धा ॥ ६ ॥
००००००० ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,, धा ॥ ७ ॥
००००००◡ ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,, धा ॥ ८ ॥
०००००० ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,, धा ॥ ९ ॥
०००००◡ ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,, धा ॥ १० ॥
००००० ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,, धा ॥ ११ ॥
००००◡ ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,, धा ॥ १२ ॥
०००० ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,, धा ॥ १३ ॥
०००◡ ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,, धा ॥ १४ ॥
००० ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,, धा ॥ १५ ॥
००◡ ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,, धा ॥ १६ ॥
०० ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,, धा ॥१७
०◡ ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,, धा ।१८।
० ,, धा॥१९
◡ ,, धा ॥२०
किटितक धदीगन धा धा धा धा धाधा [illegible] ॥ २१

॥ अब दुसरी तरहसे धा ओंका प्रमान ॥

ऽ ॥ ०० किटितक धद्‌गन धा ॥ १ ॥--ऽ । ० ५ किटितक धदीगन धा २ ॥ २ ॥
ऽ ० किटितक धदीगन धा ३ ॥ ३ ॥--॥ ० ०५ किटितक धदीगन धा ४ ॥ ४ ॥
' ' किटितक धदीगन धा ५ ॥ ५ ॥ ॥--ऽ ऽ ० ५ किटितक धदीगन धा ६ ॥६॥
ऽ । ० किटितक धदीगन धा ७ ॥ ७ ॥ --ऽ ५ किटितक धदीगन धा ८ ॥ ८ ॥
। किटितक धदीगन धा ९ ॥ ९ ॥ --ऽ ऽ । ० ५ किटितक धदीगन धा १० ॥१०
ऽ । । ० किटितक धदीगन धा ११ ॥ ११ ॥ -- ऽ । ५ किटितक धदीगन धा १२ ॥१२
०००० किटितक धदीगन धा १३ ॥ १३ ॥ -- ०५ किटितक धदीगन धा १४ ॥१४॥
ऽ ऽ । ० किटितक धदीगन धा १५ ॥१५॥ --ऽ ऽ ५ किटितक धदीगन धा १६ ॥१६
ऽ । किटितक धदीगन धा १७ ॥ १७ ॥ --। ०५ किटितक धदीगन धा १८ ॥ १८॥
० किटितक धदीगन धा १९ ॥ १९ ॥ --ऽ ऽ । ५ किटितक धदीगन धा २० ॥ २० ॥
ऽ ॥ किटितक धदीगन धा २१ ॥ २१ ॥ -- ऽ ० ५ किटितक धदीगन धा २२ ॥ २२
। ० किटितक धदीगन धा २३ ॥ २३ ॥ -- ५ किटितक धदीगन धा २४ ॥ २४ ॥
ऽ ऽ । किटितक धदीगन धा २५ ॥ २५ ॥

॥ अब फेर तीसरी तरेहसे धाओंका हिसाब ॥
बराबर की लेमें लेतो आवर्दी ४ मे आवे ने
दुगण लेमे आ० २ मे ओर चोगणमें आ० १ मे आवे ॥

धादिन धा किटितकिटि तका किटिः धी २ किटि धुमकिटि ताकिटि तकाकिटि त्ताकिटि धुमकिटि ताकिटि तकाकिटि; तक २ धुमकिटि ताकिटि तकाकिटिः धदीगन नं किटि तकिटि तकाकिटिः धेत्ता २ किटि तक धदीगन धा ॥ १ ॥ धादिन धा किटि तकिटि तकाकिटि; धी २ किटि धमकिटि तकिटि तकाकिटि तअ किटि धमकिटि तकिटि तकाकिटिः तक २ धमकिटि तकिटि तकाकिटि धदीगन नं किधि तकिटि तकाः किटितक धदीगन धा २ ॥ २॥ धादिन धा किटितकिटि तका किटिः धी २ किटि धुमकिटि तकिटि तकाकिटिः त्ताकिटि धुमकिटि ताकिटि तकाकिटिः

तक २ धुमकिटि तकिटि तकाकिटिः धेत्ताः किटितक धदीगन धा ३ ॥ ३ ॥ धादिन् धाकिटि तकिटि तकाकिटिः धी २ किटि धुमकिटि तकिटि तकाकिटि तअ-किटि धुमकिटि तकिटि तकाकिटिः धेत्ता २ ध्धेः किटितक धदीगन धा ४ ॥ ४ ॥ धादिन् धाकिटि तकिटि तकाकिटि धी २ किटि धुमकिटि तकिटि तकाकिटिः तअ किटिधुमकिटि तकिटि तकाकिटिः किटितक धदीगनधा ५ ॥ ५ ॥ धादिन् धा किटि तकिटि तकाकिटिः धी २ किटि धुमकिटि तकिटि तकाकिटि धेता ध्धेः किटितक धदीगन धा ६ ॥ ६ ॥ धादिन् धाकिटितकिटितकाटिः ध्धेता ३ किटि-तक धदीगन धा ७ ॥ ७ ॥ धादिन् धा किटि तकिटि तकाकिटिः ध्धेः किटितक धदीगनधा ८ ॥ ८ ॥ धेत्ता धेत्ताः किटितक धदीगन धा ९ ॥ ९ ॥

अब दुगणकी लेमे तो चार आबडदीमे आवे
ओर चोगणकी लेमे दो आबडदीमे आवे ॥

धादिन् धाकिटि तकिटि तकाकिटिः धी २ किटि धुमकिटि तकिटि तकाकिटि तअ किटि धुमकिटि तकिटि तकाकिटिः तक २ धुमकिटि तकिटि तकाकिटिः धदीगन नंकिटि तकिटि तकाकिटि ध्धेत्ता ३ ध्धेः किटितक धदीगनधा १०॥१०॥ धादिन् धाकिटि तकिटि तकाकिटि धी २ किटि धुमकिटि तकिठि तकाकिटिः तकिटि धुमकिटि तकिटि तकाकिटिः तक २ धुमकिटि तकिटि तकाकिटिः धदी-गन नंकिटि तकिटि तकाकिटिः धेत्ताः किटितक धदीगनधा ११ ॥ ११ ॥ धादिन् धाकिटि तकिटि तकाकिटिः धीं २ किटि धुमकिटि तकिटि तकाकिटि तअ किटि धुमकिटि तकिटि तकाकिटिः तक २ धुमकिटि तकिटि तकाकिटिः धेत्ता २ ध्धेः किटितक धदीगन धा १२ ॥ १२ ॥ धादिन् धाकिटि तकिटि तकाकिटिः धी २ किटि धुमकिटि ताकिटि तकाकिटिः तअ किटि धुमकिटि तकिटि तकाकिटिः तक२ धुमकिटि तकिटि तकाकिटिः किटितक धदीगन धा १३ ॥ १३ ॥ धादिन् धाकिटि तकिटि तकाकिटिः धि २ किटि धुमकिटि तकिटि तकाकिटिः तअ किटि धुमकिटि तकिटि तकाकिटि ध्धेता ध्धेः किटितक धदीगनधा १४ ॥ १४ ॥

धादिन् धाकिटि तकिटितकाकिटिः धी २ किटिधुमकिटि ताकिटि तकाकिटिः द्धेता ३ किटितक धदीगन धा १५ ॥ १५ ॥ धादिन् धाकिटि तकिटि तकाकिटिः धी २ किटिधुमकिटितकिटितकाटिः द्धेः किटितक धदी-गनधा १६ ॥ १६ ॥ धादिन् धाकिटि ताकिटि तकाकिटि ताकिटि तकाकिटिः किटितक धदीगनधा १७ ॥ १७ ॥ धादिन् धाकिटि ताकिटितकाः किटितक धदीगनधा १८ ॥ १८ ॥ द्धेताः किटितक धदीगनधा १९ ॥ १९ ॥ [दुणमें पांच आवडदीमें आवे] धादिन् धाकिटि ताकिटि तकाकिटिः धी २ किटि धुमकिटि ताकिटि तकाकिटि द्धेता २ द्धेः किटितक धदीगन धा २० ॥ २० ॥ धादिन् धाकिटि तकिटि तकाकिटिः धि २ किटिधुमकिटि ताकिटितकाकिटिः किटितक धदीगनधा २१ ॥ २१ ॥ धादिन् धाकिटि ताकिटि तकाकिटिः द्धेता द्धेः किटितक धदीगनधा २२ ॥ २२ ॥ द्धेता २ द्धेताः किटितक धदीगन धा २३ ॥ २३ ॥ द्धेः किटितक धदीगनधा २४ ॥ २४ ॥

॥ अब फेरभी धाओंका चौथी तरहेका हिसाब ॥

॥ बोलोमें तथा परणेमे सिरुसे समासितक उतनी ॥

॥ धा आवे ॥

तकिटि धिकिटि धुमकिटितक धदीगन ताकिटिकिटि ताकिटितकाः किटि २ तकिटितकाकाः किटितक धदीगनधा ॥ १ ॥ किटिधुमकिटि धिलांग कतगदीगन २ द्धेतक धदींगन २ द्धेतगना तगनाः किटि २ तकः तकन२ किटिताः धी २ किटितक तकांन तकधा किटितक धदीगनधा ॥ २ ॥ तरांग द्धेता द्धेधेताः धुमकिटितक धदीगनधा ३ ॥ ३ ॥ ताआः किटितक धदीगन धा आ० किटितक धदीगन धाआ० किटितक धदीगन धाआ० किटितक धदीगन धा ॥ ४ ॥ धादिन् धाकिटि तकिटि तकाकिटिः धी २ किटिधुम किटि तकिटि तकाकिंटि तआकिटि धाधा किटितक धदीगनधा ॥ ५ ॥ धुधकिटि २ तकिटि तकाकिटिः धुमकिटि ताकिटितकाकिटिः धुमकिटितक २ धदीगन धाआ धाआः ॥ धुमकिटितक २ धदीगन धा आ धा आं

धुमकिटितक २ धदींगन धाआ धा ॥ ६ ॥ तअ किटि धुमकिटि तकिटि तकाकिटिः धाधाक धाकः धातक धदीगन ३ धा ॥ ७ ॥ धाकिटितक धुमकिटितक ध्धेत्ताः किटितकधदीगन २ धाआः त्तअ किटितक तअः किटि २ धी २ किटि धुमकिटि तकधुमकिटितक ध्धेता धिलांग कतक धाकधा तकाअ धाकुधा किटितकाअ धाकधा ॥ ८ ॥ किटितक धदीगनः किटितक धदीगन धाधाधा ३ ॥ ९ ॥ तअकिटि धुमकिटि तकिटि तकाकिटि तकतक धुमकिटि तकिटि तकाकिटिः धाधा किटितक धदीन २ धा २ किटितकः धाकिटितक धदीगन ३ धा ॥ १० ॥ धदीगन नंकिटि तकिटि तकाकिटिः धाकिटितक धुमकिटितक धदीगन कातक धाआ दींगनधाआ दीदीगनधा दिंगनधा ताताक धादिंगन धाधा दिंगनः धादिं गन २ धा ॥ ११ ॥ धाआ दिन्नाः धाधाअ धादिंना २ तकधादिन्ना धिकि तकधाः धी २ कातक धिलांग तादीदी तका धेत धाक कातागदीगन धादिन्ः तकधिनतक २ धा ॥ १२ ॥ धाधाधा २ तकिटिताता किटितक धाधा तकिटि धाकः धा २ किटितक धदीगन धाधा ॥ १३ ॥ धाआ तकधा तकाआ धिगाआः धाकि-टितकिटि तका २ ध्धेता तकधा धाध्धा धादेअ् किटितक धदीगन धाधा३ ॥१४॥ तके धागे दिगनताः दिधा २ दिन्ता तकिटितका तदिन्नतकः धागादिगेतक धाकिटि तकनः धाधाकिटितकन धादिन्तकनः धाधाकिटि धादिन्त धेतक दिनः धाकिटि तकिटितकाथुन्ः ताकिटि तकिटि तकाथुन् २ ताः तादिन्धाः किटितकिटितकाआ धाकधा ॥ १५ ॥ तकअ तकत २ धाग्गदीगन २ धेध्धेधाड २ धातीननानान २ नटततान २ ताधाकिटितक धाधाकिटितक गदीगन ताधाकिटितक धाधाकिटिकत गदीगन ताधा किटितक धाधाकिटितक गदीगन धा ॥ १६ ॥ धाआ किडधा किटता २ किडधक धाकः धाधाः किडधाकिटितक २ तकिटिधाक धादिन्गनः तकधाकिटित्तक २ किटिधादिंगन २ तकिटि तअक धाधाधा ॥ १७ ॥ धाआ ताआ देअ् धाआ दिन्ना द्धाधा धादिन्ना तकधा दिन्ना तक धाकि-टितकः धा २ धग्गदीगन द्धः धीड २ धधीकिटि २ धादिन धाकिटि

ताकिटितका किटि तअ किटि धुमकिटि तकिटितकाकिटि ...

टितकधा ताकिटि धुमकिटितक द्धेता तकाधिगा धुमकिटितकध्धेताः तरांग
धा तकधा किटितक धग्गदीगन धद्धे धाधाधा ॥ १८ ॥ धा० तकधा
धाकिटितकः तकधा ३ किटितकः तकधा तकधा किटितक २ किटितक
दीगन धाधाधा ३ ॥ १९ ॥ ताः किटितकिटितका किटितक धाधा २ किटि
ाआ किटिताधाः धा २ किटितक तकधा किटितकः धाकिटितक नाकिटि
क २ धीन् २ धाकिटि तकिटि तरांगः धाधा किटितक तकगदी-
धा ३ ॥ २० ॥

॥ एकहत्थी परण यां एकहातसे बजानेकी परण ॥

तानिन तनाना तिट तानिन तनानातिट ताँनिनाता ताँनिनाता तानि-
तनाना तिटि तानिनाता तिटि तानिँन तनाना तिँटि तानिनाता तिटि
तातिटि नातातिटिः तानिन दिँनन तिटि ताँनिन दिनन तिटि तानिदाना
निदाना तानिन दनिन तिट तानीदाना तिंटि नदनिनतिटि तानिदाना तिटि
ना दाना तिटिता ॥

॥ अब चोतालामें परण समसु उठणी ओर तीन
विरीया लेणी धापर ५ पाच मात्रा का दम देणा
सो तीन आवडदीमे बराबर बेठेगी ॥

कि ड ना कि टि धु म कि टि त क ध दी ग न त क धु
१ २ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १७ १८ १९
कि टि त क ध दी ग न धा धी, धीं ड ना कि डा ण धा
० २१ २२ २३ २४ २५ २६ २७ २८ ३० ३२ ३३ ३४ ३६ ३७ ३९ ४० ४२
ा ऽ किं ड ना कि टि धु म कि टि त क ध दी ग न त क
४ ५२ ५३ ५४ ५६ ५७ ५८ ५९ ६० ६१ ६२ ६३ ६४ ६५ ६६ ६७ ६८ ६९ ७०
म कि टि त क ध दी ग न धा धी, धी ड ना कि डा ण धा
७२ ७३ ७४ ७७ ७६ ७७ ७८ ७९ ८० ८२ ८४ ८५ ८६ ८८ ८९ ९१ ९२ ९४

आ ऽ कि ड ना कि टि धु म कि टि त क ध दी ग न त क धु
९६ १०४ ५ ६ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १७ १८ १९ २० २१ २२ २३
म कि टि त क ध दी ग न धा धी, घि ड ना कि डा ण धा ॥१॥
२४ २५ २६ २० २८ २९ ३० ३१ ३२ ३४ ३६ ३७ ३८ ४० ४१ ४३ १४४ सम

इस जोडकी परणे सब इसीतरहसे बेठेगी ॥

॥ अब ओर भी परण उपर माफिक आवडदी ४ की ॥

किटितातक धिलांग तकधुमकिटितक धी इ तकधुमकिटितक धदीगन धा धी धींडना किडाण धाआऽ २ किटितातक धिलांग तकधुमकिटितकद्धी तक धुमकिटितक धदीगन धाधी धीडनाकिडाधा ॥ २ ॥

॥ इस जोडकी परणे सब इसीतरह से लेणी ॥

॥ अब परण समसु उटणी ने तीन बिरीया लेणी सो
आवडदी ४ मे आवे परंतु इस परण मे कुछ बोलनेकी
लिखनेकी सफाइ हे ध्यांन करनेसे मालुम होगी ॥

कातकधाआ दिंगनधाआ दिद्गिनधा दीगनधा ताताक धादिंगन धाधा दीगनः धादीगन २ धा,ः कातकधा दिगनधा दीदीगनधा दीगनधा ताताकधा दिंगन धाधादिंगन धादिंगन धादीगनद्धा २ ॥ १ ॥

अब टुकडा मात्रा ४ का उठाण सुदालेणासो
बराबर फीलेमें तो आवडदी दोमे आवे
ऑर दुणकी लेमे आवडदी ऐकमे आवे ॥

धादिन् धाकिटि तकिटि तकाकिटिः धी २ किटि धुमकिटि तकिटि तकाकिटि किटितक धा ३ ॥ १ ॥ इस जोडके टुकडे सब इसीतरहसे बेठेगे ॥

॥ अब टुकडा मात्रा ८ काः उठाणसे लेणा ॥

धादिन् धाकिटि तकिटि तकाकिटिः किटितक धदीगन धाआ ३ ॥ १ ॥

॥ अब टुकडा मात्रा १२ का उठाण सुदा ॥

धाआः किटिकिटितकधा धदीगन धाआ २ किटि२ तक धा धदीगन् धा॥१॥

॥ अब बोल मात्रा १६ को उठाणसें दुणलै
मे २ आवर्तमे ने चोगण लेमें १ आवर्तमें ॥

धादिन् धाकिटि तकिटि तकाकिटिः धी २ किटि धुमकिटि ताकिटि तकाकिटिः किटितकाआ धाकिटितक धदीगनधाआ २ किटितकाअ धाकिटितक धदीगन धा ॥ १ ॥ ॥ एह लिखे हुए टुकडे तथा बोल सब जिल्लेवार तिताला मे लिखे हें पाने ४२–से ९१ तक

॥ अब बोल मात्रा २० को चार दाण लेणा
दुगण लेंमें जो आवडदी एक में आवे ॥

धाआ किटितक धदीगन धाआ किटितक धदीगन धाआ किटितक धदीगन धाआ किठितक धदीगन धा ॥ १ ॥ ॥ इस जोडका बोल सब इसीतरहसे बेठेगे ॥ ॥

॥ बोल मात्रा २४ का ३ तीन बिरिया
लेणा दुणी लेमेंसों आवडदी २ मे आवे ॥

धाआ किटितक धदीगन धदीगनः धाकिटितक धुमकिटितक ध्धेता किटितक धदीगन धाआ ३ ॥ १ ॥ इस जोडके सब बोल बेठते हें.

अब बोल मात्रा २४ को आडी लेमे आवडदी २
मे आवे ने तीगण मे एक आवडदीमें आवें ॥

धा किटितक धुमकिटितक ध्धेता किटितक धदीगन धा ३ ॥ १ ॥ ॥ इस जोडका बोल सब आड तीगण लेंमे बराबर बेठेगे ॥

अब मृदङ्ग भुषण पंचरत्न कि परणे ॥
॥ परण मात्रा २८ की ॥

धाआः धा किटितक धदीगन धुमकिटितक ध्धेता किटितक धदीगन धाआ ३ ॥ १ ॥ इस जोडकी पर्णे सब इसी तरहसे बेठेगी

अब परण मात्रा ३२ की लें दुगणमें ॥
आवडदी तीनमे आवे उठाणकी मात्रा सुद्धा

।।।।। धकिटि धाक धाधी किटि धागे दींगे तक किटि तकिटि तकाकिन धागे दीगन धागेदीगन धाआ ३ ॥ २ ॥ ॥ इस जोडकी-परणे सब इसी तरहसे इतनी मात्रा छोडकर सिरुवाद करणी सो समपर तीसरी दुणमें वरावर बेठेगी ॥

अब परण मात्रा ३६ की तीन ३ विरीया लेणी
दुणमें जो आवडदी तीनमें आवे ॥

ऽ । ० धीगे धी किटिता धीगे धिकिटित तकनाना नकिटिता तक धाधाधाधा गदीगन धाआ २ धीगे धीकिटिता २ तक नानान किटितातकः धाधा २ गदीगन धा ॥ ३ ॥ ॥ इस जोडकी परणे सब इसीतरहसे मात्रा छोडकर वरावर वेठेगी ॥

॥ अब परण मात्रा ४० की दुगण लेमें लेणी
तीन विरीया सो आवडदी ३ में आवे ॥

ऽ किडना किटि धुमकिटि तक धदीगन तक धुमकिटि तक धदीगन धा धीं धींडना किडाण धाआ २ किडना किटि धुमकिटितक धदीगन तक धुमकिटि तक धदीगन धाधी घीडना किडाण धा ॥ ४ ॥ इस जोडकी परणे सब इसीतरहसे इतनी मात्रा छोडकर सिरूकरनेसे वरावर बेठेगी ॥

॥ परण मात्रा ४४ की दुणलेंकी तीन विरीया
लेणीसो तीन आवडदी मे आवे ॥

ऽ किटितकतक किटितकतक धाधाकिटितक घीडनाकिटितक देअकिटिकिटि-तक दिन्नाड देअधाअ २ किटितकतक २ धा २ किटितक घीडना किटितक देअः किटि २ तकदिन्नाड देअधा ॥ ५ ॥

इस जोडकी परणे सब इसी तरहसे पुरी बेठती हें ॥

॥ परण मात्रा ४८ की दुणलेंकी ३ आवडदी की ॥

ऽऽ। तरांग ध्धेता धेध्धेता धुमकिटितक धदीगनधा धुमकिटितक धदी

नधा धुमकिटितक धदीगनधाआ २ तरांग ध्धेता धेद्धेताः धुमकिटितक धदी नधा ३ ॥ ६ ॥ ॥ इस जोडकी परणे सब इसी तरहसें बराबर बेठेगी ॥

॥ अब परण मात्रा ४८ की तीगणकी लेमे तीनआ-
वडदीमे ओर आडी लेमे छे आवडदीमें आवे ॥

ऽऽ। तकिटि धीकिटि धादिन्ता धाकिटितक धदीगनधाधा किटितक धदी-नधाधा किटितक धदीगन धाधाआ २ तकिटि धीकिटि धादिन्ता धाः किटितक धदीगनधाधा ३ ॥ ७ ॥

इस जोडकी परणे सब इसी तरहसे पूरी बेठेगी ॥

॥ अब परण मात्रा ५२ की दुंणमे लेतो आव
डदी ४ मे आबे ने चोगण मे २ आवडदीमें आमे ॥

ऽ।० किटितअ धुमकिटितक धुमकिटितक धदीगन धाकिटितक धदीगन धाकिटितक धदीगन धाकिटितक धदीगनधाआ २ किटितअ धुमकिटितक धुमकिटितक धदीगनः धाकिटितक धदीगन ३ धा ॥ ८ ॥

॥ इस जोडकी परणे सब इसीतरहसे पूरी बेठेगी ॥

अब परण मात्रा ५६ की दुगण लेंमे आ ०
४ मे आवे ओर चोगण लेंमे आ० २ मे आवे

ऽ किटि तात्तअक धिलांग तकधुमकिटि तकध्धी तक धुमकिटितक धदी-गन धाधी धीडना किडाण धाआ २ किटितात्तक धिलांग तक धुमकिटितकध्धी तकधुमकिटितक धदीगन धाधी धीडना किडाण धा ॥ ९ ॥ ॥ इस जोडकी परणे सब इसी तरहसे लेणी ॥

परण मात्रा ६० की दुणमें लेणी तीना दाण जो
आवडदी ४ मे आवे ओर चोगणमे दो आ० आवे ॥

० तअ किडाण धुमकिटितक धगदीगन ध्धेता किटितक धदीगन तकिटि-

किटितक धगदींगन ध्धेता किटितक धदींगन तकिटिधाक धादिन्तक धीन्तराण ताकिटितका घीदिन् ताड धा॥ १० ॥ इस जोडकी परणे सब इसी तरह से पूरी बेठेगी ॥

परण मात्रा ६४ की तीन विरिया लेणी जो दुगण लेभे आवडदी ५ मे आवे ॥

ऽ। ऽ नगध्धे, धी किटितक धी, दिन्ना किटितक धुमकिटि तअ० कत्ती किडगन त्त किडाण किडधाती धा किडाण किडधाती धाअ २ नगध्धे, धी किटितक धी, दिन्ना किटितक धुमकिटि तअ० कत्ती किडनग तत् किडाण किडधाती धा किडाण किडधाती धा ॥ ११ ॥ इस जोडकी परणे सब इसी उठाण से पूरी बेठती हें ॥

परण मात्रा ५६ की दुसरी ताड धाडकी ॥
तीन विरिया लेणी उठाणसु जो आ० ४ मे आवे ॥

।। तअक धी किटितक धा किटितक धी किटितक धातीन् नानाना नट तकता किटितक ताड धाड ताड धाड धाआ नाड धाड ताड धाअ २ तअक धी किटितक धाकिटितक धिकिटितक धातीन् नानाना नटतकता किटितकः ताड धाड २ धा आंत्राड धाड ताड धा ॥ १२ ॥ ॥

॥ अब आडी लेकी परण मात्रा ७२ की ३ विरीया लेणीजो आवडदी ४ में आवे ॥

ऽ॥ तअकधीकिटि धीनतरांण धाकिटितकधीकिटि घीनतरांण धाकिटितक धिकिटि धीधीकिटितक धाकिटितक धीकिटितक धदींगन धाकिटितक धिकिटितक धदींगन धाकिटितक धिकिटितक धदींगन धाआ २ तअक धीकिटि धीनतरांण धाकिटितक धीकिटि धीनतराण धाकिटितक धीकिटि धीधीकिटि तकः धाकिटितक धिकिटितक धदींगन ३ धा ॥ १३ ॥ ॥ इस जोडकी परणे सब इसी तरहसे लेणी ॥

॥ अब परण मात्रा ७२ की सम दुगण लैकी
तीन ३ दाण लेणी जो आबडदी ५ मे आवे ॥

ऽ ० ऽ धाकिटितकिटि तकाआ० कतधीधींदिन्अ नगद्धेणता धीन
डाल धाधीन्ता कत्तीटी धाआ- किटितक धदीगनधा। किटितक धदीगनधा
किटितक धदीगनधा किटितक धदीगनधाआ ऽ २ धाकिटि तकिटितकाआ०
तधीधीदिन्अ नगद्धेणता धीननडाल धाधीन्ता- कत्तीटी धाआकिटितक
दीगनधा ।: किटितक धदीगन धा ३ ॥ १४ ॥ - ॥

॥ अब परण मात्रा ८० की दुणमे आ० छे
॥ मे आवे ॥

ऽ धाकिटितक धुमकिटितक द्धेता द्धेता तकधा धधीकिटितक त्ततर
किटि धदीगनधाआ धीधीकिटि घीघीताधाआ किडाणधा किटितक धदीगन
धाआ २ धाकिटितक धुमकिटितकः द्धेता २ तकधा धधीकिटितक त्ततरकिटि
दीगनधाअ धीधीकिटि घिघिताधाआ किडाणधाअ किटितक धदीगनधा
१५ ॥ ॥ इस जोडकी परणे सब इसीतरहसे बेठगी ॥

॥ अब परण मात्रा ८४ की दुगण लेकी तीन बिरीया
॥ लेणी जो आबडदी छेमे आवे ॥

ऽ ऽ ० ० नगतकतकदेअ धाकिटितकिटि तकाकिटि किडधातीन
किटि ताकिटि तकाकिटि धुमकिटि किडना, ता घीट घीट तकिटि तकाकिटि तक
धाकिटि तकिटितका किटितक धदीगन धाआ २ नगतक तकदेअ धाकिटितकिटि
काकिटि किड धातीन् धाकिटि तकिटि तकाकिटि धुमकिटि किडना, ताः धीट २
किटि तकाकिटि तक धुमकिटि तकिटितका किटितक धदीगन धा ॥ १६ ॥ ॥
स जोडकी परणे सब इसी तरहसे पूरी बेठती हैं ॥

॥ अब परण मात्रा ८८ की सम दुगणकी ॥
तीन ३ बिरिया लेणी सो आ० छे मे आवे ॥

।। किटितक थुन् थुन् न किटि ताआ धादिन्ता किडधादिन्ता कतीटीधा-दिन्ता कअत्र तीटी धादिन्ता किडधाआ धादिन्ता कतीटी धाआ थुंन्त धाआ २ किटितक थुन्थुन नकिटि ताआ धादिन्ता किधधादिन्ता कतीटी धादिन्ता कअत्र तीटीधादिन्ता किटधाआ धादिन्ता कतीटी धाआ थुंनत्त धा ।। १७ ।। ।।

अब परण आडी लेकी मात्रा ९६ की तीगण
लेंमे तीन दाय लेणी जो आवडदी छेमे आवे

ऽ । ऽ ताकिटितक धुमकिटितक त्त किडाण किडनग देअ धीअ तीइ घीडाण धाआ धातीन्ता धाकिटितक धग्गदीगन ध्धेधिरकिटि तक धुमकिटि तअ किडाण किणनग देअ त्ता धाकिटि तअक धीकिटि तक धदीगन धाआ २ ताकिटितक धुम-किटितक तअ किडाण किडनग देअ धीअत्तीइ घीडाण धाआ धातीन्ना धाकिटि तक धग्गदीगन ध्धे धीर किटितक धुमकिटि तअ किडाण किडनग देअ त्ताधाकिटि तअक धी किटि तक धदीगन धा ।। १८ ।।

।। अब परण मात्रा १५६ की सम दुगणकी
तीन विरिया लेणी जो आबडदी ७ मे आवे ।।

ऽ तगनाआ ध्धेत्ता धागेदिन धाधा किटितक धाती ५ ध्धेत्ता तक धुमकिटितक धेता तकधा त्तक धीकिटि तक धुम किटि तक गदीगन धागेदीगन: धागेदीगन धाआ २ तगनाआ द्धेता धागेदिन धाधा-किटितक धातीअद्धेता तकधुमकिटितक धेतातकधा त्तकधीकिटि तकधुमकिटि तक धदीगनः धागेदीगन २ धा ॥ १९ ॥ इस जोडकी परणे सब इसीतरहसे पूरी बेठती हैं ।।

अब काट त्राछ की परण समसु उठाण है
सम दुगण चोगण लें होतीहै पढनेमे कुछ
तरकीबहै कि परण पढनेसे मालुम होगा

परण आवडकी ४ मे आवेगी मात्रा ६४ की

तथुंग तक्काथुंगा त्राकिटितकता कअत्: त्रकिटितक ताकिटितक गदी-न द्धाता धाआ ३ तथुंग तक्काथुगा त्रकिटितक ताकअत्: त्रकिटितक ताकि-टिकत गदीगन द्धा त्ता धाआ ३ धाआः तथुंगतक्काथुंगा त्रकिटितकता कअत्: किटितक ताकिटिकत गदीगन ध्धाता धाआ ३ ॥ २० ॥

अब परण मात्रा १०८ की तीन दाण लेणी
सो आवडदी आठमें आवे सम दुगण लें ॥

ऽ घ्रगडतअ् किडधाकिटि धरकिटितक धरकिटितकिटितका किटितक गदीगनधाआ ताआ किडतअ धुमकिटितक ध्धाधी किडना ध्धता धाकिटि किटितका ताआ ० गदीगन धागेदीगन धागेदीगन धाआ ३ ॥ २१ ॥

मोहरा सम दुगणका तीन दाण लेणा
सो आवडदी तीनमे आवे ॥

ऽ ऽ धकिटित्तगनधा थुंधा क्रधानधाआः कत्तधाआ ताःधाआः धाकि टितगनधा थुंधा क्रधानधाआ कत्तधाआ ताःधाआ धकिटितगनधा थुंधा क्रधानधाआ कत्तधाआ ताःधाआ ॥ २२ ॥ ॥ ऽ धिलांगनगदेअ ३ धाआः धिलांग नगदेअ ३ धाआः धिलांगनगदेअ ३ धाआ ॥ २३ ॥ ॥

अब मोहरो तीन दाण लेणो समकी ले मेतो ८ मात्रा सु उठणो
ने दुगणकी ले में १६ मात्रा सु उठणो सो सम पे आवे ॥

ध किटि धकिटि धा धीकिटि धाधिकिठि तका किठितक धदीगन धा ३ ॥ २४ ॥ ॥

अब परण मात्रा ४८ की तीन दाण लेणी १६ मात्रा
छोडकर तो आवडदी ४ मे आवे ओर एक दाण लेगे
तो समसे समतक ऐक आवडदीमे बराबर बेठेगा

ऽ ऽ धं किटि तान घिटताः धा घिटघा घिट घिट किडधा किटि धागे
[illegible] धा [illegible] ता किटितक धदीगन धाआ ३

घिकिटि तान घिटता धाः घिटधा घिठ घिट किडधा किटि धागे दिगे नागे तिटि कट्ट तगन धा दिन्ना कअन् ताः किटि तक धदीगन धा ॥ २५ ॥ ॥

पडार परण तीन दाण लेणी सो आवडदी
चारमें आवे लें सम दुगण रहें

ऽ ताता कूकू थुंथुं नाना किटि कत्ता कधा कअ त्ती धा कअ त्ती धाआ कअ त्ती धाआ किटितक धदीगनधा किटितक धदीगन धा किटितक धदीगन धा ३ ॥ २६ ॥

अव परणे साथ (लपेट) ले मे वधीं हुइ मात्रा
१९२ की दुणमें लेणी जो आवडधी चार मे आवे

छं छे धिरकिटि किटितक तरकिटि तंगदीग तगदेअः धी २ दिन्ता तक थुंगा नग दिग तक तराणधाआः किडधा तड धाक धाआ घंगतिटि कअंधिर किटितक थुन् धात्ती धाता धा थुन् तक किटि धुमकिटि तक थुन् धागिन दीगन धागे धीन्ता घीननन गअदी गदीगन किडान गअदी गदीगन घिडाणः कत घीडाण २ धा धा धुमकिटि घीडाण धा घा धुमकिटि घिडनग तर किटि किटि धा घिडाणः धा ॥ १ ॥ ॥ इसको चाहे जितनी विरिया बजाते चले जाओ समकी जगह टूटक कभी मालुम नही होगी नये नये बोल मालुम होते रहेगें ॥ इसको रेला भी कहते हैं ॥ अब इस तरहकी छोटी परण ॥ धाआ धुमकिटि किटितक तगतिटि किडाण किटितक तगतिटि किडनग तरकिटि तागे तिटि किडनग धेः ॥ २ ॥ ॥

अब छुटकर परणे सम दुगणकी समका १ चिन्ह और दुगण
का २ का चिन्ह लिखा हें अक्षर (परणो) के बीच बीचमें

(१) धकिटि २ धाधाकिटि किडधाकिटि धिधाकिटि ताकिटि धाधीन्ता किडधा

धिन्ता कअदीक धिन्ताः (२) किटितक धी किटि धागे तीटीकत गद्दी गन धडंगन धागे तिटि धाधा किटितक गदीगन धा ॥ १ ॥ ॥ (१) धागे तिटि तागे तिटि धागे दींगे नागे तिटि (२) किडधा किटि १ धागे तिटि तकाअ ताकिटि तक कतः धिधितिटि २ कत्त गदीगन धाः धांधीतिटि कत गदीगन धा २॥ २ ॥ ॥

॥ ताल पेहलीसु ॥

द्धे द्धे धिरकिटि कतक धीकिटि कतः (२)ः धिन्तराण धा : १ : कत कत किडनग : २ : धीन्तर किटितक कअतर किटितक : १ : धींनतीट धींधींतिटि : २ : गदीगन गदीगन गदीगन धा : १ : धाकत्त धादींकत्तः २ : कत्तर किटितक : १ : थुन् किटि किडधा किटि किडधाकिटि : २ : द्धे द्धे धिरकिटि द्धे द्धे धिरकिटिः धर किटितक धरकिटितक धरकिटितक : १ : धातीअ धातीअ धाआ किडनग थुन् नागे नागे ध्धे : २ : नगनग नंगनगः १ : द्धे द्धे धिन धिन गदीगन नग तिटि ताआक धाधा किटितक तरकिटि किटितक तरकिटि कअधा गदीगन धा ॥ ३ ॥ ॥ धिरकिटितअ धाकिटितक धीकिटिः २ : किडना किटि धुम किटितक धाधीविन्ना किडाण धाः : १ : धींध्धीः२ः धीकिटितक धुमकिटि त्ती- किडाण धाः१ः तागेतिटिधाः२ः तकधुमकिटितकताआः१ः गदीगन धागेदिगन धागे दीगनधाः२ः गदीगन २ धादिन्ताः धीडान किडनगध्धेः तअ किडाण धाआः तअ किडाणधाआ तअ किडाणधाआ ॥ ४ ॥ ॥ समसुउठणो ॥ तगंन्नाड धादिन् धेत्तरांगः ध्धेध्धे धिरकिटि तकधुमकिटितक धदीगन धाताधाआ २ ध्धेध्धे धिरकिटि तकधुमकिटितक धदीगन धाताधा ॥ ५ ॥ ॥ ताआ किटि धीधीकिटिः २ : तकधाकिटितक धिन्तक ध्धे धाकिटितकिटितका किडधांनः १ : ध्येतगीन्न धां, गअदीइ कत्तधा : २ : किटितक गदीगन नंगतिटि किडाण धाआ २ किटितक गदीगन नगतिटि किडाणधां ॥ ६ ॥

॥ परण समसु सम तक आवडदी एककी ॥

धीकिटितांन धीटीताधा घिटिधाः धिटि २ किडधाकिटि धागेदींगे नागेतिटि कटअ्र तगन धादिंना कअत ताअ्रा (२) किटितकधदीगनधा ॥ ७ ॥ धृगडत्तः धिटि २ तागिन ताकिटिकिटिः धिट २ धागेतिटि धागेदीगे नागे तिटि कतीटी तगन तकिटि ताधिन्तधा ॥ ८ ॥ ॥ धीधानदः धी २ तान धाआ किडाणधाआ कतीट तगन धिटितिटिः धागेदीगन ३ धा ॥ ९ ॥ ॥ घिघनिद धीधतान तकिटि धानधाआ कतीटि तगन धिटतिटि ७ः धागेदी गन ४ धा ॥ १० ॥ ॥ धाआ काता किडता कअत् तगिन नागिन ताः धीन्तरांण २ तगिनधा, ३ ॥ ११ ॥ ॥

॥ अब परण जय शब्दकी दुणमें लेणी जो आवडदी दोमे आवे ॥

धाकिटि तकिटि तका २ धेता धेतकादिन्न तअ् तअ् तअ् जैश्री गोवर्द्धन नाथजी की जै श्री नवनित्त पियाजीकी जै श्री गुरुदेवकी तअ किटितक धदीगनधा ॥१॥ ॥ इस परणमे तअ् तअ् तअ तो पहला तअ् पखावजकी डोरी या वादीके उपर दोनों हाथ मारना ओर दुसरी तथा तिसरी तअको दोनो हाथोकी तालबजाना ओर जब जै सब्द [जे श्री गोवर्द्धन नाथजीकी] तो पखावजको दोनो हाथ लगाकर सिरको लगाना ओर मुंहसे बोलबोलतेजाना फिर चोथी तअ आवे जाहासे फिर वजाना सिरुहोगा—पेहो इसस्की रितहैं

अब परण सलामी की तिगुण लैकी तितालामें तो सम की पेली ताल सु उठणो ने तिन विरिया लेणी सो आवडदी छे मे आवे ने चोतालामे भी समकी पहली ताल सु उठणो जो चार आवडदी मे आवे ॥

धीधी धुमकिटितक धादिना धाकिटितक धिधीकिटितक धुमकिटितक धधता किटितक धदीगन धीधीकेटितक धदीगन धाआ * धीधीकिटितक धदीगन धाआ * धीधीकिटितक धदीगन धाणा * ३ ॥ २ ॥ ॥ धाके आगे * एसी फुलडी का चिन्ह हें वहापर धा लगाने बादमे बाहे हाथसे सलामी (रांम रांम करनेगे हाथका इसारा होता हे उसी तरह से) होना चाहिये ॥

ओर भी इस तरहकी परण लीखी हे
सम दुगण की आवड दी ४ मे आवे ॥

तीटीकत गदीगन नागे त्रकड तकता तकिटि तगनं धागे दीगन धागेदिगन धागेतिटि: धीट २ तक धुमकिटितक दागे दीम:(२) त्रकिटितक ता तिटिकत गदीगन * धाधी धीनतक ३ त्रकिटि तकता तिटिकत गदीगन धा ॥ ३ ॥ ॥ इस परणमे जहांपर फुलडी का चिन्ह हें उसके अगाडी धाधी धीन्नक ये अक्षर हें तो वहापर सलामी ली जायगी वो अक्षर पखावजमें नही बजाये जायगें ॥



अब गज मोहर मस्त हाथीको रोकाथा परवावजी कुदुह सिंहजीने उन्मेकी यह परणहैं परंतु उनको दैवीका इष्टथा (सानुभावथी) परणमात्रा ७२ की ॥



अंग्ड ध्धेत् ध्धे त गिन्न धा धाः अंग्ड ध्धेत् ध्धे त गिंन धाः धा
- २ ३॥ ४॥ ५ ६ ७ ८ १० ११॥ १२॥ १३ १४ १५ १६

अंग्ड ध्धेत् ध्धे त गिंन धा धा किंड ध्धे ध्धे ध्धे घडं न किटि तक गंन-
१८ १९॥ २०॥ २१ २२ २३ २४ २५ | २६ २७ २८ २९ ३० ३१ ३२ ३३

पतिं तिंटि किटि दंग नक दग नक तदीत किटि तक ध्धे त किटि ता॰ड
३४ ३५ ३६ ३७ ३८ ३९ ४० ४२ ४३ ४४ ४५ ॥ ४६॥ ४८

ध्धेत गिंन धा ता धा तिटि किटि घिन्नकंड घा तिटि तक ध्धेत किटि
४९॥ ५१ ५२ ५३ ५४ ५२ ५६ ५७॥ ॥ ५९ ६० ६१॥ ६२॥

ता॰ड ता~धा ॰ ता ~ धा ॰ ता आ घा ॥ १ ॥
६४ ६५॥ ६७ ६८॥ ७० ७१ ७२ सम

हाथीको नचानेकी परण ताल चलती ॥

धल धल ४ धल धलांग धलः धलाग २ थुंगाथुंगा ४ थुंगा थुमाक थुंगा थुमाक २ धल धल ३ धलांगः थुंगा थुंगा ३ थुमाकः धल २ धलांगः थुंगा २ थुमाक २२ धल धलांग थुगाथुमांक २ धलांग थुमाक २ तकतक थुंगाथुंगा २ तक तक थुंगा २ थाः नकतक थुंगाथुंगा थुमाक धदीगन थौ ॥ २ ॥ ॥

पञ्चदेव स्तुती परणभ लैं आडी

तंअक धागेतिटि धागेन धागेदिन् दित दिंदिन धात धा धिट धिधा धी २ तिटि धात्रक धटगन कत्त कत्तीटी कतिटिता कता कतिटि किटि कतः कतिटि किटिकत कतिटि किटितकः कतीटीता कतकअत्त द्रगनन थुंन्तथा धिन धिनक धा धिनधिनक धागेत्रकथुंग धागेत्रकथुंग धाः धिट पंञ्च गणपति पञ्च पाण्डव नंटनारायण नटतरेहर पुष्प चंदन मुकुट झकझक धनित धगनग धनितधा किट्तक तंत्रमन्तर जपति गणपति फणित धडकड फणित धा गति नादं अपरम्पार गतिनीत देखनित नित्त थ्य धडाधड धडक जम धडजगन धंडधड तंग तडधड नगनतंगातिटि धगनधगकिटि धाः दुर्गदुर्गति नाशनी दल असुर दलदलदल मलित दल सुंभ सुंभन काट मार पछार डारत तनकमे रहे भुवन त्रभुवन जयत जयजय जयत जयजय जयतजय सुर सकल निर्भय जान गावत ताल दै दै दै ॰ मृदङ्गन तंअक झिंगन दिडत नगदिन दिडत नग-दिन दिन्त धा ॥ १ ॥ ॥

अब पांच लैका टुकडा

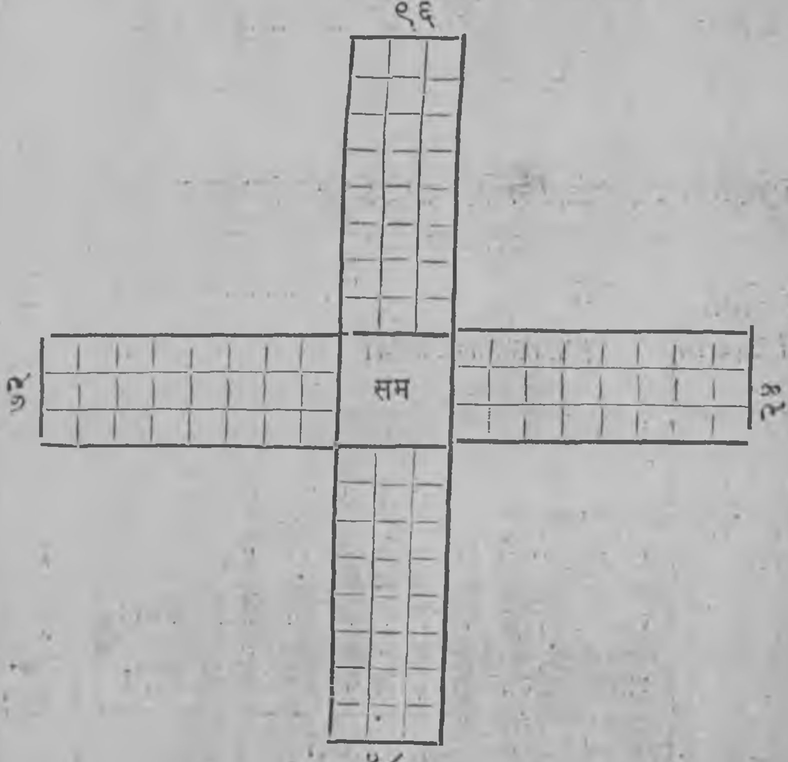
१ किंड़ टिड़ तंअ् कअ् धअ् दीड़ गंअ् नअ् धाआ० २ किड़ दितअक धअदी गअन धा ३ किट्टी तक धध्धी गन्न धा ४ किटितक धदीगन धा ५ किटितक गदीगन धा किटितकगदीनधा किटितक धदीधिन धा ॥ १ ॥ ॥

१ ऐकके अंकसे ठाकी लै यानी ॥। पोणी लैं से टुकडा बोला जायगा ओर २ अंकसे ॥। पोणी लैं ओर ३ के अंकसे १। लै ओर ४ के अंकसे दुगणी लै ओर ५ के अंकसें चोगुणी लैं होती हैं

अब चोपडका बाज मात्रा ९६ का बोल तीन ३ [पासे तीन]

एक बोल मात्रा ३० का ओर दो मात्राका पहले दम (त्त) दीया हें ओर दो २ मात्राओंका बोल दोके अंतमें दम लग हें ओर तीसरी दफे समका बोल होगा जिस्से मात्रा नही गिनी जायगी तो सब मिलके ९६ मात्रा हुइ चोतालाकी दो आवड्दी में आवेगा दो आवड्दीकी ताल ८ हुइ वही गोट हें

मात्रा ९६ का पट तथा सम दिखाव



ओर पहले दो मात्राका त्त ऐसा जोसका अक्षर रखनेका कारण यह हें कि जिस वक्त पासा हाथसे डालते हें तो डालनेके कुछ पहले मुहसे (उअ) एसी ध्वनी निकालते हे, ओर कोइ पड पासा एसा भी कहते हें तो यहांपर उस्के माफिक इसी त्त को समझ लेगें

अब पहले एक पासे की चारों तरफकी जमीन दिखाइ है उसमे बिन्दुका की जगह पर बडे हरुफमें धा धरी गइ हैं बाकीके बोल छोटे हरुफमें लिखे हैं बोलो की ये ही खूभी हैं कि चाहे इधरसे पढो चाहे उधरसे पढो तो उलटा सुलटा मालुम नही होगा इससे पासे काभी उलटा सुलटा पन नही रहेगा.

पासेकी पहली तरफका दिखाव	ताद्धिताकिटितकगदीगन**धा** नगदीगकतटिकिताद्धिता	एक दाणा
पासेकी दुसरी तरफका दिखाव.	ताकिटितक गदीगन **धा**० **धा**० नगदिग कतटिकिता	दो दाणा
पासेकी तीसरी तरफका दिखाव	**धा** **धा** **धा**नगदिग नगदिग कत**धा** तकगदीगनगदीगन **धा**	पांच दाणा
पासेकी चोथी तरफका दिखाव	**धा** **धा**तकगदीगनकतक**धा** **धा**कतकनगदिगकत**धा** **धा**	छै दाणा

	तीन काणा १- १--१--	
स	ताद्धिताकिटितकगदिगन**धा**नगदिगकतटिकिताद्धिता	०
	ताद्धिताकिटितकगदीगन**धा**नगदिगकतटिकिताद्धिता	०
	ताद्धिताकिटितकगदिगण**धा**नगदिगकतटिकिताद्धिता	सम
	चार काणा १- १--२	
स	ताद्धिताकिटितकगदीगन**धा**नगदिगकतटिकिताद्धिता	०
	ताद्धिताकिटितकगदीगन**धा**नगदिगकतटिकिताद्धिता	०
	ताकिटितकगदीगन**धा**० **धा**० नगदिगकतटिकिता	सम

पांच दो सात ७

५–१–१–

धा धा
धानगदिगनगदिगकतधातकगदीगनगदीगनधा ०
ताद्धिताकिटितकगदीगनधानगदिगकतटिकिताद्धिता ०
ताद्धिताकिटितकगदीगनधानगदिगकतटिकिताद्धिता सम

छे दो आठ ८

६–१–१

धा धातकगदीगनकतक धा ०
धाकतकनगदिगकत धा धा
ताद्धिताकिटितकगदीगनधानगदिगकतटिकिताद्धिता ०
ताद्धिताकिटितकगदीगनधानगदिगकतटिकिताद्धिता सम

पञ्चडी ५

२–२–१

त्ताकिटितकधदीगनधा ०
धा ० नगदिगकतटिकित्ता ०
त्ताकिटितकधदीगनधा ०
धा ० नगदिगकतटिकित्ता ०
ताद्धिताकिटितकधदीगनधानगदिगकतटिकिताद्धिता

छक्कडी ६

२–२–२–

त्ताकिटितकधदीनग धा ०
धा ० नगदिगकतटिकित्ता ०
त्ताकिटितकधदीगनधा ०
धा ० नगदिगकतटिकित्ता ०
त्ताकिटितकगदीगनधा ०
धा ० नगदिगकतटिकित्ता सम

पाच चार नो ९

५–२–२–

त्त	धा धातकगदीगनगदीगनधा धानगादिगनगादिगकत धा०
	त्ताकीटितकगादीगनधा० धा०नगदिगकतटिकित्ता०
	त्ताकिटितकगदीगनधा० धा०नगदिगकतटिकित्ता सम

छै चार दस

६–२–२

त्त	धा धातकगदीगनकतकधा धाकतकनगदि,गकतधा धा०
	त्ताकिटितकधदीगनधा० धा०नगदिगकतीटीकित्ता०
	त्ताकिठितकधदीगनधा० धा०नगदिगकतटिकित्ता सम

पाच तीन आठ

५–२–१

त्त	धा धातकगदीगनगदीगनधा धानगादिगनगादिगकत धा०
	त्ताकिटितकगदीगनधा० धा०नगदिगकताटिकित्ता०
	त्ताद्धिताकिटितकगदीगनधानगदिगकतटिकिताद्धिता सम

छै तीननो

६–२–१–

त्त	धा धातकगदीगनकतकधा धाकतकनगादिगकत धा धा०
	त्ताकिटितकगदीगनधा० धा०नगदिगकतटिकित्ता ०
	ताद्धिताकिटितकगदीगनधानगदीगकतटिकिताद्धिता सम

कच्चा बारा १२

६--५--१

त धा धातक्कगदीगनकतकधा
धाकतकनगदीगकतधा धा०

धा धा
धानगदिगनगदिगकतधातकगदीगनगदीगनधा

ताध्धित क्रिटितकगदीगनधानगदिगकताटिकिताद्धिता सम

पौ बारा १२--१

१--६--६

त ताद्धिताकिटितकगदीगनधानगद्गिकताटिकिताद्धिता

धा धातकगदीगनकतकधा
धाकतकनगदिगकतधा धा

धा धातकगदीगनकतकधा
धाकतकनगदिगकतधा धा सम

दस पौ

५--३--१

त धा धातकगदीगनगदीगनधा
धानगदिगनगदिगकत धा०

धा धातकगदीगनगदीगन धा
धानगदिगनगदिगकत धा०

ताद्धिताकिटिनकगदीगनधानगदिगकताटिकिताद्धिता सम

दस दो बारा

९-५--२

त धा धातकगदीगनगदीगनकतधा
धानगदिगनगदिगकत धा०

धा धातकगदीगनगदीगनकतधा धी
धानगदिगनगदिगकत धा०

ताकिटितकगदीगनधा०
धा०नगदिगकतीटीकत्ता सम

इग्यारा दो तेरा १३

६–९–२–

च
धा घातकगदीगनकतकधा
धाकतकनगदिगकतधा धा

धा धा०
धानगदिगनगदिगकतधातकगदीगनगदीगनधा

त्ताकिटितकगदीगनधा०
धा०नगदिगकतटिकित्ता सम

बारा दो चवदा १४

६–६–२

च
धा धातकगदीगनकतकधा
धाकतकनगदीगकतधा धा

धा धाकतगदीगनकतकधा
धाकतकनगदीगकतधा धा

त्ताकिटितकगदीगनधा० धा०
धानगदिगकतटिकित्ता सम

दस पाच पंदरा १५

१—५—५

ता
धा धा०
धानगदिगनगदिगकतधातकगदीगनगदीगनधा

धा धा०
धानगदिगनगदिगकत्तधातकगदीगनगदीगनधा

धा धा०
धानगदिगनगदिगकतधातकगदीगनगदीगनधा

दस छै सोला १६

६–५–६

ता
धा धानगादिगनगादिगकतधा०
धाकतगदीगनगदीगनधा धा०

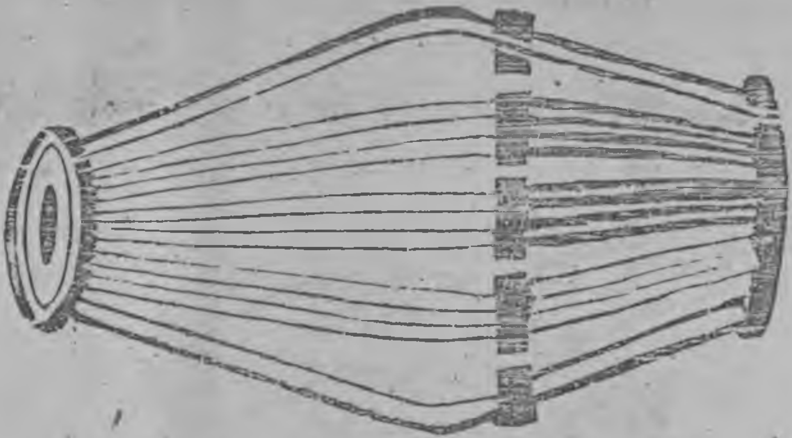
धा धानगदिगनगदिगकतधा०
धातकगदीगनगदीगनधा धा०

धा धाकतकनगदिगकतधा
धातकगदीगनकतकधा धा सम

	बारा पाच सतरा १७ ६—६—५—
त	धा धातकगदींगनकतकधा धाकतकनगदींगकतधा धा०
	धा धातकगदींगनकतकधा धाकतकनगदिगकतधा धा
	धा धा० धानगदींगनगदींगकतधातकगदींगनगदींगनधा

	बारा छै अठारा १८ ६–६–६
त	धा धाकतकनगदिगकतधा धातकगदींगनकतकधा धा०
	धा धाकतकनगदिगकतकधा० धातकगदींगनकतकधा० धा
	धाकतकनगदिगकतधा धा धा धातकगदींगनकतकधा सम

ओर भी चोपडके बाजके माफिक धाओका हिसाब पहले लिखदियाहैं तीनचार तरहसें उसमे पहिला हिसाब या चौथा हिसाब ठीकठीक समझाजाताहैं और इसीतरहसे पुराणे लेख भी देखेहैं—



अब रेलकी ध्वनीके उपर परण बधी हुइ हैं

और उसी ध्वनीका [रेलकी तारीफ] छप्प्य लिखाहें

ताल चोतालामे तथा तितालामे दोनोहीमे बेठती हें

छप्प्य : तारमे खबर देत सबको सबर देत करदेत टिकट महसुल भर लेत हैं ॥ मिन्टमिन्ट घंटीया बजायके चढायथुनि सिटिया सुनाय वकसे उडाय देय हें ॥ १ ॥ कंचन मनत थांन थांन प्रथमते जात आग पानी कोयला ते परम याको हित हे ॥ आधे आना कोसके हिसावसों हिसाव कर जाओ जाहाताहा पहोचानेको सचेत हैं ॥ २ ॥ ढाका आगरालो दिल्ली पूना सागरालों सुमे अवधि हिन्दवाकों जाहलो सर हद हें ॥ जहालो तमाम झाको गस्त वंदोवस्त रहें ओंर ओंर मुलकमे प्रभाव नाम जद्ध हें ॥ ३ ॥ निसुदिन आंधी अंधि यारीमे फिरे निसङ्करये वचन मनत यह अजब उनमद्ध हें ॥ पवनको पिछाडीकर अगाडीको निकलजात रेलकी सवारीसो सवारी सव रद्ध हैं ॥ १४ ॥

परण रेलध्वनीकी

कातर किटि धीकिटि किडधा किटि कताकातरकिटतक तागेतिटि: काता २ कातरकिटतक तागेतिट काता कातरकिटतक तागेतिट कत गदी

गन-॥ १ ॥ दिंगे कतकत्कत धीधीनिटः धी २ दिन् ३ कतिटि धिनत कत कतिटि धिनत धिधि देअ देअ घिदान ॥ २ ॥ धगअ् दिगन धग-दिगन धनितकत त्रकिधिद्धेः तिटि २ धीन् तराकिटितक तागेतिटी किडधीटी धीकिटि धागेतिटिकत गदीगन ॥ ३ ॥ नगनधकिटि २ धगन धा दिगन ने त्रकिडः कत २ कतिटि धिनत कतकत कतिति धिनत धिननन धिनन धांनधा ॥ ४ ॥ ॥

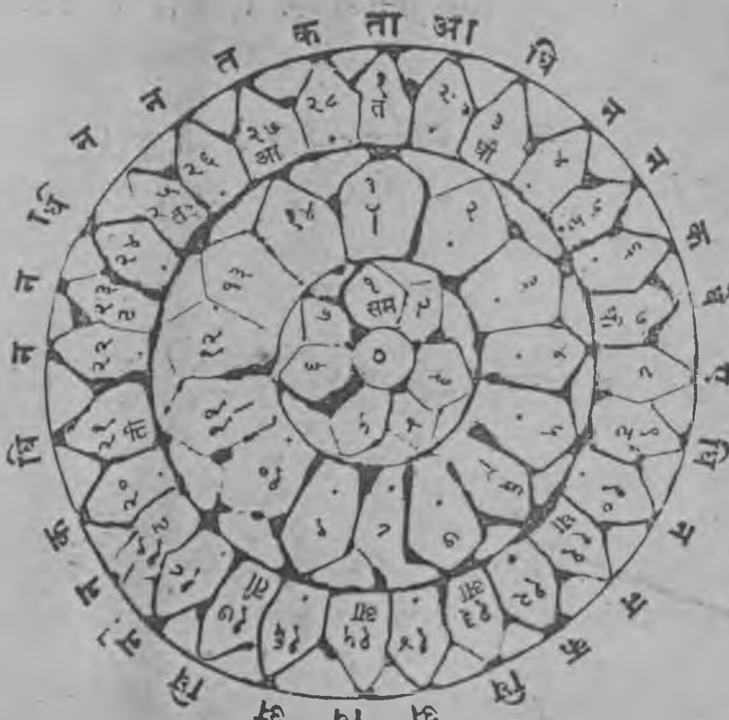
अब परण तोप ध्वनीकी लै आड
तथा तिगण ताल चोताला ॥

१ धग्डतक धग्डतक धग्डतक ताकिटितक धग्डतक धग्डतक धग्डतक ताकिटितकः २ : ताआ धाआ ताआ धाआ : ३ : थर । : ४ : द्धेए : ५ : धिननननः नननन नननननन २ : धा ॥ १ ॥

	बोलनेमे कोनसीलेय रहती हे		बोलके अक्षर किस मतलब से रखे
१	तिगुणा लेयको अक्षर बोले जायगें	१	तोपको इधर उधर फेरनेसे पइडोका आवाज
२	आडी लेयमे अक्षर बोले जायगें	२	तोपमे सुम्बा देनेका हिसाब
३	,, ,,	३	तोपपर रंजककी आवाज होती हें
४	,, ,,	४	तोप छुठनेका धम्माका
५	तिगुणा लेय	५	बडे धम्माके के पिछेकी उतारु आवाज

॥ श्रीनाथजी ॥

चक्र धम्मारको



मात्रा १४ ताल ३ ताल पेली लघू अनुद्रुत मीलीहुई दुसरी भी लघू अनु द्रुत मीलीहुई तीसरी लघू रूपक यह है ।̆ ।̆ ।

॥ अब बोल बराबरलेका मात्रा १४ का
आवडदी ऐकमे लेणा ॥ ॥

धा किटित क ध दी ग न धे दी ग न धा ॥ १ ॥ धा कि टि
२ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ सम २ ३ ४

त क ध दी ग न तै रा ग धा ॥ २ ॥ ॥ धा कि टि त क ध
५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १३ १४ सम

दी ग न धा धा धा ॥ ३ ॥ ॥ धा कि टि त क त रां ग धा
८ ९ १० १२ १४ सम २ ३ ४ ५ ६ ७ ९ १० १२

धा धा ॥ ४ ॥ ॥ धा त क त क ध्धे ता धं दी ग न धा ॥ ५ ॥ ॥
१४ सम २ ३ ४ ५ ६ ८ १० ११ १२ १३ १४ सम

धा त क त क ध्धे ता त रां ग धाँ ॥ ६ ॥ ॥ धा ध्धे ता ध्धे
२ ३ ४ ५ ६ ८ १० ११ १३ १४ सम २ ४ ६ ८

ता ध दी ग न धा ॥ ७ ॥ ॥ धा ध्धे ता ध्धे ता त रां ग धा
१० ११ १२ १३ १४ सम २ ४ ६ ८ १० ११ १३ १४ सम

॥ ८ ॥ ॥ धा धु म कि टि धी धी ता ध दी ग न धा ॥ ९ ॥ ॥
२ ३ ४ ५ ६ ७ ८ १० ११ १२ १३ १४ सम

धा धु म कि टि धी धी ता तं रां ग धा ॥ १० ॥ ॥
२ ३ ४ ५ ६ ७ ८ १० ११ १३ १४ सम

अब बोल ठाडुणका मात्रा १४ का आबडदी ऐकमे लेणा ॥

तँ धि ट त्रि ट धाँ क ती ट तीं ट ताः ॥ तँ धि ट धि ट
१ २ ३ ४ ५ ७ ८ ९ १० ११ १२ १४ १ २ ३ ४ ५

धाँ त का धं दी ग न धाँ ॥ १ ॥ ॥ धाँ आ धिट धाँ त का किं ट
७ ८ १० ११ १२ १३ १४ सम २ ४ ५ ७ ८ १० ११

तक धदी गनः धाँ आ धिट धाँ त काः किंटि तक त रां ग १ धाँ
१२ १३ १४— २ ४ ५ ७ ८ १० ११ १२ १३॥ १४ —

आ धिटि धा त का ध्धे ता धदी ननः धा आ धिट धा त काः धौं
२ ५ ७ ८ १० ११ १२ १३ १४ २ ४ ५ १० [illegible]

ता त रां ग धॉ आ धिट धॉ त का धुम किटि धदी गन धॉ आ
१२ ॥ १३॥ १४ २ ४ ५ ७ ८ १० ११ १२ १३ १४ २ ४

धिट धा त का धुम किटि त रा गः धॉ ॥ ६ ॥ ॥ इस जोडके
५ ७ ८ १० ११ १२ ॥ १३॥ १४ सम

बोल सवईसी तरहसे वेठेंगे.

॥ अब धमारमे दुणकी धिननक नेदुणका बोल मात्रा
२८ का बरोबरकी लेमे लेतो आवडदी २ मे आवे ने
दुणकी लेमे लेतो आवडदी ऐकमे आवे ॥

ता धि न न क ध्धे ध्धे धि न न क ध्धे धि न न क धिं न
२ ३ ४ ५ ६ ८ १० ११ १२ १३ १४ १६ १७ १८ १९ २० २१ २२

न धि न न त क ॥धा कि टि त क धदी ग न धु म कि टि त क
२३ २४ २५ २६ २७ २८ सम ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६

ध्धे ता कीं टि त क ध दी ग न धा ॥ १ ॥ धा किटितक तरांण धुम-
१८ २० २१ २२ २३ २४ २५ २६ २७ २८ सम

किटितक तराण ध्धेता तराण धा ॥ २ ॥ ॥ धा किटितक ध्धेता किटिः तक २
ध्धेता क्ल्तातरांग धा ॥३॥ धाः किटि२ध्धेता धदींगन तक ध्धेता ध्धेता तरांगधा ॥४॥
धादिनतकतरांण धुमकिटितकदेअः धाकिटितकधदींगन धा ॥ ५ ॥ ॥ धादिन्
तकःधा २ धुमकिटितकदेअः किटितक तरांगधा ॥ ६ ॥ ॥ धी २ दिन् २ तक
धातअ क्रिडाण तकदेअ तअकधीकिटितक तकधा ॥ ७ ॥ ॥ धी २ दिन् २
धा २ धुमकिटितकः धा २ क्ल्ता तरांगधा ॥ ८ ॥ ॥ धुमकिटितक धुमकिटि २
धदींगन तकक्ल्ता किटितक धदींगन धा ॥ ९ ॥ ॥ धुमकिटितकधदींगन
धादिंना किटितक तरांगधा ॥ १० ॥ ॥ धदीगन ३ धाआ तगनगदेअ देः
तरांगधा ॥ ११ ॥ ॥ धुमकिटितगनाअग धाआतअः किटितकधदींगनधा

॥ १२ ॥ ॥ किटि २ तकिटितकाः किटितगनगदेअ धाकिटितक धदींगनधा ॥ १३ ॥ किडनांः नकिटितकधींना तकः धींना २ तकधदींगनधा ॥ १४ ॥ ध्धेत् रुध्धे २ किटितक ध्धेतरांग धाकिटितक धदींगनधा ॥ १५ ॥ धीकीतक२ धाः धा २ किटि २ तकधा किटितकः धाक २ धा ॥ १६ ॥ ॥ तकधा धाकिटितक तककिटिधा किटितकतक किटिधाधाधा ॥ १७ ॥ ॥ तकधुम किठिः तरांग ४ तकधदींगनधा ॥ १८ ॥ ॥ तकः धुमकिटि ५ तक धदीं गनधा ॥ १९ ॥ ॥ तनधिडाण धेदींधेः नगदेअ् धातकधुमकिटि धदींगनधा ॥ २० ॥ ॥ धाआः किटितकः धाक २ धाकिटितकतकः धाक २ धा ॥ २१ ॥ धाआ किटिकाताकिटितकः किधांणधाआ ३ ॥ २२ ॥ ॥ धाआः ताडधाड २ धाआंनाड धाडताडधा ॥ २३ ॥ ॥ धाआकतननधात् २ धा ३ किटितकगदी-गनधा ॥ २४ ॥ ॥ धाआ तकधुमकिटितक धदींगन धाधींधीडना किडाणधा ॥ २५ ॥ ॥ धाआतराणकिटि ध्धेतकधादिन्धा किटितकधदींगनधा ॥ २६ ॥ धाआतकाधिगा धुमकिटितकध्धेता धींदिन्तअः किटि २ धा ॥ २७ ॥ ॥ धाआः तकाकिटिधुमाकिटि तकिटितका किटितकधदींगनधा ॥ २८ ॥ ॥ धाआःतक २ ध्धेताध्धेधिरकिटितक गअदींगनधा ॥ २९ ॥ ॥ धाआः तक २ धीकीतक किटि धादिन्ना किटिधेद् दींगनधा ॥ ३० ॥

॥ अवधमारकी आडकिधिननक ओर ॥

॥ बोलमात्रा २१ का आवडदी एकमे आवे ॥

तां धि न न क ध्धें ध्धे धि न नं धि न न धे न न त क
२ ३ ४ ५ ६ ८ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १७ १८ १९ २० २१

धा कि टि त क धी कि टि धु म कि टि त क
२ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५

त का धा क धा ॥ १ ॥ ॥ धाकिटितक तकिटधुमः किटि २
१६ १८ २० २१ सम

तक धदीगनधा ॥ २ ॥ ॥ धाकिटितक ध्धेता किटिधीकिटितक धदीगनधा ॥ ३ ॥ ॥ धाकिटितक धी ध्धेता धुमकिटितक धदीगनधा ॥ ४ ॥ ॥ धादंधाकिटितक तकिटिधाकिटितरांणधा ॥ ५ ॥ ॥ धादिन्धाकिटितक किटि तककिटिधी ध्धीनाटधा ॥ ६ ॥ ॥ धादिन्ना ध्धेताः किटि २ तकधदीगनधा ॥ ७ ॥ ॥ धादिंना तकिटीधाः किटि २ तकतरांणधा ॥ ८ ॥ ॥ ताकिटिदिन् धाआ धुमकिटिकिटितक धदीगनधा ॥ ९ ॥ ॥ ताकिटिकिटि धुमकिटितक तरांगतरांग धा ॥ १० ॥ ॥

॥ अब धमारकी तीगणकी धिननकने तीगणका ॥
बोल मात्रा ४२ का आवडदी ऐकमे लेणा ॥ ॥

ताँ	धि	न	न	क	ध्धे	ध्धे	धि	न	न	क	धिगँ		न	धि		न	न	त	
	२	३	४	५	६	८	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	
क	धा	धि	न	न	धि	न	न	तं	क	धा	धि	न	न	धि	न	न्	त	क	धा
२२	२४	२५	२६	२७	२८	२९	३०	३१	३२	३४	३५	३६	३७	३८	३९	४०	४१	४२	सम
धा	दिं	ना	धा	कि	टि	त	क	धि	धि	कि	टि	त	क	त	क	धु	म	कि	
२	४	६	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	
टि	त	क	धु	म	कि	टि	तं	क	धु	म	कि	टि	त	क	ध	दी	ग	न	धा
२४	२५	२६	२७	२८	२९	३०	३१	३२	३३	३४	३५	३६	३७	३८	३९	४०	४१	४२	सम

॥ १ ॥ ॥ धादिन्ना धाकिटितक धधीकिटितकः तकधदीगनधाआ २ ॥ २ ॥ धगदीगन नकिटितकिटिः धी २ किटितक धुमकिटितक ध्धेता धिदिनताडधा ॥ ३ ॥ ॥ धगदीगन धुमकिटितक तकिटिधाक धादिन्ना तत्किडाण किड नगदेअतकाः धाकधा ॥ ४ ॥ ॥ धकिटितधुमकिटि ध्धेतकिटितक किटितक किटिधिलांग किटिधुमकिटितकः धी २ कीटधाकधा ॥ ५ ॥ ॥

ध किटि तकिटि त धुमकिटितक धदीगन देअ तकधुमकिटितक ध्धेता तकिटितक धदीगन धा ॥ ६ ॥ ॥ धा २ किटि तकिटि धुमकिटितक किटि तरांण किटि २ तक किटि धुमकिटि तध्धेता तकिटि धा ॥ ७ ॥ ॥ धा२ किटितक धाकिटि धिडन तकधुमकिटिः धि २ किटितक ध्धेता धुमः किटि १

धाक धाक धा ॥ ८ ॥ ॥ धाक २ धा ३ तकिटि धा किटितक धुमाकिटितक ध्धेता धेध्धेता ध्धे धद्दीगन धा ॥ ९ ॥ ॥ धाक २ धाकिटितक तकिटि धुमकिटि तक धा किटि ध्धेता किड धन्ना तका धाक धा ॥ १० ॥ ॥

अब फेर आड तिगण तथा दुगण
लैकी परणे ८४ की दुगण लेमे आ०
४ मे आवे ने आडी लेमे ६ आ० आ०
ने तीगण लेमे ३ आवडदीमे आवे

धा कि टि त क धु म कि टि त क धु म कि टि कि टि त

२ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १७ १८ १९

कि टि त का त क धु म कि टि त क ध्धे ता त क ध दी ग न

२० २१ २२ २४ २५ २६ २७ २८ २९ ३० ३१ ३२ ३४ ३६ ३७ ३८ ३९ ४० ४१ ४२

धा टि त क ता कि टि त क त कि टि त क ध्धे ता धे ध्धे

४४ ४५ ४६ ४७ ४९ ५० ५१ ५२ ५३ ५४ ५५ ५६ ५७ ५८ ६० ६२ ६४ ६६

ता ध दी ग न धा ध दी ग न धा ध दी ग न धा ॥ १ ॥ ॥

६८ ६९ ७० ७१ ७२ ७४ ७५ ७६ ७७ ७८ ८० ८१ ८२ ८३ ८४ सम

धा किटि किटि तकिटितक धुमाकिटि तका धद्दीगन किटिधादिन्‌ तक ध्धेता तकधादिन धाअ धादिन्नाः धि २ किटितक धुमकिटितक धाकधाधदी गन तकाधिलांग तकिटित्त किडाणधा ॥ २ ॥ तकिडाण किडनगदेअ धीइतीइ धिडाणधाआ धातीन्ता धाकिटितक्‌ धग्गादिगन ढेः धिड २ तकधुम-किटितअ किडाण किडनगदेअ्‌ ताधाकिटि तअ्क धिकिटितक धदी-गनधा ॥ ३ ॥ ॥ ध्धेतकान किटितकधाकअदी किडाणधाआ धादिन्ना धा किटितकधाः धुमाकिटि २ तातक धदीगन ध्धेतकान किटितकधी ताधिन्नातक धिलांग काता गदीगनधा ॥ ४ ॥ ॥ नगनकतकदेअ्‌ धाकिटितकिटि तकाकिटि किडधातीन्‌ धाकिटितकिटि तकाकिटि धुमाकिटि किडना, ताः धीट २ तकिटि तकाकिटि तकधुमकिटि तकिटितका किटितक धदीगनधा ॥ ५ ॥ ॥

किटिधुमकिटि धिलांगतक धदीगन धागदीगन धाकिट्टितक धाधाकिटितक ध्धे: किटि २ धिन्तराण तकधुमकिटितक ध्धेतक्कानध्धे धिरकिटि धिकडता धी: किटि २ कताकिटि धा ॥ ६ ॥ ॥ धाअ धाकिटितक धुमकिटितक: ध्धेता २ तकधा। धधीकिटितक त्तरकिटितक धदीगनधा: धी २ किटि धी २ ताधा किडाणधा किटितक धदीगनधा ॥ ७ ॥ ॥ धाअ: धागेदिन ३ धाकिटि तादिन्नाः किटिकताअः ध्धेतधेता: किडनाकिटि धुमकिटितक धदीगन धाधी धिडना किडाण धा ॥ ८ ॥ ॥ धाअ किडाण धाधुमकिटितक ध्धेता धीधी किटि धुमकिटि तकधुमकिटितकतकाः धिगा धुमकिटितक ध्धेता धींदिन् तअ: किटि २ धा ॥ ९ ॥ ॥ धाअ धुमकिटि त तकिटि किटितक धदीगन: धाकिटितक धदीगन २ धधीकिटितक धदीगनधा: तअ ३ धाकिटितक धदी गन २ धाधाधा ॥ १० ॥ ॥

अब चोगण लेकी धिननक ओर परणे
मात्रा ७६ की बरोबरकी लैमें आवडदी
दोमे आवे ने चोगणकी लैमें आ. १ आवे

तॉ धि न न क ध्धे धि न नॅ क ता धि न न क ध्धे धि
२ ३ ४ ५ ६ ८ ९ १० ११ १२ १४ १५ १६ १७ १८ २० २१

न न क ध्धे ध्धे धि न न क ध्धे ध्धे धि न न क ध्धे ध्धे धि
२२ २३ २४ २६ २८ २९ ३० ३१ ३२ ३४ ३६ ३७ ३८ ३९ ४० ४२ ४४ ४५

न न क धि न न धि न न त क ॥ किं टि त्त आः धु म कि
४६ ४७ ४८ ४९ ५० ५१ ५२ ५३ ५४ ५५ ५६ १ २ ४ ६ ७ ८ ९

टति क धु कि टि त ग ना किटित कि टि त का किं टि त क
१० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १७ १९ २१ २२ २३ २५ २६ २७ २९ ३० ३१ ३२

ध दी ग न ध दी गॅ न धा आः त्त आ कि टि त क ध दी ग
३३ ३४ ३५ ३६ ३७ ३८ ३९ ४० ४६ ४८ ४९ ५० ५१ ५२ ५३ ५४ ५५

न धाँ ॥ १ ॥ ॥ किटि तातअक धिलांग तक धुमकिटितक ध्धीः तक
धुम किटितक धदीगन धा धी घीड़णा किडाण धा ॥ २ ॥ ॥ किडाण
धा धुमकिटितक ध्धेत्ता धीधीकिटि धुमकिटितक धुमकिटितक तकाधिगा धुम-
किटितक तकध्धेता धीदिन् तअ किटि किटि धा ॥ ३ ॥ ॥ किडाण
धाः धी २ किटितक ध्धेताः तक २ धुमकिटि किटिधुमकिटितक तकिटि धिकि
टितकः तक २ ध्धेताः घीलान घी किटितक धा ॥ ४ ॥ ॥ धाकिटितक
धुमकिटितक ध्धेत्ता धीधी किटि धुमकिटि तक धुमकिटितक ध्धेता धिलांगतकः धुम-
किटि २ तक धदीगन धा ॥ ५ ॥ ॥ धाः किटि २ धुमकिटितक धदीगनः
धिधिकिटि ध्धेत्ता तकधुमकिटितक तकिटि धिकिटि धुमकिटितक ध्धेता किटितक
धदीगन धा ॥ ६ ॥ ॥ ध्धेत ध्धेत ध्धेता किटितकः धि २ किटि धुमकिटि
तगनगदेअ धा किटितकननः धात २ धा धा धा किटितक धदीगन धा ॥ ७ ॥
ध्धेतधाक धाकिटितक धा २ धा धुमकिटितक ध्धेता धिन् तरांणः किटि २
ध्धेतक धादिन् धाकिटितक धदीगन धा ॥ ८ ॥ ॥ त्त तरकिटितक तेटे २
किडनगतर किटितक धुमकिटितक धा किडाण धादित्ता धात्ती धाधा गदीगन
धा ॥ ९ ॥ ॥ तअक धिकिटि तक धाकिटितक धिकिटितक धातीन् नाना-
ना नटतकताः किड्नक् ताड धाड ताडधाड धाअ नांड घाड ताड धा ॥ १० ॥
धाआ किडतैअः धुमकिटितक २ धदीगनः धाकिटितक धदीगन ३ धा ॥ ११ ॥
धाअ किटितकअत धिन्नरांण धा धिन्ता कअत धाकिटितकिटितका धीनः
कत्ता २ गदीगनधा ॥ १२ ॥ धाअ ध्धे किटि किटि तक ध्धेता किटि
तअ किटि २ तनिंग तक ना नाः गिड २ तक थुंः धाता धा किटितक
धदीगन धा ॥ १३ ॥ ॥ धाअ ध्धेः किटि २ धुमकिटितकः किटि २ तरांण
किटिध्धेः धा २ किटितक धुमकिटिकिटितक धाकिटिधाकिटितक धदीगन धा ॥१४

धाआ ध्धेताः तकधा २ धादिन्नाः तकध्धेता धुमकिटिताकिटितका किटितकिटि-तकाः किटि २ तक धद्गीगन धा ॥ १५ ॥ ॥ धाआ द्धेता किटितकः धिर किटितरांण तकधाकिटितक धादिन धाकिटिः धी २ किटितकधा किटिधुमकिटि तक धद्गीगनधा ॥ १६ ॥ ॥ धाआ तिलांग धिरकिटितक धाकिन्ना किड-नग नगकत किटितक तकधिरकिटितक तकधिरकिटितक तरकिटितक धिरकिटि-तक धिन धा ॥ १७ ॥ ॥ धाआ तअक धीकिटः धीरकिटि किडतांन किटि धगिनधाः धिननअक धागिनधा ३ ॥ १८ ॥ ॥ धाआः तकधादिन धा किटितक धा धेता तकधाधा किटितकधाधेता तकधिगनां धकिटि तकिटि धिलांगतकधा ॥ १९ ॥ ॥ धाआः तकाआ धातीन धाआ किटितक धाधा किटितक धातीनः धाकिटित किटितका तअका धा ३ ॥ २० ॥ ॥

अब सवाइ [पचगुणी] लेकी परण मात्रा ७० की
आवडदी ४ मे लेतो सवाइ ले होवें ने
आवडदी १ मे लेतो पचगुणी ले होवे ॥ ॥

द्धा धाकिटितक नाकिटितक किटितकिटितका किटिधुमकिटितक धेता
२
किटिधाकिटि द्धे द्धे ता धुमकिटि किटितक धुमकिटितक द्धेता किटितक धद्गी-
१
गन धा ॥ १ ॥ ॥ इस जोडकी परणे सब इसी तरहसे लेणी ॥

अब पुणा दो दुगणका बोल मात्रा
२४ का आवडदी एक मे लेणा ॥

धाकिटितक धुमकिटितक ध्धेता किटितक धद्गीगनधा ॥ १ ॥

इस जोडका बोल सब इसी तरहसे पूरे बेठेगे ॥

अब साढा तीगणकी परण मात्रा
४९ की आवडदी एकमे आवे ॥

तक धाअ दिन् धा दे अधा किटि: धुमकिटितक धदीगन धा ३ ॥ १ ॥

अब सवा दो दुगण ले की परण
मात्रा ३१ की आवडदी १ से आवे॥

धकिट धाक धधी किटि धागे दीगे तक किटि तकिट तका किन धागे दीगन धागेदीगन धा ॥ १ ॥ इस जोडकी परणे सब बेठेगी ॥

अब साढा चोगण लेकी परणे मात्रा
६२ की आवडदी १ मे लेणी ॥

धधाकिटितक धदीगन धधाकिटितक धदीगन: धा२ किटितक: धा किटितक धदीगन ३ धा ॥ १ ॥ ॥ इस जोडकी परणे इसी तरहसे बेठेगी ॥

अब परण मात्रा ११२ की सम दुगण
लेकी आवडदी चार मे आवे ॥

ध्धा दिन् न ध्धेतरांग ध्धेता तेए ध्धेता: धी २ किटितक धी २ किटि तकध्धेता तगनग किड्धक धीकिटि धात धाआ: धाता धाआ: तकध्धेता तगनग किड्धक धिकिटि धात धाआ: धाता धाआ: तकध्धेता तगनग किड्धक धीकिटि धात धाआ: धाता धाआ: ॥ १ ॥ ॥

(लपेट)

तअ: धीट धीट धाक तिट तिटि ताआ: धागेन धी किटि: धागे तिटि २ धागे म धी किटि धागे तिटि गदीगन: नांगेन २ नांगे तिटि मदीगन दीगे दिनता: तिटिकत गदीगन धा ॥ १ ॥ ॥

(सम दुगणकी लपेट)

ता किडतक धीकिटि धागेतिटि धागेतिटि तिटि धागे तिटि धागेदिन

नागेतिटि कतीटि धा दिनूत कतीटि धागे दिनून किडनं किडनं किडत धिट धिट धिकिटि धाधिन्ता कतिटी ता गिर्दीगन धागेः नाना२ धीननद किड्तक दिगडधा ॥ २ ॥ ॥ कअत धाआ धीन्त धाः धिन्तर किटितक तिटिधा किटितक दीदीगनधाः तिनूकत्त घिडघिड धा २ ॥ ३ ॥ ॥

अब छे धा लेवाको हिसाब

धा किटितक धुमकिटितक द्धेता किटितकताः किटितक धदीगन धा धा ३ ॥ १ ॥ ॥

अब आडीले तथा तिगणी लेमे छे धा लेवाको हिसाब

धा धदीगनताः किटितक धदीगन धा धा ३ ॥ २ ॥ ॥

नो धा लेवाको प्रमाण

धीकी तकतकधा धाधीकिटितकधा किटितकधाः किटितक धाक धाक धा ३ ॥ ३ ॥ ॥

अब परणे मात्रा १४० की बराबर कीलेमे लें तो आवडदी १० मे आवे ने दुणीमें लेतो ५ आ०अ०वे

धीगनांदः धाकिटितक २ धा २ किटितक धीदिनूत धीन्ताः धी २ दिनू ताडताड धाड घि २ नतकिटि नकिटि किडाण धाडधा तअ धिडाण तक धिडाणः तक २ धिडाणः द्धे २ धे धिर किटितक थुनू थुन् धिलांगः घिडाण नगदेअ ३ धा ॥ १ ॥ ॥ ताकिटितक धुमकिटितक ४ तकतक धुमकिटितक ४ किडनाकिटि काता किटितक तकिटि धिकिटि तकध्धेत्ता किड्नान् नकिटितक धिन्ना तक धिन्ना धिन्ना तक धदीगन धा ॥ २ ॥ ॥ दीगनना किटितक धी किटि तक नगडतक धाकिटितकिटिता काताकिटितक धुमाकिटिधाः धि २ नांआग धिन्ना धिकीतकः धि २ दाआंग किटितकदेअ २ धातकदेअ धाधिन्ना तकदेअ तत्था

तगनांग धी धी २ नांग धिन्ना धीकीतक किटिधिन्ना तकदेअ तता धेत धाक तकः धा २ धा ।। ३ ।। द्रेंकिटिकिटि द्रेंकिटि धुमकिटितक घिडना किडाण तक २ धुमकिटितकः त्तकिटि तकत्त घिनतरांण धाधिताः तकधा त्तकाथुंगा धदीगनधा किडनगदेअ तअ किडाणधाआ किटितक तकधुमकिटितक तकिटित-काकाः किटितक धदीगनः धागेदीगन २ धा ॥ ४ ॥ ॥

अब परणे मात्रा २२४ की आबडदी ८ मे आवे ले दुणी रहें

तकिटि धिकिटिः धी २ किटितक तकिटि धाकिटितक धुम किटितक तकिटि कत किटि तरांग तकिटितकाः किटि २ तक तकिटि धादिंना तकिटि धाधादिन्ना तकिटितक धकिटितक तअः किटि २ तकिटि तक तअ किटि तादी थुंनाः किटितक तकिटि धाक धेतरांगः धा २ किटि ताकिटि धा धुम किटितक तकिटिता धिनाता किटितक ताकिटि थुंग थुंगा तकिटिता धेत्ता तकिटि टगनगदेअ धा किटितक तकिटि धादिन् धा किटितक तकिटि धेत धेता धा किटितकः तकिटिधा ३ ॥ १ ॥ ॥ इस जोडकी परणे सब पूरी बेठेंगी ॥

अब मृदङ्गाभुषण पञ्च रत्नकी परणे [मोहरे] बोल दुगण ले मे भी लेना ओर चोगुणी ले में भी लिये जायगें

ऽ ऽ । किटितक धा ३ ॥ १ ॥ ॥ ऽ । ० किटितक धदीगन धा ३ ॥ २॥

। ० किटिकिटितक धा धदीगन धाआ २ किटिकिटि तकधा धदीगनधा ॥ ३ ॥

+।० किटितक किटि धुमकिटि धा किटितक धदीगन धाआ २ किटितक किटि धुमकिटि धा किटितक धदीगन धा ॥ ४॥ ॥ इस जोडके बोल सब इसी तरहसे बेठते हैं ॥

ऽऽ धा किटितक धुम किटितक धेता किटितक धदीगन धाआ २ धा

किटितक धुम किटितक ध्धेता किटतक धद्गीगन धा ॥ ५ ॥ ॥ इस जोडके बोल सब इस उठाण से बैठते हैं

ऽ ० धा किटितक धदीगन धुमकिटितक ध्धेता किटितक धद्गीगन धाआ २ धा किटितक धदीगन धुमकिटितक ध्धेता किटितक धदीगन धा ॥ ६ ॥ ॥ इस जोडके बोल सब इसी तरहसे लेणा ॥

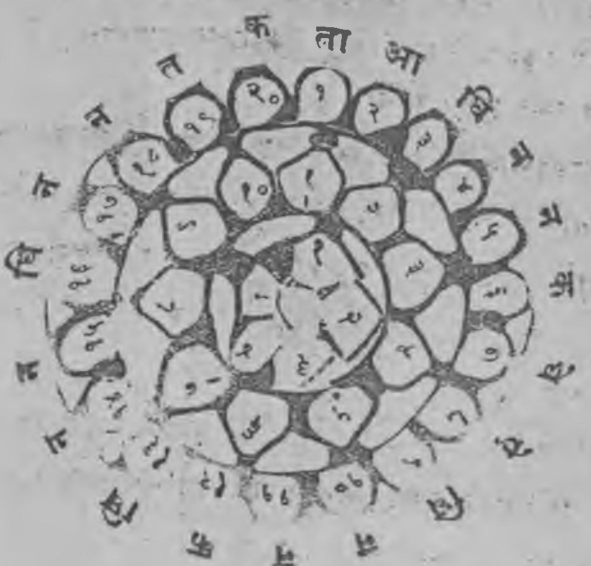
। धकिटि धाक धाधीकिटि धागे दिगे तक किटितकिटितका किन धागेदीगन धागेदीगन धाआ २ धकिटि धाक धाधीकिटि धगेदीगेतक किटितकिटितका किन धागेदीगन २ धा ॥ ७ ॥ ॥ इस जोडकी परणे सब इसीतरह से लेणी

सम धिगे धिकिटि तधिगे धिकिटित तक नाना न किटितातकः धाधा धा धा गदीगन धाआ २ धिगेधिकिटित धिगेधिकिटित तकनाना न किटितातकः धाधा २ गदीगन धा ॥ ८ ॥ ॥ इस० सब० ऽऽ। किडनाकिटि धुमकिटि तक धदीगन तक धुमकिटितक धदीगन धा धी धीडना किडाण धाआ २ किडना किटि धुमकिटितक धदीगन तक धुमकिटितक धदीगन धाधी धीडना किडाण धा ॥ २ ॥ ॥ इस जोडकी परणे सब इसीतरहसे पूरी बैठेगी ॥



॥ १ ॥ श्रीगोवर्द्धन नाथो जयती ॥

चक्र सूर फागताका ॥



ताल३ मात्रा १० तालएक लघू२ द्रुत ३ लघूरूप यहहे । ० ।

इस्को मंठ तालभी कहते हें ॥

॥ अबबोल बराबरकीलैका मात्रा २० का ॥

॥ आबडदी ऐकमे लेणा ॥

| ० |

कि टि त क किं टि धु म कि टि धा कि टि त क ध

१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० १२ १३ १४ १५ १६ १७

दी ग न धां ॥ १ ॥

१८ १९ २० सम

| ० |

किं टि ध्धे ता धु म कि टि ता कि टि त क ध दी

१ २ ४ ६ ७ ८ ९ १० १२ १३ १४ १५ १६ १७ १७

ग न धां ॥ २ ॥ ॥

१९ २० सम

किटितरांग धुमकिटितक ध्धेताधदीगनधा ॥ ३ ॥ किटि २ तकधादी-न्धा किटितकधदीगनधा ॥ ४ ॥ तकधुमकिटितकध्धेता किटितकधदीगनधा ॥ ५ ॥ ॥ तकधुमकिटितक धुमकिटि धाकिटि धदीगनधा ॥ ६ ॥ ॥ तकध्धेता धुमकिटितकध्धेता धतीगनधा ॥ ७ ॥ ॥ धुमकिटिताकिटितका धुम-किटितक धदीगनधा ॥ ८ ॥ ॥ धाकिटितक धुमकिटितकध्धेता धदीगनधा ॥ ९ ॥ ॥ धाकिटितक ध्धेताकिटिः तक २ धदीगनधा ॥ १० ॥ ॥ धाक २ धा किटितकध्धेता तरांगधा ॥ ११ ॥ ॥ धाधाकिटितक किटिधुमकिटितक धदीगनधा ॥ १२ ॥ ॥ किटितकिटिधुमकिटितकः किडाण धदीगनधा ॥ १३ ॥ ॥

॥ अबसूरफागता कीडुणकी लेकी धिननकने डुण ॥

॥ काबोल मात्रा ४० का बराबरमे लेतो आवडदीदोमे ॥

॥ आवे नेडुणकी लेमेलेतो-आवडदी ऐकमेआवे ॥

ता धि न न क द्धे धे न न कं ता धि न नँ क ध्धे कि
२ ३ ४ ५ ६ ८ ९ १० ११ १२ १४ १५ १६ १७ १८ २० २१

न न क ध्धे द्धे धि न न क धि न न धि न न त क ॥ किं
२२ २३ २४ २६ २८ २९ ३० ३१ ३२ ३३ ३४ ३५ ३६ ३७ ३८ ३९ ४० १

ड ना कि टि धु म कि टि त क ध दी ग न तँ क धु म कि टि
२ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १२ १६ १७ १८ १९ २० २१ २२

त क धं दी ग न धा द्धी घी ड ना कि डा ण धां ॥ १ ॥ ॥ किटि
२३ २४ २५ २६ २७ २८ ३० ३२ ३३ ३४ ३६ ३७ ३९ ४० सम

तकध्धेतकांन द्धेद्धेधिरकिटिधिडकताधीः किटि २ धीडंनगदीगन धीलांन धीकि-

... ॥ ॥ धुंकिटि २ तक धादिनधाधाधुंः किटि २ के धीन्नाड २

धेत २ द्धे ३ धीरकिटि धुमकिटिः घी २ ना २ तरांग

तकधा... ...धा ॥ ४ ॥ ॥ त्ताकिटि २ त्तकिटिताः किट २ ताकि

टिता किडाणकिडता धाकिटितक धदीननधा ॥ ५ ॥ ॥ तक ३ किटितकिटि

तान तककिटिः तकिटि २ तकतक धीकिटितक तकतका धाकधा ॥ ६ ॥ ॥
धादिन्धाकिटितकिटितकाकिटि तकिटितकाकिटि तकध्धेत धुमकिटितक धी
गनधा ॥ ७ ॥ ॥ तकधुमकिटितकःधदीगन३धाधी धीडनाकिडाणधा ॥ ८ ॥ ॥
तकधुमकिटि २ तक २ धुमकिटिः तकधुमकिटितकिततका किटितकधदीगनधा
॥ ९ ॥ ॥ तकिटिधीकिटिधादिनधाः किटितक धदीगनधा ३ ॥ १० ॥ ॥

॥ अबसूरफागता कीआडकी धिननक नेआड ॥

॥ काबोल मात्रा ३० का आबडदी ऐकमे लेणा ॥

ताँ धि न नक ध्धे ध्धे धि न नँ ध्धे ध्धे धि न न क धि
२ ३ ४ ५ ६ ८ १० ११ १२ १३ १४ १६ १८ १९ २० २१ २२

न न धि न न त क ॥ धाँ अं ना अं धा कि टि त क धी
२४ २५ २६ २७ २८ २९ ३० २ ३ ५ ६ ७ ८ ९ १०

कि टि तँ कि टि धि कि टि तं कि टि धी कि टि त क ध
११ १२ १३ १४ १५ १६ १७ १८ १९ २० २१ २२ २३ २४ २५ २६ २७

दी ग न धाँ ॥ १ ॥ ॥ तं का त कि टि धा कि टि त क ना
२८ २९ ३० सम १ ३ ४ ५ ६ ८ ९ १० ११ १२ १४

कि टि त क ध्धे ता कि टि त क व दी ग न धाँ ॥ २ ॥ ॥
१५ १६ १७ १८ २० २२ २३ २४ २५ २६ २७ २८ २९ ३० मम

तकधुमकिटितक ध्धेता तकिटिधाक धादिन्तकधाः धदीगनधा ॥ ३ ॥ ॥ तक-
धुमकिटि २ धुमकिटितक ध्धेताकिटितक धदीगनधा ॥ ४ ॥ ॥ तक २
किटिद्धेद्धेःधाक ध्धेततािकिटिः तक २ किटितक धदीगनधा ॥ ५ ॥ ॥ धाकि-
टितकधा २ किटितक किटितरांणः किटि २ तकधदीगनधा ॥ ६ ॥ ॥ धाधु-
मकिटितक ध्धेतातरांण किटिधुमकिटितक तकीटीधाकधा ॥ ७ ॥ ॥ धाधु-
मकिटिताकिटितकाः किटिधुमकिटितक ध्धेता किटितरांणधा ॥ ८ ॥ ॥ धादि
नधाकिटि धुमकिटितकः किटि २ तकीटतका किटिधदीगनधा ॥ ९ ॥ ॥
धादिनना ध्धेतकधुम तकिटि नाकिटितक किटितरांणधा ॥ १० ॥ ॥

अब सूर फारताकी तिगण लेकी धिननक और परणे
मात्रा ६० की बराबरकी ले मे लेतो आवडदी ३ मे आवे
ओर आडी ले मे दो आवडदी मे ने तीगुण लेमे १ आ० आ०

ता धि न न क ध्धे धि न न क ता धि न न क ध्धे धि न
२ ३ ४ ५ ६ . ८ . ९ १९ ११ १२ १४ १५ १६ १७ १८ २० २१ २२
न क ध्धे ध्धे धि न न क ध्धे ध्धे धि न न क धि न न क ध्धे ध्धे धि न
२३ २४ २६ २८ २९ ३० ३१ ३२ ३४ ३६ ३७ ३८ ३९ ४० ४१ ४२ ४३ ४४ ४६ ४८ ४९ ५०
न क धि न न धि न न त क ॥ त अ त अ किटितक त अ
५१ ५२ ५३ ५४ ५५ ५६ ५७ ५८ ५९ ६० . १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८
कि टि कि टि धि २ कि टि धु म कि टि त क धु म कि टि त क
९ १० ११ १२ १४ १५ १६ १७ १८ १९ २० २१ २२ २३ २४ २५ २६ २७ २८
ध्धे ता धि लां ग क त क धा क धा त काः धा क धा कि टि त काः धा क
३० ३२ ३३ ३५ ३६ ३७ ३८ ३९ ४१ ४२ ४४ ४५ ४७ ४८ ५० ५२ ५३ ५४ ५५ ५७ ५९ ६०
धा ॥ १ ॥
सम

बराबरकी लें में जिन मात्राओंपर ताल लगे वो अंक
१--९--१३--२१--२९--३७--४०.-४८--५२

आडी ले मे मात्राओंपर ताल लगे वो अंक १--१३--१९--३१.-४३-.४९--
१ सम

तीगणी ले में मात्राओंपर ताल लगे वो अंक १--२५--३७--१ सम

तअ किडाण धुमकिटि धग्ग गिन ध्धेता किटि तक धदींगन तकिटि धाक
धादिन्तक धीन्नराण तकिटि तका धिदिन ताई घा ॥ २ ॥ ॥ तअक धिकिटि
धी २ किटितक किटिनराणः घि २ दिन २ तक २ किटि धादिन्ना धुमकिटितक
ध्धेता त किटि देंअ तकिटि तअ कधा ॥ ३ ॥ ॥ ताकिटि दिन्धा किटितक ध्धे
तकांन धेताकिटि तकिटितका ताआ धाक धुम किटितक तअ किडाण ध्धेता किटि
तक धदींगन धा ॥ ४ ॥ ॥ इस जोडकी परणे सब लेणी ॥

(छे धा तिगणमे लेवाको हिसाब ॥)

धादिक्ता धाक्किटितक धी धी किटितक धुमकिटितक ताः किटि तक धद्गिन धा धा ३ ॥ १ ॥ ॥

अब चोगणलेकी धिननक ने परणे मात्रा ८० की
बराबर कीलेमें लेनो आवडदी ४ मे आवे ने दुगणकी
लेमे लेनो आवडदी २ मे आवे ने चोगुणलेमे एक आवडदीमें आवे

बराबर कीलेमे ताल लगे सो अंक १–९–१३–२१–२९–३३–४०–४८ ५२–६१–६९–७३ १

दुगणकी लेमे मात्रा पर ताल लगेसो अंक १–१७–२५–४१–५७–६५–१ सम

चोगुणीलेमे ताल लगे सो अंक–१–३३–४९–१ सम

ता धि न न क द्धे धि न न क ता धि न न क द्धे धि
२ ३ ४ ५ ६ ८ ९ १० ११ १२ १४ १५ १६ १७ १८ २० २१

न न क द्धे द्धे धिं न न क ध्धे ध्धे धि न न क धि न न क
२२ २३ २४ २६ २८ २९ ३० ३१ ३२ ३४ ३६ ३७ ३८ ३९ ४० ४१ ४२ ४३ ४४

धि न न क द्धे द्धे धि न न क द्धे द्धे धि न न क द्धे द्धे धि न
४५ ४६ ४७ ४८ ५० ५२ ५३ ५४ ५५ ५६ ५८ ६० ६१ ६२ ६३ ६४ ६६ ६८ ६९ ७०

न क धि न न धि न न त क ॥ धा कि टि त क धु म कि टि
७१ ७२ ७३ ७४ ७५ ७६ ७७ ७८ ७९ ८० २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १०

त क द्धे ता ध्धे ता त क धा त्र धी कि टि त क त अ त र कि
११ १२ १४ १६ १८ २० २१ २२ २४ २५ २६ २७ २८ २९ ३० ३१ ३२ ३३ ३४ ३५

टि त क ध दी ग न धा आ आ धी २ कि टिः धि २ ता धा आ
३६ ३७ ३८ ३९ ४० ४१ ४२ ४४ ४६ ४८ ५० ५१ ५२ ५४ ५६ ५८ ६० ६२

आ कि डा ण धा आ आ कि टि त क ध दी ग न धा ॥ १ ॥
६२ ६३ ६५ ६६ ६८ ७० ७२ ७३ ७४ ७५ ७६ ७७ ७८ ७९ ८० सम

धागेदिन् २ धाकिटिताद्गिना किटिकता धे तध्धेता किडना किटि धुमकिटितक धद्गीगन धाधी धीडना किडाणधा ॥ २ ॥ ॥ किडाण धा धुम

किटितक धेताः धीरकिटिधुमकिटि तकधुमकिटितक तकाः धिगाधुमकिटि तकध्धेता धिदंनतअ किटि किटि धाः ३ ॥ ३ ॥ ॥ धुमकिटितकिटितका किटितक धदींगन धा किटितक धदींगन २ धदींकिटितक धदींगनधाः तअ ३ धा किटितक धदींगन २ धा ३ ॥ ४ ॥ ॥ धा किटित किटितका किटि किटि तकिटि तकाकिटिः धुमकिटि तकिटितका २ किटि २ तक ध्धेताः किटितकधदींगन धा ३ ॥ ५ ॥ ॥ तअ तअ तअ किटितकत्त किटि २ धी २ किटि धुम किटिः धी दिन् ३ गिन ३ किटि ३ धी २ किटिधुमकिटि ताकिटितक धीकिटि-तकः थुन् ३ तकः थुन् तकधदींगनधा ॥ ६ ॥ ॥ इस जोडकी परणे सब इस तालमे बेठेगी ॥ । ॥

अब परणे मात्रा १६० की सूल फागता ऑर
चरचरी दोनो तालमे बेठती हें दुगण में आ
बडदी चारमे ने चोगण मे आवर्त २ मे आवे

किटिधा किटितक किटि धुम किटितक किटि धिलांगः किटि २ तकिटि तकाकिटि धदींगन धुमकिटितक देअः ताकिटि ध्धेता धा ध्धा धादिन्ना किटि धादिन्ः तकिटि धाकिटितक किटि धाधी किटितकाः किटि २ तक किटितरांग तकधा धुमकिटितक किटिः किटि तक देअः धाकिटितक किटि काता किटितक ता धी धी किटिः धी २ धुमकिटितक धा किटितक धा ॥ १ ॥ ॥ धाकिटितकिटि तका २ तकिटितका २ तगनाः धी २ धी २ किटिः धि २ दिन् ३ धी २ किटि तकधुन ३ धी २ किटितक ध्येता धदींगन ध्धे काताआक धादिन् तक धदींगन धा ॥ २ ॥ ॥ धा आ किटितकः धदींगन २ धाआः धीगनां धाकिटितक २ धी २ किटितक धिगन्त धिगना धीं दिनः ताड २ धाडः धी २ न धीन किटि किडाण धाडधा त्त धिडाण तकधिडाणः तक २ धीडाणः ध्धे २ धिरकिटितक थुंन् २ धिलांगः धीडाण नगदेअ २ धा ॥ ३ ॥ ॥ धाआ किटितक धदींगन २ धाआः ताकिटितक धुमकिटितक २ तकतक धुमकिटितक ४ किडनाकिटि काता किटितक तकिटि धिकिटि तक [illegible] किडनाग तकिटि तकाधिन्ना धिन्ना तक धदींगन

धा ॥ ४ ॥ ॥ धाकिटितकः धदीगन २ धा धदीगन ना किटितक धीः किटितक त्रकड तकधा किटितकिटिता काता किटितक धुम किटि धाः धी २ नांग धिन्न धीकितकः धी २ नांगः किटितक तक देंअ २ धाआ तकदेंअ धा धीन्ना तकदेंअ तधा तगनांगधीः धी २ नांग धिन्ना धीकीतक किटि धिनाअ तकदेंअ ताअ धेत धातक किटिधा ॥ ५ ॥ ॥ धाआ किटितकः धदीगन २ धाआ ध्धेः किटि २ ध्धे किटि धुमकिटितक धीडना किडाणः तक २ धुमकिटितक तकिटि धिनतरांण धातीन्ना तकधा त्तकाथुङ्गा धदीगनधा किडनगदेंअ त्तकिडाण धा किटितक तक धुमकिटितक तकिटितकाका किटि गदीगनः धागे दीगन धागे दीगन धा ॥ ६ ॥ ॥

साथकी परण लें दुणी

धागेन धागेदीगन दीगेतक तिटिकत धिगतिटि तिटिकत दीगेतक किटि तक धीतीटी तगेदीगन ॥ ॥

अब चरचरी ने सूल फागताकी सवाइ लेकी परण मात्रा १०० की आवडदी चारमें आवे ने अढाइ गुणीलेमे लेतो आवडदी दोमे आवे ने पचगुणी लेमे ऐक आवडदीमे आवे

धा ३ किटितक धा २ किटि धुमकिटि देअत ताकिटिकिटि तक ध्धेता किटिकिट्ट धुमकिटितक धदीगनतकध्धेः धाक २ किटि २ धी २ नताकिटि ध्धेतकान धाकिटितक धदीगन धुमकिटितक ध्धेता धीनतकिटिधा ॥ १ ॥ ॥ इसी जोडकें बोल (चरण) सबही बेठेगे ॥

अब परण पुणा दो दुगण लेकी मात्रा ७० की आवडदी दोमे लेणी ने एक आवर्त मे लेतो सादा तीगणी ले होवे ॥

धाआ धा किटितक ना किटितक किटितकिटितधा किटि धाकिटि धुमकिटि

तक ध्धेता धधिता धुमः किटि २ तक धुमकिटि तकध्धेता किटितक धदीगन धा ॥ १ ॥ ॥ इस जोडकी परणे सब इसी तरहसे पूरी बेठेगी ॥

अब छे धा लेवाको प्रमाण बराबरकी ले मे
आ. दोमे आ. ने दुगण ले मे ले तो आ, १ आ.
धा दिन्ताः किटितक धदीगन धा धा ३ ॥ १ ॥ ॥

अब आडी ले मे छे धा लेवाको हिसाब
आड मे ले तो आवडदी २ मे आवे
ने तिगणमे आवडदी एकमे आवे ॥

धाकिटितक धुमकिटितक ध्धेता किटितक धदीगनं धाः कीटितक धदीगन धा धा ३ ॥ २ ॥ ॥

अब नोधा लेवाको प्रमाण बराबर कीलेमे लेतो
आ० दोमे आवेने दुणकी लेमे आ० १ मे आ०
किटितक धदीगनधाधाधा किटितक धदीगनधाधाधा किटितक धदीगन धा धाधा ॥ ३ ॥ ॥

आड तीगणमे नोधालेवाको हिसाब आडमे
लेतो २ आवर्तमेने तीगणमे लेतां एक
॥ आवर्तमे आवे ॥

धाकिटितक धुमकिटितक ध्धेता किटितकः क्रिटितक धदीगनधा धाधा धा ३ ॥ ४ ॥ ॥

अब बारे धालेवाको हिसाब दुणीलेमे
आवडदी एकमें आवे

धादिन धाकिट तकिटि तकाकिटिः तकिटितकाकिटिः किटितक कतक धाकधाक धाकधा ३ ॥ ५ ॥ ॥

+ ० धा किटितक धुम किटितक ध्धेता किटितक धद्गीगन धाआ २ धा घिटितक धुम किटितक ध्धेता किटितक धद्गीगन धा ॥ १ ॥ इस जोडकी परणे सब इसी तरहसे बेंठगी.

+ धाधाक धाक धातक धद्गीगन धातक धदीगन धातक धद्गीगग धाआ २ धाधाक धाकः धात्तक धद्गीगन ३ धा ॥ २ ॥ कातक धाआ दीगन धाआ दीदी-गनधा दीगनधाआ ताताक धा दीगन धाधा दीगन धा दीगन धा दीगन धाआ २ कातक धाआ दीगन धाआ दीदीगन धा दीगन धा ताताक धा दीगनः धा २ दीगनः धा दीगन २ धा ॥ ३ ॥ ॥

।, ० तरांग ध्धेता ध्धेधेता धुम किटितक धद्गीगनधा धुम किटितक धद्गीगन धा धुम किटितक धद्गीगन धाआ २ तरांग ध्धेता ध्धेधेताः धुम किटितक धद्गीगन धा ३ ॥ ४ ॥ ॥ इस जोडके सब बेंठगे ॥



॥ श्री नाथजी ॥

चक्र जलद सूल फागताको



मात्रा ५ ताल ३ पहेलीद्रुत दुसरी अणु द्रुत तीसरी द्रुत ताल रुरुप यह हें ०‿० टुकडा बराबर लेंका मात्रा ५ का

धा किटितॅक धदींगन धा ॥ १ ॥ धा किटितॅक तरांग धा ॥ २ ॥
२ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० सम २ ३ ४ ५ ६ ७ ९ १० सम

धाध्येता धदींगन धा ॥ ३ ॥ ॥ धा ध्येता तरांग धा ॥ ४ ॥ ॥

इस जोडके टुकडे सब लेणा जो पूरा बेठेगा

अब दुणीलें की धिननकनें बोल मात्रा २० का बराबर की ले मे लेतो आवडदी दोमे आवें ओर दुणीलें मे लेतो आवडदी एकमे आवे

ता धि न न क ध्ये धि न न क धि न न धि न न त क ॥ कि टि त क
२ ३ ४ ४ ६ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १७ १८ १९ २९ १ २ ३ ४

कि टि धुम कि टि धा कि टि त क ध दीं ग न धा ॥ १ ॥
५ ६ ७ ८ ९ १० १२ १३ १४ १५ १६ १७ १८ १९ २० सम

किटितक धा किटि तरांग धा किटि तरांग धा ॥ २ ॥ इस जोडके बोल सब लेणा ॥

॥ आडीले मात्रा १५ की ॥

धा ऽ धा कि टि त क धी कि टि त क ध दी ग न तां ऽ त्ता किटि तक
२ ३ ४ ५ ६
धि कि टि त क ध दी ग न धा
७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ सम

तकातकिटि धा किटितक ना किटितक ध्धेता धदीगन धा ॥ ३ ॥ ॥
इस जोडकी आडे सब इसी तरहसे बेठती हे

अब दुणी लेंकी धिननक ओर परणे मात्रा ४० की ॥

तां धि न न क ध्धे धि न न क तां धि न न क ध्धे धि न न क ध्धे
२ ३ ४ ५ ६ ८ ९ १० ११ १२ १४ १५ १६ १७ १८ २० २१ २२ २३ २४ २६

ध्धे धि न न क धि न न धि न न त क ॥ कि ड ना कि टि धु म
२८ २९ ३० ३१ ३२ ३३ ३४ ३५ ३६ ३७ ३८ ३९ ४० १ २ ४ ५ ६ ७ ८

कि टि त क ध दी ग न त क धु म कि टि त क ध दी ग न
९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १७ १८ १९ २० २१ २२ २३ २४ २५ २६ २७ २८

धा ध्धी घी ड ना कि डा ण धा ॥ १ ॥ १ इस जोडकी परणे सब
३० ३२ ३३ ३४ ३६ ३७ ३९ ४० सम
इसी तरहसे बेठेंगी

अब तीगुणी लेकी परणे मात्रा ६० की ॥

धा दि न् ना धा कि टि त क धा धी कि टि त क धु म कि
२ ३ ४ ६ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १७ १८ १९ २० २१

टि त क त अ कि टि कि टि धु म कि टि त क त क धु म
२२ २३ २४ २५ २६ २७ २८ २९ ३० ३१ ३२ ३३ ३४ ३५ ३६ ३७ ३८ ३९ ४०

कि	टि	त	क	धु	म	कि	टि	त	क	धु	म	कि	टि	त	क	ध	दी	ग	न
४१	४२	४३	४४	४५	४६	४७	४८	४९	५०	५१	५२	५३	५४	५५	५६	५७	५८	५९	६०

धा ॥ १ ॥ ॥ धा ऽ आ ऽ तक धुम किटि तक धुम किटि तक धुम धुम किटि
सम

तक धदीगन २ धा ॥ २ ॥ ॥ तअ त्त किटितकत्तः किटि २ धी २ किटि धुम किटि तक धुम किटितक ध्धेता धिलांग कतक धाकधा तका धाकधा किटितका धाकधा ॥ ३ ॥ ॥ तअ किडाण धुम किटि तक धग्गे दिगन ध्धेता किटि तक धदीगन तकिटिधाक धादिन्तक धीन्तराण तकिटितका धीदिनताड धा ॥४॥ इस जोडकी परणे सव इस तालमें वेठेगी ॥

अब तीन धा लेवाको प्रमाण

धाआः किटिंतकः किटितक धदीगन धाआ ३ ॥ १ ॥ ॥

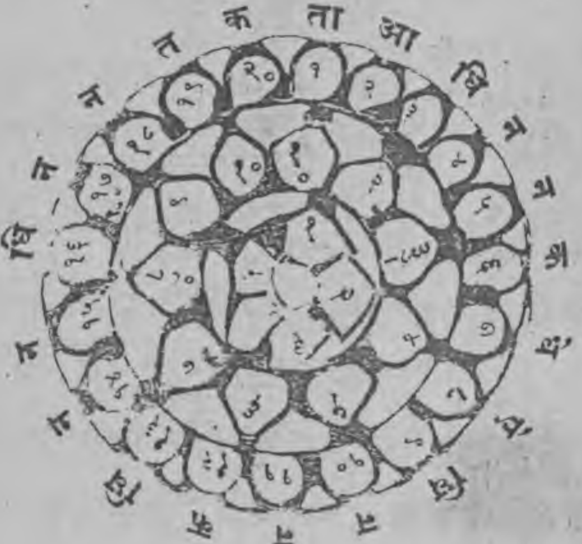
छे धा लेवाको हिसाव

ध्धेता ध्धेः किटितक धदीगन धा धा ३ ॥ २ ॥ २



॥ श्रीनाथोजयती ॥

चक्र झप ताल कों



झपताल मात्रा १० की ताल २ एक खाली ताल पेली द्रुत दुसरी लघु अणुद्रुत मिलीहुइ तिसरी द्रुत अणुद्रुत मिलीहुइ रूप उसका यह है ०। ँ० इस तालको चराचरी तथा जात्रा भी कहते है

धाआ तीन न आ ता त्त अ क अ धाँ आ क अ [धाआति धा न न
२ ४ ५ ६ ७ ८ १० ११ १२ १३ १४ १६ १८ १९ २० २ ४ ५ ६ ७

अ ता त्ता कि टि तँ क ध दी ग न धा ॥ १ ॥ धा आ ती न न अ ता
८ १० १२ १३ १४ १५ १६ १७ १८ १९ २० सम २ ४ ५ ६ ७ ८ १०

ता कि टि त क त रां ग धा ॥ २ ॥ धा आ ति न न अ ता ता ध्धे
१२ १३ १४ १५ १६ १७ १९ २० सम २ ४ ५ ६ ७ ८ १० १२ १४

ता ध दीं ग न धा ॥ ३ ॥ ॥ धा आ ति न न अ ता ता ध्धे ता त
१६ १७ १८ १९ २० सम २ ४ ५ ६ ७ ८ १० १२ १४ १६

रां ग धा ॥ ४ ॥ ॥ इस जोडके बोल सब बेठेगे ॥

बोल बराबर लेंका मात्रा २० का आ. १ में लेणा

धा धा । कि टि त क । कि टि धु म कि टि त कं ध दी ग न धां ॥ १ ॥
२ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १७ १८ १९ २० सम

तीन ३ विरियालेणा

धा धा किटितक किटिधुमकिटितक धदीगन ३ धा ॥ १ ॥

धा किटित्तक धेता किटितकत्तक धदीगन ३ धा ॥ २ ॥ ॥

अब दुगण की धिननक ने बोल मात्रा ४० का

तां धि न न क धे धि न न क ता धि न न क धे धि न न क
२ ३ ४ ५ ६ ८ ९ १० ११ १२ १४ १५ १६ १७ १८ २० २१ २२ २३ २४

धे धे धि न न क धि न न धि न न त क ॥ धा धा दिं ग न
२६ २८ २९ ३० ३१ ३२ ३३ ३४ ३५ ३६ ३७ ३८ ३९ ४० २ ४ ६ ७ ८

धा दिं ग न धा धेता धेता कि टि त क ध दी ग न ध दी
१० १२ १३ १४ १६ १८ २० २२ २४ २५ २६ २७ २८ २९ ३० ३१ ३२ ३३ ३४

ग न ध दी न न धा ॥ १ ॥ ॥ धा किटित्तक धदीगन धाकिटितकिटितका
३५ ३६ ३७ ३८ ३९ ४० सम

किटिधाकिटितकः धा धा किटितक धदीगन ३ धा ॥ २ ॥

येह बोल तीन ३ विरिया भी लेनेसे बरोबर बेठेमें ओर इस जोडके बोल मात्रा ४० के इसी तरह से सब बेठमें ग्रंथ बोहोत बढ जाने के सबब से सूचना लिख दीगइ है ॥

अब आडकी धिननक ने आडका बोल मात्रा ३० का ॥

ता	धि	न	न	क	ध्धे	ध्धे	धि	न	न	क	ध्धे	ध्धे	धि	न	न	क	धि
२	३	४	५	६	८	१०	११	१२	१३	१४	१६	१८	१९	२०	२१	२२	२६

न	न	धि	न	न	त	क	॥	धा	कि	टि	त	क	धा	धा	कि	टि
२४	२५	२६	२७	२८	२९	३०		२	३	४	५	६	८	१०	११	१२

त	क	कि	टि	त	रा	ण	कि	टि	कि	टि	त	क	ध	दी	ग	न	धा
१३	१४	१५	१६	१७	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	३०	सम

॥ १ ॥ ॥ धाकिटि तकद्धेताः किटि २ तकिटितकाः किटि २ तक धदीगनधा ॥ २ ॥ ॥ इस जोडके बोल सब इसीतरहसे पूरे बैठेगे ॥

अब तिगण लेका धिननक और परणे मात्रा ६० की

ता धिननक ध्धे धिननक २ ध्धे ध्धे धिननक २ धिननक ध्धे ध्धे धिननक धिनन धिननतकताः ॥ धा दिन्ना धा किटितक धीधी किटितक धुम किटितक तअ किटि किटि धुम किटि तकः तक धुम किटि ३ तक धद्दीगन धा ॥ १ ॥ ॥ धाः किटि २ तक तअ धाः किटि २ तक धुम किटितक धिता तक धुम किटि धा धुम किटि तकथुन् धाआ किटितकः धी २ किटितक तरांण तकन तकधा ॥ २ ॥ ॥ धा धुमकिटितदंत किटि धाकधाः धी २ किटिता धिन्ता द्धेतः किटि २ तरांग तकिटितक धाकिठि धुमकिटि धग्गदीगनताकधा ॥ ३ ॥ ॥ इस जोडकी परणे सब इसीतरहसे बैठेंगी ॥

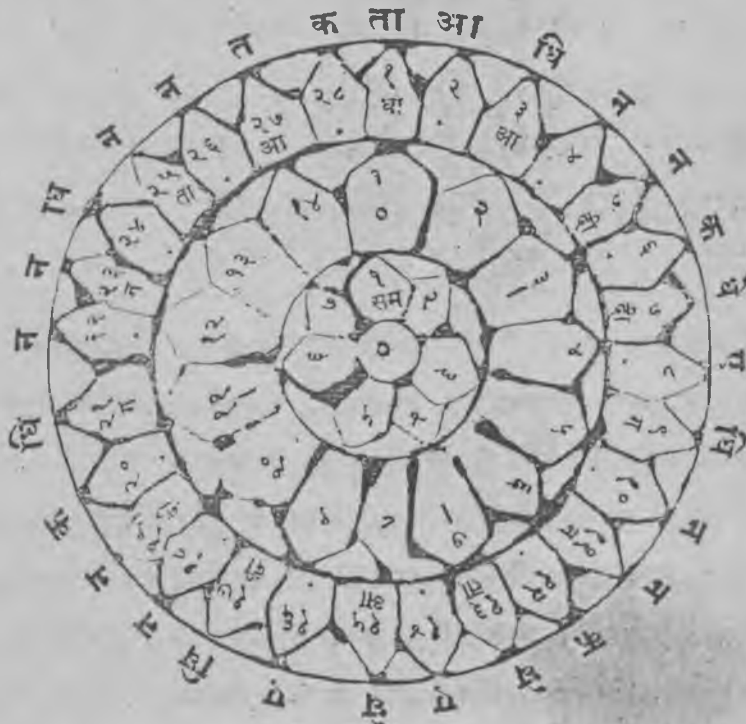
॥ अब चोगणकी परणे मात्रा ८० की ॥

धाकिटितकिटितकाः किटि २ तकिटितका किटिधुमकिटि तकिटितका धुमकिटि तकिटितकाः किंटि २ तकद्धेताः किटितक धदीगनधा ३ ॥ १ ॥ ॥ धाकिटितक धुमकिटितक २ धाकिटि धुमकिटि किटिः धी २ किटितक धदी-गनः किटि २ तराण २ तकधाकिटितक धदीगनधा ॥ २ ॥ ॥ किटि २ तराणः

किटि ३ तकः धुमाकिटि २ काताकिटि तराणत्तकध्ये धद्दीगन धा धाकिटि धादि-न्नतक धिन्ना द्धेताः धि २ किटि धुमकिटि तराण तकधा धद्दीगनधा ॥ ३ ॥ धित्त २ धेत्ताः धि २ किटि धुमकिटि टगनगदेअ् धाकिटितकननः धात २ धाधाधाकिटितक धद्दीगन ३ धा ॥ ४ ॥ ॥ इसजोडकी परणे सब लेणी ॥ ॥ इसके आगे छेधा बराबर लेंमें दुगणमें आडीमें तीगणीमें नोधा बारे धा मृदंगाभुषण पञ्चरत्न सवाइ डेढी पुणा दुगणी इत्यादि सूलफागताकी सब इस तालमें बेठेगी इसका ओर उसका यानी सूलफागता ओंर चरचरीका सिर्फ सडुप (ताल) अलगअलग हे बाकी बजन एकहीहैं

॥ श्रीगोवर्द्धन नाथोजयती ॥

चक्र ताल आडा चोताला को



ताल ४ मात्रा २८ का ताल एकद्रुत दुसरी लघु तीसरी चोथी लघु रूपक यह हैं ०॥। इसको ध्रुव ताल भी कहते हैं

पेसकार

धाक ऽ धा गे दि न् ता ऽ क अ् धा दि न्ता किटि तक धदी गन धा

~~३ २ ४~~ ६ ७ ८ ९ ११ १२ १३ १४ १५ १७ २० २२ २४ २६ २८ सम

धें ता आ धे ता आ कि टि त क ध दीं ग न धा

२ ४ ६ ८ १० १२ १४ १६ १८ २० २२ २४ २६ २८ सम

॥ बोल बरावर लेंका मात्रा २८ का ॥
आबड दी एक मे लेणा

धा	कि	टि	त	क	ध	दी	ग	न	धु	म	कि	टि	त्त	क	ध्धे	ता	कि	टि	त	क
२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१८	२०	२१	२२	२३	२४

ध	दी	ग	न	धा ॥ १ ॥
२५	२६	२७	२८	सम

धा किटितक तराण धुम किटितक ! तराण ध्धेता तरांग धा ॥ २ ॥ ॥ धा किटितक ध्धेता किटितक ध्धेता तक ध्धेता धदीगन धा ॥ ३ ॥ ॥ धाः किटि २ धेता धदीगन तक ध्धेता ध्धेतातरांग धा ॥ ४ ॥ ॥ धा दिनतक तराण धुमाकिटितकदेअ् धा किटितक धदीगन धा ॥ ५ ॥ ॥ ध्धेत ध्धेत ध्धे ध्धे किटितक ध्धे तरांगधा किटितक धदीगन धा ॥ ६ ॥ ॥ किडनान् न किटि तक धिन्ना तकः धिन्ना २ तक धदीगनधा ॥ ७ ॥ ॥ धाअ्तकधुमकिटि तक धदीगन धाधी धीडना किडाण धा ॥ ८ ॥ ॥ धा अ् किटिकाता किटितकः किडाण धाअ् २ किडाणधा ॥ ९ ॥ ॥ तअ् धीडाण घे दिन् घे नगदेअः धा तकधुमकिटि गदीगनधा ॥ १० ॥ ॥ इस जोडके बोल सब इसीतरहसे बेठते हें ॥ ॥

अब दुगण की धिननक ओर परणे
मात्रा ५६ की बराबर की लेमे लेतों आ
बडदी २ मे आवे ने दुणी ले मे एक आ० आ०

ता	धि	न	न	क	ध्धे	धि	न	न	क	ता	धि	न	न	क	ध्धे	धि	न	न	क
२	३	४	५	६	८	९	१०	११	१२	१४	१५	१६	१७	१८	२०	२१	२२	२३	२४

ध्धे	ध्धे	धि	न	न	क	ध्धे	ध्धे	धि	न	न	क	ध्धे	ध्धे	धि	न	न	क
२६	२८	२९	३०	३१	३२	३४	३६	३७	३८	३९	४०	४२	४४	४५	४६	४७	४८

o |
धि न न धि न न त क ॥ धा कि टि त क धु म कि टि त क
४९ ५० ५१ ५२ ५३ ५४ ५५ ५६ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२

|
ध्धे ता धी धी कि टि धु म कि ठि त क धु म कि टि त क
१४ १६ १७ १८ १९ २० २१ २२ २३ २४ २५ २६ २७ २८ २९ ३० ३१ ३२

|
ध्धे ता धि लां ग त क धु म कि टि धु ग कि टि त क ध दी
३४ ३६ ३७ ३९ ४० ४१ ४२ ४३ ४४ ४५ ४६ ४७ ४८ ४९ ५० ५१ ५२ ५३ ५४

o
ग न धा ॥ १ ॥ ॥ किटितातक धिलांग तक धुमकिटितक धीड़ः तक धुम
५५ ५६ सम

किटितक धदीगन धाधी धींडना किडाण धा ॥ २ ॥ ॥ किटितअ् धुमकिटि तक धुमकिटि तगना किटितकिटितका किटितकः धदींगन २ धाअ् तअ् किटितक धदीगन धा ॥ ३ ॥ ॥ किडाण धा धुमकिटितक ध्धेताः धि२ किटि धुम किटि तक धुम किटितक तकाअ धिगाअ धुम किटितक ध्धेंता धिदिन ततःकिटि२ धा ॥४॥ धीन्तर किटितकः तेटे २ किडनग तर किटितक धुमकिटितक धा किडाण धा दित्ता धातीड़ः धा२ गदीगनधा ॥ ५ ॥ ॥ तअक धी किटितक धाकिटितक धी किटितक धातीन् नानाना किटितक तकताः किडतकः ताड धाड२ धाआं नाड धाडताड धा ॥ ६ ॥ धाआ किटितअ धुमकिटित्तकू धुम किटितक धदींगनः धाकिटितक धदीगन २ धा ॥ ७ ॥ ॥ धाआः ध्धेता किटित्तकः धीं२ किटितरांग तक धा किटितक धादिन् धाकिटिः धी २ किटितकधाकिटि धुमकिटितक धदीगनधा ॥ ८ ॥ ॥ इस जोडकी परणे सब इस लें मे वेठेगी ॥

अब आडकी धिननक ओर परणे
मात्रा ४२ की आवडदी एकमें लेणी ॥

o | |
ता धि न न क ध्धे ध्धे धि न न क धि न न धि न न त क धा धि
२ ३ ४ ५ ६ ८ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १७ १८ १९ २० २१ २२ २४ २५

न न धि न न त क धा धि न न थि न न त क धा ॥ धा
२६ २७ २८ २९ ३० ३१ ३२ ३४ ३५ ३६ ३७ ३८ ३९ ४० ४१ ४२ सम २

दि न्ना धा कि टि त क धी धी कि टि त क त क धु म कि टि
४ ६ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १७ १८ १९ २० २१ २२ २३ २४

त क धु म कि टि त क धु म कि टि त क ध दीं ग न धा ॥१॥
२५ २६ २७ २८ २९ ३० ३१ ३२ ३३ ३४ ३५ ३६ ३७ ३८ ३९ ४० ४१ ४२ सम

धादिन्ना धाकिटितक धधीकिटितकः तक धदींगन धाआर तकधदींगनधा ॥ २ ॥ ॥ धग्गदींगन धुमकिटित्तक तकिटि धाक धादिन्ना त्तकिडाण किडनग-देअ तका धाकधा ॥ ३ ॥ ॥ धग्ग दींगन नकिटितकिटिः धीर किटितक धुम टेनक तक :धिगाः धुमाकिटितक धिदिन् ताड धा ॥ ४ ॥ ॥ धाकर धाकिटि तक तकिटि धुमकिटि धाकिटितक तक ध्धेत्ता किटि धिन्ना तका धाकधा ॥ ५ ॥ ॥

इस जोडकी परणे सब बेठेगी ॥

अब तिगण लें की धिननक ने परणे मात्रा ८४ की बराबरमें ले तो आ. ३ मे आ. ने तीगुणमेआ. १ मे आवे

ता धि न न क ध्धे धि न न क ता धि न न क ध्धे धि न न क
२ ३ ४ ५ ६ ८ ९ १० ११ १२ १४ १५ १६ १७ १८ २० २१ २२ २३ २४

धि न न क ध्धे ध्धे धि न न क ध्धे ध्धे धि न न क धि न न क
२५ २६ २७ २८ ३० ३२ ३३ ३४ ३५ ३६ ३८ ४० ४१ ४२ ४३ ४४ ४५ ४६ ४७ ४८

धि न न क ध्धे ध्धे धि न न क ध्धे ध्धे धि न न क ध्धे ध्धे धि न
४९ ५० ५१ ५२ ५४ ५६ ५७ ५८ ५९ ६० ६२ ६४ ६५ ६६ ६७ ६८ ७० ७२ ७३ ७४

न क धि न न धि न न त क ॥ त अ कि डा ण कि ड न ग दे अ
७५ ७६ ७७ ७८ ७९ ८० ८१ ८२ ८३ ८४ १ २ ३ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२

धी इ ती इ धी डा ण धा आः धा ती न्ता धा कि टि त क ध ग्ग
१३ १४ १५ १६ १७ १९ २० २२ २४ २६ २८ ३० ३२ ३३ ३४ ३५ ३६ ३७ ३९

दीं ग न ध्धे धि र कि टि त क धु म कि टि त अ् कि डा ण
४० ४१ ४२ ४४ ४५ ४६ ४७ ४८ ४९ ५० ५१ ५२ ५३ ५४ ५५ ५६ ५८ ५९ ६०

कि इ न ग दे अ ता धा कि टि त अ क धी कि टि त क
६१ ६२ ६३ ६४ ६५ ६६ ६८ ७० ७१ ७२ ७३ ७४ ७५ ७६ ७७ ७८ ७९ ८०

ध दी ग न धा ॥ १ ॥ ॥ तालकी मात्रा के अंक तिगुणीलेका–१–१३–३७–६१–१
८१ ८२ ८३ ८४ सम

नगतक तक देअ धा किटि तकिटितका किटि किडधा तीन् धा किटि तकिटि तका किटि धुमकिटि किडना ताः धिट२ तकिटितका किटि तक धुमकिटि तकिटि तका किटि तक धदीगन धा ॥ २ ॥ ॥ धाकिटितक धुमकिटितक धुमः किटि २ तकिटितका तकधुमकिटितकधेता तकधदीगन धाकिटितक ताकिटि तकिटितक धेता द्धेधेताः धदींगनधा ३ ॥ ३ ॥ ॥ धाःकिटि २ तकिटितक धुमकिटितक धदीगन किटिधादिनतक धेत्तातकधादिन् धाआधादिनाः धि २ किटितक धुमकिटितक धाकधाधदीगन तक धिलांग तकिटितअ् किडाणधा ॥ ४ ॥ ॥ धाआः धाकिटितक धुमकिटितकः धेता २ तकधाः धी २ किटितक तअ तरकिटितक धदीगनधाः धी २ किटिः धी २ ताधाः किडाण धा किटितक धदीगनधा ॥ ५ ॥

॥ इसजोडकी परणे सब लेणी ॥

अब चोगुणी लेंकी परणे मात्रा ११२ की तुणमे लेतो आवडदी दोमे आवे ओंर–चो गणीलेमे एक, आवडदीमे, आवे

धादिन् धाकिटितीकिटितकाकिटिः धी २ किटिधुमकिटि तकिटितकाकिटि तअ् किटिधुमकिटि तकिटितकाकिटिः तक २ धुमकिटि तकिटितकाकिटिः धदीगन नेकिटि तकिटितकाकिटिः किटितक धदीगनधाआ २ किटितकधदीगनधा ॥ १ ॥ धादिन् धाकिटितीकिटि तकाकिटिः धी २ किटिधुमकिटि तकिटितकाकिटि तअ किटिधुमकिटि तकिटि तकाकिटिः तक २ धुमकिटिः किटितकाअ धाकिटितक धदीगनधाआ २ किटितकाअ धाकिटितक धदीगनधा ॥ २ ॥ ॥ इसजोडके टुकडा मोहरा सब इसी तरहसे लेणाजो पुरा बेठेगा. ।

सवाइ लेंकी परण मात्रा १४० की चार
आवडदीमें लेतो बराबर की सवाइ ले
होयने एक आवडदीमे लेतो पचगुणी होय
ने दो आवडदीमे लेतो अढाइ गुणी (कुराड) लेहोय

किटिधेतकांन किटितराण किटितक दिन् धादिन धाकिटि तकधेता किटि दन् धाकिटितक धीकीतक तकधादिन्ना दिगन नागिन किटिधेता किटिताकिटि तकिटितकाः धी २ किटिधुमकिटि धिरकिटि धुमकिटित धाकिटितकधाः किटि २ तकिटितकाः किटि ३ तकिटिघाक किटिधातक धीद्धे धाडधा ॥ १ ॥ ॥

छे धा लेवाको प्रमाण

धाकिटितक धुमकिटितक द्धेता किटितकधाः किटितक धदीगन धा धा३ ॥ १ ॥ ॥

नो धा लेवाको हिसाब

धादिन् धाकिटितकिटि तकाकिटिः किटितक धदीगनधा धा धा धा ३ ॥ १ ॥

अब बारे धा लेवाको प्रमाण

द्धेता २ द्धेः किटितक धदीगन धा धा धा धा ३ ॥ १ ॥ ॥

फेरभी बारे धा लेवाको प्रमाण

धाः किटितक कतक धाक धाकधाक धा ३ ॥ १ ॥ ॥

पन्दरे धाको प्रमाण

द्धेताः किटितक धदीगन धा धा धा धा धा ३ ॥ १ ॥ ॥

(लपेट)

धागेन धागेदीगन दीगेकत तिटिकत धीगातिटि किटितक दीगेतक तिटिकत धीगातिटि किटितक दीगेतक किटितक धातिटित गदीगन ॥ १ ॥ ॥

मृदङ्ग भुषण पञ्चरत्नकी परणे मोहरे विगेरह

धाकिटितक धुमकिटितक धदीगनधाआ २ धाकिटितक धुमकिटितक धदीगनधा ॥ १ ॥ ॥

। धाकिटितकिटितका धाकिटितकिटितका धेता धेतकदिन् धाधीकिटि तकिटितका धाकधा २ धाकिटि तकिटितका २ द्धेताधेतकादिन् धाधीकिटि तकिटितका धाकधा ।! २ ॥ ॥ इ. जोडकी स. ऽ ० किटितअ धुमकिटितक धुमकिटितगना किटितकिटितका किटितक धदीगन धदीगन धाआ तअ किटितक धदीगन धाआ २ किटितअ धुमकिटितक धुमकिटितगना किटितकिटितका किटितकः धदीगन २ धाआ तअ किटितक धदीगन धा ॥ ३ ॥ ॥ इ. जो. स. ऽ । धाधाकिटितक धदीगन धाधाकिटितक धदीगन धाधा किटितक धाकिटितक धदीगन धाकिटितक धदीगन धाकिटितक धदीगनधाआ २ धाधाकिटितक धदीगन २ धा २ किटितकः धाकिटितक धदीगन ३ धा ॥ ४ ॥ ॥

लैं आडी (१॥)

तकिटि धिकिटिधा तरकिटिधिकिटि धा थुंः थुंः नक थुः थुः दिगन नागिन धान् तरांणधा ३ ॥ ५ ॥ ॥ कतीटी तगीन तगीन धानधा ३ ॥ ६ ॥ ॥

लैं तीगणीमें

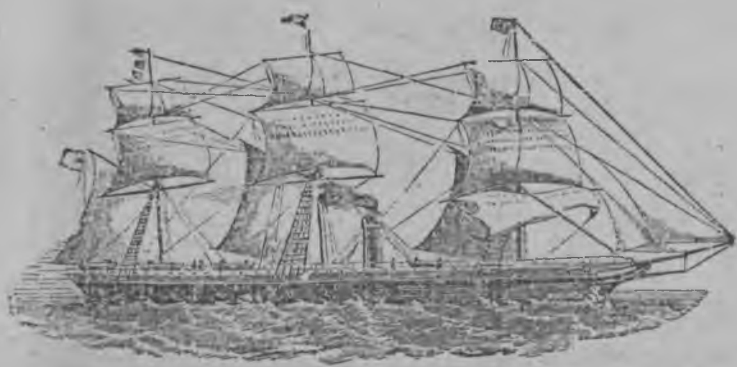
। द्धेता तकधादिन्ना धीधीकिटितक धाकधाकधा किटितक द्धेतरांगधा तुरांगधा तरांगधाआ २ द्धेतातकधादिन्नाः त्रि २ किटितकः धाक २ धाः किटितक द्धेःतरांगधा ३ ॥ ७ ॥ ॥ इ. जो. स.

लैं चोगुणी

ऽ ० धादिन् धाकिटितकिटि तकाकिटि तकाकिटतकाकिटि किटितकधदीगनधा किटितक धदीगनधा किटितक धदीगनधाआ २ धादिन् धाकिटि तकि-

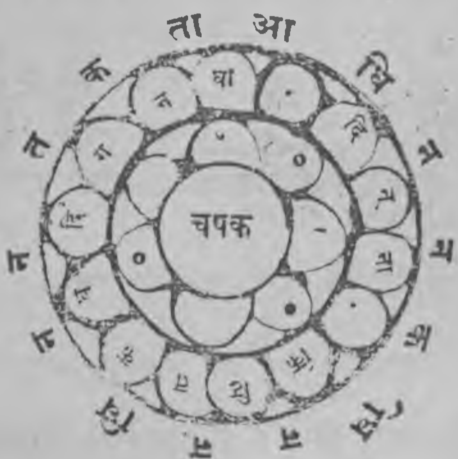
टितकाकिटि तकिटितकाकिटिः किटितक धद्रीगनधा ३ ॥ ८ ॥ ॥—धुमाकिटि तकि-टितकाकिटि तकधुमकिटि तकिटितका किटितक धद्रीगन धाआ २ धुमकिटि तकिटितकाकिटि तकधुमकिटि तकिटितकाकिटि तक धद्रीगनधा ॥ ९ ॥ ॥ किटि-तक धद्रीगनधा किटितक धद्रीगनधा किटितक धद्रीगनधाआ २ किटितक धद्री-गनधा ३ ॥ १० ॥ ॥ इसजोडकी परणे सब इसीतरहसे बैंठती हैं

किटिताकिटितका किटितक धद्रीगनधाआ किटितकधद्रीगनधाआ २ किटि-तकिटितका किटितक धद्रीगनधाआ किटितक धद्रीगनधा । ११ ॥



श्री नाथजी.

चक्र चपक तालको



मात्रा १४ का ताल ४ प्रथम ताल अणुद्रुत २–३–४ द्रुत स्वरुप यह हैं ᐡ००० .

॥ बोल बराबरके मात्रा १४ का ॥

धाँ क्रि टि त क धुं म कि टि धं दी ग न धा ॥ १ ॥ ॥
२ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ सम

धाकिटितक धुमकिटि तरागधा ॥ २ ॥ ॥ धादिन्ना द्धेता धदीगनधा ॥ ३ ॥ ॥
धादिन्ना द्धेतातरांगधा ॥ ४ ॥ ॥ इसजोडके बोल सब इसीतरहसे लेणी ॥

अब दुगण लैंकी धिननक ओर परणे
मात्रा २८ की आवड्दी १ मे लेणी

ताँ धि न नँ क द्धे धि न न क द्धें द्धे धि न न क धिं न न
२ ३ ४ ५ ६ ८ ९ १० ११ १२ १४ १६ १७ १८ १९ २० २१ २२ २

धि न न त क ॥ धाँ कि टि तँ कि टि त का क्रि टि तँ क द्धे
२४ २५ २६ २७ २८ [illegible]

ता धु म कि टि त क ध दी ग न धा ॥ १ ॥ ॥ धा किटितक
१८ १९ ० २१ २२ २३ २४ २५ २६ २७ २८ ,,

धुम किटितक धेता किटितक धेता धदीगन धा ॥ २ ॥ ॥ इस जोडकी परणे सबही इस तालमे लेणी ॥

अथ परणे मात्रा ५६ की ले दुणी आवड दी दोमे आवे ॥

धा किटितक धुम किटितक धेता धीधीकिटि धुम किटितक धुम किटितक धेत्ता धिलांग तकः धुम किटि २ तक धदीगन धा ॥ १ ॥ ॥ किटितअ धुम किटितक धुम किटि तगना किटि त किटितका किटितकः धदीगन २ धाआ तअ किटितक धदीगन धा ॥ २ ॥ ॥ इस जोडकी परणे धम्मारमे २० लीखी है सावे ११८ के वो सब परणे इसी तरहसे इस तालमे बेठेंगी ॥

आडकी धिननकने बोल मात्रा २१ का आवडदी १ मे आवे ॥

ता धि न न क धे धे धि न न धि न न धि न न त क ॥
२ ३ ४ ५ ६ ८ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १७ १८ १९ २० २१

धा कि टि त क धि कि टि त क त त कि टि धि कि टि त क ध दी
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १७ १८ १९

ग न धा ॥ १ १ ॥ ॥ इस जोडकी परणे सब लेणी ॥
२० २१ सम

अब तिगन लेकी धिननकने परण मात्रा ४२ की आवडदी एकमे लेणी ॥

ता धि न न क धे धि न न क धि न न क धे धे धि न
२ ३ ४ ५ ६ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १८ २० २१ २२

ऽ

न क ध्धे ध्धे धि न न क ध्धे धि न न धि न न त क ॥
२३ २४ २६ २८ २९ ३० ३१ ३२ ३४ ३५ ३६ ३७ ३८ ३९ ४० ४१ ४२

धा दि न्ना धा कि टि त क धी २ कि टि त क त अ कि टि
२ ४ ६ ८ ९ १० ११ १२ १४ १५ १६ १७ १८ १९ २० २१ २२

कि टि धु म कि टि त क त क धु म कि टि त क ध द्री ग न
२३ २४ २५ २६ २७ २८ २९ ३० ३१ ३२ ३३ ३४ ३५ ३६ ३७ ३८ ३९ ४० ४१ ४२

धा ॥ १ ॥ ॥ तक धुम किटितक धद्रीगन धा ३ ॥ २ ॥ ॥
सम

(दो आवडदीको मोहरो)

तक धुम किटि तक धुम किटि तक धुम किटि तक धदीगन धा ऽ ३ ॥ ३ ॥

अब चोगुणलेकी परणे मात्रा ५६ की आवडदी एकमे लेणी

धादिन् धाकिटितकिटितका किटिः धी२ किटि धुमाकिटिताकिटि तकाकिटि तकिटितकाकिटि तकध्धेताधुमाकिटितक धदीगनधा ॥ १ ॥ ॥ किटितकिटित्तका किटितकधदीगनधा ३ ॥ २ ॥ ॥ किटितक धदीगनधा धदीगनधा ३ ॥ ३ ॥ ॥ धदीगनधा धदीगनधा धदीगनधा ३ ॥ ४ ॥ ॥ धग्गअ् दिगन२ धागेदिगेनागे तिटिताकिटि तकाकिटि धींदिन्ताड नागेःतिटि २ धिदिन्ताडः धागेदिगन२ धा ॥५॥ धीन्तर किटित्तकतेटे तेटे किडनगतर किटितक धुमकिटितक धाकिडाण धादित्ता धातीः धा२ गदीगनधा ॥ ६ ॥ ॥ धाआः किटितअः धुमकिटितक २ धदीगनः धाकिटितक धदीगन ३ धा ॥ ७ ॥ ॥ तअक धिकिटितक धा किटितक धी किटितक ऽधातीन्नानाना नट तक त्रकता क्रिट्तुकः ताड धाड२ धाआन्नाड धाड ताड धा ॥ ८ ॥ ॥ इस जोडकी परणे ओर भी धम्मार मे चोगणकी लें मे लिखी हुई हैं पाने ११८ के वो सब परणें इस तालमें तथा ऋह्मं मे आडा चोतालेमें फेरोदस्तमें त्योहरामे ब्रह्म जोगमें सब मे बेठेगी ॥ ॥

अब परणे मात्रा ८४ की दुर्णीलेमे आवडदी तीनमें आवे

नमतक तकदेअ धा किटितकिटितकाकिटि किडधातीग्न धा किटि तकिटितका किटि धुमकिटि किडनाअः ता धीट धींट तकिटितका किटि तक धुमकिटितकिटितका किटितक धदीगन धा ॥ १ ॥ ॥ किटिधुमकिटि धिलांग तक घदीगनः धा धदीगव घा किट्टितकः धा २ किटितक ध्धेः किटि २ धिन्तराण तक धुमकिटितक धेत्तकान ध्ध धिर किटि धींकड्ता धीः किटि २ काताकिटि धा ॥ २ ॥ ॥ धाकिटितक धुमकिटितक धुमः किटि २ तकिटितका तकधुमकिटितक ध्धेता तक धदीगन धा किटितक ताकिटितक तकिटिध्धेत्ताः ध्धेधेताः धदीगनधा३ ॥ ३ ॥ धाआः धाकिटि तक धुमकिटितकः ध्धेता २ तक धा धधी किटितक धअ नर किटि धदीगन धा० धी २ किटिः धीर तावा०ः किडाणधा० किटितक धदीगन ॥ ४ ॥ ध्धा किडाण धुमकिटितक ध्धेताः धी २ किटि धुमकिटि तकधुमकिटितक तका धिगा धुमकिटितक ध्धेता धिदिन् तअः किटि २ धा ॥ ५ ॥ ॥ इस जोडकी परणे सब बेठेगी ॥

परणे मात्रा ११२ की दुर्णीलेमे लेतो आवडदी ४ मे आवे ने चोगणीले मे लेतो आवडदी २ मे आवे

धादिन धाकिटि तकिटितकाकिटिः धी२ किटि धुमकिटि तकिटि तकाकिटि तअ किटि धुमकिटितकिटि तकाकिटिः तक२ धुमकिटि तकिटितकाकिटि धदीगननं किटि तकिटितकाकिटि धदीगननं किटि तकिटि तका किटि तक ध्धेता धुम किटितक धदीगन धा ॥ १ ॥ ॥ धादिन धाकिटि तकिटि तका किटिः धी २ किटि धुमकिटि तकिटितका किटिः तअ किटि धुमकिटि तकिटि तकाकिटिः तक २ धुमकिटि तकिटितकाकिटि धदीगननं किटि तकिटितकिटितका ० किटितक धदीगन धाआ३ ॥ २ ॥ ॥ किटितकिटितका किटितक धदीगन धाआ किटितक धदीगन धाआ २ किटितकिटितका किटितक धदीगनधाआ किटितक धदीगन धा ॥ ३ ॥

अब पूणा दो दुगणी ले का बोल मात्रा २४ का

धाकिटितक धुमकिटितक धेता किटितक धदीगन धा ॥ १ ॥

अब सवादो दुगणालेकी परण मात्रा ३१॥ की

धेकिटि धाक धाधी किटि धागे दींगेतक किटितकिटितका किनः धागे दींगन २ धा ॥ १ ॥ ॥

अब साडा तिगणकी परण मात्रा ४९ की

ततकधा देअधा किटः धुमाकिटि तक धदींगन धा ३ ॥ ॥

अब साढा चोगुणी लेकी परण मात्रा ६३ की ॥

धधा किटितक धदींगनः धा २ किटितक धदींगनः धा २ किटितकः धा किटितक धदींगन ३ धा ॥ १ ॥ ॥

अब पचगुणी ले (सवाइ) की परण मात्रा ७० की

धा आ धाकिटितक ना किटितक किटितकिटितकाः किटि धा किटि धुम किटितक धेता धद्धिता धुम किटि किटितक धुम किटितक धेता किटितक धदींगन धा ॥ १ ॥ ॥

अब छे धा लेवाको हिसाब

धा किटितक धुम किटितक धेता किटितकताः किटितक धदींगन धाधा ३ ॥१॥

नो धा लेवाको प्रमाण

धीकीतक तक धा धाधी किटितकधा किटितक धाः किटितकधाकधाक धा ३ ॥ १ ॥ ॥

अब आड तीगणमे छे धा लेवाको प्रमाण

धा धदींगनताः किटितक धदींगन धा धा ३ ॥ १ ॥

अब चपक तालमे तथा झुमरामे बृह्ममे फिरोदस्तमे
बृह्म जो गमे त्यांरामे आडा चेताालमे मृदङ्ग भुषण
पञ्च रत्न की परणे मात्रा भेदसां टुकडा विगेरह

+ + ऽ किटितक धा ३ ॥ १ ॥ ॥ इस जोडके टुकडे सब वेटेगे ॥

ऽ ऽ ऽ । किटितक धदींगन धा ३ ॥ २ ॥ ॥ इस जोडके टुकडे सब वेटेगे

ऽ। किटि किटितक धा धड़ीगन धाआ ३ ॥ ३ ॥ ॥इस जोडके सब लेणा

+ + ऽ। किटितक किटि धुम किटि धा किटितक धड़ीगन धाआ ३॥४॥ इ.जो

+ ऽ ऽ धाकिटितक धुमकिटितक ध्धेता किटितक धड़ीगन धाआ ३ ॥ ५ ॥

ऽ ऽ । धाकिटितक धड़ीगन धुमकिटितक ध्धेता किटितक धड़ीगन धाआ ३॥६॥

० ० ० ० धा किटिताकिटितका ᵕ धा किटितकिटितका ᵕ ध्धेता धेतक दिन धा धी किटि तकिटि तका ᵕ धाकधाआ ३ ॥ ७ ॥ इस जोडके सब लेणा धीगे धी किटिता धीगे धीकिटिता तक नाना न किटिता तक धा धा धाधा धड़ीगन धाआ ३ ॥ ८ ॥ इस जोडकी परणे आडी ले मे हे

+ ÷ ऽ किडना किटि धुम किटि तक धड़ीगन तक धुम किटितक धड़ीगन धा धी धीडना किडाण धाआ ३ ॥ ९ ॥

ऽ।०ᵕᵕ तराग धेता धे ध्धेता धुम किटितक धड़ीगन धा धुम किटितक धड़ीगन धा धुम किटितक धड़ीगन धाआ ३ ॥ १० ॥ ॥इस जोडकी सब लेणी ॥

(ले आडीमे)

० ᵕ धा ᵕ ना ᵕ धा किटितक धीकिटितक धड़ीगन धाआ ३ ॥ ११ ॥

(तीगुणी ले)

० ० ० ० ध्धेतातक धा दिन्ना धिधिकिटितक धाक धाक धा किटितक ध्धे तरांग धा तरांग धा तरांग धाआ ३ ॥ १२ ॥ ॥ इस जोडकी परणे सब इसी तरहसे बेठेगी ॥

लढंतका साथ यहापर थोडासा लिखा हें इस्से

हाथकी तइयारी ओर खुब सुर्ती मालुम पडती हें

धिननक सम दुगण चोगणकी

० । । ।
ता धि न न क ध्धे धि न न क धि न न क धि न न क ध्धे ध्धे धि न
२ ४ ६ ८ १० १२ १४ १६ १८ २० २२ २४ २६

० । ।
न क धा किट तक धि न न धा किटि तक धि न न धा किटि तक

धि न न धा किटि तक धि न न धिन नक ॥ किटि तक ध्धे धि न
४४ ४५ ४६ ४७ ४८ ४९ ५० ५१ ५२ ५४ ५६ ५७ ५८ ६० ६१ ६२

न क किटि तक ध्धे धि न न क धिन नक धा कि टि त क धि
६३ ६४ ६५ ६६ ६८ ६९ ७० ७१ ७२ ७४ ७६ ७७ ७८ ७९ ८०

न न त क ॥ किटि तक ना ना त क ना ना किटि तक ना ना तक ना, ना
८१ ८२ ८३ ८४ १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १४ १५ १६

किटि तक ना ना तक ना ना किटि तक ना ना ॥ ॥ परण ॥ धा किटि
१७ १८ १९ २० २२ २३ २४ २५ २६ २७ २८ १ २

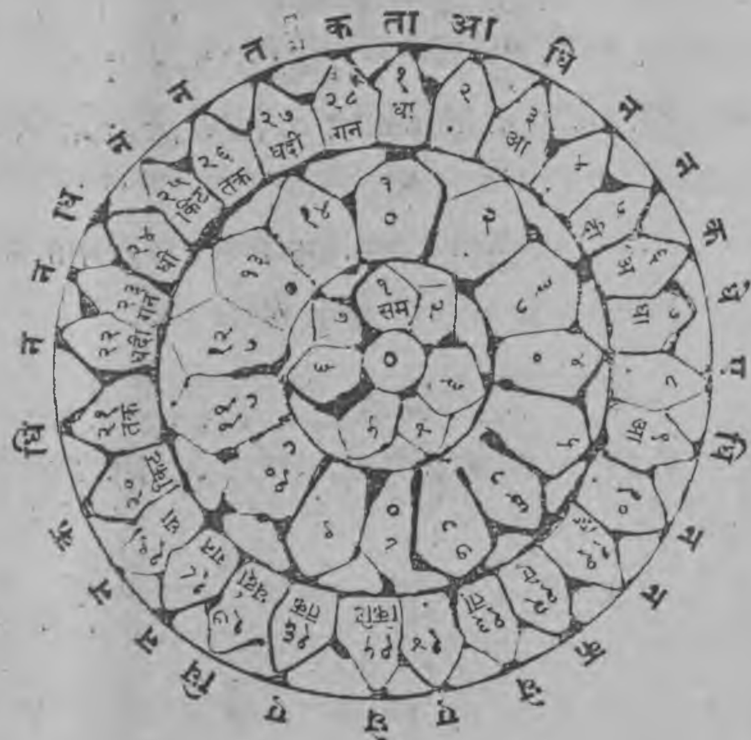
तक धी कि टि धा किटि तक धी कि टि धा किटि तक धी किटि धा धी कि
३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १७ १८ १९ २० २१

टि त क ध दी ग न ॥ ता किटि तक धी कि टि ता किटि तक ति कि
२२ २३ २४ २५ २६ २७ २८ १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११

टि ता किटि तक धी कि टि धा धी कि टि त क ध दी ग न ॥ १ ॥
१२ १३ १४ १५ १६ १७ १८ १९ २० २१ २२ २३ २४ २५ २६ २७ २८

॥ श्री नाथोजयती ॥

चक्र ब्रह्मताल को



ताल १० मात्रा २८ कों ताल पेली द्रुत दुसरी अणुद्रुत ३ द्रुत–४–५ मी अणुद्रुत ६ ठी द्रुत ७–८–९–मी अणुद्रुत –१० मी द्रुत रूपक यह हैं ०ᵕ०ᵕᵕ०ᵕᵕᵕ०

(पेसकार)

धा आ दी अ धा आ धे ता किटि तक धदी गन धा किट तक
२ ४ ५ ६ ८ १० १२ १४ १५ १६ १७ १८ १९ २० २१

धदी गन धा किटि तक धदी गन धा । १ ॥ ॥
२२ २३ २४ २५ २६ २७ २८ सम

धा आ दिन दिन ता आ तिटि कत गदी गन धी किटि तागे दीगन
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४

नागे नागे त्रकड तकता कतीटीं धा दींनत कत किड धान धाआ किडि तक
१५ १६ १७ १८ १९ २० २१ २२ २३ २४ २५ २६ २७

दिगड धा ॥ २ ॥ ॥
२८ सम

बोलबराबरके मात्रा २८ के आवडदी ऐकमे आवे

धा कि टि त क ध दीं ग न धु म कि टि त क ध्धेता किटि त क
२ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १८ २० २१ २२ २३ २४

ध दीं ग न धा ॥ १ ॥ धदींगन ३ धा तम तग दे अ देअ तरांग धा ॥ २ ॥ ॥
२५ २६ २७ २८ सम

इस जोडके सब हीं लेणा ॥

अब दुगणकी धिननकने दुणकी परणे मात्रा ५६ की
बराबरकी लेमे लेतों आबडदी दोमे आवे नेदुणी लें
मे एक आबडदी मे आवें ॥

ता धि न न क ध्धे धि न न क ता धि न न क ध्धे धि न न क
२ ३ ४ ५ ६ ८ ९ १० ११ १२ १४ १५ १६ १७ १८ २० २१ २२ २३ २४

ध्धे ध्धे धि न न क ध्धे ध्धे धि न न क ध्धे ध्धे धि न न क
२६ २८ २९ ३० ३१ ३२ ३४ ३६ ३७ ३८ ३९ ४० ४२ ४४ ४५ ४६ ४७ ४८

धि न न धि न न त क ॥ धा कि टि त क धु म कि टि त क
४९ ५० ५१ ५२ ५३ ५४ ५४ ५६ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२

ध्धे ता धीं धीं कि टि धु म कि टि त क धु म कि टि त क
१४ १६ १७ १८ १९ २० २१ २२ २३ २४ २५ २६ २७ २८ २९ ३० ३१ ३२

ध्धे ता धि ला ग त क धु म कि टि धु म कि टि त क ध दीं
३४ ३६ ३७ ३९ ४० ४१ ४२ ४३ ४४ ४५ ४६ ४७ ४८ ४९ ५० ५१ ५२ ५३ ५४

ग न धा ॥ १ ॥ ॥
५५ ५६ सम

किट्टितातअूकांधिलांग तकधुमाकिटितक थीइ तकधुम किटितक धदीगन थाथी धीडना किडाण घा ॥ २ ॥ ॥ किटितअ् धुमाकिटितक धुमाकिटॅ तगना किटित किटि तका किटितकः धदीगन २ धाआ तअ किटितक धदीगन धा ॥ ३ ॥ ॥ धीन्तर किटितकः तंटे २ किडनग तर किटितक् धुमाकिटितक धा किडाण धादित्ता धात्ती धाधा गदीगन धा ॥ ४ ॥ ॥ धग्गदीगन २ धग्गदीगे नागे तिटि तकिटितका किटि धिदिन् ताड तांगे तिटि किटि धिदिन् ताडः धागेदीगन २ धा ॥ ५ ॥ ॥

इस जोडकी परणे सबही इस ताल में बेठेंगी ॥

अब आडी लेकी धिननक ओंर परणे

मात्रा ४२ की आबडदी एकमे लेणी

ता धि न न क ध्धे ध्धे धि न न क धि न न धि न न त क धाः
२ ३ ४ ५ ६ ८ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १७ १८ १९ २० २१ २२ २४

धि न न धि न न त क धाः धि न न धि न न त क धा ॥
२५ २६ २७ २८ २९ ३० ३१ ३२ ३४ ३५ ३६ ३७ ३८ ३९ ४० ४१ ४२ सम

धा दि न ना धा कि टि त क धी धी कि टि त क त क धु म कि
२ ३ ४ ६ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १७ १८ १९ २० २१ २२ २३

टि त क धु म कि टि त क धु म कि टि त क ध दी ग न धा॥१॥
२४ २५ २६ २७ २८ २९ ३० ३१ ३२ ३३ ३४ ३५ ३६ ३७ ३८ ३९ ४० ४१ ४२ सम

धादिन् ना धा किटितक धी धी किटितकः तक धदीगनधाआ२ तक धदीगन धा ॥ ३ ॥ ॥ इस जोडकी आडे सब इसी तरहसे बेठती हें ।

अब ब्रह्म ताल की तीगण की धिननक ने परणे मात्रा ८४ की ॥

ता धिननक ध्धेधिननक ३ ध्धेध्धे धिननक २ धिननक २ ध्धे ध्धे धिननक२ धिनन धिननतक ॥ धादिन्ना धाकिटितकः धी२ किटित्तक धुमकिटितक तक धुम कीटि तक धदीगनः तकधुम किटितक धदीगनधाआ२ तक धुमकिटि तक धदीगन

धा ॥ १ ॥ ॥ धादिन्ना धा किटितक धीधी किटितक धुमकिटितक तकधुमकिटि तक धदीगनः तरांग ध्धेता ध्धेधेताः धूमकिटितक धदीगन धा३ ॥ २ ॥ ॥

इस की जोडकी परणे सब येही उठाणसे पूरी बेठेगी

अब चोगण लें की परणे मात्रा ११२ की

आवडदी दोमे लेतो दुणीले होवे ने एक

आवडदीमे लेतो चोगुण लें होवे

धादिन् धा किटि तकिटि तका किटिः धीं२ किटि धुमकिटित किटितकाकिटि तअ किटि धुमकिटि तकिटि तकाकिटिः तक तकधुमकिटि तकिटि तका किटि धदीगन धकिटि तकिटि तकाकिटिः किटित्तक धदीगनधाआ२ किटितक धदीगन धा ॥ १ ॥ धादिन् धाकिटितकिटितकाकिटिः धी२ किटि धुमाकिटि तकिटि तका किटि तअ किटि धुमाकिटि तकिटि तकाकिटिः तक२ धुमकिटिः किटि तकाआ धाकिटितक धदीगन धाआ२ किटि तकाआ धाकिटितक धदीगनधा ॥ २ ॥ ॥ इस जोडके टुकडे सब इसी उठाण से लेणा सो पूरे बेठेगे ॥

धादिन् धाकिटि तकिटि तकाकिटिः ताकिटितक धुमकिटितक तअ् किडाण किधनग देअ धीइ तीइ धीडाण धा धातीन्ता धाकिटितक धगअ् दीगन ध्धे धि२ किटि तकधुमकिटि तअ् किडाण किडनग देअ् ताधा किटि तअक धीकिटि तक धदीगन धा ॥ १ ॥ ॥ इस जोडकी परणे सब लेणी ॥

अब छे धा लेवा को हिसाब

धाकिटितक धुमाकिटितक ध्धेता किटितक धाः किटितक धदीगनधाधा३ ॥१॥

अब नो धा लेवाको प्रमाण

धादिन् धाकिटि तकिटितका किटिः किटितक धदीगनधा धा धा३ ॥ २ ॥

बारे धा लेवाको प्रमाण

ध्धेता २ ध्धेः किट्तिक धदींगन धाश्रा धाधा३ ॥ ३ ॥ ॥ पन्द्रे धा ॥
ध्धेता किट्तिक धदींगन धाधा धाधाधा३ ॥ ४ ॥ ॥

अब मृदङ्ग भूषण पञ्च रत्न की परणे

० धाकिटितकिटित्तका२ ध्धेता ध्धेतक दिन् धाधी।किटितकिटि तकाअ धाक धाआः धाकिटितकिटितका२ ध्धेता ध्धेतकादिन् धाधी किटितकिटितकाअ धाकधाआः धाकिटि तकिटितका२ ध्धेता ध्धेतक दिन् धाधी किटितकिटितकाअ धाकधा ॥ १ ॥ इस जोडके तब ॥ ऽ ।ᐟ किटितअ धुमकिटित्तक धुमकिटि तगना किटितकिटितका किटितक धदींगन धदींगन धाआ तअ किटितक धदींगनधाआ३ । २ ॥

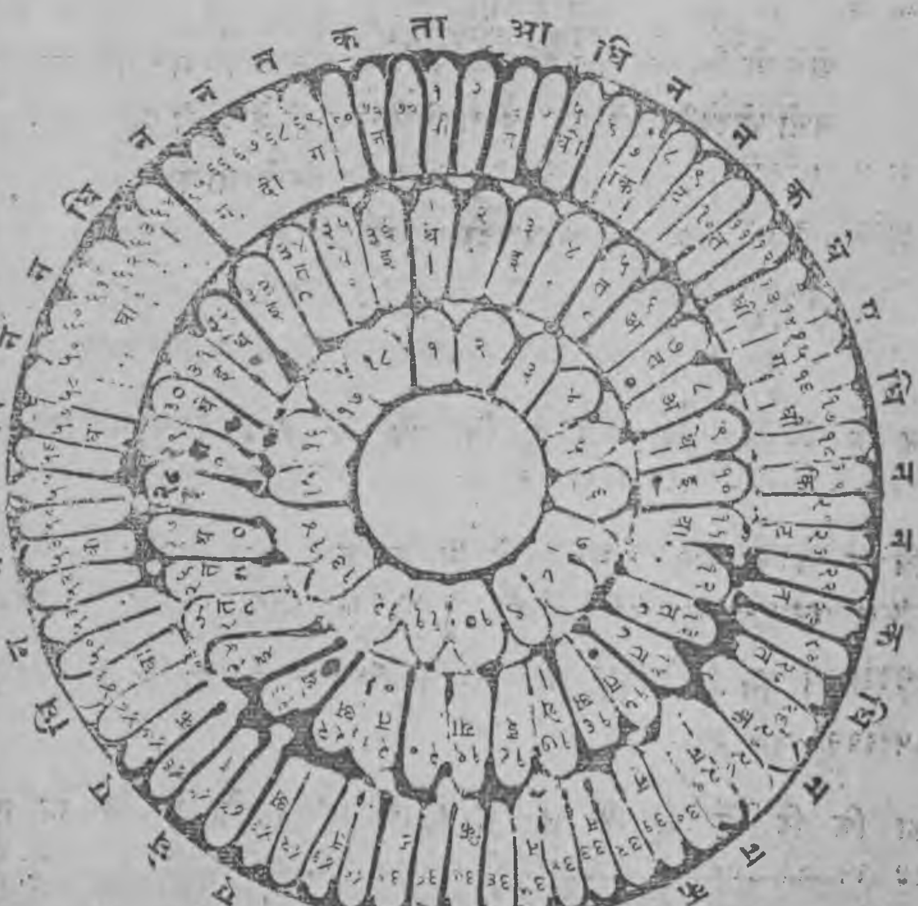
तिगुणी ले मे

० तरांग ध्धेता ध्धेधेता धुमकिटितक धदींगन धा धुमकिटितक धदींगनधा धुमकिटि तक धदींगनधाआ३ ॥ ३ ॥ इस जोडके ॥ लें चोगणी— ऽ ० धादिन धा किटि तकिटितका किटि किटितक धदींगनधा किटितक धदींगनधा किटितक धदींगनधाआ३ ॥ ४ ॥ किटित्तक धदींगन धा३। किटितक धदींगनधा३। किटितक धदींगनधा३ ॥ ५ ॥ ॥

(० धाः धदीनन) (ऽ । धा दिन् धाकिटि तकिटि तुकाकिटि२ ताकिटितकाकिटितअ)
(० धादिन् ना धाकिटि तक) (ऽ ० धाकिटि तकिटि तकाकिटि२ तअंकिटि धुमाकिटित किटित्तकाकिटि)

श्री गोवर्धन नाथोजयती

लक्ष्मी ताल का चक्र



मात्रा ३६ [७२] का ताल १८ रूपक यह हैं ।००।‿‿०।००‿‿०‿००‿०

ताल पहली लघु दुसरी तिसरी द्रुत चोथी लघु पाचवी छट्ठी अणुद्रत सातमीद्रत आठमी लघु नोमी दशमी द्रत इग्यारमी बारमी अणुद्रत तेरमी द्रत चौदमी अणुद्रत पन्दरमी सोलमी द्रत सत्तरमी अणुद्रत अट्टारमी द्रत ॥

धा किटि तक धुम किटि तक ध्धे ता क्र—ता किटि तक
२ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १४ १६ १८ २० २१ २२ २४

ध्धे ता किटि तक धदीगन धा ॥ १ ॥ ॥
२६ २८ ३० ३२ ३४ ३६ सम

धीगे धी किडितर तक नानाना न किटि तातकः धा धार गदीगन धा ॥२॥
अणी जोडकी परणे सब इस तालमें बराबर लें मे वेठेंगी ॥

अब दुणी लेकी धिननकने परणे मात्रा
७२ की आवडदी एकमें लेणी

ता धि न न क द्धे धि न न क ता धि न न क ध्धे धि न
२ ३ ४ ५ ६ ८ ९ १० ११ १२ १४ १५ १६ १७ १८ २० २१ २२

न क ध्धे ध्धे धि न न क ध्धे ध्धे धि न न क धि न न क
२३ २४ २६ २८ २९ ३० ३१ ३२ ३४ ३६ ३७ ३८ ३९ ४० ४१ ४२ ४३ ४४

धि न न क ध्धे ध्धे धि न न क द्धे द्धे धि न न क
४५ ४६ ४७ ४८ ५० ५२ ५३ ५४ ५५ ५६ ५८ ६० ६१ ६२ ६३ ६४

धि न नॅ धि न न त क ॥ धा दि न धा कि टि त कि टि त
६५ ६६ ६७ ६८ ६९ ७० ७१ ७२ २ ३ ४ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२

का कि टि धीं धी कि टि धु म कि टि तॅ कि टि त का कि टि
१४ १५ १६ १७ १८ १९ २० २१ २२ २३ २४ २५ २६ २७ २८ ३० ३१ ३२

तं अ कि टि धु म कि टि त कि टि त का कि टि तॅ कि टि
३३ ३४ ३५ ३६ ३७ ३८ ३९ ४० ४१ ४२ ४३ ४४ ४६ ४७ ४८ ४९ ५० ५१

त का कि टि तॅ क द्धे ता धु म कि टि तॅ क ध दी ग न धा
५२ ५४ ५५ ५६ ५७ ५८ ६० ६२ ६३ ६४ ६५ ६६ ६७ ६८ ६९ ७० ७१ ७२ सम

॥ १ ॥ ॥ धा र किटितक धादिन् धाकिटितक द्धेताकिटि तकधाकिटि धादि-
नतक द्धेतरान द्धेताकिटि तकधाकिटितक धुमकिटि तकधा किटितक धदीगन
धा ॥ १ ॥ ॥ इसजोडकी परणे सब लेणी ॥

आडकी परणे मात्रा ५४ की आ. एकलेणी ॥

धा आं ना आं धा किटि तक घी किटि त किटि धी
२ ३ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६

किटि तें कें ध दी ग न तं किटि धि किटि त क ध दी
१७ १८ १९ २० २१ २२ २३ २४ २५ २६ २७ २८ २९ ३० ३१ ३२ ३३ ३४

ग न धाँ अँ त क ध दी ग न धा अ त कें ध दी ग न धा
३५ ३६ ३८ ३९ ४० ४१ ४२ ४३ ४४ ४५ ४७ ४८ ४९ ५० ५१ ५२ ५३ ५४ सम

॥ १ ॥ ॥ धादिन् धाकिटि तकिटितकाकिटि किटितकधदीगन धुमकिटितकिटि तकिटितका किटितकः तकिटिधा ३ ॥ २ ॥ ॥ इस जोधकी आड सब लेणी ॥

अब तिगुण ले की परणे मात्रा १०८ की आ. १ की

धा दि न्ना धा कि टि त क ध धी कि टि त क धु म कि टि त क
२ ४ ६ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १७ १८ १९ २० २१ २२ २३ २४

तअ कि टि कि टि धु म कि टि त क त क धु म कि टि त क
२६ २७ २८ २९ ३० ३१ ३२ ३३ ३४ ३५ ३६ ३७ ३८ ३९ ४० ४१ ४२ ४३ ४४

ध दी ग न धा आ ऽ त क धुम किटि तक धुम किटि तक धुम किटि
४५ ४६ ४७ ४८ ५० ५२ ६० ६१ ६२ ६४ ६६ ६८ ७० ७२ ७४ ७६ ७८

तक धदी गन धा किटि तक धुम किटि तक ध्धे ता किटि तक धदी
८० ८२ ८४ ८६ ८८ ९० ९२ ९४ ९६ ९८ १०० २ ४ ६

गन धा ॥ १ ॥ ॥ धादिन्ना धाकिटितक ता किटितक धुमकिटितक तअ्
१०८ सम

किडाण किडउग देध धींइ तींइ घींडाण धा० धातीन्ता धाकिटितक धग्ग दीगन ध्धे घिर किटि तक धुमकिटि तअ् किडाण किडनग देअ् ताधा किटि तअ्क धीकिटि तक धदीगन धा ॥ २ ॥ ॥ धित२ ध्धेता किटितकः धीर किटितक धुमकिटि धादिन् धाकिटि तकः धुम किटि किटितक तकिटित्तका धा आंनांडः धा२ ता धिन्नाताः किटि किटितक धाधुमकिटि ध्धेनाः तक२ धदीगन धा दिन्ना तकिटिधाकिटि

धा दिन्ता धाकधा ॥ ३ ॥ ॥ धाआ०ः धार किटि धाकिटितक धा२ धा धुमकिटिः धुमकिटितक तत किटि धा तत किटितक ता किटितक धाकिटितक तकधुंगा किटितकः किटिः तकिटिर तकाः तकिटि धाक धाधाकिटि काता किटितक कतक धा कधा ॥ ४ ॥ ॥ इस जोडकी परणे सब इसी तरह से इस लेमे बेठती हें

अब लक्ष्मीताल की चोगणी ले की धिन नक ओर परणे मात्रा १४४ की दुणमे ले तो आवर्त २ मे आवे ने चोगणमे १ आवर्त मे आवे

ता धिननक ध्धे धिननक ता धिननक ध्धे धिननक ध्धेध्धेधिननक ध्धेध्धे धिननक धिननक धिननक ध्धेध्धे धिननक ध्धेन्धे धिननक धिननकं धिननतक२ ॥

| o

धा दि न् धा कि टि त कि टि त का कि टि धा दि न् धा कि टि त

२ ३ ४ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १४ १५ १६ १८ १९ २० २२ २३ २४ २५

कि टि त का कि टि धींधीं किटि धुम किटि ताकि टित का किटि तअ

२६ २७ २८ ३० ३१ ३२ ३४ ३६ ३८ ४० ४२ ४४ ४६ ४८ ५०

किटि धुम किटि तकि टित का किटि तक तक धुम किटि तकि टित का किटि

५२ ५४ ५६ ५८ ६० ६२ ६४ ६६ ६८ ७० ७२ ७४ ७६ ७८ ८०

धदी गन नअ् किटि तकि टित का किटि धदी गन नअ किटि तकि टित का किटि

८२ ८४ ८६ ८८ ९० ९२ ९४ ९६ ९८ १०० २ ४ ६ ८ १० १२

धदी गन नअ किटि तकि टित का किटि तक ध्धे ता धुम किटि तक धदी गन

१४ १६ १८ २० २२ २४ २६ २८ ३० ३२ ३४ ३६ ३८ ३० ४२ १४४

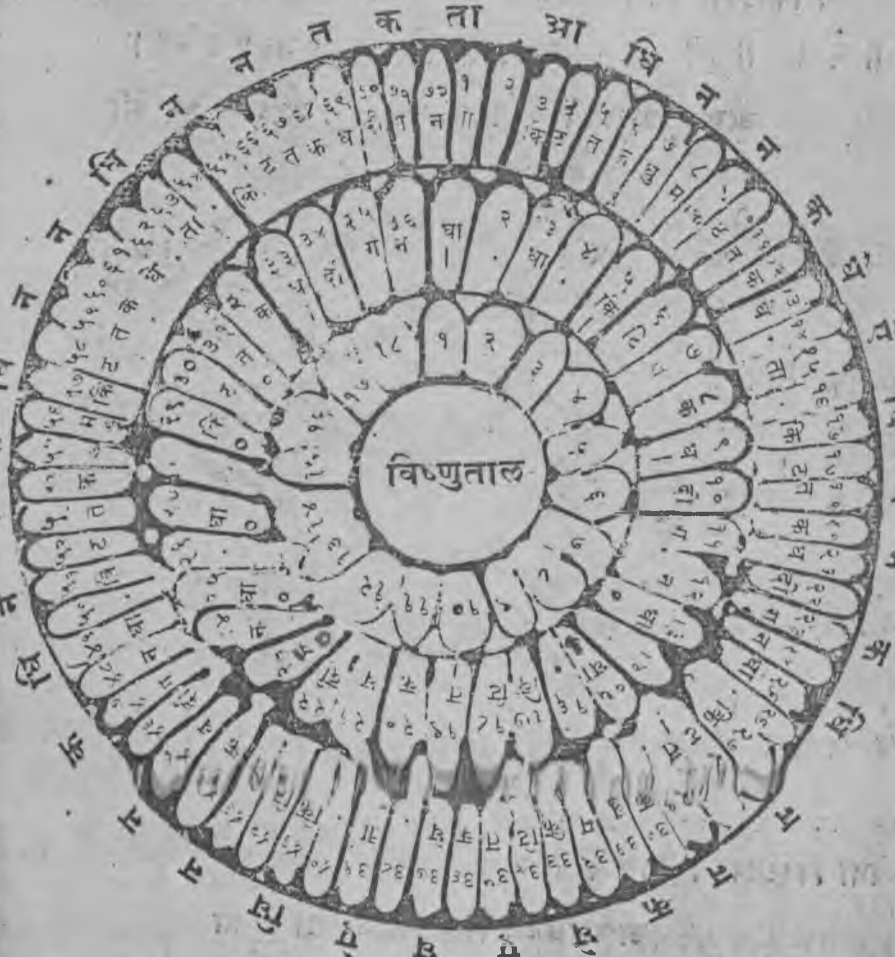
धा ॥ १ ॥ ॥ धादिन् धाकिटि तकिटि तका किटिर धीर किटि धुमकिटि तकिटि
सम

तका किटिर तअ किटि धुमकिटि तकिटि तका किटिर तक२ धुमकिटि तकिटि तकाकिटिः किटितक धदीगन धाआर किटितक धदीगन धा ॥ २ ॥ ॥

××××× किटितकिटितका किटितक धदीनअधाआ२ ॥ १ ॥ ॥ धाकिटितक धुमकिटितक ता किटितक धदीगनर धा ॥ २ ॥

श्रीनाथजी

चक्र विष्णु तालकां



मात्रा ३६ [७२] का ताल १२ रूपक यह हैं ।।।०।।००८०० । पहली ताल लघु दुसरी तिसरी लघु चोथी द्रुत पाचमी छट्ठी लघु ७–८–९–१०–११ मीद्रुत और बारमी लघु ॥

पेसकार

।				।				।				०		।				।	
धा	आ	धि	ट	धि	ट	धा	आ	त	अ	धि	ट	धि	ट	धा	आ	दि	न	धि	ट
१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०

धि ट धा आ कि टि त क ध दी ग न धा दि न् धा ॥ १ ॥ ॥
२१ २२ २३ २४ २५ २६ २७ २८ २९ ३० ३१ ३२ ३४ ३५ ३६ सम

धा किटितक धुम किटितक ध्धेता क्राता किटितकध्धेता किटितक धदींगन धा ॥ २ ॥ ॥ इस जोडके बोल बराबर लेंभे लेंणा जो पूरा बेठे ॥

अब दुणीलेकी धिननक ने परणे मात्रा ७२ की आबडदी एकमें लेणी

ताधिननक ध्धे धिननक ताधिननक ध्धे धिननक ध्धे ध्धे धिननक ध्धे ध्धे
२ ४ ६ ८ १० १२ १४ १६ १८ २० २२ २४ २६ २८ ३० ३२ ३४ ३६

धिननक धिननक धिननक ध्धे ध्धे धिननक ध्धे ध्धे धिननक धिनन धिनन
३८ ४० ४२ ४४ ४६ ४८ ५० ५२ ५४ ५६ ५८ ६० ६२ ६४ ६६ ६८ ७०

तक ॥ धादिन्: धाकिटि तकिठि तका किटि: धींधी किटि धुम किटि तकिटित
७२ २ ४ ६ ८ १० १२ १४ १६ १८ २० २२ २४ २६ २८

का किटि तअ् किटि धुम किटि तकि टित का किटि तकिटितका किटि तक
३० ३२ ३४ ३६ ३८ ४० ४२ ४४ ४६ ४८ ५० ५२ ५४ ५६ ५८

ध्धे ता धुम किटि तक धदी गन धा ॥ १ ॥ ॥ धाकिटि दिन् धुम किटितक
६० ६२ ६४ ६६ ६८ ७० ७२ सम

ध्धेता किटितक धदींगन ३ धा ॥ २ ॥ ॥

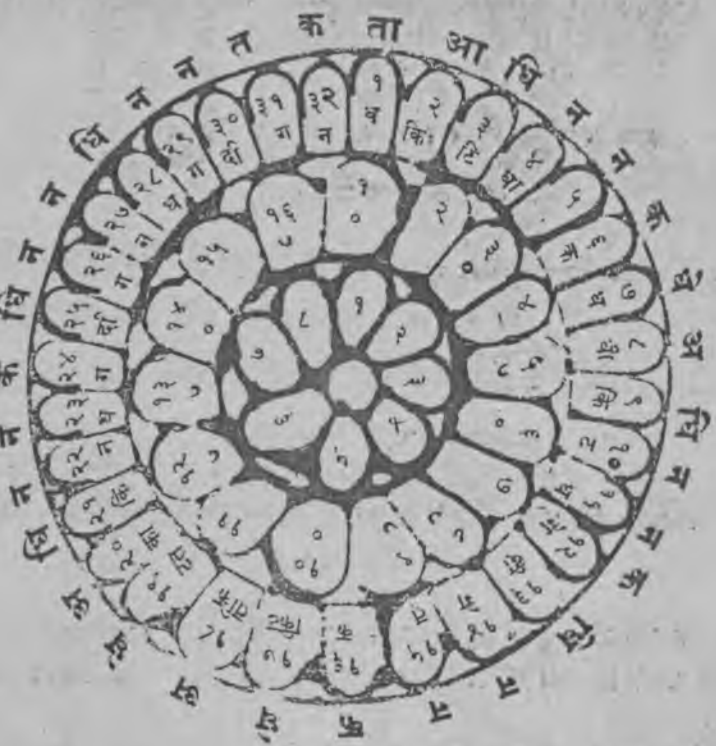
अब विष्णुताल की आडी लेकी परण मात्रा ५४ की आबडदी एकमें लेणी

धाआं नाआं धाकिटितक धी किटि तकिटि धी किटितक धदींगन तकिटि धी किटि तक धदींगन धा ॰ तक धदींमम धा ॰ तक धदींगन धा ॥ १ ॥ ॥

ओर तीगुणी लेकी परणे धिननक तथा चोगुणी लेकी परणे सब लक्ष्मी ताल की बेठती हें लक्ष्मी तालका ओर विष्णु तालका एकही वजन हें सिर्फ तालोंका फर्क हें

॥ श्रीहरि ॥

रुद्र ताल चक्र



मात्रा ३२ का ताल ११ ताल पहले द्रुत दूसरी द्रुत तीसरी अणुद्रुत चौथी द्रुत ५–६ ठी अणुद्रुत ७ मी द्रुत ८–९ मी अणुद्रुत १० मी द्रुत ११ मी अणुद्रुत तालका रूप यह हैं ००ᵕ०ᵕᵕ०ᵕᵕ०ᵕ

पेसकार

धा धा दिन ना धा धा दिन ना धा कि टि धा क ध धी किटि तक
२ ४ ६ ८ १० १२ १४ १६ १७ १८ १९ २१ २२ २३ २४ २५ २८
धदी गन धा ॥ धाकिटि तकिटि तका ᵕ२ धेता धितक दिन धाधी किटितकिटि
३० ३२ सम
तका ᵕ धाक धा ॥ २ ॥ ॥ धा धाक धाकः धातक धदीगन२ धा ॥ ३ ॥ ॥
धकिटि धिकिटि धधे धगनांगः तकिट२ तक धादिनून तकधी कीतक धीः किट२ तक

धदींगन धा ॥ ४ ॥ ॥ धुम ध्धेता धितांग तक धीकीतक तकिटि धी किटि धिलांग तक धदींगन धा ॥ ५ ॥ ॥ ता धिलांग तक ताता किटि किटि तकिटि तकाका किटितक धदींगन धा ॥ ६ ॥ ॥ ताधिलांग२ तक धा तकिटि धिकिटि धिलांग तक धदींगन धा ॥ ७ ॥ ॥ इस जोडकी परणे सब इस तालमे बेठती हैं॥

अब रुद्र तालकी दुगण लैं की धिननक ने परणे मात्रा ६४ की आवडदी एकमे लेणी

ता धि न न क ध्धे धिननक धिननक ध्धे ध्धे धिननक धिनन धि नन
२ ३ ४ ५ ६ ८ १० १२ १४ १६ १८ २० २२ २४ २५ २७ २८ ३०

तक ता धिननक ध्धे धिननक धिननक ध्धे ध्धे धिननक धिनन धिननतक ॥
३२ ३४ ३६ ३८ ४० ४२ ४४ ४६ ४८ ५० ५२ ५४ ५६ ५७ ५९ ६३ ६४

त रां ण धा ता किटितक धा ० धीं न्त र किटि तक तक धुम किटितक
१ ३ ४ ६ ८ १० १२ १४ १५ १७ १९ २० २२ २४ २६ २८ ३० ३२

किडाण धा किडनग तर किटितक तकिटि धी किठि धुम किटि धि दि न
३४ ३५ ३८ ४१ ४२ ४४ ४६ ४८ ५० ५२ ५४ ५६ ५८ ५९ ६१ ६३

ता ड धा ॥ १ ॥ ॥ धाधा किटितक धदींगन२ धाधा किटितकः धा किटितक
६३ ६४ ०

धदींगन३ धा ॥ २ ॥ ॥ कातक धाः दींगनधाः दीदींगनधा दींगनधाः ताताकः धादिंगन धा धा दींगनः धादींगन२ धा ॥ ३ ॥ ॥ नगध्धे धीकिटितक धी दिन्ना किटितक धुमकिटित्त कत्ती किडनग तअ् किडाण किड धाती, धा किडाण किड धटती धा ॥ ४ ॥ ॥ ध्धेतक धदींगन२ ध्धेतगंना तगनाः किटि२ तकः तकन२ किटिताः धीं२ किटितक तकांन तकधा किटितक धदींगन धा ॥ ५ ॥ ॥

इस जोडकी परणे सब इस लैं मे पूरी बेठेगी ।

अब आडी लैं की धिननक परणे मात्रा ४८ की आवडदी एक मे लेणा

ता धिननक ध्धे धिननक ध्धे ध्धे धिननक धिनन धिनन तक धा धिनन
२ ४ ६ ८ १० १२ १४ १६ १८ २० २२ २३ २४ २५ २८ ३० ३२

धिनन तक धा धिननधिनन तकधा ॥ धा ऽ ना ऽ धा किटि तक धी कि टि
३४,३६ ३८ ४० ४२ ४४ ४५ ४८ ० २ ३ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२

त कि टि धी कि टि त क ध दी ग नः त क धदी गम धा ऽ तक
१३ १४ १५ १६ १७ १८ १९ १० २१ २२ २३ २४ २५ २६ २८ ३० ३२ ३३ ३५

धदीगन धा ऽ तक धदी गन धा ॥ १ ॥ ॥ धाकिटितकः धा३ धुमकिटितक
३७ ४० ४१ ४२ ४४ ४५ ४८ सम

धेतरांग दगनगदेअ् धाकिटितक धेता किटितक धदीगन धा ॥ २ ॥ ॥

इस जोडकी आडे सव इसमें बेटती हें ॥

अथ तिगण ले की परणें मात्रा ९६ की

आवडदी एकमे लेणी ॥

धा दि ना धा किटितक धीधी किटितक धुम किटितक तअ् किटि किटि धुम
२ ४ ६ ८ १० १२ १४ १६ १८ २० २२ २४ २६ २८ ३० ३२

किटि तक तक धुम किटि तक धदी गनः तक धुम किटि तक धदी गन धा आ ०
३४ ३६ ३८ ४० ४२ ४४ ४६ ४८ ५० ५२ ५४ ५६ ५८ ६० ६२ ६४ ६६

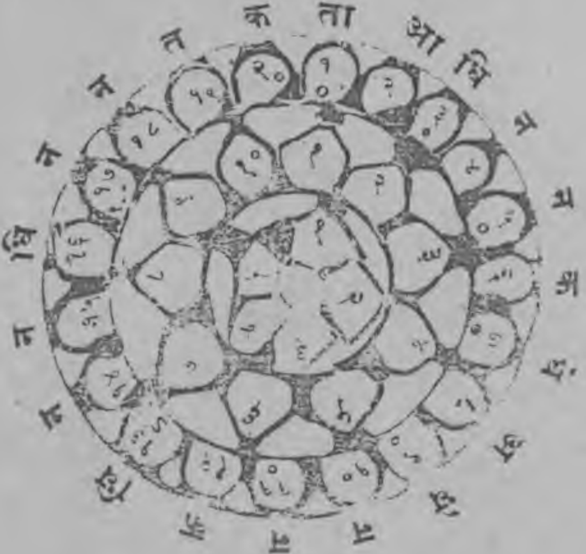
तक धुम किटि तक धदीगन धा आ ० तक धुम किटि तक धदीगन धा ॥
६८ ७० ७२ ७४ ७६ ७८ ८० ८२ ८४ ८६ ८८ ९० ९२ ९४ ९६ सम

ता किटितक धुम किटितक तअ् किडाण किडनग देअ् धीत्तीइ धीडाण धा धातीन्ता धाकिटितक धगअ् दीगन धध धी२ किटि तक धुमकिटि तअ किडाण कीणनगदेअ ताधा किटि तअक धी किटितक धदीगन धा ॥ २ ॥ ॥ इस जोडकी परणे सवही लेणी ॥

ले चोगणकी परण मात्रा १२८ की ॥

धादिन् धा किटितकिटि तका किटि धीधी किठि धुम किटि तकिटि तका किटि तअ किटि धुम किटितकिटि तका किठिः तक२ धुम किठितकिठि तकाकिटिः धदीगननं किटितकिटितकाकिटि२ किटितक धदीगन धाआ२ किटितक धदीगम धा ॥ १ ॥ ॥

श्री सुदर्शन ताल



मात्रा २० ताल ७ पहेलीद्रुत २–३–४–५–६ टी द्रुत सातमीगुरू ०००८००ऽ रूप यह हैं

पेसकार

ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ
धा कि टि त क धु म कि टि त क ध्धे ता ध दी ग न धा ॥ १ ॥
२ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १४ १५ १७ १८ १९ २० सम

धाकिटितक धुमकिटितक ध्धेतातरांग धा ॥ २ ॥ धाकिंटि किटि धुमकिटितक धीधीता धदीगन धा ॥ ३ ॥ धा किटि किटि धुमकिटितक धीधीता तरांग धा ॥४॥

इस जोडके बोल सब लेणा ॥

अब दुणकी धिननक ओर परणे मात्रा ४० की आवडदी एकमे लेणी

ता धि न न क ध्धे धिननक ता धिननक ध्धे धिननक ध्धे ध्धे धिननक
२ ४ ५ ६ ८ १० १२ १४ १६ १८ २० २२ २४ २६ २८ ३०

धिनन धिननतक ॥ ॥ धा धा दिगन धादिगन धा धे ता धेता किटितक
३४ ३६ ३८ ३० २ ४ ६ ८ १०१२१४ १६ १८ २० २२ २४ २६ २८

धदींगन धदींगन धदींगन धा ॥ १ ॥ ॥ किडना किटि धुमाकिटितक धदींगन
३० ३२ ३४ ३६ ३८ ४०

तक धुमाकिट तक धदींगन धाधीं धींधना किडाण धा ॥ २ ॥ ॥ थुं किटि किटि तक धादिन् धाधा थुं: किटि२ के धिन्नाड२ धाधा ॥३॥ तअ: किटि२ तअ किटिता: किटि२ता किडता किडाण किठिताधा किट्तिक धदींगन धा ॥ ४ ॥ ॥ किट्तक् धेतकान धेधे धिर किटि धीकड्त्ता धीं: किटि२ धींडंतग दींगन धिलान धीं कटतक धा ॥ ५ ॥

आडी ले की परण मात्रा ३० की

आबडदी एकने लेणी ॥

धा किठितक धा धा किटि तक किटि तराण किटि किटि तक धदींगन धा ॥
२ ४ ६ ८ १० १२ १४ १६ १८ २० २२ २४ २६ २८ ३० सम

अब तिगुण ले की परण मात्रा ६० की

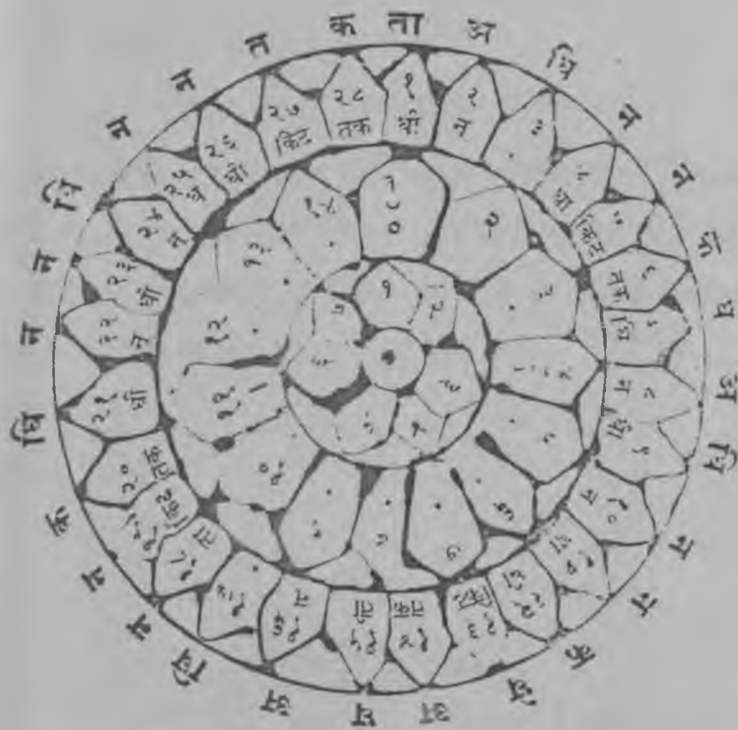
धादिन्ना धाकिटितक: धीर२ किटितक धुम किटितक तअ: किटि किठि धुम किटितक: तक धुम किटि३ तक धदींगन धा ॥ १ ॥ ॥

चोगणलेकी परण मात्रा ८० कीं ॥

धादिन् धाकिटितकिटि तकाकिटि धीर२ किटि धुम किटि तकिटि तका किटि तअ किटि धुमकिटि तकिटितका किटि: तकतक धुमाकिटि तकिटि तकाकिटि तकधेत्ता धुम किटितक धदींगन धा ॥ १ ॥ ॥ धेत२ धेता: धीर२ किटि धुमाकिटि टगनगदेअ धाकिटितकनन: धातधात: धाधाधा किटितक धदींगन धाधाधा किटितक धदींगन धाधाधा किटितक धदींगन: धा ॥ २ ॥ ॥

श्री नाथांजयती

चक्र झूमरा तालका



ताल ३ मात्रा १४ का ताल पेहली दत्तीराम दुसरी लघु द्रुत अणुद्रुतमीली हुइ तीसरी लघु रूपक यह हैं ० ँ ।

धा किटि तक धुम किटि ध्धे ता तक ध्धे ता किटि तक धदी गन धा ॥ १ ॥
२ ४ ६ ८ १० १२ १४ १६ १८ २० २२ २४ २६ २८ सम

धुम किटि तक धदी गन धा दि न्ना ध्धे ता किटितक तरांग धा ॥ २ ॥
२ ४ ६ ८ १० १२ १४ १६ १८ २० २२ २४ २६ २८ ,,

इस जोडके बोल सब इसी तरहसें बेठगें

अब दुणकी धिननक और परणे मात्रा ५६ की ॥

आबडदी एकमें लेणी

ता धिननक ध्धे धिननक । ना धिननक ध्धे धिननक ध्धे ध्धे धिननक
२ ४ ६ ८ १० १२ १४ १६ १८ २० २२ २४ २६ २८ ३० ३२

ध्धे ध्धे धिननक ध्धे ध्धे धिननक धिन नधिनन तक ॥ किडाण धा धुम
३४ ३६ ३८ ४० ४२ ४४ ४६ ४८ ५० ५२ ५४ ५६ १ ३ ४ ६ ८

किटितक । ध्धेताः धीथी किटि धुम किटि तक धुम किटि तक तकाऽ धिगा
१० १२ १४ १६ १८ २० २२ २४ २६ २८ ३० ३२ ३४ ३६ ३९

। धुम किटि तक ध्धेता धि दिन तअः किटि किटि धा ॥ १ ॥ ॥
४१ ४३ ४५ ४७ ४९ ५० ५२ ५४ ५५ ५६ सम

धा किटितक धुम किटितक ध्धेताः थीऽ किटि धुमकिटि तक धुम किटि तक ध्धेता धिलांग तकः धुम किटिऽ तक धदींगन धा ॥ १ ॥ ॥ ॥

इस जोडकी परणे सब बेठती हैं।

आडकी परण मात्रा ४२ की आ. १ मे आवे

धा ऽ ना ऽ धा किटि तक थी किटि तकिटि धि किटि तकिटि धि किटि तक
२ ३ ५ ६ ७ ८ ९ १० १२ १३ १५ १६ १८ १९ २१ २२ २४ २६

तक तक तकिटि धि किटि तक धदींगन धा ॥ १ ॥ ॥ ॥
२८ ३० ३१ ३३ ३४ ३६ ३८ ४० ४२ सम

तालकी मात्रा १–१०–३२–१ सम

तीगणी लेकी परण मात्रा ८१ की

आबडदी एकमे लेणी

धा दिन्ना धा किटि तक धा किटि तक धीथी किटि तक धुम किटि तक तअ
२ ४ ६ ८ १० १२ १४ १६ १८ २० २२ २४ २६ २८ ३० ३२

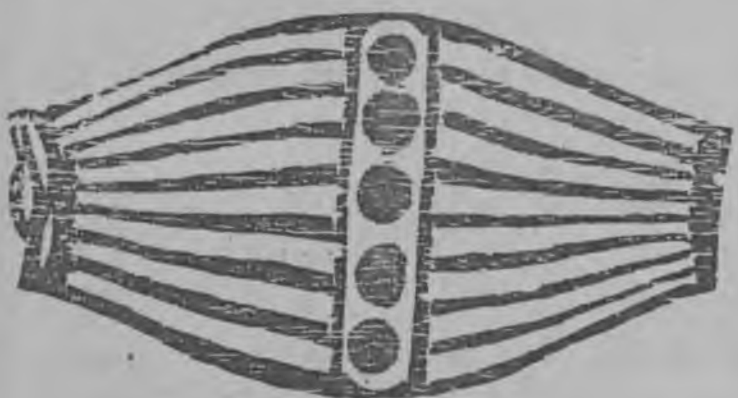
किटि किटि धुम किटि तक तक धुम किटि तक धुम किटि तक धद्दीगनः तक
३४ ३६ ३८ ४० ४२ ४४ ४६ ४८ ५० ५२ ५४ ५६ ५८ ६० ६२

धद्दीगन धा ऽ तक धद्दीगन धा ऽ तक धद्दीगन धा ॥ १ ॥ ॥
६४ ६६ ६८ ६९ ७१ ७३ ७५ ७७ ७८ ८० ८२ ८४ सम

तालकी मात्रा १–१९–११–१ सम

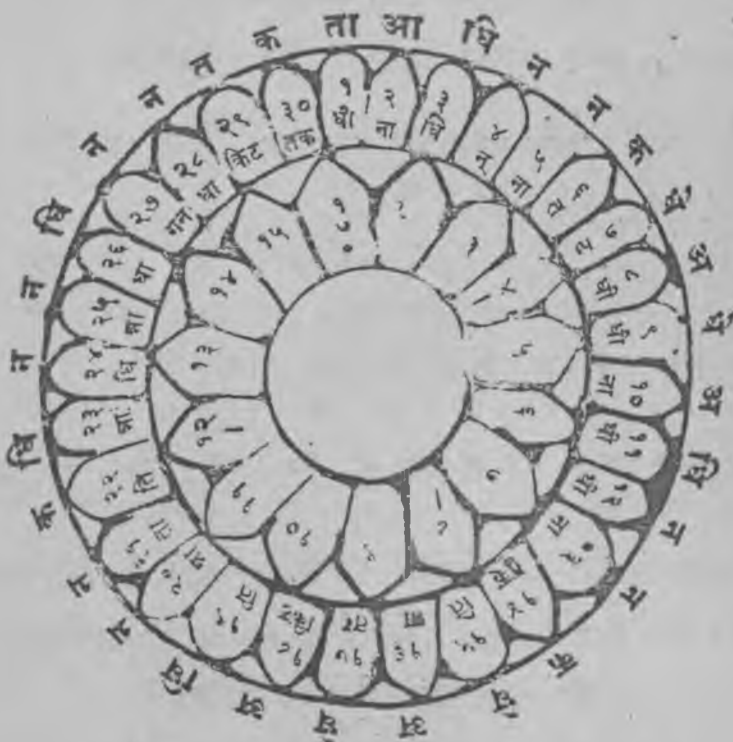
चोगण लेकी परण मात्रा ११२ की ॥

धादिन धाकिटि तकिटि तका किटि२ धीं२ किटि धुम किटि तकिटि तका किटिः तक२ धुम किटि तकिटि तकाकिटि धद्दीगन नं किटित किटितका किटि तक धेता धुम किटितक धद्दीगन धा ॥ १ ॥ ॥ आडे चोतालेका वाज सब बेठता हें परन्तु मुसकील हें ओर करने से सब होता हे ॥



॥ श्रीनाथजी ॥

चक्र ताल बडी असवारीकों



मात्रा १५–३० का ताल ४ पहली ताल दशीराम दुसरी ३–४ थी लघु रूपक यह हैं ० ।।।

(पेसकार)

० । ।
धा ध दी ग न धा त क ध दी ग न धा त क ध दी
२ ४ ६ ८ १० १२ १४ १६ १८ २०

। ० ० ।
गन धा तक धदी गन धा ॥ १ ॥ ॥ धा किटि तक धा गे दिन
२२ २४ २६ २८ ३० सम २ ४ ६ ८ १० १२

। । ० ०
ता कद धा दिन ता किटि तक धदीं गन धा ॥ २ ॥ ॥ त का तकि
१४ १६ १८ २० २२ २४ २६ २८ ३० सम

टि धा किटि तक धुम किटि तक धे ता किटि तक धदी गन धा ॥३॥
६ ८ १० १२ १४ १६ १८ २० २२ २४ २६ २८ ३० सम

धुम धे ता धि ता ङ्क तक धीकी तक तकि टि धि किटि धि लां ग
२ ४ ६ ७ ८ १० १२ १४ १६ १८ १९ २० २२ २३ २५ २६

धदी गन धा ॥ ४ ॥ ॥ इनके जोडकी परणे सब इसी तरहसे बेठती हैं
२८ ३० सम

अब बडी असवारी तालकी दुणकी धिननकन

दुणकी परणे मात्रा ६० की ॥ आवर्दी एकमे लेणी

ता धिन नक धे धिन नक धे धे धिन नक धे धे धिन नक
२ ४ ६ ८ १० १२ १४ १६ १८ २० २२ २४ २६ २८

धे धे धिन नक धिन नक धिन नक धे धे धिन नक धिन नधि
३० ३२ ३४ ३६ ३८ ४० ४२ ४४ ४६ ४८ ५० ५२ ५४ ५६

नन तक ॥ धा किटि त किटि तका किटि धा दिन् धा किटि तकि
५८ ६० २ ४ ६ ८ १० १२ १४ १६ १८ २० २२

टित का किटि धीधी किटि धुम किटि तकि टित का किटि तक धे ता
२४ २६ २८ ३० ३२ ३४ ३६ ३८ ४० ४२ ४४ ४६ ४८ ५०

धुम किटि तक धदी गन धा ॥ १ ॥ ॥ धा किटि त किटि तका
५२ ५४ ५६ ५८ ६० सम

किटि धादिन् धा किटि त किटि तका किटिः किटितक धदीगन धाआ २ किटितक धदीगन धा ॥ २ ॥ ॥ इसजोडकी परणे टुकडे सब इसी तरहसे लेणा जो पुरा बेठे ॥

तअ् तअ् क्रिट्तक् तअः किटि २ धी २ किटि धुमकिटि तक धुम किटितक धेता धिलांग कतक धाकधा तकांधाकधा किटितका धाकधा ॥ ३ ॥ ॥ तअ् किडाण धुमकिटितक धगअ् दीगन धेता किटितक धदीगन

तकिटि धाक धादिननक धीन् तगण तकिटितका धिदिन् ताडधा ॥ ४ ॥ ॥
इस जोडकी परणे सब बेठती हें ॥

अब आडी ले की धिननक ओर परणे
मात्रा ४५ की आवडदी एकमे लेणी

तॉं धिन न धिन नक ध्धे ध्धे धिन नक धिन नक ध्धे
२ ४ ५ ७ ९ ११ १३ १५ १७ १९ २१ २३

ध्धे धिन नक धिन नक धिन नक धिन न धि नन तक ॥ धॉं ऽ
२५ २७ २९ ३१ ३३ ३५ ३७ ३९ ४० ४१ ४३ ४५ २ ३

ना ऽ ना ऽ धा किटि तक धि किटि तक धदी गन तं किटि
५ ६ ८ ९ १० ११ १२ १३ १५ १७ १९ २१ २२ २४

धीं किटि तक धदी गन तअ् कि डा ण धि दिन् ताड धा ॥ १ ॥
२५ २७ २९ ३१ ३३ ३५ ३६ ३८ ३९ ४० ४२ ४५ सम

तकिटि धिकिटि तकत धाकिटि तक धीकिटितक धदीगन धाकिटितक धुम किटितक ध्धेता किटितक धदीगन धा ॥ २ ॥ ॥ इस जोडकी आडे सब बेठे हें ॥

तीगुणी लेकी परणे मात्रा ९० की

धा दिन् ना धा किटितक धीधी किटि तक धीधी किटि तक तअ् किटि किटि धुम
२ ४ ६ ८ १९ १२ १४ १६ १८ २० २२ २४ २६ २२ २४ २६

किटि तक तक धुम किटि तक धदीगन तक तक तक तक धुम किटि तक धुम किटि
२८ ३० ३२ ३४ ३६ ३८ ४० ४२ ४४ ४६ ४८ ५० ५२ ५४ ५६ ५८ ६०

तक धदीगन तक धुमकिटि तक धुम किटि तक धुमकिटि तक धदीगन धा ॥ १ ॥
६२ ६४ ६६ ६८ ७० ७२ ७४ ७६ ७८ ८० ८२ ८४ ८६ ८८ ९० सम

तालकी मात्रा १—१९—४३—६६—१ ॥ धा किटितक ध्धेताः किटि२ तक धदीगन धा किटितक धुम किटितक ध्धेता किटितक धदीगनः ध्धेत्ता तकधा दिन्ना धीधी किटितकः धाक२ धा किटितक ध्धेः तरांगधा३ ॥ २ ॥ ॥

इस तरहमे इस जोडकी परणे सब इस लेमे बेठती हें

अथ चोगणी ले की परण मात्रा १२० की दुणमे लेतो आवडदी दोमे आवे ने चोगण मे आवडदी एकमें आवें

धा किटि तकिटितका किटि२ धादिन धाकिटि तकिटि तकाकिटिः धी२ किटि धुम किटि तकिटितका किटि तअ किटि धुमकिटि तकिटितकाकिटिः तक२ धुम किटि तकिटितका किटि धदीगन नं किटि तकिटि तकाकिटि तक ध्येता धुमाकिटि तक धदीगन धा ॥ १ ॥

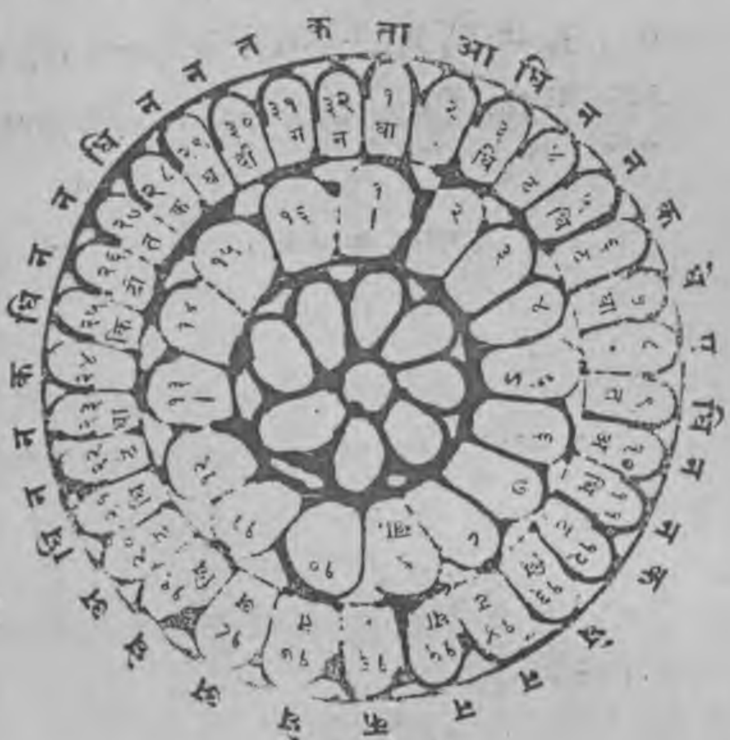
पंचरत्न के मोहरा

ऽऽऽ। किटितक धदीगन धाआ२ किटितक धदीगन धा ॥ १ ॥ ॥ किटि तकिटि तका किटितक धदीगनधाआ २ किटि तकिटितका किटितक धदीगनधा ॥ २ ॥ ॥ इस जोडके सबही लेणा ॥



॥ श्री ॥

चक्र धीमा तितालाका



मात्रा ३२–१६ का ताल ३ पहेली ताल लघु दुसरी गुरु तीसरी लघु रूप यह है । ऽ ।

बराबर लेका मात्रा १६—३२ का

।　　　　　　　　　　　ऽ
धि क्कि टि धा क्र धा धी कि टि धा गे दिग तक किटि
१ २ ३ ५ ७ ८ ९ १० १२ १३ १५ १७ १८ १९

तकि टित का किन धा गे ।दीग न धा गे दी गन धां ॥ १ ॥ ॥
१९ २० २१ २२ २३ २४ २६ २७ २८ २९ ३० ३२ मम

धाकिटि तकिटितका ~ धेता धृतकदिन धाधीकिटि नाकांत नकाध

धाकधा ॥ २ ॥ ॥ धा धाकधाकः धातक धदीगन ३ धा ॥ ३ ॥ ॥ तकिटि धीकिटि द्धेतगनांगः तकिटि २ तक धादिनन तक धीकितक धीः किटि २ तक धदीगन धा ॥ ४ ॥ ॥ धा धीन्नाना धिरकिटितक कत धेतेटि घीलांतक धदीगनधा ॥ ५ ॥ ॥ इस जोडकी परणे सब इसीतरहसे इस तालमे वेठती हें

अब धीमा तितालाकी दुगण की धिननक ने परणे मात्रा ६४ आवडदी एकमे आवे

। ऽ

ता धिन नक ध्धे धिन नक ता धिन नक ध्धे धिन नक ध्धे ध्धे धिन

२ ४ ६ ८ १० १२ १४ १६ १८ २० २२ २४ २६ २८ ३०

नक ध्धे ध्धे धिन नक धिन नक धिन न क ।ध्धे ध्धे धिन नक धि

३२ ३४ ३६ ३८ ४० ४२ ४४ ४६ ४७ ४८ ५० ५२ ५४ ५६ ५७

ऽ

नन धि नन तक ॥ तं रा ण धा ता किटि तक धा ० धी न्तर

५९ ६० ६२ ६४ १ ३ ४ ६ ८ १० १२ १४ १६ १८ २०

किटि तक तक थुम किटि तक कि डा ण था किड नग तर किटि

२२ २४ २६ २८ ३० ३२ ३३ ३५ ३६ ३८ ४० ४२ ४४ ४६

तक तं किटि धिकि टि थुम किटि धि दि न्ता ड था ॥ १ ॥ ॥

४८ ४९ ५१ ५३ ५४ ५६ ५८ ५९ ६१ ६३ ६४

नगध्धे ० धी किटितक धीइ० दिन्ना किटितक थुमकिटितअ ॅ कत्ती किडनग तअ किडाण किडधाती धा किडाण किडधातीधा ॥ २ ॥ ॥ ध्धेतक धदीगन २ द्धेः तगना २ किट २ तकः तगन २ किटिता धीधी किटितक तकांन तकधा किटितक धदीगन धा ॥ ३ ॥ कातकधा ॅ दीग-गनधा ॅ दींदीगन धादीगनधा ॅ ताताक धादीगनः धा २ दिगनः धादिगन २ धा ॥ ४ ॥ ॥ धाधा किटितक धदीगन २ धाधा किटितकः धींकिटितक धदीगन ३ धा ॥ ५ ॥ ॥ इस जोडकी परणे सब इस तालमें पुरी वेठेगी ॥

धाकिटितक २ धुमकिटितक ध्धेता ध्धेत किटितक धदींगन धा ॥ २ ॥ ॥ इस जोडकी परणे सब इसी तरहसे बेठेगी ॥

तीगण लेकी परणे मात्रा ६६ की आवड्दी १ मे लेणी

धा दि न्ना धा किटि तक धीधी किटि तक धुम किटि तक
२ ४ ६ ८ १० १२ १४ १६ १८ २० २२ २४

तञ्ञ किटि किटि धुम किटि तक तक धुम किटि तक धदी गन तक
२६ २८ ३० ३२ ३४ ३६ ३८ ४० ४२ ४४ ४६ ४८ ५०

धुम किटि तक धुम किटि तक धदी गन धा ॥ १ ॥ ॥ तालकी मात्रा
५२ ५४ ५६ ५८ ६० ६२ ६४ ६६ सम १–१३–१९–३१–३७–४९–५५-६१

तकतक तकतक धुमकिटि तक धदीगन धाआ ० २ तक ३ तक धुमकिटितक धदीगन धा ॥ २ ॥ ॥ घींटघींटघींट धाधींकिटिकिटि ४ धाधींकिटितक धुमकिटितक धदींगन धा ॥ ३ ॥ ॥ चोगण लेंकी परण ॥

धा दिन धा किटि तकि टित का किटिः धी २ किटि धुम किटि
२ ४ ६ ८ १० १२ १४ १६ १८ २० २२ २४

तकि टित का किटि तञ्ञ किटि धुम किटि त किठि तका किटिः तक २
२६ २८ ३० ३२ ३४ ३६ ३८ ४० ४२ ४४ ४६ ४८ ५२

धुम किटि तकिटि त का किटि तकिटि त का किटि तक ध्धे ता धुम
५४ ५६ ५८ ६० ६२ ६४ ६६ ६८ ७० ७२ ७४ ७६ ७८ ८०

किटि तक धदींगन धा ॥ १ ॥ ॥ तालकी मात्रा १–१६–२५–४१–४९–६५
८२ ८४ ८६ ८८ सम

७३–८१–१ सम

धादिंन धाकिटि तकिटि तकाकिटि धी धी किटि धुमाकिटि तकिटि तकाकिटिः तञ् किटि धुमकिटि तकिटितका किटि तकिटितका किटिः किटितक धदींगन धा ॥ ३ ॥ ॥ इस जोडके सब लेणा

मृदङ्ग भुषण पञ्च रत्न परण

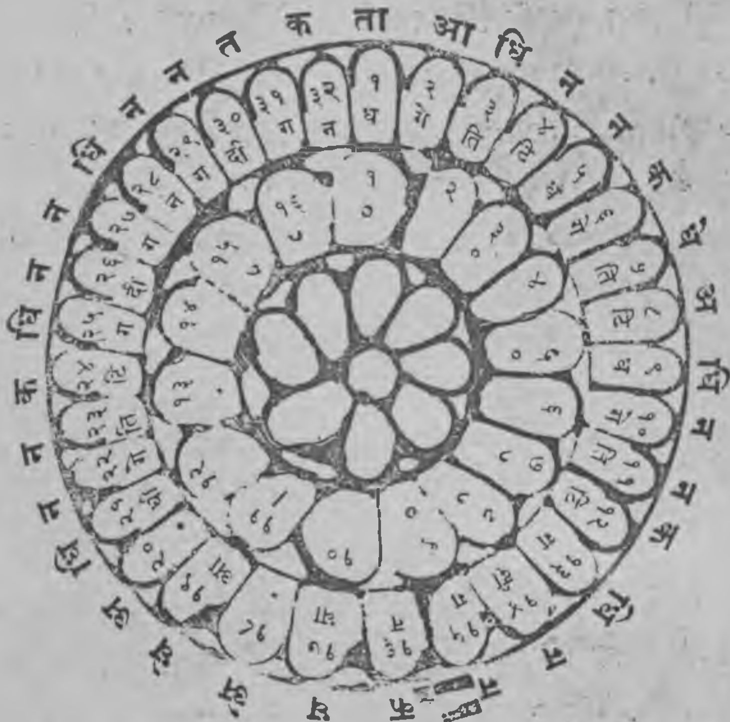
किटितञ धुमकिटितक धुमाकिटि तगना किटि तकिटि तका किटितक धदींगन

धदींगन धाआ् तअ किटितकधदीगन धा३ ॥ १ ॥ ॥ ००० तकधुमकिटि तक धदीगनधाआर तकधुमाकिटि तक धदींगनधा ॥ २ ॥ ॥ ऽ।० धा किटि तकिटि तका धाकिटितकिटितका ध्धेंता. ध्धेतक दिन्न धाधी किठित किटि तका॰ धाकधा ३ ॥ ३ ॥ किटि तात अकधिलांग तक धुमाकिटितक धीं तक धुमकिढितक धदींगन धाधी धीडना किडाण धाआ३ ॥ ४ ॥ ॥ इस जोडकी वरणे सब इसी तरहसे बेठती हें ओरभी बोहोतसी परणे विगेरह इसमे बेठती हे परंतु ग्रंथ बहोत बढने के भय से नही लीख सकें समझदार गुणी लोग स्वयं समझ लेगें—



॥ श्रीहरि ॥

चक्र चूडामणी तालको



ताल ९ मात्रा ३२ को ताल पहली द्रुत २–३ द्रुत ४–५ मी अणुद्रुत ६ ठी द्रुत सातमी लघु ८–९ नोमी अणुद्रुत सूरत यह हें ०००◡◡०।◡◡

पेसकार

धींगे तिटि धींगतिट धींगे तिटि गदीगन धा आ धिगतिटि गदीगन धा धा धा

२ ४ ६ ८ १० १२ १४ १६ १८ २० २२ २४ २६ २८ ३० ३२ सम

ता धिलांग तक ता ता किटि किटि तकिटि त का का किटि तक घदीगन

२ ४ ६ ८ १० १२ १४ १६ १८ २० २२ २४ २६ २८ ३० ३२

०
धा ॥ २ ॥ ॥ धाकिटि तकिटितका२ ध्धेता ध्धेतकदिन् धाधी किटि तकिटि तका
मस
धाकधा ॥ ३ ॥ ॥ इस जोडकी परणे सब लेणी ॥

अब दुणकी धिननक ने परणे मात्रा ६४ की आवडदी एकमे लेणी

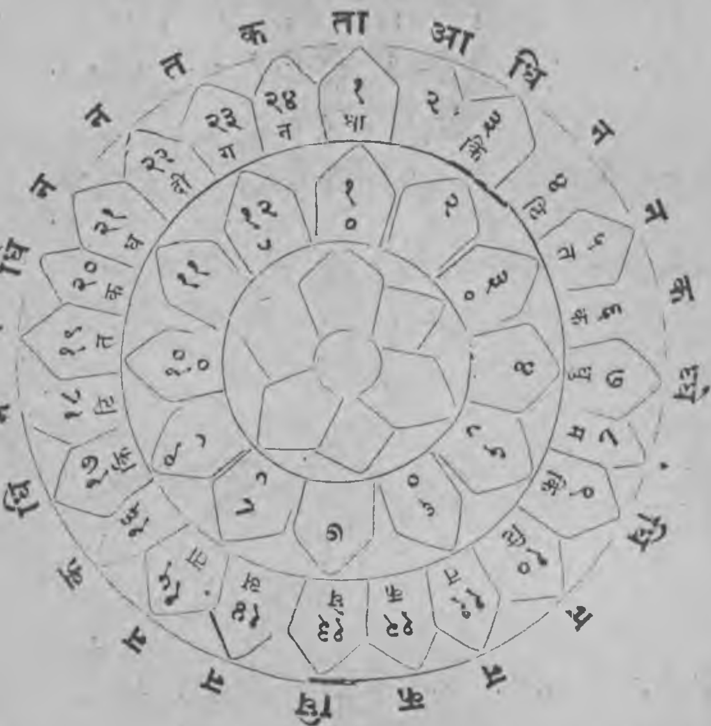
ताधिननक ध्धे धिननक ताधिननक ध्धे धिननक ध्धे ध्धे धिननक ध्धे ध्धे
२ ४ ६ ८ १० १२ १४ १६ १८ २० २२ २४ २६ २८ ३० ३२ ३४ ३६
धिननक धिननक धिननक ध्धे ध्धे धिननक धिनन धिनन तक ॥ धा धा किटि
३८ ४० ४२ ४४ ४६ ४८ ५० ५२ ५४ ५६ ५८ ५९ ६० ६२ ६४ २ ४ ६
तक धदीगन धा धा किटि तक धदीगन धा धा किटितक ० धा किटि तक
८ १० १२ १४ १६ १८ २० २२ २४ २६ २८ ३० ३२ ३४ ३६ ३८ ४०
धदीगन धा किटितक धदीगन धा किटितक धदीगन धा ॥ १ ॥ ॥
४२ ४४ ४६ ४८ ५० ५२ ५४ ५६ ५८ ६० ६२ ६४ सम

तालकी मात्रा १–९–१७–२५–२९–३३–४१–५७–६१–१ सम

तराण धा ताकिटितक धा० धीन्तर किटितक तकधुमकिटितक किडाण धा किडनग तर किटितक तकिटि धीकिटि धुमकिटि धि दिन् ताड धा ॥ २ ॥ ॥ ध्धेता ध्धेध्धेताः ध्धेता२ धिध्धेताः ध्धेता तक धदीगन धा३ ॥ ३ ॥ ॥ नगध्धे धी किटितघ धी० दिन्ना किटितक धुमकिटि तअ् कअता किडनग तअ् किडाण किड धाती धा किडाण किड धातीधा ॥ ४ ॥ ॥ ध्धेतक धदीगन२ ध्धेतगना तकनाः किटि२तकः तकन२ किटिता धी धी किटितक तकान तकधा किटितक धदीगन धा ॥ ५ ॥ ॥ इस जोडकी परणे सब ही बेठेगी ओर आडी ले तथा तिगुणी लें तथा चोगणी लें सब धीमा तिताला की पुरी बेठती हें

॥ श्री ॥

चक्र अट तालको



ताल ८ मात्रा २४ प्रथम ताल द्रुत २ द्रुत ३ अणुद्रुत ४ द्रुत ५--६ अणुद्रुत ७ द्रुत आठमी अणुद्रुत स्वरूप यह है ००᷈०᷈᷈०᷈

बोल बराबरका

० ० ᷈ ० ᷈ ᷈ ० ᷈ ०
धा किडाण धुम किटि तक ध्धेता किटि तक धदी गन धा ॥ १ ॥ ॥
२ ४ ६ ८ १० १२ १४ १५ १८ २० २२ २४ सम

धाकिनांग धुमकिटितक ध्धेता किटितक धदीगन धा ॥ २ ॥ ॥ इस जोडके बोल सबही लेणा ॥

दुणी लेकी धिननक ओर परणे मात्रा ४८ की आवडदी एकमे लेणी

ताधिननक ध्धे धिननक ताधिननक ध्धेधिननक धिननक ध्धेध्धेधिननक धिननक
२ ४ ६ ८ १० १२ १४ १६ १८ २० २२ २४ २६ २८ ३० ३२ ३४ ३६ ३८ ४०

धिनन धिनन तक ॥ धाकिटि धीधी किटि तरांण तक धा किटितक धा दिन
४२ ४४ ४६ ३८ २ ४ ६ ८ १० १२ १४ १६ १८ २० २२ २४
धा किटि धीधी किटि तक धा किटि धुमकिटितक धदीगन धा ॥ १ ॥ ॥
२६ २८ ३० ३२ ३४ ३६ ३८ ४० ४२ ४४ ४६ ४८

तालकी मात्रा १-९-१७-२१-२९-३३-३७-४५-१ सम

धाकिटि किटितकः धी२ किटि धुमकिटितक धीनतरांण धाक धाक धादिन्ना किटि धुमकिटि तक धदीगन धा ॥ २ ॥ ॥ इस जोडकी परणे सव इसी तरहसे लेणी

अब आडकी धिननकने परण मात्रा ३६ की आवड दी एकमे लेणी

ताधिननक ध्धे धिननक धिननक धिननक ध्धे ध्धे धिननक धिनन धिननतक ॥
४ ६ ८ १० १२ १४ १६ १८ २० २२ २४ २६ २८ ३० ३२ ३४ ३६
धा ० ना ० धाकिटितक धी किटि ताकिटि धी किटि तक धदीगन तकिटि धी
२ ३ ५ ६ ७ ८ ९ १० १२ १४ १६ १८ ३० २२ २४ २६ २८
किटि तक धदीगन धा ॥ १ ॥ ॥
३० ३२ ३४ ३६

तालकी मात्रा १-७-१३-१९-२२-२५-२८-३४-१ सम

अब तीगुण ले की परण मात्रा ७२ की आवडदी एकमे लेणी

धादिन्ना धाकिटितक धीधी किटितक धुम किटितक तरांग ध्धेता ध्धेध्धेताः धुमकिटितक धदीगन धा३ ॥ १ ॥ इस जोडकी परणे सव लेणी

अब अट तालकी चोगण की परण मात्रा ९६ की दुणमे लेतो आवडदी दोमे ने चोगणमे लेतो आवडदी एकमे आवे ॥

धादिन धाकिटि तकिटि तकाकिटि३ धाकिटि तकिटितका किटि२ तकिटि तका किटि तक ध्धेता धुमकिटित्तक धदीगन धा ॥ १ ॥ धादिन धाकिटि तकिटि तका किटि२ किटितकाआ धाकिटितक धदीगनधाआ२ किटितकाअ धाकिटि तक धदीगन धा ॥२॥ ॥ इस तालका ओर चोताले का एकही हीसाब हे तालोकाफर्क हैं

॥ श्रीनाथोजयती ॥

चक्र सालवन्ट तालको



ताल ८ मात्रा २६ की ताल पहली लघु २–३ लघु ४ द्रुत ५–६ ठी लघु ७ ८ द्रुत तालका स्वरूप यह हे ||| ० || ०० इस तालमे प्रथम आडा चोताला फेर चोताला दोनो की गांठ सें ताल बनी हें

```
|    |         |          ०   |      |          ०     ०    |
धा धा  किटि तक  धुम  किटि तक  ध्धे  ता  किटि तक  धदी  गन  धा  ॥ १ ॥
२  २     ५      ८  १०    १२   १४  १६  १८  २०   २२   २४  २६  सम
```

धा ध्धेता तक ध्धेता कत किटितक ध्धेता धदीगन धा ॥ २ ॥ ॥ धाधा तक दधीना तकः धांन धा०३ ॥ ३ ॥ ॥ धा धा किटितकिटितका किटितक किटि धुमकिटि तक धदीगन धा ॥ ४ ॥ ॥ इस जोडके बोल सब लेणा इसी तरहसे एक

धा जादा लगाना बाकी चोतालाकी बरोबर लेका बोल बेठता ओर उपर चक्र ये धिननक अथवा चक्रके भीतर बोल लीखा हें बोठा (धीमी) लय का हें

साल वन्ट तालकी दुगणकी धिननक

ओर परणे मात्रा ५२ की आवडदी एककी

| | | | o
ता धिन नक ध्धे धिन नक ता धिन नक ध्धे धिन नक ध्धे
२ ४ ६ ८ १० १२ १४ १६ १८ २० २२ २४ २६

| | o o
ध्धे धिन नक धिन नक ध्धे ध्धे धिन नक धिन नधि नन तक ॥
२८ ३० ३२ ३४ ३६ ३८ ४० ४२ ४४ ४६ ४८ ५० ५२

| | | o |
धा आ त रांग ध्धे ता ध्धे ध्धे ता धुम किटि तक धदी गन धा
२ ४ ६ ८ १० १२ १४ १६ १८ २० २२ २४ २६ २८ ३०

| o o |
धुम किटि तक धदी गन धा धुमकिटि तक धदीगन धा ॥ १ ॥ ॥
३२ ३४ ३६ ३८ ४० ४२ ४४ ४६ ४८ ५० ५२ सम

धाआः तराग धाधा दीगनधाधाः ध्धेता धदीगनधाआ २ ध्धेता धदी-गनधा ॥ २ ॥ ॥ धाआः ध्धेता तकधादिन्ना धीधी किटितक धाक धाक किटि तक ध्धेः तरांगधा३ ॥ ३ ॥ ॥ धाआ तकधा दित्था दिन्धा किटिः धुमकिटि तक धदीगनधा ३ ॥ ४ ॥ ॥ अणी जोडकी परणे सब इसी तरहसे बेठेगी ॥

आडकी धिननक ओर परण मात्रा

३९ की आवडदी एकमे लेणा

| | | o | ॥
ता धिननक ध्धे धिननक धिननक धिननक ध्धे ध्धे धिननक धि
२ ४ ६ ८ १० १२ १४ १६ १८ २० २२ २४ २६ २८ ३०

o o | |
नन धि नन धि नन तक ॥ त किटि धिगे धी किटित धीग धी
३१ ३३ ३४ ३६ ३७ ३९ १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२

| ० | | | ० ० |
कि टि त त क मा ना न किटि ता तक धा धा धा धा धदी गन धा ।।
१३ १४ १५ १६ १७ १९ २१ २२ २४ २५ २७ २९ ३१ ३३ ३५ ३७ ६९ सम

तकिटि ध्धे तरण ध्धेत्ता किटि धाकिटितक धुमकिटितक तकधाकिटि तक धदीगनधा ॥ २ ॥ ॥ इस जोडकी आडे सब लेणी

अब तिगुणी लें की परणे मात्रा ७८ की बराबर
में लेतो आवडदी ३ मे आवे ने आड मे लेतो
आवडदी २ मे आवे ने तीगुण में लेतो एक
आवडदी मे आवें

धा दिन्ना धा किटितक धीधी किटितक धुम किटितक तआकिटि किटि धुमकिटि
२ ४ ६ ८ १० १२ १४ १६ १८ २० २२ २४ २६ २८ ३० ३२ ३४
तक तक धुम किटि तक धदी गन तक धुम किटि तक धुम किटि तक धुम किटि
३६ ३८ ४० ४२ ४४ ४६ ४८ ५० ५२ ५४ ५६ ५८ ६० ६२ ६४ ६६
तक धुम किटि तक धदींगन धा ॥ १ ॥ ॥ तालकी मात्रा १-१३-२५-३७-
६८ ७० ७२ ७४ ७६ ७८ सम

४३-५५-६७-७३-१ सम

धादिन्ना धाकिटितक धीधी किटितक धुमकिटितक धुमकिटि तकः तरांग ध्धेता ध्धेध्धेताः धुमकिटितक धदीगन धा३ ॥ २ ॥ ॥ इसके जोडकी परणे इस उठाणसे इसलेमें बराबर बेठती हें

अब छे धा तीगण की लयमे लेवाको प्रमाण

धाकिटितक धुमकिटितक ध्धेता किटितक धदीगन तक धदीगन तकिटि धीकिटि धादिन्ता धाः किटितक धदीगन धाधा३ ॥ १ ॥ ॥ अब नो धा लेवाको प्रमाण ॥

धादिन्ना धाकिटितकः धी२ किटितक धुमकिटितक तकधुन किटिः ध्धीत्ता तक धा दिन्ना धी धी किटि तक धाक् धाक् धा किटि क धाक् धाक् धा किटितक धाक धाक धा ॥ १ ॥ ॥

अब सालवंट तालकी चोगण की परणे मात्रा
१०४ की बराबरमे लेतो आवडदी ४ मे आवे
ने दुगणमे आवडदी दोमे ओर चोगणमे १ आ. आ.

धादिन धा किटि तकिटितकाकिटि धीधी किटि धुम किटि तकिटितकाकिटि तअ
२ ४ ६ १० १० १२ १४ १६ १८ २० २२ २४ २६ २८ ३० ३२ ३४

किटि धुमकिटि तकिटितकाकिटि तक तक धुमकिटि तकिटितकाकिटि धदीगन नंअ
३६ ३८ ४० ४२ ४४ ४६ ४८ ५० ५२ ५४ ५६ ५८ ५९ ६० ६२ ६४ ६६ ६८ ७०

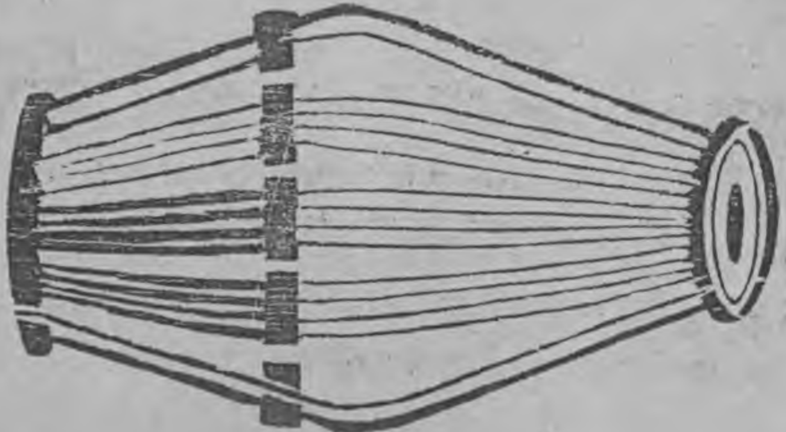
किटि तकिटितका किटि तकिटितका किटि तकऽधेता धुमकिटितक धदीगन धा॥१॥
७२ ७४ ७६ ७८ ८० ८२ ८४ ८६ ८८ ९० ९२ ९४ ९६ ९८ १०० १०२ १०४ सम

तालकी मात्रा १-१७-३३ ४९-५७-७३-८९-९७-१ सम

धादिन धा किटि तकिटि तकाकिटि२ किटितक धदीगनधाऽऽ किटितक धदीगन धा३ ॥ २ ॥ ॥ इस उठाणसे इस जोडके टुकडे सब लेणा जो पूरा बेठेगा

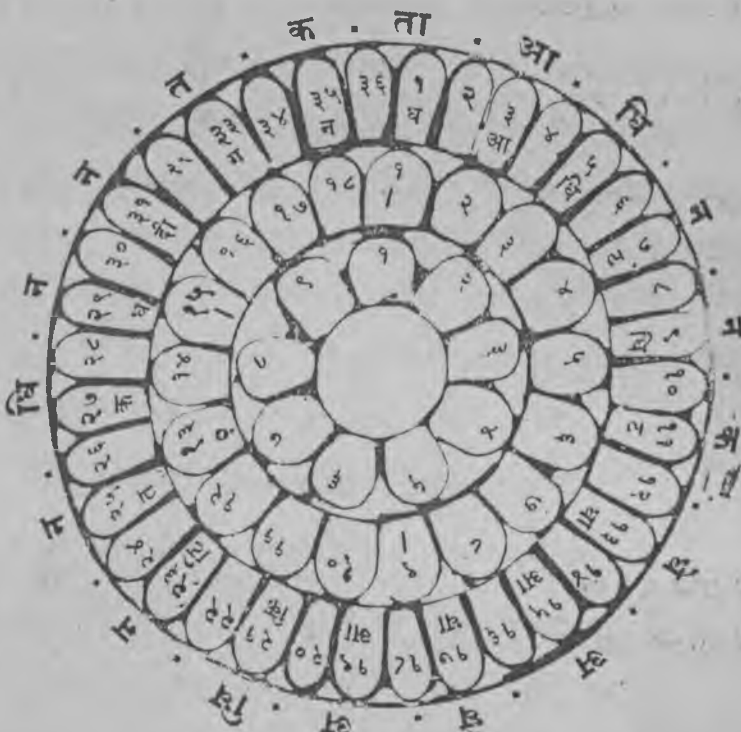
धादिन धाकिटि तकिटि तकाकिटि धीधी किटि धुमकिटि तकिटितकाकिटि तकिटितकाकिटिः तराण धा ताकिटितकधा धीन्तर किटितक तक धुमकिटितक किडाण धा किडनग तरकिटितक तकिटि धी किटि धुमकिटि धिदिन् ताडधा । ३ ॥

इस जोडकी परणे सब इसी तरहसे लेणी ॥



श्री गणपतें नमः

चक्र गणेश तालकों



ताल ५ मात्रा १८ ताल पहली लघु दुसरी तीसरी लघु चोथी द्रुत पाचवी लघु रूप यह हें ।।।०।

(पेसकार चक्र भीतरका)

।	।	।		०	।			
धा धिट	धिट धा	धा किटि	तक	धदीगन	धा			
२	४	६	८	१०	१२	१४	१६	१८ सम

।	।	।		०	।			
धा धा	किटि तक	धुम किटि	तक	धदी गन	धा ॥ १ ॥			
२	४	६	८	१०	१२	१४	१६	१८ सम

तकिटि धीकिटि धु किटि किटि तक धदींगन धा ॥ २ ॥

धाकिटितक धु किटितक तक तरांण धा ॥ ३ ॥ ॥

तकिटि धाक ध्धेता किटितक धदींगन धा ॥ ४ ॥ ॥

धाकिटितक धाकिटितक तक धदींगन धा ॥ ५ ॥ ॥

इस जोडके बोल इसी तरहसे पूरे बेठतें हैं

अब गणेश ताल की दुगणकी धिननक और परणे मात्रा ३६ की आवडर्दी एकमे लेणी ॥

| | | ० |
ता धिननक ध्धे धिननक धिननक धिननक ध्धे ध्धे धिननक धिननाधिनन तक ॥
२ ४ ६ ८ १० १२ १४ १६ १८ २० २२ २४ २६ २८ ३० ३२ ३४ ३६
| | | ० |
किटि तकिटि तका किटि तक धदींगन धदींगन धा आ तअ० किटितक धदीं
१ २ ४ ५ ६ ८ १० १२ १४ १६ १८ २० २२ २४ २६ २८ ३० ३२ ३४
|
गन धा ॥ १ ॥ ॥ धींगे धिकिटित२ तक नाना नकिटि ततक धाधा धाधा गदीं
३६ सम
गन धा ॥ २ ॥ ॥ तक तकिटित२ किटि देअ् देअ् दीकिटिता तक धाधा धाधा गदींगन धा ॥ ३ ॥ ॥ तक धदींगन२ तकधा दिन्२ तकिटितका किटि तराण धा ॥ ४ ॥ ॥ ध्धेता किटिः धी२ किटितक तकिटि धिकिटि तकध्धेता किटि धुम किटि तक धदींगन धा ॥ ५ ॥ ॥ ध्धेतराण ध्धेता किटि धाकिटितकधुमकिटितक तक धाकिटितक धदींगन धा ॥ ६ ॥ ॥ तकधुमाकिटि२ तककध्धेता२ किटि धुम किटितक धदींगन धा ॥ ७ ॥ ॥ किटि धी किटितकाआ धी कितकः धुमकिटि२ थाआ कत तक२ धदींगन धा ॥ ८ ॥ ॥ धाः तरांग धाधा२ के धीननाड२ धा धा ९ ॥ ॥ धादिंगन२ धाधा दिंगन२ किटिकताअ् कत्त धा ॥ १० ॥ ॥

अब आडकी धिननक ने परण मात्रा २७ की आवडर्दी १ मे लेणी

| | | ० |
ता धिननक ध्धे धिननक ध्धे ध्धे धिनन धिननधिन न तक ॥
[illegible]

| | | | | | |
धा ऽ ना ऽ धा किटितक धी किटि तकिटिधिकिटि तकिटि तक धदीगन धा ॥१
२ ३ ५ ६ ७ ८ ९ १० १२ १४ १६ १८ २० २१ २२ २५ २७ सम

ध्येत ध्येता किटितकः धदीगन धा२ ॥ २ ॥ ॥ किटितक किटि धुम किटि धिलांग तकिटि तक धदीगन धाआ ॥ ३ ॥ ॥ ध्ये ध्येताः किटि तराण धा२ ॥ ४ ॥ ॥ तक धादिनः धाकिटितक२ किटिकताक्क थुङ्ग तकिटि धा ॥ ५ ॥ ॥ धकिटिः तक२ धेत्तकिटि ध्येता किटितकः किटि२ तकन धा ॥ ६ ॥ ॥ धीकिटि ध्येता धुम्म धुमकिटितक किट्टतक धुमकिटि धा ॥ ७ ॥ ॥ किट्ट धाकिटितक धुम किटितक किटिधा किटितक धदीगन धा ॥ ८ ॥ ॥ ध्धा धाकिटितक धुमकिटितकीट तगन किटितक धदीगन धा ॥ ९ ॥ ॥ धा किटितकः धी२ नांग किटि२ ९ किटि तक धादिननक देदेअ धा ॥ १० ॥ ॥ धाक२ धादिन तक ध्ये ध्ये धाक तकिटि तक धदीगन धा ॥ ११ ॥ ॥

तीगणकी धिननक नें परणे मात्रा ५४ की
बराबरमे लेतो आवडदी ३ में आवे ने
आडमे लेतो आवडदी दोमे आवे तीगणमे
आवडदी ऐकमे आवे ॥

ताधिननक ध्ये धिननक ध्येधिननक ध्ये ध्ये धिननक धिननधिनन तक धा
२ ४ ६ ८ १० १२ १४ १६ १८ २० २२ २४ २५ २६ २८ ३० ३२ ३४ ३६

धिननधिननतक धा धिननधिनन तक धा ॥ धादिन्ना धा किटितक धीधी किटि
३८ ४० ४२ ४४ ४६ ४८ ५० ५२ ५४ सम २ ४ ६ ८ १० १२ १४ १६

तक धुमकिटितक तअ् किटिकिटि धुम किटितक तकधुम किटि तक धुमकिटि तक
१८ २० २२ २४ २६ २८ ३० ३२ ३४ ३६ ३८ ४० ४२ ४४ ४६ ४८ ५०

धदीगन धा ॥ १ ॥ ॥ तालकी मात्रा १–१३–२५–३७–४३–१ सम
५२ ५४ सम

धाः धा धा किटि धाकिटितकः धाः२ धाधा धुमकिटि तकधाकिटि तक धुमकिटितक ध्येता किटितक धदीगन धा ॥ १ ॥ ॥ धाः धा३ किटि२ धिधिटि

तक धेंता धेधेता धिदिन् तअः किडाण जादीदीतक धिरकिटितक धदीगन धा ॥ ३ ॥ ॥ धादिन् धाः तक२ तकिटिता धुमः किटि२ तक धदीगन धा किटितकः धा२ किटितकः तकिंटि धा३ ॥ ४ ॥

अब गणेश तालकी चोगणकी परणे मात्रा ७२ की बराबरकी लें मे लेतो आवडदी चारमे आवे ने दुणमें लेतो आवडदी दोमे आवें ने चोगणमें लेतों आवडदी एकमे आवें ॥

| धादिन धा किटि तकिटितकाकिटि | धिधि किटि धुम किटि तकिटितका किटि | तअ
२ ४ ६ ८ १० १२ १४ १६ १८ २० २२ २४ २६ २८ ३० ३२ ३४

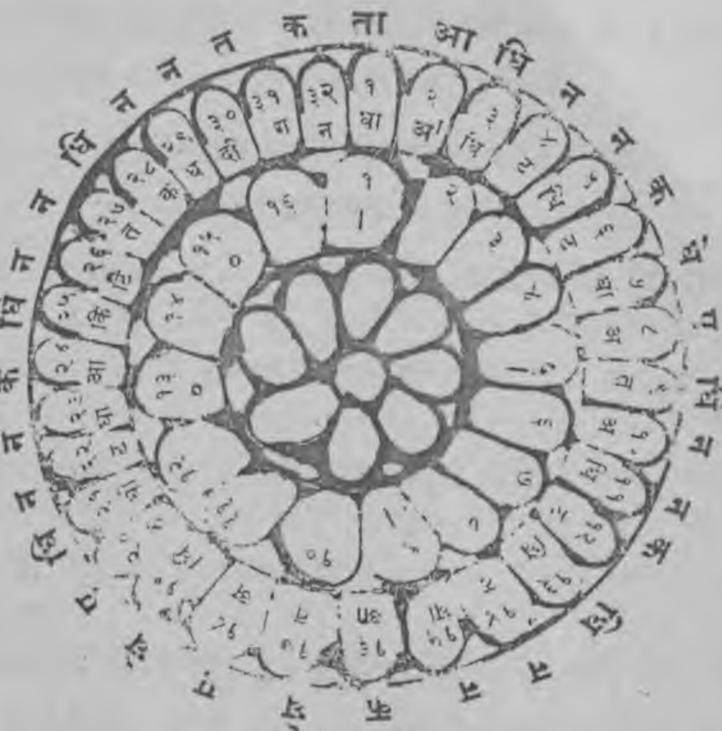
किटि धुम किटि तकिंटि तकाकिटि ० तकिटितकाकिटि | तक धेता धुमकिटि तक धदी
३६ ३८ ४० ४२ ४४ ४६ ४८ ५० ५२ ५४ ५६ ५८ ६० ६२ ६४ ६६ ६८ ७०

| गन धा
७२ सम

॥ १॥ ॥ धादिन् धाकिटि तकाकिटि २ ताकिटि तकाकिटिःकिटितक धदीगन धाआ २ किटितक धदीगन धा ॥ २ ॥ ॥ धाकिट तकिटि तकाःधाधा-किटितक धदीगन धाधाकिटितक धदीगन धाधा किटितकःधाकिटितक धदीगन ३ ॥ ३ ॥ ॥ धाकिटिताकिटितका तराण धा ताकिटितक धा, धीन्तर किटितक तक धुमाकिटितक क्डिाण धा किडनग तरकिठितक ताकिठि धीकिटि धुम किटि धिदिन्ताड धा ॥ ४ ॥ ॥ इसजोड की परणें सब इसी उठाण सेलेणीसो पूरी बैठे.

॥ श्रीहरी ॥

चक्र धुरपदकी असवारीका.



ताल ५ मात्रा ३२ का पेहली ताल लघु दुसरी लघु तिसरी लघु चोथी द्रुत पाचवी द्रुत सरूपयह हें ।।।०० इसको पंच मुखी भी कहते हें

बोल बराबर लयका आवडदीएकका

। -+ / ०-+ ० ०
धुर्माकिटि तकिटितकाकिटि तकधुमाकिट तकिटितका किटि तक घदी
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९१० ११ १२ १३१४१५१६१७१८ १९२०२१२२२३२४ २५२६ २७२८ २९३०
गन धा ॥ १ ॥ ॥ घकिटी धाक धाधी किटि धागे दींगे तक किटितकिटितका
३१ ३२
किन धागेदीगन धागेदीगन धा ॥ २ ॥ धाकिटितकिटितका २ धेना धेतक दिग

धाधी क्रिटितकिटितका, धाकधा ॥ ३ ॥ धा धाक धाकः धातक धदी गनः धा ॥ ४ ॥ ॥ इस जोडकी परणे सब इसीतरहसे लेणी.

अब धुरपदकी, सवारिकी दुणकी धिननक और परणे मात्रा ६४ की आवड्दी एकमें लेणी

ताधिननक ध्येधिननक ताधिननक ध्येधिननक धिननक धिननक ध्येध्ये धिन-
२ ४ ६ ८ १० १२ १४ १६ १८ २० २२ २४ २६ २८ ३० ३२ ३४ ३६ ३८

नक ध्येध्ये धिननक ध्येध्ये धिननक धिननधिनन तक ॥ ध्येतक धदीगन ध्ये
४० ४२ ४४ ४६ ४८ ५० ५२ ५४ ५६ ५८ ६० ६२ ६४ २ ४ ६ ८ १०

तकधदीगन ध्ये तगना नगना किटिकिटि तक तगनतकन किटिता धीधी किटितक
१२ १४ १६ १८ २० २२ २४ २६ २८ ३० ३२ ३४ ३६ ३८ ४० ४२ ४४ ४६ ४८

तकान तकधा किटितक धदिगन धा ॥ १ ॥ ध्येताः धिध्येताः धीतार धीरताः
५० ५२ ५४ ५६ ५८ ६० ६२ ६४ सम

ध्येतातकदधीगनधा३ ॥ २ ॥ ॥ धा धा किटितक धदीगन२ धा धा किटितकः धा किटितक धदीगन३ धा ॥ ३ ॥ ॥ तराण धाताकिटितक धा धीन्तर किटितक तक धुम किटितक किडाणधा किडनग तराकिटितक तकिटि धिकिटि धुमकिटि धिदिन् ताडधा ॥ ४ ॥ ॥ कातकधा ५ दीगनधा ५ दीदीगनधा दीगनधा ५ ताताकधादिगन धाधा दिंगन धादिंगन२ धा ॥ ४ ॥ ॥ ॥

इस जोडकी परणे सब इसी तरह लेवेंगे.

अब आड लयकी धिननक और परणे मात्रा ४८ की आवडदी एकमें आवे

ता धिन नक ध्येधिननक ध्ये ध्ये धिननक धिननाधिन ननकधा धिननाधिननतकधा
२ ४ ६ ८ १० १२ १४ १६ १८ २० २२ २४ २६ २८ ३० ३२ ३४ ३६ ३८ ४०

धिननधिननतक धा ५ ना ५ धा किटितक धीकिटि तकिटि धी किटि तक
४२ ४४ ४६ ४८ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६

धदींगन तकिटि धी किटि तक धदींगन तकिटि धी किटि तक धदींगन धा ॥ १ ॥
२२ २४ २६ २८ ३० ३२ ३४ ३६ ३८ ४० ४२ ४४ ४६ ४८ सम

तालकी मात्रा १–१३–२५–३७–४३–१

धाकिटितक धुमकिटितक ध्धेता किटितक धदींगन२ धा ॥ १ ॥ ॥ ॥

इस जोडकी परणे सब बेठती हैं दो बीरीया लेनेसें

अथ तिगुण लेंकी धिननकने परणे मात्रा
९६ की आवडदी एक मे लेणी

ताधिननक ध्धे धिननक ध्धेध्धे धिननक धिनन धिननतक धा धिननधिननतक धा
२ ४ ६ ८ १० १२ १४ १६ १८ २० २२ २४ २६ २८ ३० ३२ ३४ ३६ ३८ ४०

धिननधिननतक २ धा ॥ धादिन्नाधा किटितक धीधी किटि तक धुम किटितक २
४२ ४४ ४६ ४८ ९६ सम २ ४ ६ ८ १० १२ १४ १६ १८ २० २२ २४ ४८

ध्धेता तकधादिन्ना धीधी किटितक धाक धींकधा किटितक ध्धे तरांग धा तरांग
५० ५२ ५४ ५६ ५८ ६० ६२ ६४ ६६ ६८ ७२ ७४ ७६ ७८ ८० ८२ ८४ ८६ ८८ ९०

धा तरांग धा ॥ १ ॥ ॥ तालकी मात्रा १–२५–४९–७३–८५–१ सम
९२ ९४ ९६ सम

धाकिटितक धुमकिटितक तअ किडाण किडना देअ् धींइ तींइ धींडाण धा धातीन्ता धाकिटितक धगअ दींगन ध्धे धीरें किटितक धुमकिटि तअ किडाण किडनग देअ ताधा किटितअक धीकिटि तक धदींगन धा ॥ २ ॥ ॥ अस जोडकी परणो सब लेणी ॥

अब चोगुण की परणे मात्रा १२८ की
दुगण मे लेतो आवडदी २ मे आवे ने
चोगणमे लेतो आवडदी १ मे आवे ॥

धाआ तकधुमाकिटितक धदींगन धाधी घिडना किडाणः तगना ५ ध्धेता धागेदिन् धाधा किटितक धातिअ ध्धेता तकधुम किटितक ध्धेता तकधा तअक धीकिटि तक धुमकिटितक गदींगन धागेदींगन धागेदींगन धा ॥ १ ॥ ॥ धाआ तक धुमाकिटि तक धदींगन धाधी घिडना किडाण धींइ तअ किडन किटि धींडनाकिटि

तकधुम किटितक ध्धेता धिलांग तक धुमकिटि तक धद्दीगन नगद्देअ तकद्देअ ध्धे धिर किटितक गाद्दीगनः धागेद्दीगन२ धा ॥ २ ॥ ॥ इस जोडकी परणे इतनी उठाणसे सब पूरी बेठेगी ॥

धादिन धा किटि तकिटितका किटिः धीर किटि धुमकिटि तकिटि तकाकिटि तअ किटि धुमकिटि तकिटितकाकिटिः तक२ धुम किटि तकिटि तकाकिठिः किटित किटि तका किटितक धद्दीगन धाआ३ ॥ ३ ॥ ॥ धादिन धाकिटि तकिटितका किटिः धिर किटि धुम किटि तकिटितकाकिटिः तअ किटि धुमाकिटि तकिटि तका किटि २ तक२ धुमकिटि तकिटि तकाकिटि धद्दीगन नं किटि तकिटितका किटिः किटितक धद्दीगन धाआ३ ॥ ४ ॥ ॥ इस जोडके टुकडे सब बेठते हैं ओर इस ताल [धुरपद की सवारी] का ओर धीमा तितालेका ऐकही वजन हैं तालमें कुछ फरक हैं

॥ श्रीनाथजी ॥

चक्र इकतालाका



ताल ३ मात्रा १२–२४ का ताल सब लघु (३) रूप यह है ।।। इस्को मूल ताल भी कहते हैं बोल बराबरकें मात्रा १२ के

| | | |
धा किटि तक धदी गन धा धा ॥ १ ॥ ॥ धातकतक धदींगन धाधा ॥ २ ॥ ॥
२ ४ ६ ८ १० १२ सम

धा धुमकिटि तक धदीगन धा ॥ ३ ॥ ॥ धा धुमकिटितक तरांग धा ॥ ४ ॥ ॥ धा ध्धेता तक धदीगनधा ॥ ५ ॥ ॥ धा ध्धेता तक तरांग धा ॥ ६ ॥ ॥ धा किटितकें तक धदींगनधा ॥ ७ ॥ ॥ धाकिटि तक तक तरांग धा ॥ ८ ॥ ॥ धातक२ धदींगन धा ॥ ९ ॥ ॥ धातक२ तरांग धा ॥ १० ॥ ॥

अब इकताले की दुण की धिननक ओर
दुणकी परण मात्रा २४ की आवडदी १ की

ता धिननक ध्धे धिननक धिननक धिनन धिननतक
२ ४ ६ ८ १० १२ १४ १६ १८ २० २२ २४

धा किटितक धुमकिटितक ध्धेता किटितक धदीगन धा ॥ १ ॥ ॥ धा किटितक धुमकिटितक तरांग किटितक तरांग धा ॥ २ ॥ ॥ इस जोडकी सब लेणी

आडकी धिननक ओर परणे मात्रा ३६
की आवडदी दोमे आवे ने तीगण मे
लेतो आवडदी एक मे आवे

ताधिननक ध्धे धिनननक धिननक धिननक ध्धे ध्धे धिननक धिननधिननतक ॥
२ ४ ६ ८ १० १२ १५ १६ १८ २० २२ २४ २६ २८ ३० ३२ ३४ ३६

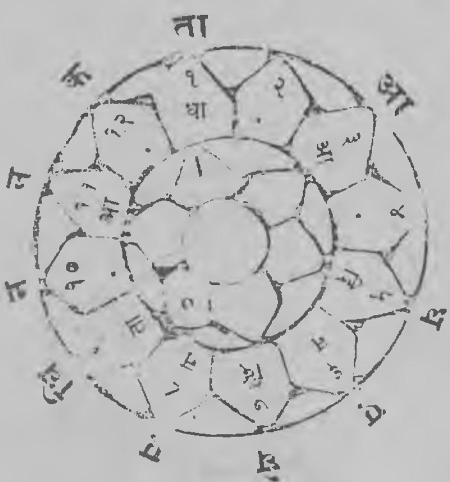
ध्धेतराण ध्धेता किटि धाकिटितक धुमकिटितक तकधाकिटि तक धदीगनधा ॥ १ ॥ ध्धेताकिटिः धीर२ किटितक तकिटि धिकिटि तक ध्धेता किटि धुमकिटि तक धदीगन धा ॥ २ ॥ ॥ इस जोडकी परणे सब इसी तरह से लेणी ॥

अब चोगणलें की परणे मात्रा ४८ की
दुणमे दो आवडदीमे आवे ने चोगण
मे एक आवडदी मे आवे

धा किटि धी धी किटि तराण तक धा किटितक धादिन्‌ धा किठि धी धी किटि तकधा किटि धुम किटितक धदीगन धा ॥ १ ॥ ॥ तरांग ध्धेता ध्धे धेताः धुम किटि तक धदीगन धा३ ॥ २ ॥ इस जोडकी परणे सब इसी तरहसे बेठती हैं

॥ श्रीहरि ॥

चक्र रूपक तालका



ताल २ मात्रा ६ पहली ताल लघु दुसरी द्रुत स्वरूप यह हैं ।०

॥ टुकडा बराबर लयका तथा धिननक ॥

| ० | ० | | | ० |

ता धि न न क–धा धदी गन धा ॥ १ ॥ ॥ धा तरांग धा ॥ २ ॥ ॥

२ ३ ४ ५ ६–२ ३ ४ ५ ६ सम २ ३ ५ ६ सम

इस जोडके सब लेणा ॥ ॥ अब दुणकी धिननक ओर टुकडा मात्रा १२ का

| ० | ०

आवडदी एकमें लेणा ॥ ता आ धे धे धिननक धा किटि तक धदीगन धा धा॥१॥

२ ४ ६ ८ १० १२ २ ४ ६ ८ १० १२ सम

धा किटितक तरांग धाधा ॥ २ ॥ ॥ धाआ किटितक धदीगन धा ॥ ३ ॥

धाआ किटितक तरांग धा ॥ ४ ॥ ॥ धाआ धुगकिटि धदीगन धा ॥ ५ ॥ ॥

धाआ तक तक धदीगन धा ॥ ६ ॥ ॥ धाआ धी धीता धदीगन धा ॥ ७ ॥ ॥

इस जोडके टुकडा सब घेहेंगे

अब रूपक तालकी झिननने परणे मात्रा २४ की दुणमे लेतो आवडदी दोमे आवे ने चोगण मे लेतों आवडदी १ मे आवे॥

ताधिननक ध्धे धिननक धिननक धिननधिननतक धाकिटितक धुमकिटितक ध्धेता
२ ४ ६ ८ १० १२ १४ १६ १८ २० २२ २४
किटितक धद्गीगन धा ॥ १ ॥ ॥ धाकिटि दिन् धुमकिटितक ध्धेता किटितक धद्गीगन धा ॥ २ ॥ ॥ इस जोडकी परणे सब लेणी ॥

आडी लयकी धिननक परणे मात्रा ३६ की आवडदी ४ मे आवें॥

धा ऽ ना ऽ धा किटितक धी किटिः तकिंटि धिकिटि तक धद्गीगन २ धा ॥ १ ॥ धींगे धी किंटित२ तक नाना नकिटिता तकः धाधा२ गद्गीगन धा ॥ २ ॥ ॥ ताधिनननक ध्धे धिननक धिननक धिननक ध्धेध्धे धिननक धिननधिनन तक ॥२॥

अब तीगण लय की परण

धादिन्ना धा किटितक धीधी किटितक धुमकिटितकः तरांग ध्धेता ध्धे धेताः धुम किटितक धद्गीगन धा३ ॥ १ ॥ ॥ इस जोडकी परणे सब इस लें मे इसी बढाणसे पूरी बेठेगी

अब चोगणी लयकी परणे मात्रा ९६ की

धा दिन धाकिटि तकिटितका किंटिः धी२ किटि धुमकिटि तकिटि तका किटि तअ् किटि धुमकिटि तकिटितकाकिटिः तक२ धुमकिटि तकिंटि तका किटि धदीगन नं किटि तकिटि तकाकिटि तक ध्धेता धुमकिटितक धदीगन धा ॥ १ ॥

इस जोडकी परणे सब इसी तरह लेणी

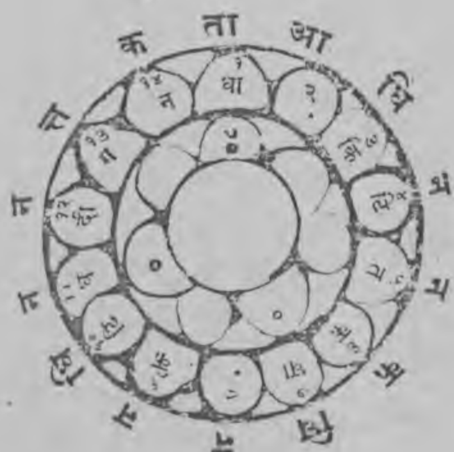
× × × × किटितक धद्गीगन धा३ ॥ १ ॥ ॥ इस जोडके टुकडे सब बेठेगे

× × किटितकिटितका किटितक धदीगन धाआ३ ॥ २ ॥ ॥ ॥ ॥

इस जोडके टुकडे सब इस बढाणसे लेणा सो पूरा बेठते हैं

॥ श्रीगोवर्धननाथजी ॥

चक्र त्योरा तालका



द्रुविराम

ताल ३ मात्रा ७ का ताल पहली द्रुविराम दुसरी द्रुत तीसरी द्रुत स्वरूप यह हें ७०० इसको गीत तालभी कहते हें

बोल [पेसकार] बराबर लयका मात्रा ७ का ॥

धाक धागे दिन्ता धाक धद्गीगन धा ॥ १ ॥ ॥ धकिटि धद्गीगन धा ॥ २ ॥
२ २ ४५ ६ ७ २ ३ ४५६७ १ २ ३ ४५६७

धकिटि तरांग धा ॥ ३ ॥ ॥ कतक कतकत धा ॥ ४ ॥ ॥ धाकधा किटितक
१ २ ३ ४ ५

धद्गीगन धा ॥ ५ ॥ ॥ धाकधा किटितक तरांग धा ॥ ६ ॥ ॥ इस जोडके
६ ७ १ २ ३ ४ ५ ६ ७ सम

टुकडे सबही लेणा ॥

अब दुगण लेका साथकी परणे आवडदी दोकी

ॅ ० ० ॅ ० ० ॅ
धाकिटि तक धादिन धा किटि तक ध्धेता किटि तक धदीगन धा ॥ १ ॥ ॥
२ ४ ६ ८ १० १२ १४ १६ १८ २० २२ २४ २६ २८ सम

किटितक धदीगन धा किटितक धदीगन धा किटितक धदीगन धा ॥ २ ॥ ॥ धीट् धीट् धीट्ः धीधी किटि३ तक ध्धेता धदीगन धा ॥ ३ ॥ ॥ तक तक तक ध्धेता ध्धेता ध्धे ध्धेता ध्धेता धदीगनधा ॥४॥ ॥ धा किटितक धुमकिटि धदीगन धाकिटितक धुमकिटि तरांग धा ॥ ५ ॥ ॥ धधी किटितक धधी किटि धदीगनधा७ धधी किटि धदीगनधा८धधी किटि धदीगन धा ॥ ६ ॥ ॥ इसी तरहसे सब टुकडे या परणे सब लेणी ॥

अब त्योरा की आडी लयकी परण आवडदी दोकी

ॅ ० ० ० ० ० ०
धा ० धा किटितक धी किटि त कि टि धि कि टि त क ध दी ग न धा ॥१॥
२ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १७ १८ १९ २० २१ सम

धा ० तक धदीगन धा ० तक धदीगन धा ० तक धदीगन धा ॥ २ ॥ ॥ ॥
२ ४ ५ ६ ७ २ ४ ५ ६ ७ २ ४ ५ ६ ६ सम

इसके जोड की परणे टुकडे सब लेणा

अब तीगुण लेकी परणें

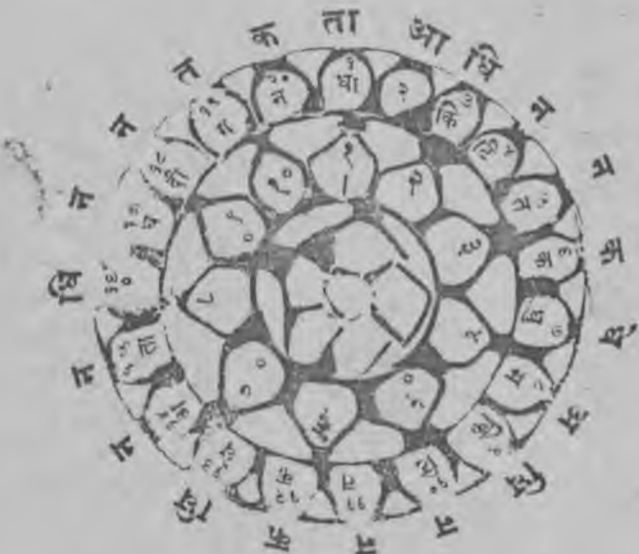
धा दिन्ना धाकिटितक धी धी किटितक त(अ)र्ण किटि किटि धुम किटितक तक धुम किटितक धदीगन धा ॥ १ ॥ ॥ ध्धा ५ धा दिन्ना धा किटितक धी धी किटितक धुमकिटितक तक धुमकिटि तक धदीगन धा ॥ २ ॥ ॥

चोगणी लेकी परणे

धा किटितककिटितका२ धादिन धाकिटि तकिटि तका किटि तक ध्धेता धुमकिटितक धदीगन धा ॥ १ ॥ ॥ धा किटि तकिटितका किटि२ किटितक धदीगन धा३ ॥ २ ॥ ॥ परंतु ये चोगण का साथ ओर परणे जब बजाइ जाती हैं कि सब ऐसी होवे नहीं तो दुगणका साथही ठीक रहता है

श्री नवनित प्रियाजी

चक्र चोहरा तालको



ताल ४ मात्रा १०–२० का ताल पेली लघु दुसरी तिसरी चौथी द्रुत रूपक यह हैं । ० ० ०

बराबर लेकी धिननक ओर बोल

। ० ० ० । ० ० ० ।
ता धिननं धिनंन तक ॥ धा किटि तक धदींगन धा ॥ १ ॥
२ ४ ५ ६ ८ १० २ ४ ६ ८ १० सम

धाकिटितक तरांग धा ॥ २ ॥ ॥ धा धेता धदीगन धा ॥ ३ ॥ ॥ धा धेता तरांग धा ॥ ४ ॥ ॥ इस गोडके बोल मद लेणा ॥

अब दुगण की धिननक ने बोल मात्रा
२० की आवडदी एकमे लेणा ॥

| ० ० ०
ता धिननक ध्धे धिननक धिनन धिनन तक ॥ ध्धेता ध्धे ता तक
२ ४ ६ ८ १० १२ १४ १६ १८ २० २ ४ ६ ८ १०
धा ध्धेता धदींगन धा ॥ १ ॥ ॥ धा किटितक धुमकिटितक ध्धेता धदींगन
१२ १४ १६ १८ २० सम
धा ॥ २ ॥ ॥ इस जोडकी सब बोल लेणा ॥

अब चोहरा तालकी आडका बोल
मात्रा १५ का आवडदी १ मे आवें

| ० ० ० |
धा ० धा किटितक धीं किटि तक धदींगन धा ॥ १ ॥ ॥
२ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ ११ १३ १५ सम
| ० ० ० |
धा । धा ० तक धदींगन धा ॥ २ ॥ ॥ इस तरहसें लेणा
२ ६ ९ ११ १३ १५ सम

अब तिगुणलेकी परण मात्रा ३० की

| ० ० ० |
धादिन्ना धाकिटितक तक धुम किटि तक धुम किटि तक धदींगन धा ॥ १ ॥ ॥
२ ४ ६ ८ १० १२ १४ १६ १८ २० २२ २४ २६ २८ ३० सम
| ० ० ० |
धा । तक धुम किटि तक धुमकिटि तक धुम किटि तक धदींगन धा ॥ २ ॥ ॥
२ ६ ८ १० १२ १४ १६ १८ २० २२ २४ २६ २८ ३० सम

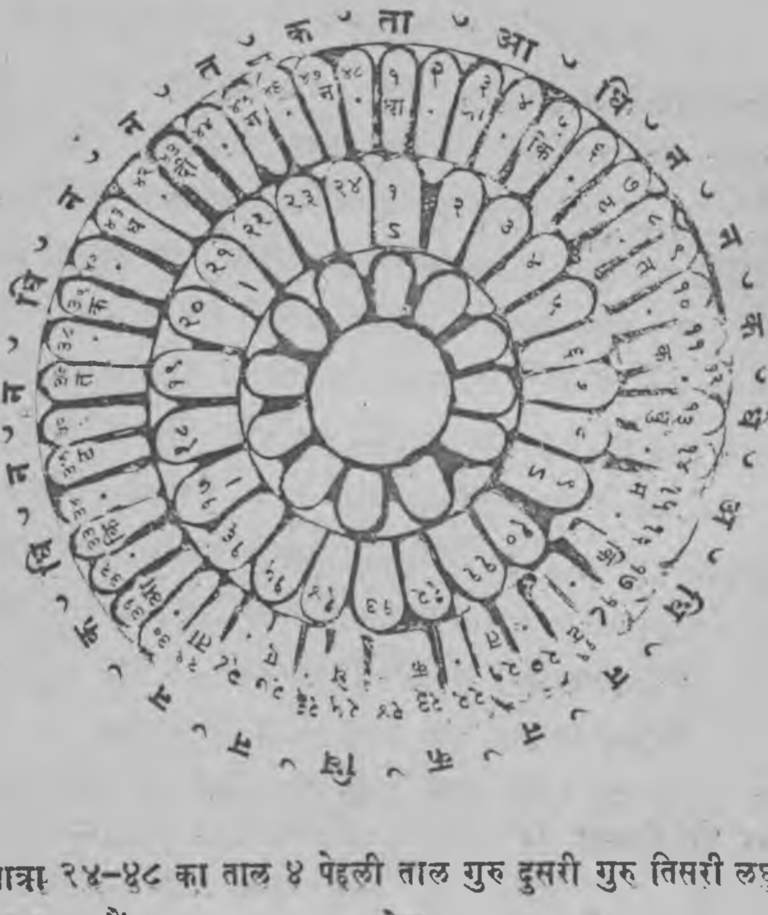
चोगण लें मात्रा ४० की आ. १ मे लेणी

किडना किठि घुमकिटि तक धदींगन तक धुम किटितक धदींगन धा धी धींडना
१ २ ४ ६ ८ १० १२ २४ १६ १८ २० २२ २४ २६ २८ ३० ३२ ३४ ३६
कि डा ण धा ॥ १ ॥ ॥
३७ ३९ ४० सम

थुंन किटि किटितक धादिन् धाधा थुंन किटि किटि के ० धिन्नाड के ०
धिन्नाड धाधा ॥ २ ॥ ॥

॥ श्री मथुरा धीशोजयती ॥

चक्र ठा चौतालाका



मात्रा २४–४८ का ताल ४ पेहली ताल गुरु दुसरी गुरु तिसरी लघु चोथी लघु स्वरूप यह हैं ऽ ऽ ॥ बोल बराबरका

धा आ ᵕ धी ᵕ ट ᵕ धी ᵕ ट ᵕ धा ᵕ आ ᵕ त ᵕ अ ᵕ
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १०

धी ᵕ ट ᵕ धी ᵕ ट ᵕ धा ᵕ आ ᵕ कि ᵕ टि ᵕ त ᵕ क ᵕ
११ १२ १३ १४ १५ १६ १७ १८ १९ २०

ध ᵕ दी ᵕ ग ᵕ न ᵕ धा ॥ १ ॥ ॥ धाकिटदिन धुमकिटतक धेता
२१ २२ २३ २४

किटितक धदीगन धा ॥ २ ॥ ॥ धाआ किटि तकतक धदीगन २ धा ॥ ३ ॥
॥ धा तक धदीगन ३ धा ॥ ४ ॥ ॥ इसी तरहसे सब बोल विगेरह लेणा ॥

अब दुणकी धिननक ने परणे मात्रा ४८ की
आबडदी ऐकमें लेणा

ऽ ऽ ।
ता धिननक ध्धे धिननक धिननक ता धिननक ध्धे धिननक धिननक ध्धे ध्धे
२ ४ ६ ८ १० १२ १४ १६ १८ २० २२ २४ २६ २८ ३० ३२ ३४ ३६

। ऽ ऽ
धिननक धिननधिनन तक । धा किटि धीधी किटि तराण तक धा किटितक धा
३८ ४० ४२ . ४४ ४६ ४८ २ ४ ६ ८ १० १२ १४ १६ १८ २० २२

। । ऽ
दिन् धा किटि धीधी किटि तक धा किटि धुम किटि तक धदीगन धा ॥ १ ॥ ॥
२४ २६ २८ ३० ३२ ३४ ३६ ३८ ४० ४२ ४४ ४६ ४८ सम

तरांग ध्धेता ध्धेध्धेताः धुम किटितक धदीगन धा३ ॥ २ ॥ ॥ तअ किन ताता
किंन तकान ताताकिन धि किटि धाकः धिनाअ् धाट धा३ ॥ ३ ॥ ॥ ध्धेता२
धादिन् धाकिटिः तक धुमकिटितक धाआ३ ॥ ४ ॥ ॥ इस जोडकी परणे सब
बराबर बेठती हैं ॥

अब ठा चोताला की तिगुणी ले की परणे
मात्रा ७२ की आबडदी एकमें लेणी

ऽ ऽ
ता धिननक ध्धे धिननक धिननक धिननधिननतक ता धिननक ध्धे धिननक
२ ४ ६ ८ १० १२ १४ १६ १८ २० २२ २४ २६ २८ ३० ३२ ३४ ३६

। ।
धिननक धिननधिनन तक ता धिननक ध्धे धिननक धिननक धिननधिनन तक
३८ ४० ४२ ४४ ४६ ४८ ५० ५२ ५४ ५६ ५८ ६० ६२ ६४ ६६ ६८ ७० ७२

धाकिटितक धुम किटितक ध्धेता किटितक धदीगन३ ॥ १ ॥ ॥ धादिन्ना धा
किटितक धी धी किटितक धुमकिठितक तअ क्रिट किटि धुमकिटितक तक धुमकिटि
तक धदीगनः तक धुमकिटि ३ तक धदीगन धा ॥ २ ॥ ॥ इस जोड का साथ
सब तरहसे बजावणा ॥ ॥

अब ठा चोतालाकी दुगण लें कि धिननक तथा परणे मात्रा ९६ की आवडद्दी एकमें लेणा

ताधिननक द्धेंधिननक धिननक ध्धेध्धे धिननक धिनन धिननतक ताधि-ननक द्धेंधिननक धिननक ध्धेध्धेधिननक धिनन धिननतकता ॥ ॥ ॥ धादींन् धाकिटि तकिटि तकाकिटिः धी २ किटि धुमकिटि तकिटितकाकिटि तअकिटि धुमकिटि तकिटि तकाकिटि तकतकधुमकिटि तकिटितकाकिटि धदींगन न्नकिटि तकिटितकाकिटि तकध्धेता धुमकिटितक धदींगन धा ॥ १ ॥ ॥ × × + + किटितक धदीगन धाआ २ किटितक धदींगनधा ॥ २ ॥ ॥ × × किटितकिटि तका किटितक धदींगन धा ऽ २ किटित किटितका किटितक धदींगन धा ॥ ३ ॥ ॥ धाआ धदींगन धदींगन धदींगन धा तगनग देअ् देअ् तरांग ३ धा ॥ ४ ॥ ॥ धाआ धुमकिटितगनांग धाअ् तअ् किटितक धदींगन ३ धा ॥ ५ ॥ ॥ धादिन धाकिटि तकिटितकाकिटिः धी २ किटि धुमकिटि तकिटि तकाकिटिः तराण धा ताकिटितक धाअः धीन्तरकिटितक तकधुमकिटितक किडाणधा किडनग तरकिटि-तक तकिटि धीकिटि धुमकिटि धिदिन्ताडधा ॥ ६ ॥ ॥

अब ठा चोतालाकी तिगुणी (छे गुणी) ले की परणे मात्रा १४४ की आवर्त ऐककी

धा दिन्ना धा किटि तक धीधी किटि तक धुम किटि तक तअ
२ ४ ५ ८ १० १२ १४ १६ १८ २० २२ २४ २६

किटि किटि धुम किटि तक तक धुम किटि तक धदी गन ता
२८ ३० ३२ ३४ ३६ ३८ ४० ४२ ४४ ४६ ४८ ५०

दि न्ना ता किटि तक धीधी किटि तक धुम किटितक तअ किटि किटि धुम किटि
५२ ५४ ५६ ५८ ६० ६२ ६४ ६६ ६८ ७० ७२ ७४ ७६ ७८ ८० ८२

तक तक धुम किटि तक धदीगन तक धु म किटि तक धदीगन धा । तक धुम
८४ ८६ ८८ ९० ९२ ९४ ९६ ९८ ९९ १०० २ ४ ६ ८ १० १४ १६ १८

× यह निसान काक पदका हें इसकी भरती मे सोलह मात्राके बोल बोलकर जितने निसान होवे उतनी किरिया बोस बोलकर फेर निलकारगा—

किटि तक धदीगन धा । तक धुम किटि तक धदीगन धा ॥ १ ॥ ॥ ॥
२० २२ २४ २६ २८ ३२ ३४ ३६ ३८ ४० ४२ १४४ सम

तालकी मात्रा १–४९–९७–१२०· १ सम

तरांग ध्धेता ध्धेध्धेता धुम किटितक धदीगन धा धुम किटितक धदीगन धा धुमकिटितक धदीगन३ ॥ २ ॥ ॥ इस जोडकी परणे सब इसी तरहसे बेठगी ॥ ॥ ओरभी परणे ॥ धाआः धा२ किटि धाकिटितकः धा३ धा धुवकिटि धुमकिटि तक तत किटि धा तत किटितक ताकिटितक धाकिटितक तकथुंगा किटितक किटि तकिटि तकिटितका तकिटि धाक धा२ किटि काता किटितक धुमकिटितक तकधा किटि धाकिटितक धिन्नाना धिर किटितक धिनकिटिनक तकिटि धाकधा ॥ ३ ॥ ध्धेत ध्धेत ध्धेताः धीर किटितक धुमकिटि धादिन् धाकिटि तक धुमः किट२ तकिटितका धाआन्नाडः धा २ ता धिन्नताः किठ२ तक धा धुमकिटि ध्धेताः तक२ धदीगन धादिन्ना तकिटि धिकिठि धादिन्ता धाः किटितक धदीगन धा धा३ ॥ ४ ॥

इस जोडकी परणे समसे समतक पूरी बेठती हैं ॥

अब अठगुणी लयकी परणे मात्रा
१९२ की आबडदी एक मे लेणी

ऽ
धा दिन् धा किटि तकिटि तकाकिटिः धीर किटि घुम किटि तकिटि तका किटिः तअकिटि धुमकिटि तकिटि तकाकिटि तकतक धुमकिटि तकिटि तकाकिटि
ऽ
धदीगननं किटितकिटि तकाकिटि धदीगन नंकिटि तकिटि तकाकिटि धादिन् धाकिटि तकिटि तकाकिटि धीधीकिटि धुमकिटि तकिटि तकाकिटि काकिटि तआकिटि धुमकिटि तकिटि तकाकिटि तकतक धुमकिटि तकिटितका-धदीगन नंकिटि तकिटि तकाकिटि तकध्धेता धुमकिटितक धदीगन धा ॥ १ ॥ ॥
× × + × × + × × कातकधाआ दीगनधाआ दीदीगन धादीगनधाःताताक धादीगन धाधादीगन धादीगन धादीगनधा ॥ २ ॥ ॥ उपरकी उठाण माफिक ॥ धाधाकिटितक धदीगन २ धाधाकिटितकः धाकिटितक धदीगन ३ ॥ ३ ॥

॥ नगद्धेधी किटितकधीः ॥ तराणधा ताकिटितकधाः ॥ धेतक धदीगन २ इत्यादि सब इसीतरहसे मात्रा १२८ की उठाणसें सब वेठती हें ॥ १६० मात्रासे सिरूः किटितक धदीगनधाआ २ किटितक धदीगनधा ॥ १ ॥ ॥ १४४ मात्रासे सिरू किटितकिटितकाः किटितक धदीगनधाआ २ किटितकिटितका किटितक धदीगनधा ॥ २ ॥ ॥ इस जोडके धोल सब वेठते हें समसे समतक तीन विरिया लेणे ॥

तराण ताकिटितकधा धिन्तर किटितक तकधुमकिटितक किडाणधा किडकिडनग तरकिटितक तकिटि धिकिटधुमाकिटि धीदिन्ताड ३ धा ॥ १ ॥ ॥ इसजोडकी परणे सब इसी तरहसे वेठती हें ओर भी साथ परणे विगेरह वोहोत सी हें परंतु ग्रंथ स्थूल पकडता हें इस्से समय पाकर वो भी लीखा जायगा



॥ श्री द्वारकाधिशोजयती ॥

चक्र जलद चोतालाका



ताल ४ मात्रा १२ ताल पहली द्रुत दुसरी द्रुत तिसरी चोथी अणुद्रुत रूपक यह हैं ० ० ᵕ ᵕ बराबर लयकी धिननक (बोल)

ता॑ ध्धे धि॑नन धि न॑न त॑क ॥ धा किटि तक धद्दी गन धा धा
२ ४ ६ ८ १० १२ २ ४ ६ ८ १० १२ सम

॥ १ ॥ ॥ धाकिटितक तरांगधाधा ॥ २ ॥ ॥ धा ध्धेता धद्दीगन धा धा ॥ ३ ॥ ॥ धा द्धेता तरांग धाधा ॥ ४ ॥ ॥ इस जोडके बोल सब बेठेंगे

अब दो आवडर्दीमे लेणा मात्रा

२४ का बोल लें दुगणकी रहें

ता॑ धि॑न न॑क द्धे॑ धि॑न नक धि॑न नक धि॑न न धि॑नन त॑क ॥
२ ४ ६ ८ १० १२ १४ १६ १८ २० २२ २४

धा॑ किटि त॑क धुम कि॑टि त॑क ध्धे॑ता कि॑टि तक ध॑द्दी ग॑न धा॑
२ ४ ६ ८ १० १२ १४ १६ १८ २० २२ २४ सम

इसजोडके बोल सब इसी तरहसे दो आवडर्दी मे बेठते हैं

अब जलद चोतालाकी दुणकी धिननक ने परणे मात्रा ४८ की आवडदी दोमे आवे॥

ताधिननक ध्धे धिन नक ता धिन नक ध्धे धिन नक ध्धे ध्धे
२ ४ ६ ८ १० १२ १४ १६ १८ २० २२ २४ २६ २८

धिननक ध्धे ध्धे धिन नक धिनन धिनन तक ॥ त रांग ध्धे ता
३० ३२ ३४ ३६ ३८ ४० ४२ ४४ ४६ ४८ १ ३ ४ ६ ८

ध्धे ध्धे ता धुम किटि तक धदी गन धा धुम किटि तक धदी गन
१० १२ १४ १६ १८ २० २२ २४ २६ २८ ३० ३२ ३४ ३६

धा धुम किटि तक धदी गन धा ॥ १ ॥ ॥ इस जोडकी सब परणे
३८ ४० ४२ ४४ ४६ ४८ सम

इसीतरहसे वेठती हें ॥

अब आडकी धिननक ओर परणे मात्रा ३६ की आवडदी दोमे आवे

ताधिननक ध्धे धिननकः धिननक २ ध्धेध्धे धिननक धिनन धिननतक ॥ धीगेधीकिटित २ तकनानानकिटितातक धाधा धाधा धदीगनधा ॥ १ ॥ ॥ इस जोडकी प. स.

अब तिगण लयकी परणे मात्रा ७२ की आवडदी २ मे आवे ॥ ॥ ॥

धादिन्ना धाकिटितक धीधीकिटितकः धुमकिटितक तअकिटि किटिधुमकिटितक तकधुमकिटितक धदीगनः तकधुमकिटि ३ तकधदीगनधा ॥ १ ॥ ॥ धांधाकिटितक धादिनधाकिटितक ध्धेताकिटितकधा किटिधादिनतक ध्धेतराणद्धता किठितकधाकिटितक धुमकिटितक धाकिटितक धदीगनधा ॥ २ ॥ ॥ इस जोडकी परणे सब लेणी ॥

चोगणकी परणे मात्रा २६ की आ० एकमें आवे ॥

धादिन धाकिटि तकिटितकाकिटिः धी २ किटिधुमकिटि तकिटितकाकिटि तअ्किटि धुमकिटि तकिटितकाकिटिः तक २ धुमकिटि तकिटितकाकिटि धदीगन नंकिटि तकिटितकाकिटि तकध्धेता धुमकिटितक धदीगनधा ॥ १ ॥ ॥ अबद्धकडा ३ धाका ॥ धादिन् धाकिटितकिटि तकाकिटिः किटितक धदीगनधाआ २ किटि-तक धदीगनधा ॥ १ ॥ ॥ धादिन धाकिटि तकिटितकाकिटिः किटितकाअ धाकि-टितक धदीगनधाआ २ किटितकाअ् धाकिटितक धदीगनधा ॥ २ ॥ ॥



॥ श्री ॥

चक्र अतिजलद चोतालाको



मात्रा ६ ताल ४ पहली अणुद्रुत दुसरी अणुद्रुत ३–४ अणुअणुद्रुत स्वरूप यह हैं ᵕ ᵕ ''

बोल बराबरका

धा धदी गन धा ॥ १ ॥ ॥ धा तरां ग धा ॥ इसतरहसे ले.
२ ४ ५ सम २ ४ ५ सम

अब दुणी लेकी धिननक और बोल मात्रा १२ का

ता ध्धे धि नन धि नन तक ॥ धा किटि तक धदी गन धाधा
२ ४ ६ ८ १० १२ २ ४ ५ ८ १० १२ सम

॥ १ ॥ ॥ धा आ किटि तक धदी गन धा ॥ २ ॥ ॥ इस तरहसे
२ ४ ५ ८ १० १२ सम

तीगणका बोल

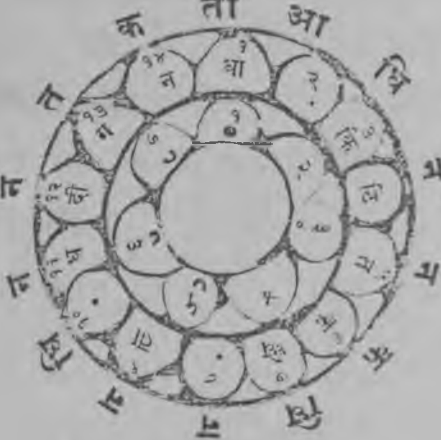
धा दिन्ना धा किटि तक तक धदी गन धा ॥ १ ॥ ॥
२ ४ ५ ८ १० १२ १४ १५ १८ सम

अब चोगणका बोल

धा किटि तक धुम किटि तक ध्धे ता किटि तक धदीगन धा
२ ४ ५ ८ १० १२ १४ १५ १८ २० २२ २४ सम

॥ १ ॥ ॥ इस जोडका साथ सब बजावणा ॥

चक्र फिरोदस्त तालको



ताल ९ मात्रा ७–१४ का पहली ताल द्रुत दुसरी द्रुत ३–४–५ मी अणुद्रुत रूपक यह हैं ० ० ᵕ ᵕ ᵕ

बोल बराबर लेका आबडी १ का

धा किटि तक ध्धेतां धदीं गन धा ॥ १ ॥ ॥ धा किटि तक
२ ४ ६ ८ १० १२ १४ सम २ ४ ६

ध्धे तां तं रांग धा ॥ ॥ २ ॥ ॥ धाध्धेता ध्धेता धदीगनधा ॥ ३ ॥
८ १० १२ १४ –

॥ धाध्धेता ध्धेतातरांगधा ॥ ४ ॥ ॥ ॥ ॥ इस्की जोडके बोल सब बेठते हैं

अब दुगण लयकी धिननकनें परणे मात्रा २८ की

ता धिन नक ध्धे धिन नक ध्धे ध्धे धिन नक धा किटि तक
२ ४ ६ ८ १० १२ १४ १६ १८ २० २१ २२ २४

धिं नक तक ॥ ध्धे त ध्धे त हे हें किटि तक ध्धेतां ग धा किटि

तक धद्गी गन धा ॥ १ ॥ ॥ धाकिटि तकिटि तकिटितकाकिटि तकद्धेता
२४ २६ २८ सम

धुमकिटितक धदीगनधा ॥ २ ॥ ॥ धीकीतक तकधाधाधा किटितकधा किटि-
तकधाकधाकधा ॥ ३ ॥ ॥

धाकिटितक धदीगन धुमाकिटितक ध्धेता किटितक धदीगन धा ॥ ४ ॥
इस जोडकी परणे सब इसी तरहसे बेटती हैं

फिरोदस्त तालकी आडकी धिननक और आडकी परणे मात्रा २१ की आवडदी एककी ॥

धा ऽ ना ऽ धा किटितक धी किटि धी किटि तक धदीगन धा ॥ १ ॥
२ ३ ५ ६ ७ ८ ९ १० १२ १३ १५ १७ १९ २१ सम

ता धिननक ध्धे ध्धे धिननधिननधिनन तक ॥ धा किटितक ध्धेता किटि धी
२ ३ ६ ८ १० १२ १४ १५ १७ १९ २१
किटितक धदीगन धा ॥ २ ॥ ॥

तीगुणी ले की परण मात्रा ४२ की आवडदी एक मे लेणी

धादिन्ना धाकिटितक धीधी किटितक धुमकिटितक तक धुम किटि तक धुम किटि
२ ४ ५ ८ १० १२ १४ १६ १७ २० २२ २४ २६ २८ ३० ३२ ३४ ३६
तक धदीगन ॥ १ ॥ ॥ तालकी मात्रा १–१३–२५–३१–३६–१
३८ ४० ४२

तक धुमकिटितक धदीगन धा ३ ॥ २ ॥ ॥ ध्धेता तक धादिन्ना धादिन्ना
धी धी किटितक धाक धाक धा किटितक धाक धाक धा ॥ ३ ॥ ॥ तक धुम
किटि तक धुमकिटि तक धुमकिटि तक धदीगन धा ३ ॥ ४ ॥ के सो आवडदीमा हैं।

अब चोगण की परणं मात्रा ५६ की

आवडदी एकमे लेणी

धादिन् धाकिटि तकिटितका किटि धी धी किटि धुम किटितकिटि तकाकिटि तका किटि ताकिटितका किटि तक धेता धुमकिटि तक धदीगन धा ॥ १ ॥ ॥ धादिन् धा किटि तकिटितका किटि तकिटि तकाकिटिः किटितक धदीगन धा० २ किटितक धदीगन धा ॥ २ ॥ ॥ इस तालका ओर चपकका एकही वजन हें इस्से उस्के सब बोल इस्मे बेठते हें



॥ श्री गोकुलनाथो जयती ॥

चक्र मंठ तालका



मात्रा २२-४४-का ताल ७ पेहली लघु दुसरी लघु तिसरी द्रुत चौथी लघु पाचवी लघु छठी द्रुत सातमी द्रुत तालका वजन यहहे ॥ ० ॥ ० ० इस तालमे पहले सूल फागता और चोताला दोनोका मिलाप हें चक्रके भीतरका बोल ॥

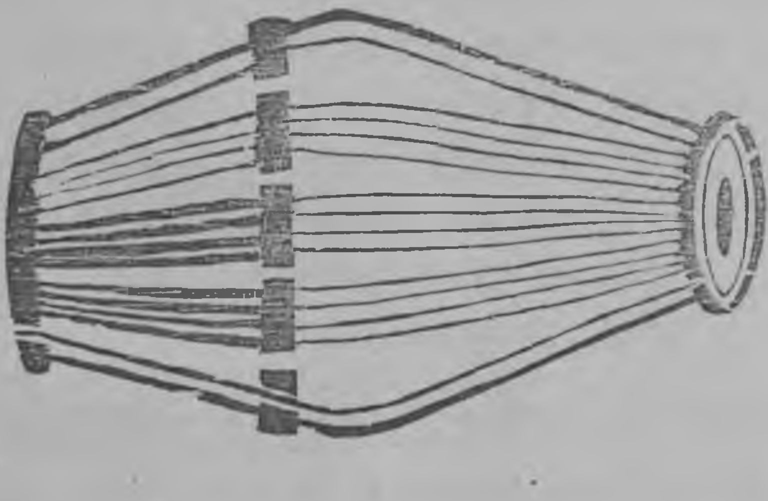
```
    |                 |                       |
धा किटी धी धां कि टि त रा ण तक धा कि टि तक धा दिम  धा किटि
   २   ४   ५  ६  ७ ८ ९ ११ १२ १४ १५ १७ १८ २०  २१  २४   २५  २८
|           o         o
धीधी किटि तक  धा किटि तक धदीं गन धा ॥ १ ॥
 ३०    ३२    ३४ ३६ ३८    ४०   ४२ ४४
```

किटि तक तक २ धा धा किटि तक धींडना किटतक देअः किटि २ तक देअ नांड देअः धा ॥ २ ॥ इस जोडकी परणे मत लेणी ॥

बोल बराबरके मात्रा २२ के

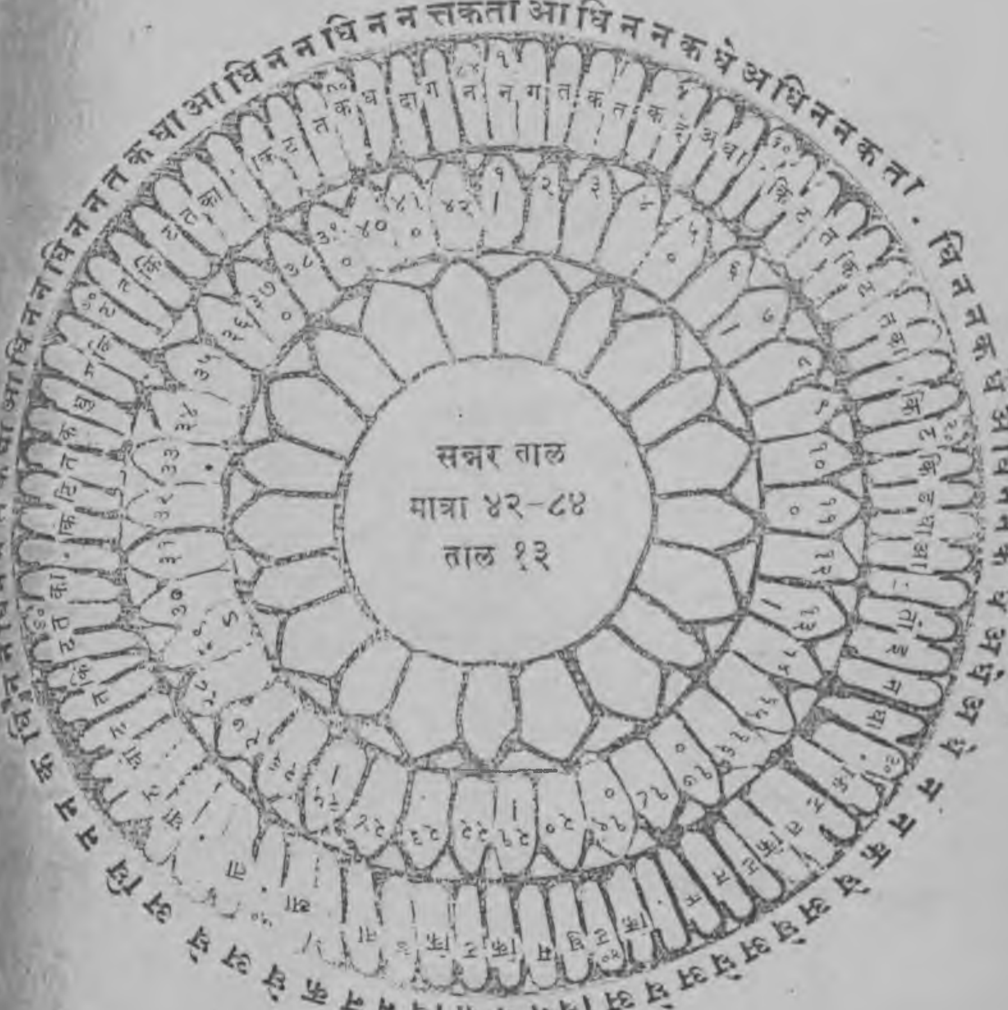
```
 |        |          ०        |       |             ०        ०  |
धा  किटि तक धुम किटि तक धे ता तक  धदि  गन धा  ॥  १  ॥  इस  जोडके
 २       ४       ५    ८    १०    १२  १४ १६ १८   २०     २२ सम
```

बोल सब इसी तरहसे. बेठतेहे और आड तिगुण चोगणले सब इसमे अष्ट मंगल ताल की बेठतीहे इसका और उसका वजन एक साही हे सिर्फ तालोमे थोडा साफर्कहे.



॥ श्री चंद्रमाजी ॥

चक्र सम्नर तालको



ताल पहली लघु २ द्रुत ३ लघु ४ द्रुत ५ लघु ६-७ द्रुत ८-९ लघु १० मी गुरू ·१२-१३ मां द्रुत तालोका रूप । ० । ० । ० ० ॥ ऽ ० ० ०

॥ चक्कुर्भीतर की परण मात्रा ८४ की ॥

। ० । ० ।
न ग त क त क दे अ धा कि टि त कि टि त का कि टि कि ड धा आ ती इ्
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ १०-११ १२ १३ १४ १५ १६ १८ १९ २० २१ २२ २४ २५ २६ २७

० ० । ।
न धा कि टि त कि टि त का कि टि धु म कि टि कि ड ना आ ता धीट
२८ ३० ३१ ३२ ३३ ३४ ३५ ३६ ३८ ३९ ४० ४१ ४२ ४३ ४४ ४५ ४६ ४८ ५० ५२ ५४

ऽ ० ० ०
धीट तकिटितका किटि तकधुमकिटि ताकिटि तका किटितक धदीगन धा ॥१॥
५६ ५७५८५९६०६२ ६४ ६६ ६८ ७० ७२ ७४ ७६ ७८ ८० ८२ ८४

धाआ धादिन धाकिटि तकिटि तकाकिटिः धीरकिटिधुम किटि तकिटि तका किटितअ् किटिधुमकिटि तकिटितकाकिटि तकतक धुमकिटि तकिटितकाकिटि तक-धेता धुमकिटितक धदीगनधा ॥ २ ॥ ॥ किटिधुमकिटि धिलांगतकधदीगनधा धदीगनधा क्रिट्टतक धाधाकितक धेधेकिटिकिटि धिन्तराण तकधुमकिटितक ड्तकान ढ्धिरकिटि धीक्ड्ताधीः किटि २ काताकिटिधा ॥ ३ ॥ ॥ धादिन् धाकिटितकिटि तकाकिटि धीधीकिटिधुम किटितकिटि तकाकिटि तअ्किटिधुम-किटि तकिटितकाटिः धाआः किटितक धदीगनधाआ २ किटितक धदीगनना ॥ ४ ॥ ॥ इस जोडकी परणे धमारकी तीगणी लेकी त्या टुकडे सब वेठते हे

अब सवार तालकी तीगणी लयकी परण
मात्रा १२६ की ॥ आवडदी एकमे आवे

। ० । ०
धादिन्ना धाकिटितक धीधीकिटितकः तअ्किटि किटिधुमकिटितक तक

। ० ० ।
धुमकिटितक धदीगन तकधुमकिटि तकधुमकिटि तकधुमकिटि तकधदीगनधाआ०

। ऽ ०
तकधुमकिटि तकधुमकिटि तकधुमकिटि तकधदीगनधाआ० तकधुमकिटि तक

० ० ।
धुमकिटितक धुमकिटितक धदीगनधा ॥ १ ॥ ॥

ओर चोगण विगरह साथ टुकडे मोहरे परण सवही हे परंतु यहापर सुक्षम लिखा गया हैं——

॥ श्री मदन मोहनजी ॥

चक्र जय मंगल तालको



ताल ९- पहली ताल लघु दुसरी तिसरी लघु ४-५ द्रुत छठी लघु सातमी आठमी नवमी द्रुत तालका रूप यह है ।॥००।०००

(पेसकार)

। । । ० ० । ० ० ० ।
धा धा दिनता तिट धा दिनता किटि तक तक गदीगन धा ॥ १ ॥
२ ४ ६ ८ १० १२ १४ १६ १८ २० २२ २४ २६ सम

। । । ० ० । ० ० ० ।
धाकिटितक धुम किटि तक धेता किटि तक तक घदीगन धा ॥ २ ॥
२ ४ ६ ८ १० १२ १४/१६ १८ २० २२ २४ २६ सम

धाकिटि दिन धुम किटि तक ...

दुगण लयकी धिननक ओर परणे मात्रा ५२ की बराबरमे लेतो आवडदी दोमे आवेने ने दुणमे एक आवडदीमे आवे ॥

ताधिनक ध्ये धिननक २ ध्ये ध्ये धिननक २ ध्ये ध्ये धिनन धिननतक किटतअ० धुमकिटि तक धुमकिटितक धदीगन था किटितक धदीगन धाकिटितक धदीगन धाकिटितक धदीगन धा ॥ १ ॥ ॥ ध्येता किटितकः धीर२ किटितराण तकधाकिटितक धादिन्धाकिटि धी धी किटि तकधा किटि धुमकिटितक धदीगन धा ॥ २ ॥ ॥ इनकी जोडकी परणे सब बेठेगी

आडकी धिननकने परणें मात्रा ३९ की आवडदी एक में आवें ॥

ताधिननक ध्ये धिनमक ताधिननक ध्ये धिननक ध्ये ध्ये धिनन धिनन धिनन तक ॥ तकिटि धिनधिकिटि तधिगधि किटित तक नाना न किटिना तक धाधा धाधागदीगन धा ॥ १ ॥ ॥ किटितः तक तकिटिता२ किटि देअ देअ दीकिटित तकः धाधा२ गदीगन धा ॥ २ ॥ ॥ इस जोडकी परणे सब लेणी

अब तिगुण लयकी परणें मात्रा ७८ की आवडदी एककी ॥

धादिन्ना धाकिटितक धीधी किटितक धुम किटितक तअ किटि किटि धुम किटितक तक धुमकिटि तक धदीगनः तक धुमकिटि तक धुमकिटि तकधुमकिटि तकधुमकिटि तक धदीगन धा ॥ १ ॥ ॥ धा दिन्ना धाकिटितक धादिन धा किटितक किटि किटि तकधा किटि धादिन तक ध्ये तराण ध्येता किटि तक धा किटितकः धुमकिटि तकधा किटितक किटितक धदीगन धा ॥ २ ॥ ॥ ओर इस तालकी चोगण विगेरह पहले सालवंट तालमे लिखी हे सो सब इसमे पूरी बेठती हें इसका ओर उसका एकही वजन हें सिर्फ तालोंका फर्क हें ॥

॥ श्री बालकृष्णोजयती ॥

चक्र नव तालका



मात्रा १२-२४ का ताल ९ पहली ताल द्रुत २ अणुद्रुत ३ द्रुव ४-५ अणुद्रुत ६ ठी द्रुत ७-८-९ मी अणुद्रुत रूपक ऐसा हे ०ᵕ०ᵕᵕ०ᵕᵕᵕ

बोल बराबरके मात्रा २४ के

० ᵕ ० ᵕ ᵕ ० ᵕ ᵕ ᵕ ०
धाधुम किटितक धेंता किटितक धदींगन धा धा धा ॥ १ ॥
२ ४ ५ ८ १०१२ १४ १५ १८ २० २२ २४ सम

धा किटितक धुम किटितक धेंता किटितक धाद्गनधा ॥ २ ॥

इस जोड़का बोल सब देतेहै

दुगण लयकी धिननक और परणे मात्रा
४८ की आवडदी एकसे लेणी ॥

ताधिननक ध्येधिनतक ताधिननक ध्येधिननक ध्येध्ये धिननक धिननक
२ ४ ६ ८ १० १२ १४ १६ १८ २० २२ २४ २६ २८ ३० ३२ ३४ ३६

धिननक धिननधिनन तक ॥
३८ ४० ४२ ४४ ४६ ४८

धा किटि धींधीं किटि त राण तक धा किटि तक धा दिन् धा
२ ४ ६ ८ १० १२ १४ १६ १८ २० २२ २४ २६

किटि धींधीं किटि तक धा किटि धुम किटि तक धदी गन धा ॥
२८ ३० ३२ ३४ ३६ ३८ ४० ४२ ४४ ४६ ५७ सम

॥ १ ॥ ॥ धादिन् धाकिटि तकिटि तकाकिटिः धी २ किटिधुमकिटि तकिटि तकाकिटि तकध्येता धुमकिटि तक धदीगनधा ॥ २ ॥ ॥ तरांग ढ्रेता ढ्रेढ्रेलाः धुमकिटितक धदीगनधा ३ ॥ ३ ॥ ॥

इस जोडकी परणे सब इस तालमे बेठती हें

अब नो तालाकी आडी लयकी
धिननकने परण मात्रा ३६ की

ता धिन नक ध्ये धिन नक धिन नक धिन नक ध्ये ध्ये धिन
२ ४ ६ ८ १० १२ १४ १६ १८ २० २२ २४ २६

नक धिननाधिनन तक ॥ धा ५ ना ५ धा किटितक धी किटिताकिटि धी किटि
२८ ३० ३२ ३४ ३६ २ ३ ५ ६ ७ ८ ९ १० १२ १४ १६ १८

तक धदी गन तकिटिधिकिटि तक धदीगन धा ॥ तालकी मात्रा १–७–१०–१६
२० २२ २४ २६ २८ ३० ३२ ३४ ३६ सम

१९–२२–२८–३१–१ सम

तीगुण लयकी परण मात्रा ७२ की
आवडदी एकमे लेणी ॥

धा दिन्ना धाकिटितक धीधी किटितक धुम किटितकः धेतातक धा दिन्ना धिधि किटि तकः धाक २ धा किटि तक धेः तराग धा३ ॥ १ ॥ ॥ इस जोंडकी परणे सव इसी उठाणसे पूरी बेठती हें

चोगण की परण मात्रा ९६ की

धा दिन धाकिटि तकिटि तकाकिटि धीर किटि धुमाकिटि तकिटि तकाकिटि तअ् किटि धुमाकिटि तकिटितकाकिटि तक तक धुमकिटि तकिटि तकाकिटिः किटि तक धदीगन धाआर किटितक धदीगन धा ॥ १ ॥ ॥ इत्यादि



॥ श्रीमद्वीरवर्द्धनो चरण क्षिरायनमः ॥



ताल पहले इकताला मात्रा ६--१२ का दुसरे रूपकताल मात्रा ३-६ काँ तीसरे तिताला मात्रा ८-१६ का चोथे चोताला मात्रा १२-२४ का पाचवे पंचम ताल मात्रा ८-१६ का छट्टे खटताल मात्रा ८-१६ का ॥

१ इकताला	२ रूपकताल	३ तिताला	४ चोताला	५ पंचमताल	६ खटताल
ताल १	ताल २	ताल ३	ताल ४	ताल ५	ताल ६

बोल बराबर लेंकी मात्रा ४५-९० का

१ धा किटितक धदी गन धा २ धा धदी गन ३ धा किटि तक धुम किटि तक
२ ४ ६ ८ १० १२ १४ १६ १८ २० २२ २४ २६ २८ ३०

धदीगन ४ धा किटितक धुम किटि तक धधेना किटितक धदीगन ५ धा किटि तक
३२ ३४ ३६ ३८ ४० ४२ ४४ ४६ ४८ ५० ५२ ५४ ५६ ५८ ६० ६२ ६४

धुम किटि तक धदीगन ६ धा किटितक धुमकिटि तक धदीगन धा ॥ २ ॥
६६ ६८ ७० ७२ ७४ ७६ ७८ ८० ८२ ८४ ८६ ८८ ९० सम

अब षट मुखी तालकी दुगण लयकी
परण आबंडदी एकमे आवें

धादिन धा।किटि ताकिटि तकाकिटि धिधिकिटी धुमकिटि ताकिटितकाकिठि
२ ४ ६ ८ १० १२ १४ १६ १८ २० २२ २४ २६ २८ ३० ३२

तअ किटि धुमकिटि तकिटि तका किटि तकतक धुमाकिटि तकिटि तकाकिटि
३४ ३६ ३८ ४० ४२ ४४ ४६ ४८ ५० ५२ ५४ ५६ ५८ ६० ६२ ६४

धधीगन नं किटि ताकि टि तकाकिटि तक द्धे ता धुम किटितक धदीगन धा दिन
६६ ६८ ७० ७२ ७४ ७६ ७८ ८० ८२ ८४ ८६ ८८ ९० ९२ ९४ ९६ ९८ १००

धाकिटि ताकिटि तकाकिटि धीधीकिटि धुमाकिटि ताकिटि तकाकिटि तअ् किटि
२ ४ ६ ८ १० १२ १४ १६ १८ २० २२ २४ २६ २८ ३० ३२

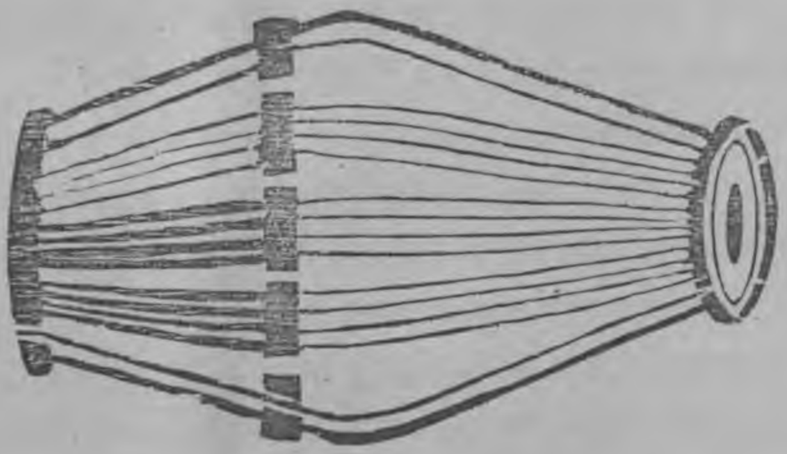
धुमाकिठि तकिटि तका किटि तकतक धुमाकिटि ताकिटि तकाकिटि धाआ तकाद्धि
३४ ३६ ३८ ४० ४२ ४४ ४६ ४८ ५० ५२ ५४ ५६ ५८ ६० ६२ ६४ ६६ ६८

ता धुम किटितक धदीगन धा ॥ १ ॥
७० ७२ ७४ ७६ ७८ १८० सम

किटित किटितका, किटितक धींइ २ किटितकाआः किटिता धीइः धी २ किटितक धिन धा ° किट्टि तकः धीराकिटितक ना किटित २ धीनु २ धीकिटि ताकिटि तरांगः धा धा किट्तिक् कत गदीगन धाअ २, धा धा किट्तिक् कत गदीगन धा ॥ २॥

ताल सूर फागता

ध्येत २ ध्ये ध्ये किट्त्तिक् वित्तांन तांन ॥ धाकिटितक २ धाधी किटितक दांन मांन ॥ १ ॥ ताग्डतक २ तागढ को ठ्यारा नरेश ॥ श्री श्री श्री ज्ञान सिंहगू ज्यो सुरेश ॥ २ ॥ द्रिगकंजसे चारु निसु दिना रहेत ॥ भृकुटी बङ्क लखि मनमथ लजेत । ३ ॥ श्री मोहन कृष्ण करत नका ताहा रीझ रीझ देत गज शाह ॥ ४ ॥ कहे घनश्याम, पूरोमनके कांम ॥ चिरजीयो श्रीपति अटल रहो निजधांम ॥ ५ ॥ ताग्डतक धी किटि धाधी किटितक ध्येता धदीगन ॥ धा किट्तिक् धीकिटि धाधी किटितक ध्येता धदीगन धा ॥ ६ ॥



॥ श्रीनाथोजयती ॥

चक्र दीपचन्दी तालका.



मात्रा–१४ ताल ३ पहली ताल लविराम २ द्रुत ३ लघु दवीराम मिन्त्री हुइ, तालका रूप यह है. ।ँ ० ०ँ

खाली । ० ०ँ
गत ॥ धा धिन् धागे धिन् ता तिन् धा गे धि न् , ॥
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४

बोल बराबरका मात्रा १४ का.

खाली ।ँ • ०ँ खाली
धा किटितक धुम किटि ध दी ग न धा ॥ १ ॥
२ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ सम

धा किटितक धुम किटि तरांग धा ॥ २ ॥ ॥ इस ठोकके बोल सब लेणा.

अब दुगणकी धिननकने परण
मात्रा २८ की आवडदी एकमें लेणा.

खाली ॅ ० ॅ

ता धिननक द्धे द्धे धिननक द्धे धिननक धिनन धिनन तक

२ ४ ६ ८ १० १२ १४ १६ १८ २० २४ २४ २६ २८

धा किटितक धा दिन धाकिटि तक द्धेता किटितक धदीगन धा ॥ १ ॥

॥ इस जोडका सब साथ बजेनाहे परंतु इस्मे विशेष करके गतही बजती हे इस तालमे ओर होली तालमें सिर्फ ताल देनेमे फर्क हे. होली तालका सम तालपर हे ओर इसका खालीपर हे.

इस ग्रंथके सिरुवादमे तालोंके सात अंगोका वर्णन यानी अणुद्रुत द्रुत लघु विगेरहका सुक्षम रीतिसे किया परंतु उनसे संतोस कम होनेसे यहापर थोडेस दोहा छंद मे और लिख दिया जाता हें

छ मारगजे कहेत हे तिनको करु वखान दछिन वार्तिक चित्र ध्रुव ओर चित्र तर जान ॥ १ ॥ छठो चित्रत्तम हें कहे इनकी कला गनाय ॥ हें दछिनमें वसुकला अर्धकला पुनिलाय ॥ २ ॥ द्वै पहेली द्वै पाछली कला वारतिक माहि ॥ आदि अंतके चित्रमें यो भाखे कविनाहि ॥ ३ ॥ कला होय द्रुत मानसो चित्रतर हु में आय ॥ बहुत चित्रतममे कलाकर जे मानके भाव ॥ ४ ॥ क्रिया होय द्वै भातकी तिनके केहतु जुनाऊ ॥ पहले निसद्धा कही जुग सद्धा जुठाऊ ॥ ५ ॥ निःसद्धा विध चारकी लागे कहत सुदेस ॥ आवायाकनि काम अरु विछेपक धरवेस ॥ ६ ॥ ध्रुव अरु संपा ताल पुनि सन्निपात निर्मान ॥ पातकला इनको कहे जे अति चतुर सुजान ॥ ७ ॥ कर पसरेते अंगुली मुरे मुरे कनिष्टा आदि आबापक ताको कहे गुनीजन सबे अनादि ॥ ८ ॥ करतल करि निचें बहुरि अगुरी देहों पसारि निष्क्रामक ताको कहे लक्षण चितही विचार ॥ ९ ॥ अगुरिन छोडे दाहिने सो विक्षेपक होई ॥ आदितर्जनी अधहि करे मुरे प्रवेसक सोई ॥ १० ॥ कर उर्धो

होली ताल जुमराकी दुगण लेंहे.

निचो परे चुटकी मद्ध उठाऊ ताही कों ध्रुव कहत हैं गुणीजन याहि भाय ॥११॥ दक्षिण करके तालसों संपा कहे सुजांन ॥ बाहे करके तालको कहे ताल परमान ॥ १२ ॥ दोऊ करके तालको सन्निपात हे नाम ॥ ये जुत सद्धा भेदमें कहे माहारस धाम ॥ १३ ॥ सात अंग हे तालमे तिनके सुनि अब नांम ॥ अणु द्रुत रु विरांमद्रुत लघु वोहोस्यो लविरांम ॥ १४ ॥ गुरु अरुप्लुत मित अंग यह कहे ताल विदलोय ॥ अथ इनकी उत्पती कहों अणुद्रुत पवन ही होय ॥ १५ ॥ द्रुत जो ऊपज्योंनीरते जल समीर दविरांम ॥ लघु पावकते भयों जल आगही लविरांम ॥ १६ ॥ गुरू उपज्यो आकासतें प्लुत मथवी तेजानि ॥ अब इनके सुनि देवता अणुद्रुत चन्द्र बखान ॥ १७ ॥ द्रुतको ठाकुर सिम्भु हें स्कंदेव दविरांम ॥ देवी लघुकी देवता दविरांम ही गुरुनाम ॥ १८ ॥ सिवगौरी गुरुदेवता प्लुतके तीन्यो देव ॥ जें इनको उच्चरत्त हें तिनके कहो जो भेव ॥ १९ ॥ अणुद्रुतको तीतर कहें द्रुतको चटक जनायबक बोले दविरांम कों लघुकों चाष बनाय ॥ २० ॥ कोकिल विराम ही कहें वायस गुरु कहे देहि ॥ निजश्वरको उच्चार करि कुकुंट प्लुत कहे लेहि ॥ २१ ॥

चिन्ह

नामअणु. छिन्ह ˘

सुन इनकी संज्ञा अबहि कहत गुनिजन लोय ॥ अर्धचंद्र अणुद्रुत करन अर्ध बिन्दु पुनि होय ॥ २२ ॥ अर्धद्रुत अरु अणु कहे अकुस धनुप् पुनिजानि ॥ इतने अणुके नाम हें पण्डित कहत बखानि ॥ २२ ॥

नामद्रुत चिन्ह ०

सुन्य ख व्यंजन कूप पुनि वलयं सुदति गनाइ बिन्दु अर्ध मात्रक कहें द्रुतके नाम बनाय ॥ २४ ॥ ॥

नाम लघु चिन्ह ।

ह्रस्व मेरु स दंड पुनि औरुल मात्रक नाम ॥ सरल रु व्यापक बहुरिहुं लघु कहियें. अभिरांम ॥ २५ ॥ ॥

नाम गुरु चिन्ह ऽ

सुन गुरू नाम द्वि मात्र गुरु दीरघ कंकन वंक ॥ नूपर हारग पुञ्ज पुनि केडरी ताटंक ॥ २६ ॥ प्लुत नाम चिन्ह है सामज श्रृंगी दीप्त पुनि प्लुतकों नाम सुरंग ॥ २७ ॥ अति सुछम कर घातमें, अणु द्रुतको करि योग ॥ सुक्षम यातही द्रुत कहें, पूरन लघु संयोग ॥ २८ ॥ यातही करि कर शेष पुनि, करे सु गुरूकों रूप ॥ कर घातही कर भ्रम करें, सोइ प्लुत जान अनूप ॥ २९ ॥ अंतर अणुद्रुत घातमे, सारध अंगुल होय ॥ द्रुतमे तीन रु दंडमे, षट्‌ अंगुल तु जोय ॥ ३० ॥ गुरु में द्वादस हो तहे, प्लुतमें वसुदस जान ॥ लघु अक्षर पाचक कहें, एक मात्रका मानि ॥ ३१ ॥ एक मात्र कही लघु कहें, गुरुही मातुका दोय ॥ प्लुतको मात्रा तीन हैं, कहें गुणीजन लोय ॥ ३२ ॥ अर्ध मात्रका द्रुत कहे, अर्ध द्रुतही अणु एक ॥ ताल शास्त्र विद यो कहें, करिके बहुत विवेक ॥३३॥ कहे चार ग्रह तालमें, तिनको देत गिनाय ॥ सम अतीत अरु अनागात, चौथे विषम जनाय ॥ ३४ ॥ गीत ताल दोउ भये, एक कालमें होय ॥ ताको सम समपानी सब, पंडित कहे सु होय ॥ ३५ ॥ प्रथमही रचना गीतकी, पछि तालही आनि ॥ ग्रह अति नासो कहे, अरु अपपान बखान ॥ ३६ ॥ पहले ताल प्रवर्त्य पुनि होय गीत विस्तार ॥ सुअनागती कहीये वहे उपर पान निरधार ॥ ३७ ॥ आदि अंतको नेम नहीं सो विषम ग्रह होय ॥ इनके लछन यो कहे सबे गुणीजन लोय ॥ ३८ ॥ पंच जाति सुनी प्रथमही हैं चतु श्र सुनाम ॥ अश्र खंडु अहु मिश्र पुनि संकीरन अभिराम ॥ ३९ ॥ चार वर्णको तालजो सो चतुर्श्र बखानि ॥ तीन वर्णको अश्र कहि खंडु पाच सो जान ॥ ४० ॥ मिश्र कहे मुनी वर्णको संकीरण नव होय ॥ जाति पञ्च यह तालकी कहे गुणीजन लोय ॥ ४१ ॥ चतुश्रही द्विज कहुतु हें अश्रही छत्री मान ॥ वैसही खंडु कहे बहुरि सूद्र मिश्र तूजान ॥ ४२ ॥ संकर संकीरन पुनि होइ योही कहे ताल विद लोइ ॥ ४३ ॥ आठ कला अत्र हो कहो ध्रुवका प्रथम विचार ॥ सर्पनी कृष्णा पद्मिनी विसार्जिता निरधार ॥ ४४ ॥ छठइ विक्षिप्ता कही बहुरी पताका

मानि ॥ पतिताउहें आठइ अत्र लक्षण यो जान ॥ ४९ ॥ लुद्ध महीत ध्रुवका कहें सर्पनी वाए जानि ॥ कृष्णा दक्षण और हें पद्मिनी अधके भाय ॥४६॥ विसर्जिता वाहिर चलें विक्षिप्ता फिर आय ॥ ऊरधगतीजू पताकिका पतिता करहि गिराय ॥ ४७ ॥ लघु मयोगमें ध्रुवका होत ध्रुवका पति ता गुरुही ऊ-द्योत ॥ ध्रुवका सर्पनी कृष्णा आनि श्रुतिमे येही तीन्यो ठानि ॥ ४८ ॥ क्रिया भए विश्रामजु होइ ताको लयही कहे सब कोइ ॥ लय तीन भांतिकी कहें द्रुत मध्य रु विलम्पत लहे ॥ ४९ ॥ इन तीनहुंको कहे ममाण बेर आवेगे बेल समान ॥ ५० ॥ लय प्रवृतीके नियमको कहे सवे जन नाम ॥ कहे समा श्रोतोग-त्था और मृदंगा धाम ॥ ५१ ॥ पीपीका पचइ कही गोपुच्छा याभाय ॥ इनके लच्छन यो कहे पन्दरे भेद गिनाय ॥ ५२ ॥ तीन्यो द्रुत पहले कही वहुर तीन मध्यम यो होय ॥ वहुरि विलम्पत तीन्यो ठानि: भेद समाके कहे बखान ॥५३॥ चिर मध्य द्रुत वहुरतो आवें ए श्रोतोगत भेद कहावें ॥ द्रुत मध्य द्रुत रहे विराजें ऐसें कहत सवे कविराजे ॥ ५४ ॥ मध्यम चिरमध्यम पुनि कहियें भेद मृदंगाके ये लहिये ॥ ५५ ॥ चिरद्रुत चिरहि वुहुरि अवरोखि ॥ मध्यम द्रुत मध्यम करि लेखि ॥ ५५॥ द्रुत मध्यम चिरको कर पातो वहुरचो मध्यम द्रुत चिरभांति ॥ ५७॥ मध्यम चिर द्रुत पुनि निरधारि गोपुच्छा के भेद विचार ॥ अंगनको क्रमते लखि मीत यह प्रस्तार जान निहश्चित्त ॥ ५८ ॥ इति दश प्राण ॥ श्लोक ॥ काष्ठा निमेषक्षणकला, लवाणु द्रुत कस्त था ॥ लघुप्लुत गुरु कालदश प्राण प्रकिर्तिता॥१॥

अथ ताल कथनं

पाच ताल मारग कहें तिनको कहो बनाय ॥ प्रथम चच-पुट कह्यों चाच-पुटो याभाय ॥ १ ॥ वहु खटु पिता पुत्र हैं संपक्केटा उग्रद होय ॥ ताल भेद यो कहत हें सवे गुणीजन लोय ॥ २ ॥ चच्चत्पुटमे गुरु जुगल अरु लघु प्लुत विस्तार ॥ शिव मुख सद्यो जातते उपज्यो यह निरधार ॥ ३ ॥ ऽ ऽ । ऽ स्वेत वरण याको कहतु आठ कलाके भाय ॥ यह भांतिन मनमें समुझी गुणी करत चित चाय ॥ ४ ॥ झंकिटि झंकथरिकि जगनग कुकुथर किटिकाकेडे ॥ पातिकें

गुरु लघु जुगल पुनि बहुसो गुरु है होति ॥ वामदेव मुखते भयो चाचपुटहि उद्योति ॥ ५ ॥– ऽ ॥ ऽ यथापीत वरन जानो यह ताल खट्ठ मात्रासो लगे विसाल ॥ ६ ॥ तत्था तत्तथा कुकुंदथा तक तक थो धित्तामयों ॰ किण झांग नक कित्था ॥ ॥ बहुर खट्ठ पितापुत्रमें प्लुत लघु गुरु जुग जान ॥ लघु प्लुत बहुरयो होतु हैं रक्त वरण यह मान ॥ ७ ॥ द्वादस कला ठाठयो ठयोः मुख इसा नही ते भयो ॥ ८ ॥ ऽ । ऽ ऽ । ऽ संपक्केष्टाको रूपः कहेतु हो अति अनूप ॥ ९ ॥ पहले प्लुत बहुरयो गुरु रामः बहुरयो प्लुत करीये अभिराम ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ मुख अघोर ते जान जू याकों द्वादसकला लगत हैं ताको ॥ ११ ॥ तीन गुरुन उद्घट्ट बनाइ तत्पुरुष हिते भयो जनाइ ऽऽऽ ॥ १२ ॥ पट मात्रासो अतहीराजें याको सुन जन मुख जिय साजें ॥ १२ ॥ अथ देशी ताल (चलती) लघु आदिक परिमित सबे देशी ताल न जान ॥ काश्य तालकी धुनि लयें चितकों रोचन ठानि ॥ १४ ॥ पाचवर्ण लघु उचरे एक मात्रका होय ॥ देशींमे घट बढ कहे जो बन आवे सोय ॥ १५ ॥ ग्रह अरु मुर्छना मे कह्यो लघुहीको अधिकार कर प्रमाण याते कह्यो याहीको निरधार ॥ १६ ॥ ताल प्रांण साङ्गीतकों कहे सांगीती लोग ॥ ताते पहिले गीतकें ताल सोंधना होत ॥ १७ ॥ बहुतकही विध ताल हे नाम भिन्न एकरूप ॥ तिनमे भेद बखानिये काल प्रमाण अनूप ॥ १८ ॥ लघु आदिक के खंड कोइनमे बहु विस्तार ॥ खंडताल ताते कहें सब गुनी निरधार ॥ १९ ॥ ये मेरु सो होतु हें आदि ताल पर मान ॥ ताकी संज्ञा दुसरी रास कहें प्रमान ॥२०॥ इति रास द्वैद्रुत लघु मिलि ताल । इती द्वतिय । द्वैद्रुत अरु एकै दविरांम त्रातिय ताल अतिही अभिरांम ॥ २१ ॥ इति त्रातिय ॥ द्वै लघु ओर एक द्रुत किय (इति चतुर्थ) द्वे द्वे द्रुत अतही सुन्दर होई पंचम ताल कहे सब लोई इति पंचम प्लुत जुग गुरु जुग अरु लघु एक ॥ यो निसंक लिलाकी टेक ऽ ऽ ऽ ऽ ॥ २२ ॥ ईसी तरहसें सब तालोका वर्णन व्याकरण रीतीसें दोहा छंदोमें हैं परन्तु ग्रंथ बढताही जाय इसी कारणसे उन्ही, दोहाछंदो, मेसे, सारां स लेकर, तालोका कोष्ठा बनाकर मात्रा चिन्ह अरु ताल सहित लीखी हैं ॥

गीनती	नाम	मात्रा	ताल	चिन्ह	प्रसिद्ध नाम
३८	वनमाली ताल	२४	८	o o o o | o o S	
३९	बृंह्म जोग	२८	१०	| o o o | o o | o |	
४०	चंचपुट (चञ्चत्पुट)	३२	४	S S | S̀	
४१	चाचपुट	२४	४	S | | S	
४२	खट्ठ पिता पुत्र	४८	६	S̀ | S S | S̀	
४३	संपक्केष्टा	४८	५	S̀ S S̀ S S̀	
४४	उद्युद	२४	३	S S S	
४५	पंचम	१६	५	o | o | |	
४६	निशङ्क लील	४८	६	S̀ S̀ S S | |	
४७	खट	१६	६	| o | o o o	
४८	अष्ट मुखी	२२	८	o | o | o o o |	अष्टमंगल
४९	दर्पुन	१२		o o S	(इकताला)
५०	रति लिला	२४	४	| | S S	यह चौताला कामेलहे
५१	श्रीरङ्ग	३२	५	| | S | S̀	सिर्फताल आगेपीछे
५२	हंस लील	५	२	o ŏ	
५३	गज लीला	१५	४	| | | ŏ	(असवारी)
५४	प्र. चर्चरी	४०	१७	o ŏ o ŏ o ŏ o ŏ o ŏ o ŏ o ŏ o ŏ |	
५५	द्व. चर्चरी	१०४	३२	|o| ŏ |o| ŏ |o| ŏ |o| ŏ |o| ŏ |o| ŏ |o| ŏ |o| ŏ	
५६	गज चुडामणी	३२	९	o o | | | o o | S	(चूडामणी)
५७	सिंह नन्द	१२४	२१	S S | S̀ | S o o S S | S̀ | S̀ S | | ŏ ŏ ŏ ŏ	
५८	सिंह नांद	४०	६	| S S S | S	
५९	मंठ	७२	११	| | S S S̀ o o S S S S	
६०	मल्लिका मोद	१६	६	| | o o o o	

गिनती	नाम	मात्रा	ताल	चिन्ह	प्रसिद्ध नाम
६१	भ्रमण ताल	३८	९	ᴗ ᴗ ᴗ ᴗ ० । ऽऽ ऽ̀	
६२	धुमाली	७	४	ᴗ ᴗ ० ०̆	
६३	सूर्य्य ताल	३६	१२	। ० । ० ० । ० ० ० ० ऽ	
६४	मकरन्द ताल	३२	१०	० ० । । । ० ० । । ।	
६५	प्रति ताल	८	३	। ० ०	तिताला
६६	विन्दु मालनी	४२	६	ऽ ऽ ऽ ऽ ० ऽ	
६७	नन्दन	१६	४	। ० ० ऽ	
६८	मंठिका	२४	३	ऽ । ऽ̀	
६९	दुतिय मंठिका	१३	४	। । ०̆ ०	
७०	उदीच्छन	१६	३	। । ऽ	धीमा तिताला
७१	ठेकी	२०	३	ऽ । ऽ	सूलसे मेलहै
७२	विषम	१८	८	० ० ० ०̆ ० ० ० ०̆	
७३	वर्ण मंठिका	२०	७	॥ ० ० । ० ० मेल चोताला तितालाका	
७४	अभीनन्द	२०	५	। । ० ० ऽ	
७५	अनंग	३२	५	। ऽ̀ । । ऽ	
७६	नान्दी	३२	७	। ० ० । । ऽ ऽ	
७७	मल्ल ताल	२१	६	। । । । ० ०̆	
७८	पूर्ण	२०	६	० ० ० ० ऽ ।	
७९	समक्रान्ते	२०	३	ऽ ऽ ।	ठासूल फागताका उलटाव
८०	त्रिषम	२०	३	। ऽ ऽ	” ”
८१	कुमद	२०	५	। ० ० । ऽ	
८२	चतुस्ताल	१०	४	। ० ० ०	(चोहोरा)
८३	सुवन्द	१८	६	। ० ० । ० ।	

गिनती	नाम	मात्रा	ताल	चिन्ह	प्रसिद्ध नाम
८४	अनङ्ग	१६	२	। ऽ	(गजल)
८५	रायवंक	२४	५	ऽ।ऽ००	
८६	बसंत ताल	३६	६	।।।ऽऽऽ	
८७	लघुशेषर	७	२	। ०	
८८	प्रताप शेखर	१७	३	ऽ ० ०	
८९	पार्वती लोचन	६०	९	ऽऽऽ।ऽऽऽ००	
९०	लीला	१८	३	०।ऽ	
९१	गारुगी	९	४	० ० ० ०	
९२	राझनारायण	२८	६	००।ऽ।ऽ	
९३	लक्ष्मीइस	२१	४	० ० । ऽ	
९४	हंस चाल	१४	४	। ० । ०	
९५	पर्ण	१२	४	।।००	चोताला
९६	सिंघ	१८	५	।०।।।	
९७	चन्द्र ताल	१८	६	।०००।।	
९८	चंद्रकला	६०	६	ऽऽऽ ऽऽऽ	
९९	लय ताल	६८	७	ऽ।ऽऽऽ ऽऽ	
१००	स्कंद	३२	६	ऽ।ऽ००ऽ	
१०१	द्वंद्व	४८	७	।।ऽऽऽ।ऽ	
१०२	मुकुंद	२०	६	।००००ऽ	
१०३	कुविन्द	३२	६	।।००ऽऽ	
१०४	कलध्वनी	३२	५	।।ऽ।ऽ	
१०५	राजमृगांक	१६	४	००।ऽ	
१०६	फेद ताल	२०	३	ऽ।।	

गिनती	नाम	मात्रा	ताल	चिन्ह	प्रसिद्धनाम
१०७	राजमार्तंड	१४	३	S | o	
१०८	सारंगदेव	४०	६	o o | S S S |	
१०९	चित्र ताल	२	१	o	
११०	इडावान	१४	५	o | o o |	
१११	कुलताल	४२	१९	o | o | o | o o o | o o o o |	
११२	शन्नि	१२	४	o o | |	उल्टा चौताला
११४	माहाशन्नि	४२	१४	o o o | | o o | o | o | | |	
११४	सिंह विक्रम	६०	७	S S S S | S S S	
११५	ध्रुचक्रताल	३४	१३	o o o o | | o o o | o o |	
११६	धर्म जयमंठ	२६	४	o | S S	
११७	कपाल मंठ	१५	३	| | |	
११८	विजय ताल	७६	९	S | S S S S S o o	
११९	करुणा ताल	१८	६	| | o | o o	
१२०	सेस ताल	१८	५	o | | | |	
१२१	मंगल ताल	१८	६	| | | o o o	
१२२	हनुमान ताल	२२	८	| | o | o o o o	
१२३	भैरव ताल	२२	७	| | o | o o |	
१२४	छोटी सवारी	२४	३	S S S	
१२५	कल्याण	२४	१०	| o | o | ᵕ o ᵕ o o	
१२६	आनन्द	२८	९	| | | o | o | o o	
१२७	चक्र ताल	३०	४	S | S S	इसमे छेली तालकी खालीपे
१२८	अर्जुन ताल	२०	७	| o | o o | o	[सम पडताहे

गिनती	नाम	मात्रा	ताल	चिन्ह	प्रसिद्ध नाम
१२९	पठ ताल	३२	३	ऽऽ×	यह धीमा तितालाहे परन्तु इसमे खालीपर सम पडताहे
१३०	माहाइच्छा ताल	५६	१२	॥०।ऽ।ऽऽ।।।०	
१३१	कंदर्प लील	२८	६	००।।ऽऽ	
१३२	वीर विक्रम	१६	४	।००ऽ	
१३३	रंग ताल	१६	५	००००ऽ	
१३४	वर्ण भिन्न	८	३	००।	
१३५	त्रिभिन्न ताल	२८	४	।।ऽऽ̍	इसको गाठ चोतालाभी [कहतेहें
१३६	रंगोयोत ताल	४०.	५	ऽऽऽ।ऽ̍	
१३७	रंगप्रदीप ताल	४०	५	ऽऽ।ऽऽ̍	
१३८	राझ ताल	४४	७	ऽऽ००ऽ।ऽ̍	
१३९	अश्रवर्ण	२०	६	॥००॥	
१४०	मिश्रवर्ण	४७	१५	०००० ०००० ०००० ऽ।ऽ	
१४१	चतुश्रवर्ण	२४	५	ऽ।००ऽ	
१४२	झयताल	४०	७	ऽऽ।।००ऽ̍	
१४३	हंसनाद	३२	५	।ऽ̍००ऽ̍	
१४४	ओर भातिको मंठ द्वितिय	३६	८	।।।।।ऽ।।	
१४५	कोकिल प्रिय	२४	३	ऽ।ऽ̍	
१४६	निसारु	१०	२	।०	हंसचाल
१४७	राझ विद्याधर ताल	१६	४	।ऽ००	
१४८	ताल मल्लिका	१६	६	।।००००	
१४९	विझयानन्द	३२	५	।।ऽऽऽ	
१५०	क्रिडा ताल	५	२	००	

गीनती	नाम	मात्रा	ताल	चिन्ह	प्रसिद्धनाम
१५१	झयश्री	३२	५	ऽ । ऽ । ऽ	
१५२	कीरत ताल	१८	४	। ऽ̀ ऽ ।	
१५३	नन्दनी	२०	४	। o o ऽ̀	
१५४	दीपक	२८	६	o o । । ऽ ऽ	
१५५	ठेकी ताल	२०	३	ऽ । ऽ	सुद्ध सुर फागता
१५६	खंडताल	२०	४	o o ऽ ऽ́	
१५७	सम कंकाल	२०	३	ऽ ऽ ।	उलटसूल
१५८	विसम कंकाल	२४	४	ऽ ऽ ।।	टा चोताला
१५९	कुमन्द ताल	२०	५	। o o । ऽ	
१६०	चतुश्रताल	१४	४	ऽ o o̽ o	
१६१	झोंबेडि	७	२	। ŏ	
१६२	झंप	१०	३	ŏ ŏ ।	
१६३	जग झंफा	१५	४	ऽ o o ŏ	
१६४	चतुर्मुख	२८	४	। ऽ । ऽ̃	
१६५	मदन ताल	१२	३	o o ऽ	
१६६	प्र. प्रतिमंठ	८	१	ऽ	इकताला
१६७	द्र. प्रतिमंठ	११	२	ŏ ऽ	
१६८	रति ताल	१२	२	। ऽ	
१६९	ललित	१६	४	o o । ऽ	
१७०	ललित प्रिय	२८	५	।। ऽ । ऽ	
१७१	श्रीनन्दन	२८	४	ऽ । । ऽ̀	
१७२	वर्द्धन ताल	२०	४	o o । ऽ̇	
१७३	पट्ताल	१२	६	o o o o o o	

गिनती	नाम	मात्रा	ताल	चिन्ह	प्रसिद्धनाम
१७४	अंतर क्रीडा	७	३	० ० ०̆	
१७५	उत्साद	१६	२	। ऽ̀	
१७६	विभेकित	३६	५	ऽ ० ० ऽ̀ ऽ̀	
१७७	झगताल	२१	५	। । । । ।̆	
१७८	पर्ण झित	१२	४	। । ० ०	येभी चोताला
१७९	चन्द्र ताल	१८	६	। ० ० ० ॥	
१८०	द्रुताली	१२	४	० ० । ।	,, ,,
१८१	धात्रा	२४	६	॥ ० ० । ऽ	
१८२	गौरी ताल	२०	५	। । । । ।	
१८३	सरस्वतीकंठा भरण	२८	६	ऽ ऽ । । ० ०	
१८४	भग्न ताल	२३	७	० ० ० ० ।̆ ।̆ ।̆	
१८५	कन्दुक ताल	५	२	० ०̆	
१८६	ब्रह्म ताल	२८	१०	। ० । ० ० । ० ० ० ।	
१८७	कुंभ ताल	२२	१०	० ० ० ० ० ᵕ ० । ० ०̆	
१८८	रिछा ताल	७	२	। ०̆	
१८९	लक्ष्मी ताल	३६	१८	० ० । ᵕ ᵕ ० । ० ० ᵕ ᵕ ० ᵕ ० ० ᵕ ० ।	
१९०	सेखर ताल	२८	९	० ॥ ० ० । ० ॥	
१९१	कल्याण ताल	२०	१०	० ० ०̆ ᵕ ० ᵕ ० ० ० ०̆	

इती सारंग देव मत समाप्त

कलिंग मत सुक्षम लिखेहे

गिनती	नाम	मात्रा	ताल	चिन्ह	
१९२	चंद्रताल	३६	१२	॥० ० ०००।।।० ०	
१९३	जयमंठ	१६	३	।ऽ।	
१९४	रूपक	२	३	।० ०	
१९५	झंपक	११	४	० ० ०।	
१९६	अट ताल	१२	४	००।।	उलट चोताला
१९७	इकताली	११	३	।० ।	
१९८	संचताल	१४	४	०।।।	चपक
१९९	मुखरीताल	१३	४	।।००	
२००	विष्णु मन्तातर	१४	७	०००।००	
२०१	धनंजयमंठ	१२	३	०ऽऽ	
२०२	झुमर ताल	११	३	।।०	
२०३	सालगमंठ	२२	६	०।।।।।	
२०४	सारस मंठ	४४	८	ऽ।ऽ००ऽ।।	
२०५	रवि मंठ	३९	७	ऽ।ऽऽ।ऽऽ	
२०६	श्रीमंठ	३२	८	॥००००ऽऽ	
२०७	रंगुमंठ	३२	६	ऽऽ०ऽ०।	
२०८	षट्टुमंठ	२७	६	ऽऽ।।ऽऽ	
२०९	गिरवान मंठ	३६	५	।ऽ।ऽऽ	
२१०	कपाल मंठ	१५	३	।।।	
२११	विसाल मंठ	२२	७	।००।०॥	
२१२	वल्लभ मंठ	२०	३	ऽ।ऽ	
२१३	चित्र मंठ	१०	२	०ऽ	

गिनती	नाम	मात्रा	ताल	चिन्ह
२१४	शांति मंठ	४	२	० ०
२१५	कराल मंठ	१६	६	। S S । । S
२१६	वर्ण मंठ	२४	८	। । ० ० ।। ० ०
२१७	कलिंग मंठ	१०	३	० । ।
२१८	रुचिर मंठ	६	२	ॅ० ॅ०

(दादरा)

नांद समुद्रके तरनको
सरस्वती करत विचार।
हिय मे द्वै तुम्बा धरे तौ
उन पावत पार ॥ १ ॥

१२॥ ताल मुख्य हैं एसाभीकोइ मत
वालेने कहा हैं श्लोक ॥ मूल त्रिकुट
धम्मार ध्रुव चोताल रुद्रकः सवारी
रूपक वृंह्म लक्ष्मी मंट स्तथै वच ॥१॥
गणेश द्वादस प्रोक्तंश्चार्थ ताल झुमरः
तालानाम वादने संख्या कथितां
वाद्य वादकै ॥ २ ॥ ॥

ओर अंगीरा रूसी मतंम सात ताल ही मुख्य कही हैं

श्लोक

ध्रुव मंट या रूपकंच झंपा त्रिकुट एवच । अट ताल एक एक तालीच सप्त ताल प्रकिर्तिताः ॥ १ ॥

कुंडलजुग व्यापक शसि झनी निहारं लघु एक सामझ सर गुरु अंग गुरु कनका दल सुखटेंक । कनका चल सुख टेंक चारु नीःस्याष्ट निझानहु वलय चारु जुग मेरु हार लघु अंग ठानहुं दंड बक्र सर शृंग शृंग लघुसु वेद मंडलकं ॥ ऽ ऽ । ऽ ऽ ऽ ऽ । ऽ । ऽ ऽ ऽ ॥ ५ ५ ० ० ० ० ॥ ऽ ५ ५ इति प्रथवी कुंडली ॥ १ ॥

कवित्त ॥ कंचनको गिर शसि सुत गुरु मेरू अंग हार दंड नृपर दिपति अति आनिये ॥ व्यापक त्रिमात्रक जुगन रचि कंकन तीन ठोर एक बान मगन ही ठानीयें ॥ सामझ नरांच वंक मिली मुख सोम झार्ती कुण्डल तीन अरु दीरघ निझानियें ॥ लघु शृंग बलय जुगल लघु अ सबन्ध धर चारियें पाताल कुण्डली वखानींये । ऽ ऽ । ऽ ऽ । ऽ ऽ ऽ ऽ ऽऽऽ । ऽ ऽ ऽ ऽ । ऽऽऽ । ऽ ० ० । ५ ५ इति पाताल कुण्डली ॥ ॥ सरजुग हार सर सोमझ मगनसर सामज सरलगुरु शृंगी गुरु रामजू । तीन अंग मगन तगन आनन्दी पति जुगल रचि अभिरामजु तगन बनाय तीन उर लघुहार तीन मेरु अङ्ग सर चार वङ्क मुख धामजु वेद लघु असवद और धरि अन्तर्हामें तार होइ इन्द्र लोक कुण्डली सुनाजु ॥ ऽ । ऽ ऽ ऽऽ । ऽ । ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ । ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ । ऽ ऽ ऽ ऽ । ऽ ऽ । ऽ ऽ ऽ । ऽ ॥ ॥ ऽ ५ ५ इति इन्द्रलोक कुण्डली ॥ ॥ नगन भगन अरु झगन पुनि तगन सगन धिबान यगन मगन रचि बाहुरीहू विष्णो ताल प्रमान । ऽ ॥ । ऽ । ऽ ऽ ॥ । ऽ ऽ [illegible] तत्था ० [illegible] झिथरी ० झुन्द झुन्द झुकुन्द धा तकुकु तकुकु झगनग नककुतथा ढिंकुकु ० झीकुकु ० थरींथो कुकु ० झेंझे ० झेकुकु किटितक थरि किटि ० किटिथरी थों किटि किटि थुं थुं थुं किटि नकिटि न किटि जकिठि जग जग० जक० थरी किणजग किणज थरी नक कितथा ॥ इति विष्णो ताला ओर ताल अनंत हैं तिनको ग्यान प्रकार ॥ हो अब कछुरू केहत हों करके ग्रंथ बिचार ॥ ४ ॥ ॥ प्रस्तारही पहले कहों पाताल ही पुनि जानि ॥ द्रुत लघु प्लुत को कहीं [illegible] खंड विस्तार ॥ ५ ॥ [illegible] मेरुनमें बहुरि गुनिजन सिष्ट ॥६॥ नष्टनालके [illegible] आधि डेके अधि लखिहु अलप अंगाचित चाह ॥ ७ ॥ पुनि उपर जो अंग हैं तेइ नीचे आनि । सम अंग बाहे लिखहुं बरे क्रम

ठान ॥ ८ ॥ यह विध वार वार कर जोलो सब द्रुत होय ॥ यो प्रस्तार प्रकारको कहे साङ्गिनी लोय ॥ ९ ॥ इष्ट तालके द्रुतनकी संख्या चित्तमे आनि ॥ अंग पती तिन रच्यों यहविध मनमे जान ॥ १० ॥ एक रुद्दै कृमते लिखो योही कहे कवि लोग ॥ द्वतिय चतुर्थ अष्टकों अंत ही मे कर जोग ॥ ११ ॥ चोथो छठहो जो नही लइये । तीजो ओर पञ्चम तब गहीयों ॥ इनको जोगही आगे धरीये ता पाछे पुनि या विध करीये ॥ १२ ॥ अंकन की संख्या चित आनि ताल भेद तु तेह मांन ॥ १३ ॥ निजु अंकन के जोगते होय अंकको रूप तिन अंकनते भेद निधी कहीये अतही अनूप ॥ १४ ॥ भेद अणुद्रुत पहले जान पाछे भेद अति लघुमान ॥ १५ ॥ वहुर अंत गुरू भेदन लेखि पुनि प्लुत अंत भेद अवरेख ॥ १६ ॥ इति सुची ॥

१	२	[illegible]	६	१०	१९	३३	६०	१०६	१९१	१२	१४०
६१०	१०८९	५०	३५८५	६२२६	१११५०						

प्रश्न करे प्रस्तार हि रूप गुनीजन याको कहत हैं नष्टक प्रष्ण अनूप ॥ १७ ॥ जे ते द्रुत प्रस्तारमें प्रष्ण करे को उआय ॥ अंक पाती तितनी करके हु वहु भातन चितलाय ॥ १८ ॥ नष्ट अंकको अन्तमें दीजे जिमत घटाय ॥ पूरव पूरव अंकको शेषही मध्य नसाय ॥ १९ ॥ पूरव अंक जे नही घटे तो अपातित द्रुत होय ॥ अंक घटे लघु पाइये यौजू कहे सब कोय ॥ २० ॥ इकइ अंतर सो घटे इक इक लघु हें होत ॥ अंक निरंतर द्वै घटे तब गुरु करे उद्योत ॥ २१ ॥ तीन अंक एकसम घटै के द्वे सम घट जाय ॥ एक छाड आगे लो घटे तो प्लुत गुनि कहाहि ॥ २२ ॥ अंक अभावो होत जहा वहां लीजे द्रुत लेखि ताल सम्पूर्ण किजियै यो नष्ट ही अब रेखि ॥ २३ ॥ रूपही लषि पुछे जवही या संख्या आनि ॥ ता प्रष्ण ही कों मिततु उदीष्ट ही कर जान ॥ २४ ॥ इति उदिष्टं ॥ तिरछी रेखा तीन करि उपरकी चित्त त्राहि ॥ लिखि सुचीके अन्त तू प्रथम पंती अवगाहि ॥ २५ ॥ अंत द्वतिय अरु तुमको छठ एसो कर जोग ॥ कर उरधके अंकको याहीमे संजोग ॥ २६ ॥ जो नही पावे चोथो छठओं होलहै या जोग

पंचओं ।। या विधतू पाताल बनाय: सकल गुनिनको मनही रिझाय ।। २७ ।। अंत द्वतिय चोथे छठये पुनि भेद द्रुतादिक क्रम हीते गुन ।। पाच अंक के जू० रे पतार सब हिनु कियो यह निरधार ।। २८ ।। ।। इति पाताल ।। ।। इष्ट ताल द्रुत

१	२	३	६	१०	१९	३३	१०६	१०९	१३४०
१	२	५	१०	२२	४४	९१	३५१	८६९८	१३६०

परिमिति धाम पहिले ही अति अभिराम ।। तिरछी पंती मित यह होय ।। यों ही कहे सकल कवी लोय ।। २९ ।। एक गहे घटितापर पानी तापर द्वै घर घट या भांति ।। द्वै द्वै आदि धाम हें जेइ अेक अंक सों भरतु तेइ ।। ३० ।। त्रतिय आदि घर जेहे रहे चारु जोग० ।। संति उग्रह उपरकी आवली जवची चारु जोग सो ते उखची ।। ३१ ।। जो कछु विशेष रहे तिनमें सो हो कहों ठानि आग्विनमे ।। अंत अंक तब ० छाडि दे नहचे लेकर निज चित्त ।। ३२ ।। द्रतिय आदिजे पंति हे उरधको तिन मांहि सम घर पूरण जब करे अंतही लीजे ताहि ।। ३३ ।। अंत अंतमें के अधहीको अंकु आनि कर जोग ।। मति निध हूं को काजु नहीं कहे सबे कवि लोग ।। ३४ ।। सम आवलमें प्रथमही: हीन द्रुत कहे रूप ।। वहुस्यो सम वादिक कहे: यो द्रुत मेरु अनुप ।। ३५ ।। उरधि पंतिही को कर जोरे लहितू सब संख्याको ओरे ।। ३६ ।। इति द्रुत मेरु ।। कोष्ट.पंति लघु मेरुमें पहले नाइ ठानि ।। एक एक घर जुगतकर एक अंक सो आनि ।।३७।। प्रथम पंक्तिके शेष घर यह विध वहुस्यो लेखि ।। अंति तुर्य्य ओर पष्टको जोगुताहा अत्रि रोखि ।। ३८ ।। ओर शेष जो कोष्ट हे तिनमें धरि ग्रेइ जोग ।विसेस कह्यो योजानिये द्वतिय अध हं संजोग ।। ३९ ।। प्रथम पंतिमें

०						
०	०	१	१			
०	२	२	५	६		
१	१	३	४	६	१४	
१	१	२	२	५	४	१२
[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]

[illegible]

॥ ४० ॥ प्रथमाहिन लघु जानिये बहुस्यों एक बखान बहुस्यों द्रे लघु ठोर लखि तीन आदि पुनि जानि ॥ ४१ ॥ इति लघु मेरु ॥ प्रथमा बलि ते दुसरी गुरु मेदु मैं हीन यह विध आगे रचना कीजे हीन गुरादी रूप लिख लीजे ॥ ४२ ॥ ॥ इति लघु मेरु ॥ इति गुरू मेरू ॥ प्रुत मेरू हूंम किजि ये प्रथम पंति ते घाट पाच धारनि दूरी यगति पुनि पद पद्र तू ठानि ॥ ४३ ॥

१	५	१५							
१	४	१०	२०	३९					
१	३	६१०	१८	३६	३४				
१	२	३	४	७	१२	२१	३४	१०	
१	१	१	२	३	५	७	१०	१४	२१

अंन्य द्रतिय अरु तुर्य को जोग लिखो अधि पंति एक एक अंक ही लिखो पथम घरनि या भंति ॥ ४४ ॥ इति प्रुतमेहु ॥ हरि वल्लभ भाषा रच्यो सव संगीत को सार तामे संपूर्ण भयो येह ताल विस्तार ॥ ४५ ॥

१	३	९	२२							
१	२	५	१०	२०	३८	७३	१६			
१	२	३	५	८	१४	२३	३९	६९	१०९	१८०२

अब तबलाके बोल तथा गत सुक्षम रितीसे लिख हें

गत पंजाबी (धीमा तिताला)

| ऽ
धीं इ म नाड धि न्ना तिं इ ग ता ता तीं इ ग धि इ न्ना तिं इ ग ता ॥
२ ३ ४ ६ ७ ८ १० १२१३१४ १६ १८ २०२१२२ २३ २४ २६ २८२९३० ३२

| ऽ |
धींइन धिनाक धिनागिन धा गिन धिनक तींइन ति ना क तागे त्रक धि
२३४ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १५१७ १८-२०-२१ २३-२४ २५ २६
ना क धि ना क ॥ मोहरा दुगण लयका ॥
२७ २८ २९ ३१ ३२

तागेतुन्ना किटितक ता कि टि कि टि तक तर किटितक ता किटितक ॥

कत ॥ १ ॥ ॥ धागिन धात्रकूड धिनधिन धागेन धात्रकूड, तागेन ता त्रकूड तिन गिन धागेन धा त्रकूड ॥ २ ॥ ॥ धात्रकिटि धा ति टि धिन धिन गिन धात्रकिटि धा तिठ धिना तुनाकत ॥ ३ ॥ ॥ धिनाआऽ धागिन धिन धिन धागिन धात्रकूड तिनाआ ऽ तागिन तिन गिम तागेन ता त्रकड ॥ ४ ॥ ॥ धिन धि धिनक धिन धागे त्रकड तुना कत । तागे त्रकड धिन धि धनक धिन धागे त्रकड ॥ १ ॥ धाआ त्रक धिन धिन२ ताआ त्रक तिन गिन ॥ ७ ॥ ॥ धागिन् धिन्क धिन गिन कत गदीगन: ता गिन तिनक धिन गिन कत् गदीगन ॥ ८ ॥ किड्धक धी धिटि धागे तिटि कत गदीगः किडधक धी किटि तागे तिटि कतगदीगन ॥ ९ ॥ तअ ड्डान ता धिडान धा धा ड्डान धा धा तुन्ना किटितक नग तरकिटि तक तकतरकिटितक ड्डान धा धा तुन्ना किटितक ॥ १० ॥ ॥

तोडा ॥ तअ् तता किटितक २ धीड् धीधा किटितक तरकिटितक धरकिटितक धीन् ॥ १ ॥ ॥ धीन् धीन तिटि तिटि तागे तिटि धी धी तिटि धात्रक धी किटा: कतीटी धी धीनाग धीधीत्रकिड तक धा० २ ॥ २ ॥ धीट२ धा कृत२ तधी त्रतिटि कृतक धी किटि धीडनग धातीन् नानन नट तक दिंगन ताके त्रक तिन गिन तीट्ट तीट धागेत्रक धिन धिन गिन ॥ ३ ॥ ॥ तिरकिटितअः तिट २ किटधन्ना नानाना धीडनग तरकिटितक धरकिटितक धा ॥ ४ ॥ ॥ तिटी धी धीनाडा धी धी थुंन ताआः धित्रकडतकधा३ ॥ ५ ॥ ॥

गत परण

धाःधिडाम धिन धिधिनक दिडतक धात्रकिटि धीकिटि धिडनग धिन गदीगनः नगन२ नग तक तकः तिन २ धात्र किड धीतीटी धिडनग धिन गदीगन धा ॥ १ ॥ ॥ धीडनग तिट धिडाणः धिडनम धिन धागिन धिडनः धिडनग धिन तुंना कतः तिनागिनकत तिना तुनाकत धागे तिठि धीडाण धगनगधड धगनग धड धा । २ ॥ ॥ धीडनग तिटि किटि धिडनग दीनतकः तिट धिडनग२ दीनतक तिनाक धा धा धीडनग तिनक धीटि तिटि तिटि तिटि धिडनग दीनतक ।

किडनग तिटि किटि किडनग दिन्तकः तिटि धिडनक२ दिन्तक धीनअ् धाड धा धिडनग दिडतक धिटि तिटि तिटि तिटि धिडनग दिन्तक ॥ ३ ॥ ॥ चारधा का मोहरा ॥ धा । किटितकत्तअ् तिंना किटितक धात्ती धा । किटितक तअ् तिंना किटितक धात्तीधा ॥ १४ ॥ ॥

गत परण आडी लेकी

धाअ् धिनक तकिटि धिनक धाक्रिट्तिक धीकिटि धिन गदीगनः नगन२ तकिटि धिनक धाक्रिट्तिक धीकिटि धिन गदीगन ॥ इसकी दुण करने से तिगुण लय होती हैं

धा ऽँ ना ऽँ धाक्रिट्तक धीकिटि धाक्रिटतक धी किटितक धदीगनः धकिटि किटि किटि किटि किटि किटि तक धदीगन२ ॥ इत्यादि ॥

(चलत)

क्डि धा तीड धाड धातीन् नाक् किड ता ती धाड धातीन् नाक् । धाअ् धिन् धिन् ता धिनता तक तिन गिन धिन गिन कत गदीगन ॥ धिकित धाक नाडा धिकिती ताक नाडा । धुग्डतक धिन् धिनाना धुग्ड तक तीन् तिनाना धी कीत धाक नाडाः धि धिनाडा२ तिकित धाक नाडाः धी धी नाडा२ । धिधनाडा४ किकिनाडा४ धिधनाडा ॥ धागे तिटिः तागे तिटिः तागेतिटि २ धागेतिटि तागे तिटि ॥ तिताला ॥ धी क्रिट्तिक् धिन्ना क्रिट्तिक् धिन्धिन् ना ती क्रिट्तिक् तिनना क्रिट्तिक् धिन धिनना ॥ धाः धिन्० धाधा धिन्० धाधा तिन्० ताता धिन्० धाधाः ॥ २ ॥ ॥ धाकः धाधीनाना तिन् ताक ता धी नाना धिन् धाक ॥ ३ ॥ ॥ कव्वाली धाः धीक धीन्ना धीक धिन्ना तरकिटितक धा ॥ ४ ॥ ॥ तिकीतं धाः धीना२ तुनाक ताः तिना२ तुनाक ॥ ५ ॥ ॥ धाती दिध्धा धा तींना ताति दिध्धा धातीन्ना ॥ ६ ॥ ॥ धिन् नांगिना धिन्ना किटितक तिन् नांगिना धिन्ना किटितक ॥ ७ ॥ धाती धाक धातीनाक ताती धाक धाती नाक ॥ ८ ॥ धा धीन् धाधा तीन् तिन तातीन धाधा तिन तिन ॥ ९ ॥ ॥ धागे धिन्२ तागे तिन धागे धिन ॥ १० ॥ ॥